सूर्योदय 6:43 सूर्यास्त 6:22

आज का तापमान

शिमला	6.2 न्यू	12.0 अधि
धर्मशाला	4.2 न्यू	18.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	73085.94
निफ्टी	22119.30
सोना	86,670
चांदी	98,746

www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

पृष्ठ 14 पर

आरएनआई नं. HPHIN01099 | कांगड़ा | मंगलवार, 4 मार्च 2025 | 21 फाल्गुन, विक्रमी संवत 2081 | वर्ष 2, अंक 65, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | follow us on: | 8894521702

हिमाचल के नगर निकायों में भरे जाएंगे 145 पद

मंत्रिमंडल के फैसले: राज्यपाल के अभिभाषण के प्रारूप को मंजूरी

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक हुई। बैठक में डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री के अलावा सभी मंत्री मौजूद रहे।

मंत्रिमंडल ने आगामी विधानसभा के बजट सत्र में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट 2023-24 को प्रस्तुत करने की स्वीकृति प्रदान की। बैठक में 10 मार्च 2025 को हिमाचल प्रदेश विधानसभा के आठवें सत्र के शुभारंभ पर राज्यपाल के अभिभाषण के प्रारूप को भी मंजूरी प्रदान की गई।

कैग की रिपोर्ट 2023-24 को बजट सत्र में प्रस्तुत करने की स्वीकृति

वहीं, विधानसभा के बजट सत्र पर विस्तार से प्रकाश डाला गया और इस दौरान सरकार की क्या रणनीति रहने वाली है, इस पर भी व्यापक रूप से विचार-विमर्श किया गया। मंत्रिमंडल ने सर्व सम्मति से विभिन्न श्रेणियों के 145 पदों को सृजित कर उन्हें भरने का निर्णय लिया। नए स्तरोन्नत नगर निगमों में 66 पद, नगर परिषदों में 3 पद, नव सृजित नगर पंचायतों में 70 पद और शहरी विकास विभाग के निदेशालय में 6 पद भरे जाएंगे। मंत्रिमंडल ने शिमला स्थित अटल सुपर स्पेशियलिटी मेडिकल संस्थान, चमियाणा में गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी विभाग के लिए दो वरिष्ठ रेजिडेंट चिकित्सकों के पद सृजित कर भरने की भी मंजूरी दी। (अनंत ज्ञान)

पारंपरिक कत्था भट्ठियों को किया जाएगा परिवर्तित

मंत्रिमंडल ने पारंपरिक कत्था भट्ठियों को आईबीआर बायलर युक्त कत्था भट्ठियों में परिवर्तित करने की स्वीकृति प्रदान की। अब इन्हें राज्य के मुख्य बायलर निरीक्षक के पास अनिवार्य रूप से पंजीकृत करवाना होगा। आईबीआर बायलर के माध्यम से खैर की लकड़ी (छाल सहित) को पूरे वर्ष में 5435 से 7500 क्विंटल की सीमा में संसाधित करने की अनुमति प्रदान की गई।

हिमाचल की चोटियों पर फिर बर्फबारी

शिमला में भी गिरे फाहे, प्रदेशभर में शीतलहर से बढ़ी मुश्किलें

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल प्रदेश में दो दिन साफ रहने के बाद मौसम फिर बिगड़ गया है। ऑरेंज अलर्ट के बीच सोमवार सुबह से रोहतांग सहित ऊंचाई वाले क्षेत्रों में रुक-रुककर बर्फबारी जारी है, जबकि अन्य कई क्षेत्रों में बारिश हो रही है।

अभी भी कई सड़कें और ट्रांसफार्मर ठप

राजधानी शिमला में भी मौसम खराब बना हुआ है। भारी बारिश और बर्फबारी से जिला चंबा के पांगी व जिला लाहौल-स्पीति में सड़कों व रास्तों को भारी क्षति पहुंची है, जिससे परीक्षाओं को स्थगित करने का निर्णय लिया है। अटल टनल रोहतांग जो कुछ समय से बंद पड़ी थी और उसे खोलने का काम चल रहा था। वहां पर भी ताजा बर्फबारी होने से एक बार फिर यह महत्वपूर्ण मार्ग बंद हो गया है। शिमला में भी बर्फ के फाहे गिरे और उसके बाद पूरा दिन मौसम शुष्क बना रहा। आसमान में बादल छाए रहे। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि शिमला जिले के तमाम मुख्य संपर्क मार्ग सुचारु रूप से यातायात के लिए खुले हैं और इन मार्गों पर सभी तरह के छोटे-बड़े वाहनों की आवाजाही जारी है। सूबे में अभी भी 200 से अधिक सड़कें बंद हैं, जबकि कुल्लू और लाहौल में करीब 800 बिजली के ट्रांसफार्मर ठप हैं। रोहतांग दर्रा सहित ऊंची चोटियों, लाहौल के रिहायशी क्षेत्रों में हिमपात जारी है, जबकि कुल्लू में बारिश दर्ज की गई है। कुल्लू और लाहौल-स्पीति जिले में अभी 800 बिजली के ट्रांसफार्मर बहाल नहीं हुए हैं।

आज भी खराब रहेगा मौसम

मौसम विभाग ने प्रदेशभर में 4 मार्च को बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भारी बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश के साथ ओलावृष्टि हो सकती है। पांच मार्च से मौसम साफ होने की उम्मीद है और आठ मार्च तक पूरे प्रदेश में धूप खिली रहेगी। 9 मार्च से फिर मौसम बिगड़ सकता है और कुछ क्षेत्रों में बर्फबारी के आसार हैं। इस बीच मौसम विभाग की चेतावनी के मद्देनजर प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। पर्यटकों को ऊंचाई वाले इलाकों में यात्रा करने से बचने की सलाह दी गई है।

न्यूज शॉर्ट्स

सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़ी याचिका पर केंद्र को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2009 के कुछ नियमों को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा है। कोर्ट ने कहा कि केंद्र 6 हफ्ते के भीतर जवाब दाखिल करे। दरअसल, सॉफ्टवेयर फ्रीडम लॉ सेंटर की दायर याचिका में कहा कि 'एक्स' जैसे प्लेटफॉर्म से सूचना हटाने से पहले इसके सोर्स (जिसने सूचना शेयर की है) को नोटिस दिया जाना चाहिए।

पूर्व सेबी प्रमुख माधबी बुच पहुंचीं हाईकोर्ट, सुनवाई आज

नई दिल्ली। सेबी की पूर्व चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश से जुड़े मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट में मंगलवार को सुनवाई होगी। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) तब तक विशेष अदालत के आदेश पर कार्रवाई नहीं करेगा। मुंबई के स्पेशल एंटी-करप्शन कोर्ट ने एक मार्च को शेयर फ्रॉड से जुड़े मामले में माधबी बुच व पांच अन्य लोगों पर एफआईआर दर्ज का आदेश दिया था। सपन ने स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी की लिस्टिंग में बड़े पैमाने पर फाइनेंशियल फ्रॉड और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है।

इलाहाबादिया को 'द रणवीर शो' के प्रसारण की अनुमति

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने यू-ट्यूबर और पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया को इंडियाज गॉट लेटेंट में की गई अश्लील टिप्पणियों के मामले में राहत प्रदान की है। सुप्रीम कोर्ट ने रणवीर इलाहाबादिया को 'द रणवीर शो' फिर से शुरू करने की अनुमति दे दी है, बशर्ते कि वह यह वचन दें कि उनके पॉडकास्ट शो नैतिकता और शालीनता के वांछित मानकों को बनाए रखेंगे, ताकि किसी भी आयु वर्ग के दर्शक इसे देख सकें।

अंदर के पन्नों पर पढ़ें

- श्याम लाल बने एससी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष -पेज 2
- भाजपा ने की प्रदेश में 169 मंडलों के गठन की घोषणा -पेज 3
- 31 मार्च के बाद कमर्शियल गाड़ियों को नहीं मिलेगी टैक्स में कोई छूट -पेज 12
- ट्रंप ने लगाई रूस के खिलाफ साइबर ऑपरेशन पर रोक -पेज 13
- ऑस्ट्रेलिया से 14 साल का हिसाब चुकाने उतरेगा भारत -पेज 14

निदेशालयों के पुनर्गठन को लेकर सरकार ने कसी कमर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल सरकार ने शिक्षा निदेशालयों के पुनर्गठन को लेकर कमर कस ली है। निदेशालयों के पुनर्गठन से शिक्षक क्षेत्र में व्यापक सुधार की रूपरेखा बनाई जा रही है। इसमें शिक्षकों के हितों का भी ख्याल रखा जा रहा है।

पुनर्गठन में शिक्षकों की पदोन्नति प्रभावित नहीं होगी

ऐसे शिक्षकों की पदोन्नति में भी कोई बाधा नहीं आएगी, बाकायदा शिक्षा विभाग के प्रस्तावित निदेशालयों के पुनर्गठन से किसी भी अध्यापक के प्रमोशन अवसरों को नहीं रोकने का निर्णय लिया है। गौरतलब है कि राज्य सरकार शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के प्रयास कर रही है और इसी दिशा में निरंतर कदम उठाए जा रहे हैं। शिक्षा की आधुनिक तकनीक का सहारा लेकर बच्चों को आगे बढ़ने का काम भी किया जा रहा है, उन्हें विदेशी दौरे करवाकर उनके ज्ञान में इजाफा किया जा रहा है। सरकार गांवों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

शिक्षकों के हितों का भी रखा जाएगा ख्याल

प्रस्तावित शिक्षा निदेशालयों के पुनर्गठन में विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी शिक्षकों के हितों का ख्याल रखा जाएगा, ताकि उनके हित प्रभावित न हों। प्रदेश में कार्यरत सभी अध्यापक गुणात्मक शिक्षा उपलब्ध करवाने में शिक्षा विभाग के लिए रीढ़ की हड्डी हैं और सभी के सहयोग से शिक्षा विभाग में सकारात्मक बदलाव संभव है।

वहीं, शिक्षा विभाग शिक्षकों की उचित मांगों पर विचार कर रहा है और प्रभावी कार्रवाई भी की जाएगी।

मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी से निकाला

उत्तर प्रदेश। बसपा प्रमुख मायावती ने सोमवार को अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी से निकाल दिया। उन्होंने कहा कि आकाश को पश्चाताप करके अपनी परिपक्वता दिखानी थी, लेकिन आकाश ने जो प्रतिक्रिया दी, वह राजनीतिक मैच्योरिटी नहीं है। वह अपने ससुर के प्रभाव में स्वार्थी, अहंकारी हो गया है। बसपा सुप्रीमो ने एक दिन पहले ही आकाश को पार्टी के सभी पदों से हटाया था और कहा था कि वे उनके उत्तराधिकारी नहीं हैं। उन्होंने कहा था कि मेरे जीते-जी और आखिरी सांस तक पार्टी में मेरा कोई उत्तराधिकारी नहीं होगा। मेरे लिए पार्टी और आंदोलन सबसे पहले हैं, परिवार और रिश्ते बाद में आते हैं। जब तक मैं जीवित रहूंगी, तब तक पूरी ईमानदारी से पार्टी को आगे बढ़ाती रहूंगी। आकाश ने बसपा के सभी पदों से हटाए जाने के बाद कहा था कि बहनजी का हर फैसला मेरे लिए पत्थर की लकीर के जैसा है। मैं उनके हर फैसले का सम्मान करता हूं। उनके हर फैसले के साथ खड़ा हूं। परीक्षा कठिन और लड़ाई लंबी है। बहुजन मिशन और मूवमेंट के एक सच्चे कार्यकर्ता की तरह मैं पार्टी और मिशन के लिए पूरी निष्ठा से काम करता रहूंगा।

एनआईटी हमीरपुर में बरेली के छात्र ने की खुदखुशी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर

हमीरपुर स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) में उत्तर प्रदेश के बरेली के एमटेक स्टूडेंट ने हिमगिरी हॉस्टल में पंखे से रस्सी का फंदा लगाकर खुदखुशी कर ली।

पुलिस, फॉरेंसिक टीम के साथ जांच में जुट गई है। अयान शर्मा इलेक्ट्रॉनिक में बीटेक करने के बाद अब सुपर ईयर में एमटेक कर रहा था। माता-पिता उसे फोन कर रहे थे, तो फोन पर कोई रिस्पांस नहीं मिलने की वजह से उन्होंने उसके किसी दोस्त को फोन किया। इसकी जानकारी संस्थान को दी गई। अयान का कमरा लॉक था। इसके बाद पुलिस को बुलाया गया। जब दरवाजे को तोड़कर अंदर देखा तो उसका शव पंखे से लटक रहा था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, फॉरेंसिक टीम साक्ष्य जुटाए। घटनास्थल से सुसाइड नोट भी मिला है। एसपी भगत सिंह ठाकुर ने बताया कि सुसाइड नोट में लिखा है कि वह जिंदगी से परेशान है। इसका किसी को दोष नहीं है। संस्थान के डायरेक्टर एचएल सूर्यवंशी का कहना है कि वह किसी काम से दिल्ली आए हुए हैं, लेकिन जो हुआ है वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उक्त स्टूडेंट पढ़ने में बहुत अच्छा था और ऐसा उसने क्यों किया? अब जांच से ही पता चलेगा।

वहीं, संस्थान की रजिस्टर अर्चना नैनोटी का कहना है कि सूचना मिलते ही पुलिस को जानकारी दे दी गई थी। पुलिस ने मौके पर आकर जांच की है। इस स्टूडेंट के मामले को लेकर कभी कोई भी ऐसी बात भी सामने नहीं आई। अब जांच पूरी होने के बाद ही पता चल पाएगा कि ऐसा कदम क्यों उठाया है।

इल्मा अफरोज को एसपी बद्दी लगाने वाली याचिका खारिज

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल हाईकोर्ट ने आईपीएस इल्मा अफरोज को बद्दी में एसपी लगाने वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया है।

हाईकोर्ट ने ट्रांसफर से स्टे हटाया

शिमला पुलिस मुख्यालय में है तैनात

न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान और न्यायाधीश सुशील कुकरेजा की बैंच ने इल्मा की ट्रांसफर पर लगाए बैन को भी हटा दिया है। अब राज्य सरकार इल्मा अफरोज का दूसरी जगह तबादला कर पाएगी। लंबी छुट्टी से लौटने के बाद से इल्मा अफरोज पुलिस मुख्यालय शिमला में तैनात हैं। वहीं, हाईकोर्ट ने 10 जनवरी की सुनवाई के दौरान इल्मा को लेकर यथास्थिति बनाए रखने के आदेश दिए थे। 9 सितंबर, 2024 को न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने भी एक आपराधिक मामले की जांच में इल्मा अफरोज पर भरोसा जताया था और न्यायालय की अनुमति के बिना उनके तबादले पर रोक लगाई थी। अब यह रोक हट गई है।

दिल्ली की महिलाओं को जल्द मिलेंगे 2500 रुपए

नई दिल्ली। दिल्ली में बनी भाजपा की नई सरकार आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं को जल्द ही 2,500 प्रति माह की आर्थिक सहायता प्रदान करने जा रही है। इसके लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के दिन यानी 8 मार्च से शुरू होगी। इस संबंध में जानकारी भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने रविवार को दी। गौरतलब है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने अपने घोषणापत्र में महिला समृद्धि योजना के तहत यह सहायता देने का वादा किया था। अब इस योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू होने जा रही है, जिससे जरूरतमंद महिलाओं को वित्तीय लाभ मिल सकेगा।

दृष्टिबाधित भी न्यायिक सेवाओं के हकदार

सुप्रीम कोर्ट ने दी व्यवस्था, कहा- नहीं किया जा सकता किसी प्रकार का भेदभाव

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा कि दृष्टिबाधित व्यक्तियों को न्यायिक सेवाओं में रोजगार के अवसर से वंचित नहीं किया जा सकता।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने पिछले साल तीन दिसंबर को कुछ राज्यों में न्यायिक सेवाओं में दृष्टिबाधित व्यक्तियों को आरक्षण न दिए जाने को लेकर स्वत: संज्ञान वाले एक मामले सहित छह याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। न्यायमूर्ति महादेवन ने फैसला सुनाते हुए कहा कि न्यायिक सेवा में भर्ती के दौरान दिव्यांगजन के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए और सरकार को समावेशी ढांचा सुनिश्चित करने के लिए उनके लिए सकारात्मक कदम उठाने चाहिएं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चाहे वह 'कटऑफ' के माध्यम से हो या प्रक्रियात्मक बाधाओं के कारण। किसी भी प्रकार के ऐसे अप्रत्यक्ष भेदभाव में हस्तक्षेप किया जाना चाहिए, जिसके परिणामस्वरूप दिव्यांगजन को अवसर से वंचित रखा जाता हो, ताकि मौलिक समानता बरकरार रखी जा सके।

कोर्ट ने फैसले में कहा गया कि किसी भी उम्मीदवार को केवल उसके दिव्यांग होने के कारण अवसर से वंचित नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सेवा परीक्षा (भर्ती एवं सेवा शर्तें) नियम 1994 के उन कुछ नियमों को भी रद्द कर दिया, जिसके तहत दृष्टिबाधित और अल्प दृष्टि वाले उम्मीदवारों को न्यायिक सेवा में प्रवेश से रोका गया था। ये याचिकाएं मध्य प्रदेश नियमावली के नियम 6ए और सात की वैधता से संबंधित थीं।

जयपुर पुलिस ने किया महाकुंभ वाले आईआईटी बाबा को अरेस्ट

एजेंसी, जयपुर

महाकुंभ से चर्चा में आए आईआईटी बाबा अभय सिंह को जयपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस को उसके पास से गांजा और अन्य नशीले पदार्थ मिले हैं।

गांजा और अन्य नशीली चीजें मिलीं

दरअसल अभय सिंह ने सोशल मीडिया पर सुसाइड करने की धमकी दी थी। पुलिस ने उसकी लोकेशन ट्रेस करके जयपुर के एक होटल से उसे पकड़ा और शिप्रापथ थाने ले आई। इस मामले पर आईआईटी बाबा का कहना है कि मेरे पास थोड़ा सा प्रसाद (गांजा) मिला है। किसी ने बोल दिया था बाबा सुसाइड करने वाले हैं। कोई अजीब से केस का बहाना लेकर आए थे। मैंने उनसे कहा अब इस प्रसाद पर केस करोगे तो कुंभ में इतने सारे लोग पीते हैं, सभी को गिरफ्तार करो। भारत के अंदर तो ये अंडरस्टुड है। एनडीपीएस की एफआईआर दर्ज की है।

तैयारी आसान नहीं प्राइवेट स्कूलों की डगर, छापेमारी को तैयार हो रहा विभाग का अमला

'डम्मी एडमिशन' कल्चर पर शिक्षा विभाग की पैनी नजर

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर

अनंत ज्ञान एक्सक्लूसिव

हिमाचल की स्कूली शिक्षा की व्यवस्था में 'डम्मी एडमिशन' का कल्चर बड़े स्तर पर फल-फूल रहा है, लेकिन इस पर लगाम लगाने के लिए न तो शिक्षा विभाग का अमला सक्रिय है और न ही सरकारें अंकुश लगा पाई हैं।

हालांकि, इस बार इस बार कुछ हटकर होने वाला है। ऐसे दाखिलों को खोजने के लिए छापेमारी होगी और जो स्कूल 'डम्मी एडमिशन' के दायरे में पकड़े जाएंगे। इनके खिलाफ इस बार कड़ी कार्रवाई की उम्मीद जताई जा रही है। विभाग इस पर काम कर रहा है, क्योंकि ऐसे दाखिलों के दौर को शुरू होने में तकरीबन एक माह का समय शेष है, लेकिन अभिभाविकों के साथ-साथ जो निजी स्कूल इस व्यवस्था को अंजाम देते हैं, उनकी तनबुन भी शुरू हो चुकी है।

हमीरपुर शिक्षा का हब माना जाता है, लेकिन 'डम्मी एडमिशन' का यह दौर केवल हमीरपुर में ही नहीं, बल्कि प्रदेश के सभी क्षेत्रों में इसका बोलबाला है। लाखों का यह धंधा खूब फल-फूल रहा है। इसमें स्टूडेंट्स को कितना फायदा होगा? यह विषय तो अलग है, लेकिन सिस्टम को 'ठेंगे' पर रखकर निजी स्कूल जिस बड़ी बेसब्री से इन दाखिलों का इंतजार करते हैं, उसमें उन्हें मोटी कमाई भी रहती है। डिप्टी डायरेक्टर माहीराम चौहान का कहना है कि सरकार ने सुझाव मांगे थे और उन्हें भेज दिया है। वहीं, डाइट के प्रिंसिपल और इंस्पेक्शन का जिम्मा संभाले नवीन शर्मा का कहना है कि सरकार काम कर रही है, सुझाव मांगे थे। इस बाबत एक बैठक भी हो चुकी है। उम्मीद यही है कि आने वाले दिनों में इस पर निश्चित रूप में शिकंजा कसेगा। (अनंत ज्ञान)

'डम्मी एडमिशन' को लेकर सुर्खियां बटोर रहे स्कूल

हमीरपुर में कुछ स्कूलों को छोड़कर ज्यादातर स्कूल 'डम्मी एडमिशन' को लेकर अच्छी खासी सुर्खियां बटोर रहे हैं। कई कोचिंग सेंटर के साथ भी उनका टाइअप है यानी जमा एक या जमा दो के स्टूडेंट्स दाखिला तो प्राइवेट स्कूल में लेंगे, लेकिन उनकी क्लासेस कोचिंग सेंटरों में लगेंगी। ऐसा पिछले कई सालों से हो रहा है और इसमें सैकड़ों स्टूडेंट्स इस डम्मी दाखिले का फायदा उठा रहे हैं, लेकिन कोई भी अधिकारी संबंधित स्कूलों में जाकर छापेमारी नहीं करता, जिससे यह पता चल सके कि कक्षाओं से इतनी बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स कहां गायब होते हैं।

सरकार ने मांगे हैं सुझाव

सूत्रों के मुताबिक, प्रदेश सरकार ने इस बार ऐसे दाखिलों पर अंकुश लगाने के लिए सभी जिलों के डिप्टी डायरेक्टर्स और अन्य महत्वपूर्ण अधिकारियों से सुझाव मांगे हैं। उम्मीद है कि हर एक जिले में डिप्टी डायरेक्टर सेकेंडरी के नेतृत्व में टीमें गठित होंगी, जो स्कूलों का दौरा कर ऐसे दाखिलों का भांडा फोड़ेंगी। इस पर काम चल रहा है। इस महीने के अंत तक यह कार्रवाई मुकम्मल होने की उम्मीद है।

भारत और बेल्जियम करेंगे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत

एजेंसी, नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को नई दिल्ली में बेल्जियम की राजकुमारी एस्ट्रिड और रक्षा मंत्री थियो फ्रेंकेन से मुलाकात की।

रक्षा मंत्री ने भारत के रक्षा क्षेत्र में बेल्जियम के निवेश का स्वागत करते हुए अपनी कंपनियों का विस्तार करके भारतीय विक्रेताओं को अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया। दोनों देश द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए संस्थागत रक्षा सहयोग तंत्र की खोज करने पर सहमत हुए। बैठक में दोनों पक्षों ने इंडो-पैसिफिक, विशेष रूप से समुद्री क्षेत्र में रक्षा जुड़ाव की संभावना पर चर्चा की। उन्होंने दोनों देशों के बीच रक्षा औद्योगिक सहयोग बढ़ाने के तरीकों और साधनों पर भी चर्चा की। रक्षा मंत्री ने रक्षा क्षेत्र में बेल्जियम के निवेश का स्वागत किया। उन्होंने सुझाव दिया कि बेल्जियम की कंपनियां भारत में अपने पदचिह्न का विस्तार करके और भारतीय विक्रेताओं को अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में एकीकृत करके महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इसके अलावा दोनों देश एक संस्थागत रक्षा सहयोग तंत्र का पता लगाने पर सहमत हुए।

बेल्जियम की राजकुमारी एस्ट्रिड और रक्षा मंत्री थियो फ्रेंकेन से मिलते रक्षा मंत्री राजनाथ।

न्यूज ब्रीफ

सांस्कृतिक संध्याओं के लिए निविदाएं अब 6 को

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। राष्ट्र स्तरीय होली उत्सव सुजानपुर-2025 की सांस्कृतिक संध्याओं के लिए स्टार कलाकारों, मेन आर्केस्ट्रा, लाइट एंड साउंड की निविदाएं जमा करवाने की अवधि दो दिन बढ़ाकर 6 मार्च सुबह साढ़े दस बजे तक कर दी गई है। एडीएम राहुल चौहान ने बताया कि अब ये तीनों अलग-अलग निविदाएं 6 मार्च को सुबह साढ़े दस बजे तक प्राप्त की जाएंगी और इसके तुरंत बाद एक-एक करके खोली जाएंगी। पहले इन निविदाओं को जमा करने की अंतिम तिथि 4 मार्च निर्धारित की गई थी, लेकिन, अपरिहार्य कारणों से इनकी अवधि 6 मार्च तक बढ़ा दी गई है। इन निविदाओं के नियम एवं अन्य शर्तें यथावत रहेंगी।

डिडवीं टिक्कर और अन्य गांवों में आज बिजली बंद

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। विद्युत उपमंडल लंबलू के अंतर्गत विद्युत अनुभाग भिड़ा और टिक्कर में 4 मार्च को लाइनों की आवश्यक मरम्मत के चलते गांव हलाणा, कोहली, डोडरू, जोल कसीरी, धरोग, साई, कैहडरू, समराला, टिक्कर, उझाण, धरनासी, डिडवीं, चौकी कनकरी और आसपास के गांवों में सुबह 9 से सायं 5 बजे तक बिजली बंद रहेगी। एसडीओ ज्ञान चंद भाटिया ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है।

7 को बिजली बंद रहने पर मांगा सहयोग

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। विद्युत उपमंडल कक्कड़ में 7 मार्च को लाइनों की आवश्यक मरम्मत के चलते गांव बजरोल, लंबर, ठोलू, पलभू, भठलंबर, रांगड़ेयां दी धार, भराइयां दी धार और आसपास के गांवों में सुबह 9 से सायं 5 बजे तक बिजली बंद रहेगी। एसडीओ अंकुश गुप्ता ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है।

समिति ने बेटी की शादी के लिए की आर्थिक मदद

अनंत ज्ञान, बड़सर। सनातन सेवा समिति बड़सर द्वारा अति निर्धन परिवार से ताल्लुक रखने वाले अशोक कुमार की बेटी की शादी के लिए 5600 रुपए की आर्थिक मदद की है। सनातन शिव समिति के अध्यक्ष वरिंद्र शर्मा ने बताया की अशोक कुमार रोपडू से संबंध रखने वाला है तथा बहुत ही गरीब होने पर सनातन सेवा समिति ने उनकी बेटी की शादी के लिए आर्थिक मदद की है। इस अवसर पर सभा के उपाध्यक्ष अमृतलाल, सदस्य देवराज, लखनपाल, बलवंत सिंह, सुखदेव, राजकुमार बिज, रतन चंद चांगरा, देशराज दतयाल इत्यादि उपस्थित रहे।

भोरंज कॉलेज में 7 और 8 मार्च को होगा कार्यक्रम

अनंत ज्ञान, भोरंज। राजकीय महाविद्यालय भोरंज में सीएस सीए 'उमंग' सांस्कृतिक समारोह 7 मार्च को तथा वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह 8 मार्च को 11 बजे 2025 महाविद्यालय के प्रांगण में आयोजित किया जा रहा है। वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में भोरंज विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुरेश कुमार मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करेंगे। पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की सूची व्हाट्सऐप ग्रुप तथा सहाविद्यालय के सूचना पट्ट पर चस्पा की गई है। सत्र 2023-2024 में पास हुए अंतिम वर्ष के छात्र सूची में अपना नाम देख कर समारोह में अवश्य भाग लें। यह जानकारी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विजय ठाकुर ने दी।

स्वच्छ शहर समृद्ध शहर अभियान के तहत की सफाई

अनंत ज्ञान, भोटा। स्वच्छ शहर समृद्ध शहर अभियान के तहत नगर पचांयत भोटा के वार्ड नं. सात मे समाधान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें सहायता समूह के सदस्यो व वार्ड नं. सात के अन्य लोगो सिटीजन सेवा पोर्टल व कूड़े को अलग अलग करने के बारे मे विस्तृत जानकारी दी गई। कनिष्ठ अभियन्ता संजय कुमार पठानिया द्वारा लोगों को गीले व सूखे कूड़े को अलग-अलग रूप मे देने को कहा ताकि नगर पचांयत भोटा को स्वच्छ व समृद्धबनाया जा सके। इस शिविर मे लोगों से कूड़े से संबंधित समस्याओं के बारे मे पूछा और साथ-साथ उनका निपटारा भी किया गया। उन्होने कहा कि कूड़े की व्यवस्था को लेकर पूरे भारत वर्ष मे मुहिम छेड़ी गई है, जिसमें हर व्यक्ति व नागरिक का योगदान बहुत जरूरी है, जिसके बिना किसी भी कार्य मे सफलता हासिल नही की जा सकती। नगर पचांयत भोटा की सामुदायिक समन्वयक रजनी चंदेल ने लोगो से आग्रह किया कि भोटा शहर को साफ -सुधरा बनाए रख़ने के लिए हर एक नागरिक का सहयोग देना बहुत जरूरी है। इस मौके पर वार्ड की पर्षाद वीना देवी, उपाध्यक्ष सजय धीमान स्वय सहायता समूह की प्रधान पुनम दत्याल, सचिव उषा देवी ने अपना पूर्ण सहयोग दिया। नगर पचांयत कार्यलय से कमल डोगरा, कनिष्ठ सहायक आशीष ढडबाल, अरुण शर्मा, रजनी चंदेल, श्रेय व वार्ड मे काम करने वाले सफाई सेवक मौजूद रहे।

फर्स्ट एड कैंप में स्टूडेंट्स को दी विभिन्न जानकारियां

सुनील कुमार, हमीरपुर। त्रिशा कॉलेज ऑफ एजूकेशन में बीएमओ नादौन कमल किशोर शर्मा के सौजन्य व कॉलेज अध्यक्ष एनके शर्मा के मार्गदर्शन से फर्स्ट ऐड से संबंधित कैंप का आयोजन किया गया। इसमें बीएमओ नादौन कमल किशोर शर्मा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। रिसोर्स पर्सन के रूप में कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर आरती कपूर और दीक्षा शर्मा रहे। फर्स्ट एड वर्कशॉप में आपातकाल में किसी की मदद करने के लिए जरूरी कौशल बताए। इसमें सीपीआर का उपचार तथा जलने का उपचार, चिकित्सा किट का इस्तेमाल करना जैसे चीजें बताई गई। यह चिकित्सा सहायता एंबुलेंस के आने से पहले तक किसी व्यक्ति की जान बचाने में मदद करते हैं। प्राथमिक चिकित्सा में दर्द और पीड़ा को कम करने में मदद मिलती है। शर्मा ने कहा की प्राथमिक चिकित्सा के जरिए पीड़ित के आराम को बनाए रखा जाता है और उसे जल्द से जल्द नियमित चिकित्सा देखभाल तक पहुंचने में मदद मिलती है। कॉलेज अध्यक्ष एनके शर्मा ने बीएमओ नादौन कमल किशोर शर्मा को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस वर्कशॉप में कॉलेज के कार्यकारी प्राचार्या पूनम भारद्वाज, स्टाफ सदस्य व डीएलएड प्रथम तथा द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षु अध्यापक उपस्थित रहे। (अनंत ज्ञान)

प्रदेश सरकार ने खोले रोजगार के अवसर : सचिन

अनंत ज्ञान, सुजानपुर। सुजानपुर ब्लॉक युवा कांग्रेस अध्यक्ष सचिन ठाकुर ने कहा है कि प्रदेश सरकार द्वारा युवाओं के लिए रोजगार के कई अवसर खोले हैं। सचिन ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू ने अपने कार्यकाल में हर वर्ग का ख्याल रखा है। महिला वर्ग हो, कर्मचारी वर्ग हो, रिटायर पेंशनर हों, बेरोजगार युवा वर्ग हो सबके लिए सरकार द्वारा नई योजनाएं लाई गई हैं।

हथली खड्ड योजना तीन दिन से ठप

फिल्ट्रेशन न होने से लोगों को नहीं मिल पा रहा पीने का पानी

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर

हथली खड्ड योजना पिछले तीन दिन से ठप है, जिस कारण बड़े इलाके में पानी की दिक्कत लोगों को झेलनी पड़ रही है। सोमवार शाम के समय इस योजना को चलाने का प्रयास किया गया है, लेकिन अभी भी योजना के पानी में मिट्टी आ रही है, जिस कारण फिल्ट्रेशन सिस्टम खराब न हो, पानी को योजना में नहीं डाला जा रहा है।

विभाग का दावा है कि अब पानी फिल्टर करने योग्य हो गया है और जितनी क्षमता फिल्ट्रेशन के लिए चाहिए है, वह अब नहीं है। इसलिए योजना को चालू किया जा रहा है। मगर जिस वजह से यह योजना प्रभावित हुई है, पिछले तीन दिन से लोगों को पानी नसीब नहीं हुआ, इसका कारण अब पता चला है। बताया जा रहा है कि किसी व्यक्ति ने मकान बनाने के लिए जो कटिंग की है वह लूज मिट्टी खड्ड में जा मिला है। लगातार खड्ड में यह मिलने की वजह से पानी गंदा हुआ है। मिट्टी युक्त आ रहा है, जिस कारण योजना को बंद कर दिया गया था।

कटिंग से खड्ड के पानी में मिली मिट्टी, अब की जा रही है जांच

मेडिकल कॉलेज परिसर, पुलिस लाइन, घनाल गांव के दोनों इलाके अपर और लोअर, आयुर्वेदिक अस्पताल वाले इलाके में मकम्मल तौर पर इस सप्लाई का असर पड़ा है। वार्ड नंबर 11 का पूरा इलाका 3 दिन से पानी की समस्या से जूझ रहा है, क्योंकि उस इलाके में इसी स्कीम से पानी की सप्लाई की जाती है। (अनंत ज्ञान)

समस्या पर किया कंट्रोल : एक्सईएन

हमीरपुर के एक्सईएन राजेश धीमान का कहना है कि हथली योजना को अब शुरू किया जा रहा है, जिस वजह से इस योजना के पानी में गाद मिली है, उसका पता किया जा रहा है। किसी व्यक्ति ने जमीन की कटिंग की, वह मिट्टी खड्ड के किनारे तक चली गई और पानी के साथ मिलती रही। यह सिलसिला चार दिनों से जारी है, लेकिन अब इस पर कंट्रोल किया गया है।

लोगों का हुआ नुकसान

हमीरपुर शहर में भी व्यास नदी से आने वाली जिस योजना की सप्लाई की आती है। उसमें दो दिन पहले मिट्टी युक्त पानी की सप्लाई कर दी गई थी, जिस कारण लोगों का बहुत सारा नुकसान हुआ है, लेकिन विभाग अभी भी यह तय नहीं कर पाया कि किस की वजह से यह गंदे पानी की सप्लाई लोगों के नलों में चली गई। सप्लाई यदि खराब थी, मिट्टी युक्त थी, तो उसे लिफ्ट ही क्यों किया गया। इस पर किसी की जवाबदेही होनी चाहिए थी, उस पर अभी भी सवाल हैं।

चिट्टा रखने और बिना नंबर, लाइसेंस के वाहन चलाने पर दोषी को 6 माह की सजा

18 हजार 250 रुपए जुर्माने की सजा भी सुनाई

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

अपर सत्र न्यायाधीश हमीरपुर सचिन रघु की अदालत ने गुटियाना गांव के एक व्यक्ति को दोषी मानते हुए उसे 6 माह की कैद और 18 हजार 250 रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। अदालत ने बड़सर के गुटियाना गांव के शुभम पटियाल को एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 के तहत 6 महीने की कैद और 10,000 रुपए का जुर्माना, जुर्माना न भरने पर 4 महीने की साधारण कैद की सजा सुनाई है।

वहीं, एमवी एक्ट की धारा 177 के तहत 750 रुपए का जुर्माना, जुर्माना न भरने पर 15 दिन की साधारण कैद और एमवी एक्ट की धारा 181 के तहत 7500 रुपए का जुर्माना, जुर्माना न भरने पर एक महीने की साधारण कैद की सजा सुनाई है। अदालत ने उसे एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की धारा 21 और मोटर वाहन अधिनियम की धारा 177, 181 के तहत अपराध करने के लिए दोषी ठहराया है।

क्या है मामला : मामले के अनुसार 20 अक्तूबर, 2021 को दोपहर लगभग 2.15 बजे डोरकोटी स्थान पर आरोपी शुभम पटियाल से 6.55 ग्राम हेरोइन/चिट्टा बरामद किया गया। वह बिना नंबर प्लेट, हेलमेट और ड्राइविंग लाइसेंस के मोटरसाइकिल चलाता हुआ पाया गया। इस परएनडीपीएस अधिनियम के तहत पुलिस स्टेशन बड़सर, जिला हमीरपुर में पंजीकृत किया गया था और मामले की जांच एचसी सतिंदर नंबर-56 पीएस बड़सर द्वारा की गई थी।

मामले की सुनवाई उपजिला अटॉर्नी राहुल चोपड़ा द्वारा की गई थी और आरोपियों के खिलाफ आरोपों को साबित करने के लिए अभियोजन पक्ष द्वारा 10 गवाहों की जांच की गई थी। साक्ष्य के निष्कर्ष पर और अभियोजन और बचाव पक्ष को सुनने के बाद, एलडी कोर्ट ने आरोपी शुभम पटियाल को एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 और एमवी एक्ट की धारा 177, 181 के तहत दंडनीय अपराध के लिए दोषी ठहराया और सजा सुनाई है।

गहने चोरी मामले में दो तीन गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, नादौन

नादौन शहर में हुई गहनों की चोरी के आरोप में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस की विशेष टीम ने चोरी के अभियोग में सीसीटीवी की मदद से दो महिलाओं सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है तथा उनसे चोरी की गई ज्वेलरी भी बरामद कर ली है। इस मामले में पुलिस ने दो कार चालकों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था।

गत 28 जनवरी को नंद लाल दुकानदार विशाल ज्यूलर्स नादौन ने पुलिस को शिकायत की थी कि दिन के समय उनकी दुकान में दो औरतें आईं और सोने की बालियां और नाक के कडुए मांगने लगीं। उक्त शिकायतकर्ता का बेटा जब दुकान में उनको सोने का सामान दिखाने लगा तो दो व्यक्ति और उनकी दुकान में आए और वे चांदी का सामान दिखाने को बोलने लगे तथा उसको उन्होंने बातों में उलझा दिया। ठीक उसी समय के बीच दोनों औरतों ने शिकायतकर्ता की दुकान से सोने का सामान चुरा लिया। एसपी हमीरपुर भगत सिंह ठाकुर ने बताया कि अभूषण चोरी के आरोप तें पुलिस ने उत्तर प्रदेश के आजाद नगर जिला अमरोहा के जितेंद्र पुत्र, उतराखंड के उद्धम सिंह नगर की 34 वर्षीय सुनीता पत्नी देवेंद्र, राजस्थान के भरपुर की 40 वर्षीय ममता पत्नी धर्मेंद्र , उत्तर प्रदेश के अमरोहा के 45 वर्षीय राकेश कुमार, राकेश कुमार पुत्र मलखान सिंह और उत्तर प्रदेश के ही 34 वर्षीय विशाल पुत्र जगदीश शरण को चोरी के आरोप में नामजद किया था।

दो महिलाओं व एक पुरुष से चोरी के गहने बरामद करके उन्हें गिरफ्तार कर लिया है, जबकि कार चालक पहले ही न्यायिक हिदासत में हैं। एसपी ने बताया कि उपरोक्त आरोपियों द्वारा चोरी करने के लिए दो वाहनों का इस्तेमाल किया था।

एसपी भगत सिंह ठाकुर ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों से पांच टिक्के जनाना, सात मंगल सूत्र, दो गले के लॉकेट व चार जोड़ी कान की बालियां बरामद की हैं। उन्होंने बताया कि सभी आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नादौन की अदालत में पेश किया गया, जहां अदालत ने आरोपियों को 2 दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया है।

नगर परिषद नादौन के अध्यक्ष ने लोगों की अधिकतर समस्याओं का किया निपटारा

अनंत ज्ञान, नादौन

नगर परिषद नादौन ने नादौन शहर के वार्ड नं. 1 व वार्ड नं. 7 में समस्याओं के समाधान के लिए शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें लोगों ने अपनी समस्याएं उठाईं। इस अवसर पर नगर परिषद के सचिव रमन शर्मा, पार्षद सुमन कुमारी व पार्षद अनीता कुमारी, जेई अंशुल कुमार, सेनेटरी सुपरवाइजर अक्षित सोनी, निशांत कुमार, कुलदीप कुमार आदि उपस्थित रहे।

समाधान शिविर में लोगों ने स्ट्रीट लाइटस, सफाई व्यवस्था, आइडल पार्किंग व नालियों की ब्लॉकेज आदि की समस्याएं उठाइं। कुछ लोगों ने आवारा पशुओं से हो रही परेशानी से भी नगर परिषद को अवगत करवाया तथा कहा कि आवारा सांड़ों को पकड़ कर कउ सैंचुरी में भिजवाया जाए। लोगों ने वार्ड नं. 1 में स्थित पानी की बाबड़ी के सौंदार्यीकरण व पानी दूषित न हो, इस बारे जाला लगवाने की भी मांग उठाई । लोगों की समस्याओं की सुनवाई करते हुए नगर परिषद के अध्यक्ष शम्मी सोनी कुछ समस्याओं का मौका पर ही समाधान कर दिया जबकि शेष समस्यओं के समधान के लिए संबधित अधिकारियों व कर्मचारियों को तीन दिनों के भीतर समस्याओं का हल करने के निर्देश दिए।

समाधान शिविर में वार्ड न. 1 की अंजली शर्मा, विजय सोनी,कार्तिक,बाबू राम, सुरेश कुमार आदि लोगों ने समस्याएं उठाईं । शम्मी सोनी ने कहा कि कूड़ा इकत्रित करने वाले वाहन को सूखा-गीता कूड़ा अलग अलग देने का आग्रह किया। यदि पेयजल पाइपों सीवरेज पाइपों की लीकेज आदि का कोई मामला ध्यान में आता है तो उसकी सूचना नगर परिषद को दें ताकि समाधान करवाया जा सके। उन्होंने प्रापर्टी टैक्स व मकानों के निमार्ण आदि बारे भी विस्तार से जानकारी दी।

श्याम लाल बने एससी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष

अनंत ज्ञान, भोरंज। भारत मजदूर किसान संगठन ने बिलासपुर जिले के श्याम लाल को हिमाचल प्रदेश अनुसूचित जाति मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त है। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल ने अपनी नियुक्ति का भोरंज उपमंडल से संबंध रखने वाले संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश भाटिया का आभार प्रकट किया मीडिया से रू-ब-रू होते हुए श्याम लाल ने कहा कि संगठन द्वारा दी गई जिम्मेदारी को बखूबी से निभाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि संगठन के द्वारा दी गई जिम्मेवारी में सरकार और प्रशासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को हर घर तक पहुंचाएंगे और गरीब मजदूर किसान वर्ग को योजनाओं का लाभ दिलवाएंगे। (अनंत ज्ञान)

पूर्व विधायक को मंत्री पद महत्वपूर्ण था न कि विकास : रणजीत

अनंत ज्ञान, सुजानपुर। सुजानपुर विधायक कै. रणजीत सिंह ने पूर्व विधायक पर हमला बोलते हुए कहा कि जो दर्द पूर्व विधायक को सुजानपुर विधानसभा की जनता ने उपचुनावों में दिया था, उस दर्द को आज तक नहीं भूल पा रहे। पूर्व विधायक मंत्री बनने की चाह में अपनी ही सरकार को डुबाने का प्रयास करते रहे, विकास कहां से होना था। पूर्व विधायक के लिए मंत्री पद महत्वपूर्ण था न कि सुजानपुर का विकास।

उन्होंने कहा कि पूर्व विधायक एक ट्रांसफरी नेता थे। उन्हें ट्रांसफर करवाना विकास करवाने से ज्यादा महत्वपूर्ण लगता था। आज जो जो बड़ी बड़ी बाते वह कहते हैं कि हमने यह किया हमने वो किया तो किया तो कहां से किया और वह दिखा क्यों नहीं।अगर पैसा सरकार ने दिया था तो वो उस पैसे को लगा क्यों नहीं पाए ?

नौंहगी क्षेत्र के कई गांवों में तीन दिन से पानी की नहीं हुई सप्लाई

अनंत ज्ञान, नादौन

नादौन की नौंहगी पंचायत में पिछले तीन दिन से लोगों के घरों में लगे जलशक्ति विभाग के नलों में पानी की बूंद तक नहीं टपकी है जिस वजह से लोगों को पीने के पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा है। समाजसेवी एवं नौंहगी पंचायत के उपप्रधान ठाकुर प्रकाश चंद ने बताया कि नौंहगी भूंपल स्कीम के अंतर्गत आने वाले गांव नरयाह, दरकौला, समूंह, कैहरन चौक कथलानी, खैरी-रंगस व कुठियाणा आदि गांवों में पिछले करीब तीन दिन ने पानी की सप्लाई नहीं हो पाई है।

इस वजह से इन करीब आधा दर्जन गांव वासियों को पीने की पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा है। समहूं गांव के नेशनल डेवलपमेंट सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. ओपी शर्मा ने कहा कि उनके गांव के निवासी पीने के पानी की समस्या से परेशान हैं। विशेषकर सीनियर सिटिजनों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रंगस खैरी के विजय अतुल का कहना है रंगस कस्बा में भी पानी की आपूर्ति नहीं हो पा रही है, जिस वजह से लोगों को परेशान होना पड़ रहा है। नौंहगी पंचायत के उपप्रधान प्रकाश चंद ठाकुर, समाजसेवी ओपी शर्मा व विजय अतुल ने विभाग के उच्च अधिकारियों से आग्रह किया है कि पंचायत के जिन गांवों में पानी की आपूर्ति नहीं हो पा रही है, उनमें शीघ्र पानी की सप्लाई बहाल की जाए, ताकि लोगों को पानी की समस्या से निजात मिल सके।

जलशक्ति विभाग के जेई रजन कुमार का कहना है कि सड़क निर्माण के दौरान पाइप लाइन टूटी थी, उसे जोड़ दिया गया है। बारिश के कारण पेयजल उठाउ योजना का पानी मटमैला हो गया था, इसलिए भी समस्या आई है। एक-दो दिन में पानी की सप्लाई सुनिश्चित कर दी जाएगी।

सुजानपुर-टौणी देवी भाजपा मंडल की कार्यकारिणी गठित

अनंत ज्ञान, सुजानपुर

भारतीय जनता पार्टी की सुजानपुर और टौणी देवी मंडल की कार्यकारिणी घोषित कर दी गई है। सुजानपुर में सुजानपुर भाजपा मंडल अध्यक्ष जसवंत सिंह और टौणी देवी मंडल अध्यक्ष विक्रम राणा ने संयुक्त रूप से अपनी कार्यकारिणी की घोषणा की।

सुजानपुर भाजपा मंडल में अंकुश गुप्ता, अंजना ठाकुर और लेखराज ठाकुर को उपाध्यक्ष बनाया गया है, जबकि सुरेश चौहान और सुरेश ठाकुर को महामंत्री बनाया गया है। प्रदीप कुमार, राजेंद्र सिंह, प्रवीन कुमारी, मीना देवी, पूनम डोगरा को सचिव और सुधीर भटनागर को मीडिया प्रभारी बनाया गया है। सुमन गुप्ता को पार्टी प्रवक्ता, प्यार चंद राणा को कार्यालय सचिव, अश्विनी चंदेल को आईटी संयोजक, मनीष को आईटी सहित संयोजक, महादेव को सोशल मीडिया संयोजक जबकि प्रदीप कुमार को सोशल मीडिया सह-संयोजक बनाया गया है।

इसके अलावा अजय कुमार, पवन शर्मा, सुरेश कुमार, सुभाष चंद्र, जसवीर सिंह, रमेश चंद्र, सुमन देवी, राजेंद्र कुंडल, निशांत कुमार, अश्विनी कुमार, चंद धीमान, धनीराम डोगरा, रमेश राणा, अशोक कुमार, कृष्ण चंद्र, सुनील शर्मा, शकुंतला देवी, सुभाष चंद्र, ओमप्रकाश, कुंतल देवी, मेघनाथ शर्मा, सुरेश शर्मा, सरोज कुमारी, विमला देवी, अंजना कुमारी, अंजू बाला को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है।

उधर, टौणी देवी मंडल के अध्यक्ष विक्रम राणा ने अपनी कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए प्रवीण ठाकुर, राजीव ठाकुर और पूनम कुमारी और रजनीश कुमारी को उपाध्यक्ष बनाया है, जबकि रणजीत सिंह और सुनील कुमार को महामंत्री, विपिन सुप्रिया को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। बबली देवी, वीरेंद्र, विक्की, विचित्र सिंह, सीमा धीमान, पवन राणा को सचिव, नरेंद्र ठाकुर को मीडिया प्रभारी, अजय पुरी को प्रवक्ता, राकेश चौहान को कार्यालय सचिव, विक्रम सिंह को आईटी संयोजक, अरुण लगवाल को आईटी सह-संयोजक, सुनील चौहान को सोशल मीडिया संयोजक जबकि संजीव कुमार को सोशल मीडिया सह-संयोजक बनाया गया है।

इसके अलावा भगवान सिंह, जितेंद्र कुमार, मदन लाल, अर्जुन कुमार, माधवराव, जगदेव, बिद्धू, राकेश कुमार, सागर सिंह, कुलदीप सिंह, सरोज कुमारी, भावना कुमारी, सुरेंद्र अग्रवाल, रविंद्र ठाकुर, मनोरमा देवी, बलदेव सिंह, जगदीश चौहान, प्रेम डोगरा, मदनलाल, राजेश वर्मा, तृप्ता शर्मा, अनु देवी, लाल कृष्णा, किशोरी लाल, रवीना कुमारी, पुष्पा देवी, अंजना कुमारी को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया।

विधायक सुरेश कुमार ने चंदरूही में सड़क निकालने के कार्य का किया निरीक्षण

अनंत ज्ञान, भोरंज

लोक निर्माण विभाग भोरंज उपमंडल के अधीन जाहू से चंदरूही वाया हौड़ सड़क का कार्य प्राथमिकता से पूरा किया जाएगा। इससे चारपंचायतों के 10 गांवों के लोगों को सड़क सुविधा मिलेगी। भोरंज विधायक सुरेश कुमार ने सड़क के निकालने के कार्य का चंदरूही में निरीक्षण किया।

उन्होंने कहा कि कई वर्षों से इस सड़क के निकालने की मांग हो रही थी, लेकिन कांग्रेस सरकार ने लोगों को मांग के महत्व को समझते हुए इस सड़क के निर्माण कार्य को प्राथमिकता देकर शुरू किया है। उन्होंने कहा कि सड़कें विकास की भाग्य रेखाएं मानी जाती है। इसलिए भोरंज विधानसभा क्षेत्र सड़कों के विस्तारीकरण व नई सड़कें निकालने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिन गावों में सड़क की सुविधा नहीं है, वहां पर एंबुलेंस रोड़ निकाले जा रहे हैं। इसके लिए ग्रामीणों को सरकार व लोक निर्माण विभाग का सहयोग करना होगा। उन्होंने जाहू से चंदरूही वाया हौड़ सड़क के लिए स्वेच्छा से भूमि देने पर लोगों का आभार प्रकट किया। इस सड़क के बनने से सरकाघाट की दूरी करीब 10 से 12 किलोमीटर रहेगी और 20 मिनट में वाहन सरकाघाट में पहुंचेगें। इस अवसर पर कक्कड़ पंचायत प्रधान विनोद कुमार, किशोरी लाल, चमन लाल, रोषन लाल, ईष्वर दास, चमन, राजेंद्र सिंह, सीता राम, राकेष कुमार, चुनीलाल पंचायत प्रतिनिधि प्रीतो देवी व अन्य उपस्थित रहे।

कक्कड़ पंचायत प्रधान विनोद कुमार ने बताया कि जाहू से चंदरूहरी वाया हौड सड़क की सुविधा के लिए पंचायत के करीब 15 लोगों ने अपनी कीमती जमीन सड़क सुविधा के लिए दान दी है। इससे लोगों को सडक सुविधा का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि चंदरूही से गलोह गांव तक सड़क को निकाल दिया गया है।

मुलाकात व्यापार मंडल ने सौंपा उपायुक्त अमरजीत सिंह को 17 मांगों का ज्ञापन, बोले-

मुख्य बाजारों में लगाए जाएं सीसीटीवी कैमरे

अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर

सभी मुख्य बाजारों में सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था की जाए ताकि रात के समय होने वाली चोरियों पर अंकुश लग सके। वहीं, बाजार में स्पीड ब्रेकर भी बनाए जाएं ताकि तेज गति से वाहन चलाने वालों पर अंकुश लग सके और पैदल चलने वाले राहगीरों को भी परेशानी न हो सके।

गांधी चौक पर चल रहे आहते को यहां से हटाया जाए। यह मांग व्यापार मंडल हमीरपुर ने डीसी अमरजीत सिंह को सौंपे ज्ञापन में की है। व्यापार मंडल के प्रधान सुमित कुमार का कहना है कि उन्होंने 17 मांगों का एक पत्र डीसी को सौंपा है, जिसमें शहर के सौंदर्यकरण के साथ-साथ व्यापारियों को हो रही परेशानियों से भी अवगत करवाया गया है। व्यापार मंडल के सदस्यों का कहना है कि व्यापारियों से संबंधित कोई भी कार्रवाई या इनफॉरमेशन है, तो वह व्यापार मंडल को इस बारे अवगत करवाया जाए। इसके अलावा मुख्य बाजार में बैरिकेड की जगह इलेक्ट्रॉनिक बैरिकेड लगाए जाएं, जिस से शहर और सुंदर दिखे। व्यापार मंडल के सदस्यों का कहना है कि जिला प्रशासन और नगर निगम स्थानीय व्यापारियों को प्राथमिकता दे तथा प्रवासी व्यापारियों को लाइसेंस देने से पहले सख्त नियम लागू किए जाएं।

नगर निगम और प्रशासन बिना लाइसेंस या जीएसटी पंजीकरण के किसी भी बाहरी व्यक्ति को व्यापार करने की अनुमति न दे। वहीं, बस स्टैंड से भोटा चौक तक पैदल चलने वालों के लिए फुटपाथ का निर्माण किया जाए। शहर में नालियों के ऊपर जो लोहे का जंगला लगा हुआ है, उस पर सामान रखने की परमिशन प्रशासन उन्हें दोबारा दे। तहसील के सामने बने प्राइमरी स्कूल को कहीं दूसरी जगह मर्ज करके उस जगह पर बहुमंजिला पार्किंग बनाई जाए ताकि लोअर बाजार के दुकानदारों का बिजनेस फल-फूल सके और शहर में पार्किंग की समस्या खत्म हो। बाजार में मेला या प्रदर्शनी लगाने बारे किसी भी व्यक्ति को परमिशन देने से पहले व्यापार मंडल से अनापत्ति ली जाए ताकि उनका व्यापार प्रभावित न हो।

वहीं, व्यापारिक क्षेत्रों में उपयुक्त पार्किंग स्थल विकसित किए जाएं। अनावश्यक नो-पार्किंग प्रतिबंधों को हटाकर व्यावहारिक समाधान निकाला जाए। पार्किंग फीस को व्यवहारिक बनाया जाए और सभी जगह निजी या सरकारी जो भी पार्किंग हो, उसकी फीस निर्धारित हो। मेडिकल कॉलेज की बैक साइड में जो जगह खाली पड़ी है, उस पर पार्किंग की व्यवस्था की जाए। अवैध पार्किंग को हटाकर उचित पार्किंग स्थल विकसित किए जाएं। जाम की समस्या से निपटने के लिए ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की जाए। अगर किसी की दुकान के आगे कोई गाड़ी या स्कूटी खड़ी है, तो चालान करने से पहले दुकानदार को उसे हटाने बारे अवगत करवाया जाए।

ट्रॉला यूनियन के पास एक ग्राउंड की व्यवस्था की जाए, जिससे गांधी चौक पर अनावश्यक कार्यक्रम जो होते हैं और सारा शहर जाम हो जाता है, उसे बचा जा सके।.शहर में जहां फुटपाथ अभी नहीं बने हैं, वहां पर जल्द से फुटपाथ बनाने का कार्य शीघ्र शुरु किया जाए। बाजारों की बुनियादी सुविधाओं में सुधार किया जाए, डस्टबिन, सफाई व्यवस्था पानी की व्यवस्था और बिजली व्यवस्था इत्यादि की व्यवस्था की जाए।

बड़सर-ढटवाल भाजपा मंडलाध्यक्षों ने घोषित की नई कार्यकारिणी

एसके ठाकुर, बड़सर

भारतीय जनता पार्टी बड़सर और ढटवाल मंडल ने संगठन को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से नई मंडल कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। लोनिवि विश्रामगृह बड़सर में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान विधायक इंद्रदत्त लखनपाल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मंडलाध्यक्ष संजीव कुमार बड़सर एवं मंडल अध्यक्ष यशवीर पटियाल ढटवाल ने कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी और पार्टी को मजबूत करने के लिए उनके योगदान की अपेक्षा जताई। नवगठित मंडल कार्यकारिणी में बड़सर भाजपा मंडल अध्यक्ष-संजीव कुमार, महामंत्री-दिनेश व्यास एवं अश्वनी बन्याल, जबकि ढटवाल भाजपा मंडल अध्यक्ष-यशवीर पटियाल, महामंत्री रवि कानूनगो एवं अरुण ढटवालिया रहे।

इस दौरान विधायक इंद्रदत्त लखनपाल ने नवनियुक्त कार्यकारिणी को बधाई देते हुए कार्यकर्ताओं से 2027 विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए अभी से बूथ स्तर पर संगठन को सशक्त करने, जनसंपर्क बढ़ाने और सरकार की उपलब्धियों को आम जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने और 2027 में भाजपा को ऐतिहासिक जीत दिलाने का संकल्प लिया। (अनंत ज्ञान)

न्यूज ब्रीफ

शांता कुमार ने स्वामी सुग्रीवानंद महाराज के निधन पर गहरा दुख प्रकट किया

अनंत ज्ञान, पालमपुर। पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शांता कुमार ने वेदांताचार्य 1008 स्वामी सुग्रीवानंद महाराज जी के ब्रह्मलीन होने पर गहरा दुख प्रकट किया है। स्वामी जी के देहावसान पर अध्यात्मिक जगत में एक बहुत बड़ी क्षति हुई है। हिमाचल के ऊना स्थित प्रसिद्ध डेरा बाबा रूद्रानंद के अनुयायियों को उन्होंने समय-समय पर प्रेम,शांति और सद्भावना का संदेश दिया है। उन्होंने स्वामी जी से जुडें सभी अनुयायियों से संवेदना प्रकट की है और दुख की इस घडी में धैर्य रखने का आग्रह किया है। शांता कुमार ने भगवान से प्रार्थना की है कि सभी अनुयायियों को यह असहनीय दुख सहन करने की शक्ति दें।

14.79 ग्राम चिट्टे समेत एक गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, बद्दी। जिला बद्दी पुलिस ने नशे का खिलाफ कार्रवाई करते हुए चिट्टा तस्कर को 14.79 ग्राम चिट्टे समेत गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी श्याम लाल की अगुवाई टीम ने सफलता हासिल करते हुए चिट्टा तस्कर को पकड़ा। जानकारी के अनुसार यातायात चैकिंग के दौरान गांव खेड़ा बस स्टैंड पर एक कार को तलाशी लेने के लिए रोका तो उससे 14.79 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर पांच दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया है। आरोपी की पहचान सितार मोहम्मद उर्फ रवि पुत्र रहमदीन निवासी गांव रोहतांवाला डाकघर लोधीमाजरा तहसील बद्दी जिला सोलन से हुई है। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बद्दी अशोक वर्मा ने मामले की पुष्टि की है।

बद्रीनाथ के पास ग्लेशियर फटने से नूरपुर के व्यक्ति का शव हुआ बरामद

भूषण शर्मा, नूरपुर। उत्तराखंड के बद्रीनाथ के पास ग्लेशियर फटने 55 लोग फंसे थे, जिसमें से 53 को बचाया गया और 6 शव बरामद किए

गए। मृतकों में ठेहड़ पंचायत के वार्ड नंबर 3 शोई के रहने वाले महिंद्र पाल (40) पुत्र देस राज डाकघर खुहाडा, तहसील नूरपुर का शव भी बरामद किया गया है। महिंद्र पाल निजी कंपनी में काम करता था। महिंद्र पाल की मौत से उसके घर वालों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। नन्ने बच्चों को मामूल नहीं की उनके पिता अब इस दुनिया मे नहीं रहे। महेंद्र पाल की पत्नी व माता का रो-रो कर बुरा हाल है। महेंद्र के भाई ने सरकार व प्रशासन से अपील की है कि महेंद्र पाल की पत्नी व बच्चों के बारे कुछ सोचा जाए व उचित मुआवजा दिया जाए। (अनंत ज्ञान)

एचआरटीसी चालक-परिचालक संघ की वार्ता विफल, 6 मार्च तक दिया अल्टीमेटम

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन निगम के चालक व परिचालक संघ की शिमला में एचआरटीसी प्रबंध निदेशक के साथ हुई बातचीत विफल रही। बातचीत असफल होने का कारण चालक और परिचालकों का 65 महीनों का नाइट ओवरटाइम लंबित पड़ा है, साथ ही एरियर डीए का भुगतान भी नहीं किया गया है। लंबे समय से चालक परिचालक अपने भत्तों की मांग कर रहे हैं। इस दिशा में सरकार से साथ कई बार वार्ता भी हो चुकी है, जो सिरे नहीं चढ़ी। ऐसे में गुस्साए एचआरटीसी चालकव परिचालकों ने सरकार एवं प्रबंधन को 6 मार्च तक का समय दिया गया है, जिसके बाद मांग पूरी न होने पर चालक और परिचालक संघ ने आंदोलन आंदोलन का बिगुल बजाने का ऐलान करते हुए चक्का जाम की चेतावनी दी है।

दलाईलामा को मिला मानद पुरस्कार

अनंत ज्ञान, मैक्लोडगंज। तिब्बतियों के धर्मगुरु दलाईलामा को उनके निवास स्थान मैक्लोडगंज में गलाती रोमानिया के डेन्यूबियस विश्वविद्यालय द्वारा मानद पुरस्कार के साथ प्रस्तुत किया गया था। पुरस्कार उनके निवास पर एक विशेष दर्शकों के दौरान प्रदान किया गया।

घर की तलाशी लेने पर 2 किलो 109 ग्राम चरस बरामद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। गंगा राम पुत्र चैतरू राम, मनी राम पुत्र गुलाब सिंह तथा शेर सिंह पुत्र खुडू राम निवासी थरटूखोड़, जिला मंडी से सोमवार को 2 किलो 109 ग्राम चरस बरामद की गई है। जानकारी के अनुसार तीनों आरोपी 28 मार्च 2024 को 3 किलो 11 ग्राम चरस तथा 310 ग्राम अफीम के साथ जोगिंद्रनगर पुलिस ने गिरफ्तार किए थे। तदोपरांत तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 5 दिन के रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस जांच में उनकी निशानदेही में उनके घर की तलाशी ली गई, जहां पर 2 किलो 109 ग्राम चरस बरामद की गई। पुलिस ने छानबीन जारी रखी हुई है। एसपी मंडी साक्षी वर्मा ने मामले की पुष्टि करते हुए कहा कि नशे के खिलाफ अभियान को तेज किया जाएगा। लोग चिट्टा तस्करों की सूचना पुलिस को दें, उनका नाम गुप्त रखा जाएगा।

जेपी नड्डा 6 मार्च को बिलासपुर प्रवास पर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा की शानदार जीत के बाद 6 मार्च को पहली बार अपने गृह जिला बिलासपुर आ रहे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा का गर्मजोशी से स्वागत करने की तैयारी है। इस दौरान वह अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर में पॉजिट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी स्कैन सुविधा का शुभारंभ करेंगे। इसके उपलक्ष्य में शहर के रौड़ा सेक्टर स्थित भाषा एवं संस्कृति विभाग के ऑडिटोरियम में भव्य नागरिक अभिनंदन समारोह का आयोजन किया जाएगा। भाजपा ने इस कार्यक्रम के लिए तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। विधायक त्रिलोक जम्वाल ने कहा कि नड्डा के नेतृत्व में पार्टी ने कई राज्यों में सरकार बनाई है। उनके आगमन पर शहर के रौड़ा सेक्टर स्थित भाषा एवं संस्कृति विभाग के ऑडिटोरियम में नागरिक अभिनंदन समारोह का आयोजन किया जाएगा।

विश्व शीतकालीन खेलों के पदक विजेताओं को किया जाएगा सम्मानित : मुख्यमंत्री

विशेष ओलंपिक विश्व शीतकालीन खेलों के एथलीट दल को दी शुभकामनाएं

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने इटली के ट्यूरिन में 7 से 16 मार्च, 2025 तक आयोजित किए जा रहे विशेष ओलंपिक विश्व शीतकालीन खेलों के लिए चयनित प्रदेश के विशेष एथलीटों और प्रशिक्षकों को शिमला से रवाना किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रदेशवासियों के लिए खुशी की बात है कि इस प्रतिष्ठित आयोजन के लिए चयनित 49 सदस्यीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल में से 24 एथलीट और कोच हिमाचल प्रदेश से सम्बंधित हैं। उन्होंने कहा कि ये एथलीट स्कीइंग, स्नोबोर्डिंग, क्रॉस कंट्री स्कीइंग, स्नोशूइंग और फ्लोर बॉल जैसी विभिन्न स्पर्धाओं में भाग लेंगे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी प्रतिभागी इस आयोजन में बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे तथा देश और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। वर्तमान राज्य सरकार प्रदेश के उभरते खिलाड़ियों को हरसंभव सहायता प्रदान कर रही है, ताकि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें।

युवाओं को खेलों के प्रति किया जा रहा आकर्षित

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस प्रतियोगिता के पदक विजेताओं को सम्मानित करेगी। युवाओं में खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार ने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में विजेता खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि में उल्लेखनीय वृद्धि की है। सरकार के इस प्रयास का उद्देश्य युवाओं को खेल गतिविधियों के प्रति उत्साहवर्धन करना है ताकि वे नशे की बुराई से बच सकें। सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि ओलंपिक, शीतकालीन ओलंपिक और पैरालंपिक में स्वर्ण पदक विजेताओं के लिए पुरस्कार राशि 3 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपए की गई है। रजत पदक विजेताओं के लिए 2 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 3 करोड़ रुपए और कांस्य पदक विजेताओं के लिए 1 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 2 करोड़ रुपए की गई है।

स्वर्ण पदक विजेताओं को पुरस्कार राशि 50 लाख से बढ़ाकर 4 करोड़ की

एशियाई खेलों और एशियाई पैरा खेलों के लिए स्वर्ण पदक विजेताओं के लिए पुरस्कार राशि 50 लाख रुपए से बढ़ाकर 4 करोड़ रुपए, रजत पदक विजेताओं के लिए 30 लाख रुपये से बढ़ाकर 2.5 करोड़ रुपए और कांस्य पदक विजेताओं के लिए 20 लाख रुपए से बढ़ाकर 1.5 करोड़ रुपए की गई है। प्रदेश सरकार ने राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेताओं के लिए पुरस्कार राशि 50 लाख रुपये से बढ़ाकर 3 करोड़ रुपए, रजत पदक विजेताओं के लिए 30 लाख रुपए से बढ़ाकर 2 करोड़ रुपए तथा कांस्य पदक विजेताओं के लिए 20 लाख रुपए से बढ़ाकर एक करोड़ रुपए की गई है। इस अवसर पर शिमला शहर के विधायक हरीश जनारथा भी उपस्थित थे।

एसपीयू को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे जयराम: चंद्रशेखर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

विधायक चंद्रशेखर ने नेता प्रतिपक्ष जय राम ठाकुर पर सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि जयराम ठाकुर कभी शिवधाम और कभी एसपीयू के नाम पर मंडी जिला के विकास को हाशिए पर धकेलने का प्रयास कर रहे हैं।

एसपीयू को दे रहे अनुदान, नए कोर्स भी हो रहे हैं शुरू

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की सरदार पटेल यूनिवर्सिटी मंडी को बंद करने की कोई मंशा नहीं है और न ही बीएड कॉलेजों को एचपीयू को ट्रांसफर करने का कोई प्रस्ताव राज्य सरकार के विचाराधीन है। बल्कि सरकार इस विश्वविद्यालय को सुदृढ़ करने के प्रयास कर रही है, ताकि विद्यार्थियों को इस संस्थान में बेहतर शिक्षा उपलब्ध हो सके।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद में एसपीयू के लिए भविष्य की योजनाओं का प्रारूप तैयार किया गया है और यहां पर नए कोर्स शुरू करने की सिफारिश की गई है। राज्य सरकार सरदार पटेल विश्वविद्यालय में चरणबद्ध तरीके से पांच वर्ष की एलएलबी डिग्री, बीएड कोर्स और बीटेक के कोर्स शुरू करने जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के माध्यम से मिलने वाले अनुदानों से ही विश्वविद्यालय अपने खर्च चलाने में सक्षम है। इसके अलावा सुंदरनगर में सरदार पटेल यूनिवर्सिटी के भवन का उपयोग भी किया जा रहा है तथा इसको ट्रांसफर करने की बात भी बिलकुल निराधार है। चंद्रशेखर ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष भ्रामक और तथ्यहीन बयानबाजी कर जन भावनाएं भड़काने का प्रयास कर रहे है, जबकि हकीकत इसके ठीक विपरीत है।

राज्य सरकार गुणात्मक शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री रहते हुए बीएड दाखिले में अंकों की पात्रता 45 प्रतिशत से घटाकर 33 प्रतिशत की, जिससे शिक्षा का स्तर गिरा। यही नहीं, मुख्यमंत्री ने जयराम ठाकुर के ड्रीम प्रोजेक्ट शिवधाम को पूरा करने के लिए भी 100 करोड़ रुपए देने की घोषणा की है, जबकि मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने शिवधाम के लिए बजट का प्रावधान ही नहीं किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मंडी के विकास की प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है इसलिए उन्हें तथ्यहीन आरोप लगाने से बचना चाहिए।

टांडू में फोरलेन की कटिंग से मकान को खतरा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

पठानकोट मंडी फोरलेन के तहत आने वाली टांडू पंचायत के गांव टांडू में की जा रही कटिंग से हिम प्रकाश का मकान खतरे में आ गया है। हिम प्रकाश ने सोमवार को उपमंडलाधिकारी नागरिक यानी एसडीएम मंडी को एक पत्र देकर गुहार लगाई कि उसके मकान को बचाया जाए।

हिम प्रकाश ने एसडीएम को पत्र लिखकर लगाई मकान को बचाने की गुहार

हिम प्रकाश ने कहा कि उसका मकान खसरा नंबर 388 /111 पर स्थित है और आज कल इसके नीचे फोरलेन का काम चला हुआ है, जिसमें पहाड़ को काटा जा रहा है। इस कटिंग के चलते उसके घर के आगे बड़ी ढांक बन गई और मशीनरी के चलने से घर में दरारें आ गई हैं। यहां तक कि उसके मकान की नींव भी बाहर आ गई है इस कारण से उसका 10 कमरे वाला घर शौचालय, पूजा घर, स्नानागार समेत कभी भी गिर सकता है। खतरे को देखते हुए उन्होंने पांच कमरे, स्नानागार व शौचालय तो खाली भी कर दिया है। बाकी घर भी रहने के लिए सुरक्षित नहीं है। कभी भी कोई जानी नुकसान हो सकता है। हिम प्रकाश ने कहा मेरे पास जो जमीन थी उस पर यह मकान बना लिया था अब तो नया मकान बनाने के लिए जमीन भी नहीं बची है। आसपास में सरकारी भूमि है जो सुरक्षित जगह पर भी है। उन्होंने एसडीएम से गुहार लगाई कि वह मौके पर आएं और जरूरी कार्रवाई करके उनकी समस्या का समाधान करें।

केंद्र की मदद के बगैर सैलरी भी नहीं दे पाएगी कांग्रेस : कश्यप

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद सुरेश कश्यप ने कहा है कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की चौथी किस्त केंद्र से प्रदेश सरकार को आने वाली है और अभी तक कई कार्य ऐसे हैं जो की इस महत्वपूर्ण योजनाओं के चरण एक और दो के भी पूरे नहीं हुए है।

उन्होंने यहां पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि हिमाचल प्रदेश में व्यवस्था परिवर्तन के नारे को लेकर जो सरकार सत्ता में आई, लेकिन सवा दो साल का समय बीत गया प्रदेश में एक भी गारंटी पूरी नहीं हो पाई, सारी फेल हो चुकी हैं। जो विकास कार्य प्रदेश में चले थे आज अवरुद्ध हैं, पूर्व सरकार के समय में जो काम शुरू किए गए थे आज वह भी पूरे नहीं हो पा रहे हैं और निरंतर

केंद्र से मिल रही भरपूर मदद, मंदिरों का पैसा प्रदेश की योजनाओं पर खर्च करना दुखद

विकास के मामले में हिमाचल प्रदेश पिछड़ता जा रहा है। केंद्र ने एक अच्छा निर्णय लिया है कि जो पैसा केंद्र की योजनाओं का पहले ट्रेजरी में जाता था, अब सीधा योजनाओं के लिए आएगा और सीधा योजना के ऊपर ही खर्च किया जाएगा, इससे भी योजनाओं को पूरा करने में निश्चित रूप से फायदा होगा। हिमाचल प्रदेश तो स्पेशल कैटेगरी स्टेट है। प्रधानमंत्री मोदी ने 90:10 की रेशो में हिमाचल को रखा है और उसी प्रकार से हिमाचल प्रदेश को आर्थिक मदद भी मिल रही है।

केंद्र सरकार के द्वारा हिमाचल प्रदेश की भरपूर मदद की जा रही है, अन्यथा हिमाचल प्रदेश की तो यह हालात हैं कि कांग्रेस सरकार सैलरी और पेंशन देने की स्थिति में भी नहीं है। अगर केंद्र प्रदेश की मदद न करें तो प्रदेश सरकार महीने के अंत में कर्मचारियों को तनख्वाह और पेंशनर को पेंशन देने में भी सक्षम नहीं है। उन्होंने कहा कि मंदिरों का पैसा भी कांग्रेस सरकार अपनी योजनाओं के लिए खर्च कर रही है, यह हिमाचल प्रदेश देवभूमि के लिए बहुत ही चिंतनीय एवं दुख का विषय है।

स्कूल शिक्षा बोर्ड ने केलांग, उदयपुर और पांगी में तीन परीक्षाएं की स्थगित

संजय अग्रवाल, धर्मशाला

भारी बर्फभारी तथा वर्षा के कारण सड़कों को पहुंची भारी क्षति के चलते हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा आज 4 मार्च से शुरू होनी वाली परिक्षाणओं में लाहौल-स्पीति के केलांग व उदयपुर व जिला चंबा के पांगी क्षेत्र में जमा दो व दसवीं कक्षा की कुछ एक परीक्षाओं को स्थगित कर दिया है।

प्रदेश में आज से बोर्ड की परीक्षाएं शुरू, 1.93 लाख छात्र लेंगे भाग

जानकारी के अनुसार बर्फबारी के चलते फाइनल एग्जाम की सामग्री नहीं पहुंच पाई है, जिसमें प्रश्न पत्र, आंसर शीट व अन्य परीक्षा सामग्री कुल्लू से आगे हेलिकॉप्टर से नहीं पहुंचाई जा सकी है। भारी बारिश और बर्फबारी से जिला चंबा के पांगी व जिला लाहौल-स्पीति में सड़कों व रास्तों को भरी क्षति पहुंची है। इसके चलते तीनों जगहों पर शुरुआती तीन परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं, जिसमें जमा दो की 4 मार्च को इकोनॉमिक्स, 5 मार्च को फिजिक्स व 6 मार्च को लोक प्रशासन है, जबकि दसवीं की 4 मार्च को हिंदी, 5 को म्युजिक व 6 मार्च को फाइनेंशियल लिटरेसी का एग्जाम होना था। इन क्षेत्रों में भारी बर्फबारी व बारिश के बाद मौसम के हल्का साफ होने पर भी पहाड़ी क्षेत्रों में विजिविलिटी ना होने पर हेलिकॉप्टर के माध्यम से भी परीक्षा सामग्री नहीं पहुंच पाई है। ऐसे में इन क्षेत्रों में शुरुआती परीक्षाएं स्थगित होने के साथ ही मौसम खुलने व परीक्षा सामग्री पहुंचने के बाद आगामी परीक्षाओं के संचालन की रणनीति बन पाएगी। स्थगित होने वाली परीक्षाओं को निर्धारित शेड्यूल के तहत अप्रैल में करवाया जाएगा।

वहीं, चार मार्च से प्रदेश के अन्य सभी क्षेत्रों में परीक्षा सामग्री पहुंच गई है। हालांकि, इस बीच किसी क्षेत्र में अत्यधिक बर्फबारी व बारिश रहती है, तो छात्रों को अपने सबसे नजदीकी परीक्षा केंद्र में परीक्षा देने की भी अनुमति प्रदान की गई है। आगामी परीक्षाओं का संचालन भी मौसम साफ होने व परीक्षा सामग्री पहुंचने पर ही निर्धारित करेगा। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के फाइनल परीक्षाएं आज 4 मार्च से शुरू हो रही हैं। इसमें नियमित दसवीं व जमा दो के साथ-साथ एसओएस आठवीं, दसवीं व जमा दो के एक लाख 93 हजार छात्र एग्जाम देंगे। इसमें जमा दो के 93,494 व दसवीं के 99,804 छात्र प्रदेश भर में स्थापित 2300 परीक्षा केंद्रों में एग्जाम देंगे। (अनंत ज्ञान)

> प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के सचिव डॉ. मेजर विशाल शर्मा ने सोमवार को बताया कि मौसम खराब होने पर चंबा के पांगी व लाहौल-स्पीति के केलांग व उदयपुर में परीक्षा सामग्री नहीं पहुंच पाई है। सरकार की ओर से हेलिकॉप्टर प्रदान किया गया था, लेकिन तकनीकी विजिविलिटी न होने से सामग्री नहीं पहुंच पाई है। शुरुआती तीन एग्जाम स्थगित किए जा रहे हैं जबकि मौसम व सामग्री पहुंचने पर आगामी परीक्षाओं को लेकर योजना बनाई जाएगी।
>
> -डॉ. मेजर विशाल शर्मा, सचिव

सेब से लदा ट्रक पलटा चालक की मौत

अनंत ज्ञान, कंडाघाट। कंडाघाट क्षेत्र कालका-शिमला हाईवे पर सुरंग के नजदीक सेब से लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ट्रक चालक की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मालिक स्वयं ही ट्रक चला रहा था। हादसे में एक अन्य व्यक्ति भी घायल हुआ है। ट्रक ठियोग से सेब लोड कर फरीदाबाद जा रहा था। अनियंत्रित ट्रक पहले क्रश बैरियर से टकराया, उसके बाद सड़क के साथ बनी नाली में पलट गया। हादसे की सूचना पर कंडाघाट पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी वीर सिंह नेगी ने टीम के साथ ट्रक में फंसे दोनों लोगों को बाहर निकाला। उन्हें चिकित्सालय पहुंचाया गया, लेकिन इनमें से एक व्यक्ति को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक का नाम ओम प्रकाश है। ट्रक में सवार एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है। घायल को प्राथमिक उपचार के लिए कंडाघाट अस्पताल लाया गया। उन्होंने कहा कि घटना के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है।

विकसित भारत का रोड मैप है केंद्रीय बजट : जयराम ठाकुर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ की अध्यक्षता में मंडी में आयोजित केंद्रीय बजट 2025-26 पर 'विकसित का भारत रोड मैप' प्रबुद्ध जन संगोष्ठी में पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को हासिल करने वाला बजट हर साल देश की सेवा में समर्पित हो रहा है। इसका प्रचार प्रसार करने की जिम्मेदारी भी हम लोगों की है।

भरपूर सहयोग मिलने के बाद केंद्र को कोसना राज्य सरकार की बेशर्मी

उन्होंने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि एक लंबे अंतराल के बाद भारत को एक मजबूत नेतृत्व नरेंद्र मोदी के रूप में मिला है, जो बजट के दौरान कहते हैं, वह बहुत जल्दी जमीन पर दिखाई भी देता है।

उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में भाजपा की सरकार न बनने की पीड़ा आज पूरा प्रदेश महसूस कर रहा है। सुक्खू सरकार अपनी हर नाकामी के पीछे भाजपा और केंद्र सरकार को दोष देती है लेकिन अपनी जिम्मेदारी से भागती है। जब देश में कांग्रेस नीति यूपीए की सरकार थी तो ग्रांट इन एड के तौर पर 10 साल में हिमाचल प्रदेश को 52000 करोड रुपए मिले थे, जबकि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में 1 लाख 41 हजार करोड़ रुपए मिले हैं, जो यूपीए सरकार के मुकाबले 271 प्रतिशत ज्यादा है।

नेता प्रतिपक्ष ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि भाषा एवं संस्कृति विभाग के सचिव जो की टेंपल कमिश्नर भी हैं के द्वारा लिखा गया पत्र पब्लिक डोमेन में है। पूरे देश के लोगों ने वह पत्र मीडिया के माध्यम से देखा है। इसके बाद भी सरकार हर मंच पर आकर झूठ बोल रही है। विधानसभा में भी मैंने पहले ही कहा था कि अब सरकार की नजर मंदिर के पैसों पर है तो उपमुख्यमंत्री ने सदन में खड़े होकर कहा था कि मंदिरों का पैसा कोई छू नहीं सकता। इसके बाद भी सरकार के विभागों को चलाने के लिए सरकार मंदिरों का पैसा मांग रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का बस चले तो मंडी के साथ न जाने क्या बर्ताव करे, मंडी को देखना ही नहीं चाहती है। अगर बीएड के कॉलेज एसपीयू से छीन लिए जाएंगे तो फिर उनकी आर्थिकी पर बड़ा असर पड़ेगा। सरकार सृजनात्मक राजनीति पर जोर दे।

भाजपा ने की प्रदेश में 169 मंडलों के गठन की घोषणा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश में 171 में से 169 मंडलों का गठन कल लिया है। सभी मंडलों में पदाधिकारी एवं कार्यसमिति के सदस्य भी नियुक्त कर दिए गए हैं, इस नियुक्ति से संगठन को बल मिलेगा और आगामी समय में नई ऊर्जा के साथ भाजपा धरातल पर काम करेगी।

जानकारी के अनुसार प्रत्येक मंडल में 20 पदाधिकारीयो की नियुक्ति की गई है, यानी पूरी प्रदेश में 3380 पदाधिकारी मंडल स्तर पर नियुक्त कर दिए गए हैं। इसी प्रकार से प्रत्येक मंडल की कार्यसमिति 48 लोगों की है अगर देखा जाए तो इसकी गणना के मुताबिक पूरे प्रदेश में मंडल की दृष्टि से 8112 कार्यकर्ताओं की नियुक्ति हो गई है। केवल दो मंडलों की नियुक्ति शेष है जिसमें दोनों मंडल केलांग और स्पीति विधान सभा क्षेत्र लाहौल-स्पीति के है।

दो मंडलों की नियुक्तियां शेष

भारी बर्फबारी के कारण इन दो जनजातीय क्षेत्र की नियुक्तियां फिलहाल अभी नहीं हो पाई है और जल्द ही ये नियुक्तियां भी कर दी जाएगी।

शीर्ष नेतृत्व को विश्वास में लिया गया

सभी नियुक्तियां शेष नेतृत्व से चर्चा एवं विचार विमर्श कर की गई है। यह जानकारी प्रदेश भाजपा के उपाध्यक्ष एवं चुनाव के सह प्रभारी संजीव कटवाल ने यहां जारी एक प्रेस बयान में दी।

अवमानना से जुड़े मामलों पर हाईकोर्ट का नोटिस

विधि संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने पूर्व लोकसभा सांसद राजन सुशांत और उनके बेटे धैर्य सुशांत को अदालत की आपराधिक अवमानना करने से जुड़े मामले में कारण बताओ नोटिस जारी किया है। न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान और न्यायाधीश सुशील कुकरेजा की खंडपीठ ने कोर्ट द्वारा स्वत: लिए संज्ञान में दोनों प्रतिवादियों पर लगाए अवमानना के आरोपों को प्रथम दृष्टया संज्ञान योग्य पाते हुए यह नोटिस जारी किए। प्रतिवादियों पर हाईकोर्ट परिसर से 11 फरवरी को फेसबुक पेज पर लाइव आकर न्यायपालिका की छवि को धूमिल करने का आरोप है।

आरोप भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री ने साधा निशाना, बोले- चूहों को अनाज खिला रहे हैं मुख्यमंत्री

सुक्खू सरकार समोसे गिनने में ही व्यस्त: तरुण चुग

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने केंद्रीय बजट को लेकर मंडी में मीडिया संवाद किया और बुद्धिजीवियों के साथ एक संगोष्ठी में भी भाग लिया। उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पर निशाना साधते हुए कहा कि वह सिर्फ समोसे गिनने में व्यस्त हैं, जबकि प्रधानमंत्री मोदी देश के विकास कार्यों में जुटे हुए हैं।

सुक्खू साहब के सरकारी खजाने को बड़े मोटे मोटे चूहे कुतर रहे हैं, जिनको अनाज खुद मुख्यमंत्री खिला रहे हैं। केंद्र उदारता के साथ वित्तीय मदद कर रहा है, लेकिन कांग्रेस सरकार एक शब्द तक आभार का नहीं बोलती है। आपदा में इन्होंने केंद्र से मिला पैसा ही बांटा और अपनी एक फूटी कौड़ी तक खर्च नहीं की।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने बजट 2025-26 को गेम चेंजर बनाकर विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने का रोडमैप तैयार किया है। यह बजट गरीबों, युवाओं, किसानों और महिलाओं के उत्थान का बजट है, जो देश को तेजी से आगे ले जाने में मदद करेगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सात करोड़ घर बनाने का लक्ष्य है, जिसमें तीन करोड़ बन चुके हैं और चार करोड़ पर काम जारी है।

उन्होंने बताया कि युवाओं के लिए नई शिक्षा नीति, खेलो इंडिया, 50,000 अटल टिंकरिंग लैब और डिजिटल लाइब्रेरी जैसी योजनाएं शुरू की गई हैं। आईआईटी में 6500 नई सीटें बढ़ाई गई हैं, वहीं कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को बढ़ावा देने के लिए 500 करोड़ रुपए का प्रविधान किया गया है। किसानों के लिए भी सरकार ने बड़े कदम उठाए हैं। किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा को तीन लाख से बढ़ाकर पांच लाख रुपए कर दिया गया है।

चुग ने कहा कि हिमाचल प्रदेश को भी इस बजट से विशेष लाभ मिलेगा। भाजपा सरकार में 2014 से 2024 तक राज्य को 54,000 करोड़ रुपए का टैक्स अनुदान मिला है, जबकि कांग्रेस सरकार (2004-2014) के समय केवल 12,639 करोड़ रुपए मिले थे। इस तरह मोदी सरकार ने हिमाचल को 300 गुना अधिक ग्रांट दी है। उन्होंने दावा किया कि 2047 तक भारत पूरी तरह से विकसित राष्ट्र बन जाएगा।

उन्होंने कहा कि एक तरफ ऐसी सरकार है जिसे समोसे कहां से आए उसके लिए जांच बैठानी पड़ रही है, दूसरी तरफ मोदी जी का शासन है जो इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए देव भूमि को खजाना खोल कर भेज रहा है। एक तरफ वो सरकार है जो मंदिरों के खजाने को तिरछी नजर से देख रही है, दूसरी तरफ मंदिर का रास्ता कैसे पूरे विश्व के लिए खुले उसके लिए काम कर रहे हैं। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक पूर्व मंत्री गोविंद सिंह ठाकुर, प्रदेश उपाध्यक्ष पायल वैद्य, विधायक इंद्र सिंह गांधी, दलीप ठाकुर, दीप कुमार आदि उपस्थित थे।

काशी में एक ऐसा मंदिर जहां मां अन्नपूर्णा लुटाती हैं खजाना

साल में केवल चार दिन ही होते हैं माता के स्वर्णमयी स्वरूप के दर्शन

धर्मनगरी काशी में कई ऐसी प्राचीन परंपराएं व मान्यताएं हैं जो भक्तों में अपने आराध्य के प्रति अटूट विश्वास बनाए रखती हैं। खासतौर पर देश के प्रमुख पर्व में भी कुछ ऐसे आयोजन शामिल होते हैं जो बाकी शहर के लोगों को आश्चर्यचकित कर देते हैं। काशी में एक ऐसा मंदिर है, जहां मां अन्नपूर्णा अपने भक्तों पर खजाना लुटाती हैं। हालांकि, ऐसा सिर्फ दीपावली के दौरान ही होता है। काशी का भरण-पोषण करने वाली मां अन्नपूर्णा के मंदिर से धनतेरस के दिन खजाना वितरण होने की परंपरा है और यह खजाना पांच दिन तक बंटता रहता है। साल में केवल चार दिन ही माता के स्वर्णमयी स्वरूप के दर्शन होते हैं। मां अन्नपूर्णा मंदिर परिसर में कई प्रतिमाएं स्थापित हैं। दर्शन करने वाले भक्तों को आशीर्वाद के रूप में माता रानी के दरबार से लावा और सिक्का खजाना के रूप में प्राप्त होता है। इसके अलावा उन्हें विशेष रूप से बनाया गया अन्नकूट प्रसाद भी वितरित किया जाता है। मान्यता है कि प्रसाद के रूप में इस सिक्के और लावा को अपने घर की तिजोरी और भंडार में रखने से पूरा साल सुख-समृद्धि, धन की कमी नहीं होती है तथा कभी अन्न-धन की कमी नहीं रहती।

श्री यंत्र के आकार में बना देश का इकलौता मंदिर

बाबा विश्वनाथ के आंगन में विराजमान मां अन्नपूर्णा अपने भक्तों की हर इच्छा को पूरी करती हैं और यही कारण है कि धनतेरस से लेकर अन्नकूट तक श्रद्धालुओं का रेला माता के दरबार में उमड़ता है। मां अन्नपूर्णा का यह मंदिर देश का इकलौता मंदिर है जो श्री यंत्र के आकार में निर्मित है।

मां अन्नपूर्णा ने पार्वती के रूप में किया शिव से विवाह

मां अन्नपूर्णा को माता दुर्गा और पार्वती का ही एक रूप माना जाता है। मां अन्नपूर्णा, भोजन और समृद्धि की देवी हैं। उनका काशी विश्वनाथ से गहरा नाता है। काशी में उनका एक भव्य मंदिर है, जहां अन्नपूर्णा देवी के दर्शन से भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। मां अन्नपूर्णा ने पार्वती के रूप में भगवान शिव से विवाह किया था।

हर दिन मां के दरबार में भक्तों का तांता

काशी और देश-दुनिया से आने वाले श्रद्धालु मां अन्नपूर्णा मंदिर के दरबार में दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं और विशेष तौर पर दीपावली के दौरान खजाना वितरण के अवसर पर मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ होती है। भक्तजन मां की एक झलक पाने के लिए घंटों इंतजार करते हैं। इस दिन भक्तों को खजाना दिया जाता है, जिसमें चांदी का सिक्का और नवरत्न भी दिया जाता है। मां अन्नपूर्णा का मंदिर साल में धनतेरस से लेकर भाई दूज तक के लिए ही खुलता है। मां के दरबार में हर दिन भक्तों का तांता लगा रहता है।

भगवान शिव ने मां अन्नपूर्णा से मांगी थी भिक्षा

भगवान शंकर से विवाह के बाद देवी पार्वती ने काशीपुरी में निवास की इच्छा जताई। महादेव उन्हें लेकर अविमुक्त-क्षेत्र काशी आ गए। तब काशी महाश्मशान नगरी थी। माता पार्वती को यह नहीं भाया। तब शिव-पार्वती के विमर्श से एक व्यवस्था दी गई। वह यह कि सत, त्रेता और द्वापर युगों में काशी श्मशान रहेगी, किंतु कलिकाल में यह अन्नपूर्णा की पुरी होकर बसेगी। इसी कारण वर्तमान में अन्नपूर्णा का मंदिर काशी का प्रधान देवीपीठ हुआ। पुराणों में काशी के भावी नामों में काशीपीठ नाम का भी उल्लेख है।

अन्नपूर्णा हैं अन्न की अधिष्ठात्रि

स्कंदपुराण के 'काशीखंड' में उल्लेख है कि भगवान विश्वेश्वर गृहस्थ हैं और भवानी उनकी गृहस्थी चलाती हैं। अतः काशीवासियों के योग-क्षेम का भार इन्हीं पर है। 'ब्रह्मवैवर्त्तपुराण' के काशी-रहस्य के अनुसार भवानी ही अन्नपूर्णा हैं। सामान्य दिनों में अन्नपूर्णा माता की आठ परिक्रमा की जाती है। प्रत्येक मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी के दिन अन्नपूर्णा देवी के निमित्त व्रत रहकर उनकी उपासना का विधान है। इन्हें अन्न अधिष्ठात्रि भी माना जाता है। इन पांच दिनों में मां का खजाना भक्तों के बीच बंटता है।

काशी में कोई नहीं सोता भूखा

शिव की नगरी काशी जिसका नाम अन्नपूर्णा क्षेत्र सर्वत्र प्रसिद्ध है। लोक में यह भी ख्याति है कि काशी में अन्नपूर्णा ही सब किसी को भोजन पहुंचा देती है, जिससे कोई भूखा नहीं रह पाता। यदि भगवान शिव जी काशी में विश्वनाथ रूप से विराजमान हैं, तो मां भवानी का अन्नपूर्णा रूप तो रहना स्वाभाविक है, क्योंकि अन्न से पूर्ण हुए बिना विश्व का काम कैसे चल सकता है।

श्री यंत्र के ऊपर विराजमान माता अपने भक्तों और श्रद्धालुओं पर कृपा बरसाती रहती हैं। मंदिर के कोण मिलाने पर स्वतः स्वरूप में श्रीयंत्र का निर्माण हो जाता है। यही कारण है कि माता का यह स्थान स्वतः सिद्ध है। देश में कई स्थानों पर मां अन्नपूर्णा के मंदिर हैं, लेकिन काशी में विराजमान मां अन्नपूर्णा का अलग ही महत्व है। श्रीयंत्र स्वरूप के मंदिर में विराजमान मां अन्नपूर्णा के दरबार से बंटने वाले खजाने और प्रसाद का अलग ही महत्व है ही कारण है कि माता का खजाना और प्रसाद पाने के लिए 24 घंटे पहले ही श्रद्धालु कतारबद्ध हो जाते हैं।

ऐसे पहुंचें माता के मंदिर

भक्त बांसफाटक से होते गेट नंबर एक ढुंढिराज से मंदिर पहुंच सकते हैं। वहां बनी अस्थायी सीढ़ियों से होते हुए स्वर्णमयी माता का दर्शन करके श्रद्धालु कालिका गली से बाहर निकलेंगे। सुरक्षा के लिए कैमरों की संख्या बढ़ा दी गई है। कंट्रोल रूम के जरिए निगरानी की जाएगी। जगह-जगह सेवादार तैनात रहेंगे। मंदिर आने वाले सभी दर्शनार्थियों को सुगम दर्शन मिले, इसकी व्यवस्था की गई है।

कुंडली में चंद्र ग्रह

चंद्रमा मां का सूचक है और मन का कारक है। इसकी कर्क राशि है। कुंडली में चंद्र अशुभ होने पर माता को किसी प्रकार का कष्ट या स्वास्थ्य को खतरा होता है, दूध देने वाले पशु की मृत्यु हो जाती है। स्मरण शक्ति कमजोर हो जाती है। घर में पानी की कमी आ जाती है या नलकूप, कुएं आदि सूख जाते हैं। मानसिक तनाव, मन में घबराहट, तरह-तरह की शंका मन में आती है और मन में अनिश्चित भय व शंका रहती है। व्यक्ति के मन में आत्महत्या करने के विचार बार-बार आते रहते हैं।

❋ चंद्रमा की स्वदृष्टि

सर्वप्रथम सूर्य को लें यहां से यदि पंचम भाव पर सिंह राशि अपनी स्वदृष्टि से देखता है तो भले ही आय में कमी हो, लेकिन विद्या व संतान उत्तम होती है। संतान से लाभ मिलता है। एकादश भाव में कोई ग्रह हो, नीच को छोड़ सभी शुभफल प्राप्त होते हैं। सूर्य की तुला राशि पर दृष्टि संतान व विद्या में कष्टकारी होती है। अतः ऐसे जातकों को सूर्य की आराधना व सूर्य से संबंधित वस्तुओं का दान अपने शरीर से सात या नौ बार उतार कर रविवार को करना चाहिए।

❋ चंद्रमा का प्रभावः चंद्रमा की स्वदृष्टि पंचम भाव पर पड़े तो जातक शांति नीति वाला, ज्ञानी, सद्चरित्र, गुणी, मान-सम्मान पाने वाला होता है। उसे भूमि में गड़ा धन मिलता है। ऐसा जातक मिलनसार होता है। अशुभ वृश्चिक राशि को देखता हो तो चंद्र की वस्तु दान करना ही श्रेष्ठ रहेगा। मंगल की शत्रु नीच दृष्टि यदि पंचम भाव पर हो तो संतान से कष्ट, विद्या में कमी रहती है। यदि मित्र स्वदृष्टि हो तो संतान आदि में उत्तम लाभ रहता है।

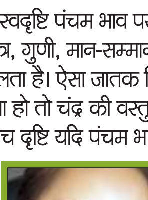

विभा शर्मा, ज्योतिषाचार्य

❋ सप्तम स्थान में कर्क राशि स्वामी चंद्रः यदि सातवें घर में कर्क राशि हो तो चंद्रमा की सबसे अच्छी स्थिति नवम भाव में होगी। यहां चंद्र एक शुभ स्थान का स्वामी होकर दूसरे शुभ स्थान में होने पर विवाह के पश्चात व्यक्ति को ऊंचाइयों तक पहुंचा देगा। व्यक्ति का विवाह के बाद भाग्योदय होगा। सुंदर व सुशील पत्नी के साथ उत्तम संतान का भी लाभ देगा।

❋ चंद्रमा चंद्र ग्रह वाले जातकः चंद्रमा चंद्र ग्रह वाले जातक रिसैप्शनिस्ट, लेखक, लाइब्रेरियन, गार्मेंट डिजाइनर, ड्रैस डिजाइनर, ट्यूटर, सलाहकार, सूचना अधिकारी, ट्रैवल एजेंट, करियर काउंसलर, आयात-निर्यातकर्ता, प्रकाशक, काव्य सृजक, पत्रकार इत्यादि क्षेत्रों में सफलता पाते हैं।

❋ कमजोर चंद्रमाः यदि आपकी जन्म कुंडली में चंद्रमा 2, 4, 5, 8, 9 एवं 12 वें भाव में है, तो इसका मतलब चंद्रमा कमजोर है और ये अशुभ फल का अनुभव कराता है। यदि चंद्रमा कृतिका, उत्तराफाल्गुनी, अश्लेषा, ज्येष्ठा, उत्तराअषाढ़ तथा रेवती नक्षत्र में है तो अशुभ फल देगा। यदि चंद्रमा के साथ बैठा राहु ग्रहण योग बना रहा है तो भी चंद्रमा अशुभ फल ही देगा। चंद्रमा शुभ व पापी दोनों होता है।

❋ बलवान चंद्रः यदि आपकी कुंडली में चंद्रमा 1, 3, 6, 7, 10 एवं 11 वें भाव में है तो इसका मतलब चंद्रमा बलवान है।उसकी सकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव आपके जीवन पर पड़ रहा है। इसकी स्वराशि कर्क है। यह वृष राशि में उच्च का होता है एंव वृश्चिक राशि में होने पर नीच का हो जाता है। अगर शुभ भावों में बैठा है तो जवन में कई सारे शुभ फल देता है।

नाऊ एक छोटा सा गांव है, जो मंडी जिले के दरंग विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत सिन्नौर क्षेत्र में आता है। नाऊ पहुंचने के लिए मंडी मनाली हाईवे में पड़ने वाले पनारसा नामक कस्बे से बस पकड़ कर पहुंचा जा सकता है। पैदल आउट नामक कस्बे से ब्यास नदी के दायीं ओर की पहाड़ी चढ़ाई चढ़कर घंटे भर में पहुंच सकते हैं। यहीं नाऊ गांव के बीचों बीच ही सुंदर छोटा सा लकड़ी की छत वाला पिरामिडाकार पहाड़ी शैली वाला माता अंबिका का मंदिर देखा जा सकता है, लेकिन अब यह छोटा सा मंदिर आप को ढूढ़ने पर भी नहीं दिखाई देगा। क्योंकि अब मंदिर कमेटी द्वारा इसे नया रूप दे दिया गया है, जिससे पुराने वाला मंदिर ऊपर से पूरी तरह से ढक गया है। अर्थात प्राचीन आकृति से बिलकुल भी छेड़छाड़ नहीं की गई। हां छोटे से प्राचीन मंदिर के स्वरूप को विशाल सभा मंडप द्वारा ढांप कर नवरूप दे दिया गया है और अब मंदिर में कई प्रकार के बड़े-बड़े आयोजन आसानी से किए जा रहे हैं। मंदिर के छोटे से प्राचीन गर्भ गृह का आकार वही पुराने वाला लगभग 4 फुट गुणा 4 फुट का ही है और इसका छोटा सा प्रवेश द्वार 3 फुट गुणा 2 फुट का ही है। प्रवेश द्वार सुंदर प्राचीन लकड़ी की करागरी का सबूत है, जिसमें ऊपरी चौखट पर कई एक देवी-देवताओं की उकेरी सुंदर आकृतियां देखी जा सकती हैं।

नाऊ का देवी माता अंबिका मंदिर

प्रथम पंक्ति में सभी वाद्य यंत्र वालों को दिखाया गया है। फिर दायीं ओर चौखट के थाम पर पहले चतुर्भुज देवी अंबिका को, फिर कुछ फूल पत्तों को तथा सबसे नीचे की ओर किसी अन्य देवी की उकेरी गई आकृति दिखाई गई है। इसी चौखट के ऊपर मध्य में भगवान शिव पार्वती को दिखाया गया है। पाट के साथ लगते दोनों तरफ थामों के आधार पर एक एक अन्य देवी की आकृति को दिखाया गया है। इन्हीं दोनों थामों की ऊपरी चौखट के ठीक मध्य में देव गणेश को बैठी मुद्रा में उकेरे दिखाया गया है। दायीं ओर के एक थाम के आधार पर मां दुर्गा को वाहन सिंहा के साथ व ऐसे ही बायीं ओर थाम के आधार पर देवी महिषासुरमर्दनी को उकेरे दिखाया है। अंत में दोनों तरफ एक एक सुंदर सांप की आकृति उकेरी गई है। इसी प्रकार मंदिर के पीछे की ओर भी देवी मां व शिव पार्वती की उकेरी आकृतियां देखी जा सकती हैं। इसी छोटे से प्राचीन मंदिर का अपना छोटा सा प्रदक्षिणा पथ पहले जैसा ही देखा जा सकता है। गर्भ गृह में भी वही प्राचीन पाषाण प्रतिमाएं ही स्थापित हैं। इनमें एक देवी अंबिका की महिषासुरमर्दनी के रूप में तथा दूसरी देवी काली के रूप में है। इन दोनों प्रतिमाओं की ऊंचाई यही लगभग तीन फुट की ही है। मंदिर कमेटी द्वारा बनाया गया विशाल सभा मण्डप तो अब प्राचीन मंदिर का आवरण ही प्रतीत होता है।

नाऊ में कहां से आईं देवी अंबिका : वैसे तो देवी अंबिका 22वें जैन तीर्थकर नेमिनाथ की अधिष्ठायिका देवी (जैन कुल देवी) हैं, लेकिन देवी अंबिका नाऊ कहां से और कैसे नाऊ आई इसकी भी एक लंबी कहानी व इतिहास है। बताते हैं कि देवी अंबिका का मूल स्थान जिला कुल्लू का नाऊ नामक गांव है और यह गांव कुल्लू के निरमंड क्षेत्र में पड़ता है। इसी नाऊ (निरमंड) गांव से ही भरद्वाज गोत्र के किसी ब्रह्मण द्वारा देवी को यहां सिन्नौर इलाका के इस स्थान पर लाया गया और फिर देवी के मूल स्थान से ही इस स्थान का नाम भी नाऊ पड़ गया। पुराणों के अनुसार देवी मां अंबिका को देवी मां पार्वती का रूप ही बताया गया है। इन्हें भगवती व चंडी के नाम से भी जाना जाता है और आदि शक्ति भी कहा जाता है। क्योंकि इन्हें ब्रह्मांड तथा सभी प्राणियों की मां भी तो कहा गया है। स्कंद पुराण में तो देवी अंबिका को ही दैत्य शुंभ निशुंभ का वध करने वाली भी कहा गया है। तभी तो इन्हें माता शेरा वाली, माता दुर्गा, भगवती, ललितांबिका, मां भवानी व माता रानी आदि नामों से जाना जाता है। श्रीमद्भागवत पुराण में इसीलिए इन्हें सभी देवियों की पूर्वज कहा गया है। आज यही देवी अंबिका नाऊ माता या माता नाऊ देवी के नाम से प्रसिद्ध है। देवी की

महिषासुरमर्दनी और देवी काली के रूप विराजमान

यह समस्त जानकरी व इतिहास लगभग एक हजार वर्ष पुराना बताया जाता है।

पिंडी रूप में लाई गई देवी मांः देवी मां पिंडी रूप में सबसे पहले दौगरी नामक गांव में लाई गई, यह गांव नाऊ से नीचे की ओर पड़ता है। फिर दौगरी से पिंडी को अगले गांव सवाड़ी में लाया गया। सवाड़ी में उस समय राउल जाति के लोगों का बोलबाला था, यहीं पर उनका एक शिव मंदिर भी था। जब पिंडी को लेकर भारद्वाज ब्राह्मण यहां पहुंचे तो उनका झगड़ा यहां के राउल जाति के लोगों से हो गया तथा उन्होंने राउल को यहां से खदेड़ कर सारे क्षेत्र व शिव मंदिर पर अधिकार कर लिया। एक अन्य किवदंती अनुसार बताया जाता है कि किसी समय

डॉ. कमल के. प्यासा
परुथी, लोअर समखेतर, मंडी

इसी नाऊ मंदिर वाले स्थान पर एक गाय भेखड़े की झाड़ी के पास अपने स्तनों से हर दिन दूध छोड़ा करती थी, जिससे लोग चकित थे। एक दिन वहीं कुछ महिलाएं खुदाई कर रही थीं तो उन्हें वहीं से माता की पिंडी प्राप्त हुई। उस समय वहीं पर मड़ू पजाला, भंबू रांगड़, ज्योरी का जरेल व लहौलू सवाड़ी बैठे तम्बाकू पी रहे थे और तभी माता की पिंडी रांगड़ गांव के भम्बू के पास पहुंच गई। पिंडी की स्थापना उसी समय वहीं पर कर दी गई। ऐसा भी बताया जाता है कि यहीं से एक तीन चार किलो ग्राम की अष्टधातु की भगवान परशुराम की पिंडी भी प्राप्त हुई थी,जो कि निरमंड की परशुराम की पिंडी की तरह ही थी।

भादो मास में लगता है मेला : नाऊ देवी के मंदिर में हर वर्ष भादो मास में मेले का आयोजन किया जाता है। तीन-चार दिन तक चलने वाले इस मेले में जन्म अष्टमी वाले दिन से ही लोग नाऊ पहुंचने शुरू हो जाते हैं। होम का आयोजन देवी अंबिका मंदिर परिसर में ही किया जाता है, जो कि माता अंबिका के मोहरे के पहुंचने पर ही शुरू किया जाता है। मेले के दिन रात्री के समय यहां का दृश्य देखते ही बनता है। अंधेरा होते ही (नाऊ के चारों ओर के) आसपास के गांव के लोग हाथों में जलती मशालें लिए मंदिर की ओर बढ़ते हैं। सबसे पहले आने वाले लोगों में (ऊपर की तरफ से आने वाले) रांगड़ गांव के होते हैं। रांगड़ गांव के लोगों को देख कर दूसरे गांव के लोग भी मशालें उठा कर चल पड़ते हैं। इस प्रकार यह सुंदर दृश्य बड़ा ही सुहावना लगता है। सभी मशालों वाले लोग पहले नाऊ मंदिर के नीचे वाले मैदान में एकत्र होते हैं। फिर रांगड़ गांव से देवी के मोहरे के पहुंचने पर मंदिर में हवन का कार्यक्रम शुरू हो जाता है। इस सारे आयोजन में देव पराशर, देव ब्रह्मा, देव चंडोही तथा देवी तुंगा शामिल होती हैं। फिर होम में ही देवों के गुरों को 'खेल' (छेरते) आ जाती है। खेल आने पर लोगों द्वारा प्रश्न डाले जाते हैं। 'खोट' आने पर फिर उसका समाधान भी इन्हीं गुरों के ही माध्यम से बताया जाता है, जो कि एक प्रकार से देव वाणी ही होती है।

अंक ज्योतिष : संख्याओं का एक रहस्यमय संसार

अंक ज्योतिष संख्याओं और उनके प्रतीकात्मक अर्थों का अध्ययन है। यह संख्याओं का एक रहस्यमय संसार है, जो अंकों के माध्यम से व्यक्ति के जीवन, व्यक्तित्व, भविष्य और भाग्य की गणना करता है। यह एक प्राचीन विद्या है, जो विभिन्न संस्कृतियों में पाई जाती है जैसे- भारत, चीन, ग्रीस और मिस्र। अंकज्योतिष मानता है कि संख्याओं में ब्रह्मांड की ऊर्जा होती है और वे हमारे जीवन को प्रभावित करती हैं। अंक ज्योतिष का इतिहास हजारों वर्ष पुराना है। इसका उल्लेख भारतीय वेद और पुराणों में मिलता है, जहां इसे अंक ज्योतिष के रूप में ही जाना जाता था। ऐसा भी माना जाता है कि इसकी उत्पत्ति मिस्र या बेबीलोन में हुई थी। भारत में भी अंक ज्योतिष का एक समृद्ध इतिहास रहा है और अब इसे अंकशास्त्र के नाम से जाना जाता है। यहां अंक शास्त्र को विस्तार दिया गया और कई और नियम विकसित किए गए।

अंक ज्योतिष के प्रकार

- ***पाएथागॉरियन अंक ज्योतिष :*** यह सबसे लोकप्रिय प्रकार का अंक ज्योतिष है, जो ग्रीक गणितज्ञ पाएथागोरस के विचारों पर आधारित है।
- **कालडीयन अंक ज्योतिष :** यह भी अंक ज्योतिष का एक प्राचीन रूप है जो बेबीलोन में उत्पन्न हुआ था। इसमें संख्याओं को अधिक महत्व दिया जाता है और अक्षरों को केवल संख्याओं के प्रतिनिधि के रूप में देखा जाता है।
- **भारतीय अंक ज्योतिष :** यह ज्योतिष भारत में विकसित हुआ है। इसमें संख्याओं को देवताओं और ग्रहों से जोड़ा जाता है।

प्रदीप जोशी , न्यूमेरोलॉजिस्ट और वास्तु कंसलटेंट

अंक ज्योतिष का उपयोग

- **व्यक्तित्व और स्वाभाव का विश्लेषणः** अंक ज्योतिष किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व, स्वाभाव और विशेषता के बारे में जानकारी प्रदान कर सकता है।
- **भाग्य और भविष्य की भविष्यवाणीः** अंक ज्योतिष का उपयोग किसी व्यक्ति के भाग्य, भविष्य और जीवन में आने वाली घटनाओं के बारे में भविष्यवाणी करने के लिए किया जा सकता है।
- ***नाम और व्यवसाय का चयन :*** *अंक ज्योतिष का उपयोग किसी व्यक्ति के नाम और व्यवसाय का चयन करने के लिए किया जा सकता है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे उनके लिए अनुकूल हैं।*

चुनौतियों का सामना करने में मार्गदर्शन

अंक ज्योतिष किसी व्यक्ति को जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना करने और उससे निपटने के लिए मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है। यहां यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि अंक ज्योतिष कोई विज्ञान नहीं है। यह एक प्राचीन विद्या है, जो संख्याओं के प्रतीकात्मक अर्थों पर आधारित है। अंक ज्योतिष को एक मार्गदर्शक के रूप में देखा जाना चाहिए और इसे जीवन के सभी पहलुओं के लिए एकमात्र निर्धारक के रूप में नहीं मानना चाहिए।

रहस्यमय और रोचक विद्या

अंक ज्योतिष एक रहस्यमय और रोचक विद्या है जो संख्याओं और उनके प्रतीकात्मक अर्थों का अध्ययन करती है। यह किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व, भाग्य और जीवन के बारे में जानकारी प्रदान करती है। अंक ज्योतिष केवल एक अंधविश्वास नहीं है, बल्कि एक गहन अध्ययन है, जो जीवन के विभिन्न पहलुओं को समझने में मदद करता है। यदि इसे सही तरीके से समझा और उपयोग किया जाए तो यह जीवन में एक सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है। अतः अंक ज्योतिष को एक सशक्त मार्गदर्शक के रूप में देखा जाना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

दो मामलों में 36 बोतल देसी शराब बरामद

अनंत ज्ञान, डरोह। पुलिस थाना भवारना की टीम ने अलग-अलग दो जगह 36 बोतलें देसी शराब बरामद की है। पुलिस ने कुलदीप सिंह पुत्र स्व. विधी चंद निवासी ग्राम वड़घवार डाकघर भवारना तहसील पालमपुर जिला कांगड़ा से वड़गवार स्थान पर गश्त के दौरान 24 बोतलें 18,000 एमएल/सीएल मार्का वीआरवी संतरा बरामद की। इसके साथ-साथ पुलिस टीम भवारना ने अभिषेक पुत्र कृष्ण चंद निवासी वीपीओ कुरल तहसील पालमपुर जिला कांगड़ा हिमाचल प्रदेश से अक्षैणा मंदिर स्थान पर गश्त के दौरान 12 बोतलें 9,000 एमएल/सीएल मार्का वीआरवी संतरा बरामद की है। इसकी पुष्टि भवारना पुलिस थाना प्रभारी गुरदेव सिंह ने की है।

सनराइज स्कूल में मनाया बाल मित्र दिवस

अनंत ज्ञान, धर्मशाला। धर्मशाला के सनराइज पब्लिक स्कूल ब्लू में बाल मित्र दिवस मनाया गया। इस दौरान स्कूल के प्रधानाचार्य प्रवीण कुमार ने बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस दौरान बच्चों एवं स्थानीय लोगों ने प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना के बारे में अवगत करवाया गया और बच्चों को विभिन्न प्रकार का सामान जैसे ज्योमेट्री बॉक्स, चॉकलेट इत्यादि वितरित की गईं। अंत में परियोजना अधिकारी रोहित शर्मा ने सभी बच्चों और अभिभावकों स्कूल प्रबंधन एवं प्रधानाचार्य का आभार व्यक्त किया।

राज्य पेंशनर्स महासंघ कल करेगा प्रदर्शन

अनंत ज्ञान, गगल। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ हिमाचल प्रदेश, कर्मचारियों एवं पेंशनर्स के चिर लंबित वितीय देय लाभों बारे ब्लॉक, जिला और प्रदेश स्तर पर तथा उच्च न्यायालय द्वारा पारित निर्देशों से प्रदेश सरकार को उचित माध्यम से पिछले दो वर्षों से ज्ञापन सौंपा जा रहा है, परंतु सरकार ने हर स्तर पर मांगों को अनसुना किया है। इन मांगों के लिए भारतीय राज्य पेंशनर महासंघ तथा अन्य संगठनों सहित समन्वय समिति ने 5 मार्च को सचिवालय (शिमला) के मुख्य द्वार पर धरना-प्रदर्शन रखा गया है।

पटवारी एवं कानूनगो संघ ने सौंपा ज्ञापन

अनंत ज्ञान, बैजनाथ। संयुक्त पटवारी एवं कानूनगो संघ तहसील बैजनाथ ने सांमवार को प्रधान डीआर ठाकुर की अध्यक्षता में तहसीलदार बैजनाथ तथा उपमंडल अधिकारी बैजनाथ को एक ज्ञापन दिया, जिसके अनुसार बैजनाथ तहसील के सभी क्षेत्रीय कर्मचारी स्टेट कैडर किए जाने और अपनी मांगों को लेकर कलम छोड़ अभियान पर रहेंगे। इसके चलते सभी दफ्तर अनिश्चितकाल तक बंद रहेंगे। संघ का कहना है कि उनकी नियुक्ति जिला केडर में हुई है तथा उनकी वरिष्ठता सूची भी जिला स्तर की है। प्रत्येक जिला के राजस्व अभिलेख, रीति रिवाज, भाषा तथा भूमि मापन में पैमाने अलग-अलग हैं । संघ ने सरकार से राज्य केडर की अधिसूचना वापस लेने तथा बलवान कमेटी की सिफारिशों को लागू करने की मांग की।

विधायक काजल ने आकृति को दीं शुभकामनाएं

अनंत ज्ञान, कांगड़ा। इटली में आठ मार्च से आयोजित होने वाली स्पेशल ओलंपिक गेम्स में भारत का एथलेटिक्स में प्रतिनिधित्व कर रही पुराना कांगड़ा की आकृति

के घर जाकर प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष व विधायक पवन काजल ने उसे शुभकामनाएं दीं। काजल ने कहा कि कांगड़ा विधानसभा क्षेत्र और खासकर पुराना कांगड़ा की जनता के लिए बहुत ही गर्व का विषय है कि आकृति देश की टीम में खेल कर स्पेशल ओलंपिक में भारत का नाम ऊंचा करेगी। उन्होंने आकृति को स्पेशल ओलंपिक में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया और उसके परिजनों को भारतीय टीम में सिलेक्शन होने पर बधाई और शुभकामनाएं दीं।

निजी बस ने तीन गाड़ियों को मारी टक्कर

अनंत ज्ञान, कांगड़ा। कांगड़ा के घुरकड़ी में सोमवार देर सायं एक बड़ा सड़क हादसा हुआ है, जहां एक निजी बस ने तीन गाड़ियों को टक्कर मार दी। यह हादसा तब हुआ, जब बस ने एक बाइक सवार को बचाने की कोशिश की। हादसे के बाद दोनों ओर वाहनों की लंबी जाम की स्थिति बन गई, लेकिन किसी तरह बातचीत के बाद जाम की स्थिति से लोगों को निजात मिल सकी। इसके बाद पुलिस को सूचना देकर बुलाया गया, जिसके बाद पुलिस ने अपनी कार्रवाई शुरू की। बस चालक का मेडिकल करवाया गया है। राहत की बात यह है कि इस हादसे में किसी को कोई चोट नहीं पहुंची है। वहीं, पुलिस थाना प्रभारी संजीव कुमार ने बताया कि पुलिस ने बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

दो दिन अदालतों का बहिष्कार करेंगे अधिवक्ता

अनंत ज्ञान, बैजनाथ। बार एसोसिएशन बैजनाथ दो दिन अदालतों का बहिष्कार करेगी। इस संबंध में आज बार एसोसिएशन बैजनाथ की आकस्मिक बैठक अध्यक्ष एडवोकेट अजय अवस्थी की अध्यक्षता में हुई। अजय अवस्थी ने स्टेट कॉर्डिनेशन कमेटी की 2 मार्च को हुई बैठक का ब्यौरा देते हुए बताया कि प्रस्तावित अधिवक्ता संशोधन विधेयक से न केवल विभिन्न बार काउंसिल और बार एसोसिएशनों की स्वायत्तता प्रभावित होगी, बल्कि अधिवक्ताओं का स्वतंत्र और निर्भीक होकर कार्य करना भी कठिन होगा। सभी अधिवक्ताओं ने केंद्र सरकार के विधि मंत्रालय से उपरोक्त विवादित बिल को वापस लेने का आग्रह किया है।

अधिवक्ताओं ने केंद्र के खिलाफ की नारेबाजी

अनंत ज्ञान, जवाली। बार एसोसिएशन जवाली ने एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एडवोकेट एलएम शर्मा के नेतृत्व में केंद्रीय कानून मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित अधिवक्ता संशोधन विधेयक के विरोध में सोमवार को जवाली न्यायालय के बाहर प्रदर्शन किया और कोर्ट से संबंधित सभी कार्यों का बहिष्कार किया। अधिवक्ताओं ने जमकर नारेबाजी भी की गई। एडवोकेट एलएम शर्मा ने कहा कि इस काले कानून के चलते वकीलों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, जिसका सभी विरोध कर रहे हैं। केंद्र सरकार 1961 के अधिवक्ता कानून में संशोधन करने जा रही है। उन्होंने अधिवक्ता संशोधन बिल को वापस लेने की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा इसको होल्ड करने की बात की जा रही है, लेकिन बार एसोसिएशन की मांग है कि इसे वापस लिया जाए।

बार एसोसिएशन फतेहपुर भी हड़ताल पर

अनंत ज्ञान, फतेहपुर। कानून मंत्रालय द्वारा अधिवक्ता विधेयक में संशोधन किया जा रहा है जिसके विरोध में बार एसोसिएशन फतेहपुर ने भी हड़ताल शुरू कर दी है। अधिवक्ता संजीव कुमार ने बताया कि अधिवक्ता विधेयक में संशोधन करने के फैसले को लेकर पूरे देश के अधिवक्ता हड़ताल कर रहे हैं। इनका समर्थन करते हुए फतेहपुर बार एसोसिएशन ने भी हड़ताल शुरू कर दी है।

ऐतिहासिक शिव मंदिर बैजनाथ का करेंगे सौंदर्यीकरण : भारद्वाज

केंद्र से की है पठानकोट-जोगिंद्रनगर रेलवे मार्ग को ब्रॉडगेज करने की मांग

जितेंद्र कौशल, बैजनाथ

कांगड़ा चंबा लोकसभा सांसद डॉक्टर राजीव भारद्वाज ने कहा कि बैजनाथ में ऐतिहासिक शिव मंदिर है, जिसे विकसित करने जरूरी है, आज मंदिर का दौरा करने के बाद उन्होंने कहा कि इस मंदिर के सौंदर्यकरण को लेकर वे पर्यटन व संस्कृति मंत्रालय से बात करेंगे तथा जल्दी अच्छा प्रोजेक्ट लाकर शिव मंदिर का सौंदर्यकरण करेंगे।

उन्होंने कहा कि जिला कांगड़ा की टॉय ट्रेन को जल्द ही ब्रॉडगेज में बदला जाएगा, इसको लेकर चार बार केंद्रीय रेल मंत्री से अपनी बात को जोर-जोर से रख चुके हैं और जल्द ही इसके अच्छे नतीजे सामने आएंगे। बैजनाथ विधानसभा क्षेत्र के दो दिवसीय संपर्क अभियान दौर पर पहुंचे सांसद डॉक्टर राजीव भारद्वाज ने बैजनाथ में पत्रकारों से कहा कि जिला कांगड़ा में ब्रॉडगेज रेल लाइन को लेकर केंद्रीय मंत्री के समक्ष कई बार मामला उठा चुके हैं और संसद में भी रेल विस्तार को लेकर अपनी मांग रख चुके हैं जिस पर केंद्र सरकार व रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव काफी गंभीर है। बहुत जल्द इस पर सार्थक निर्णय रेल विभाग द्वारा लिया जा सकता है और उन्हें पूर्ण उम्मीद है कि कांगड़ा की मांग जल्द पूरी होगी। कांगड़ा जिले में मां ज्वाला जी, मां ब्रजेश्वरी मां चामुंडा शक्तिपीठ व सिद्ध पीठ, बाबा बैजनाथ धाम, तथा धर्मशाला में तिब्बत राजधानी के साथ दलाई लामा का निवास स्थान होने के साथ बीड़ बिलिंग पैराग्लाइडिंग स्थल है, जिसके लिए रेलवे लाइन का विस्तार सुनिश्चित होना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि वे प्रदेश व कांगड़ा-चंबा लोकसभा क्षेत्र के विकास तथा समस्याओं को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री से मिलकर ज्वलवंत मुद्दों पर बात करेंगे तथा कुछ विषयों पर राजनीतिक दीवारें तोड़कर विचार करना चाहिए। (अनंत ज्ञान)

प्रदेश सरकार के पास वेतन-पेंशन देने के लिए भी पैसा नहीं

डॉ. राजीव भारद्वाज ने दिल्ली में सत्ता परिवर्तन को लेकर कहा कि दिल्ली में कांग्रेस की एक भी सीट हासिल नहीं कर सकी और आने वाले दिनों में हिमाचल प्रदेश के चुनाव में भी ऐसा देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि इन दो वर्षों में कांग्रेस का झूठ तथा बेईमानी जनमानस के सामने आ गई है। सांसद ने कहा कि प्रदेश सरकार की स्थिति यह है कि कर्मचारियों को देने के लिए न तो तनख्वाह है न पेंशन मिल रही है। अब मुख्यमंत्री की नजर मंदिरों के खजाने पर पड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नशा, बेरोजगारी व पर्यावरण को लेकर हम सबको राजनीति से उठकर इस गंभीर समस्या का समाधान करना चाहिए।

बैजनाथ में 12 से 15 मार्च तक मनाया जाएगा जिला स्तरीय होली महोत्सव

अनंत ज्ञान, बैजनाथ। जिला स्तरीय होली महोत्सव को लेकर सोमवार को बैजनाथ के विश्राम गृह में विधायक किशोरी लाल की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में मेले को लेकर रूपरेखा तय हुई। इसमें तय हुआ कि मेले में झांकियों को समय देर शाम 6 बजे तक निकाली जाएँगी। इसके अलावा 12 मार्च को मेले का शुभारंभ बाबा ज्ञान दास मंदिर से होगा। यह मेला 12 मार्च से 15 मार्च तक आयोजित होगा। मेले में विधायक किशोरी लाल ने कहा कि पपरोला का मेला सदियों पुराना है। इसमें सभी की सहभागिता जरूरी है। उन्होंने कहा कि पपरोला की परम्परा झाँकियों को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। बैठक में यातायात व्यवस्था को लेकर डीएसपी अनिल शर्मा ने ट्रैफिक प्लान को लेकर चर्चा की। बैठक में एसडीएम देवी चंद ठाकुर, तहसीलदार रमन ठाकुर, डीएसपी अनिल शर्मा, जेई नप विकास, नप अध्यक्ष आशा भाटिया, उपाध्यक्ष राजन चौधरी, व्यापार मंडल प्रधान मनोज सूद, होली मेला कमेटी के अध्यक्ष गौरव सूद मौजूद रहे।

हैप्पी बर्थडे

हरसन के अर्णव शर्मा को जन्मदिवस पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

धुंदला (बंगाणा) के अभिनय वर्मा को जन्मदिवस पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

सिद्ध पूनणी (रक्कड़) के शशि राणा को जन्मदिवस पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

दाड़लाघाट की मधु गुप्ता को जन्मदिवस पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

बर्थडे व सालगिरह के फोटो भेजें

बर्थडे हो या शादी की सालगिरह। आपकी खुशियों में हम भी हैं शामिल। अपना फोटो अनंत ज्ञान में प्रकाशित करवाने के लिए नाम और पते सहित व्हाट्सऐप नंबर 88945-21702 पर भेजें।

रविदत्त शर्मा को चुना शाहपुर मंडल अध्यक्ष

अनंत ज्ञान, शाहपुर। भारतीय जनता पार्टी शाहपुर ने अपनी कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए मंडल अध्यक्ष, सचिव, उपाध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति की है। इसी कड़ी में अध्यक्ष की कमान रविदत्त शर्मा को सौंपी है। उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी जरासंध शर्मा, संजीव गुलेरिया, सीमा चौधरी, अशोक कुमार को बनाया है। महामंत्री कृपाल संधू और कपिल महाजन को बनाया गया है। कोषाध्यक्ष संजीव दियोलिया को बनाया है। सचिव लव कुमार, ललिता चौधरी, शकीना शर्मा, नवीन ठाकुर और वीरबल सिंह को बनाया है। मीडिया प्रभारी सरोज चौधरी, प्रवक्ता राकेश मनु, कार्यालय सचिव सरला भाटिया, आईटी संयोजक विनोद कुमार, आईटी सह संयोजक, संजीव कुमार, सोशल मीडिया संयोजक केशवानंद शर्मा, सोशल मीडिया सह संयोजक कीकर सिंह को बनाया है। बलदेव सिंह, जीवन कौंडल, रविंद्र, जोगिंद्र कटोच, अंजू, अरुणा, रजनी, सरिता, रीमा, पूजा, प्रवीण लता, रंजना, सतीश कुमार, मंजील कमार, जोगिंद्र सिंह, केवल सिंह, कुलदीप, पृथ्वी सिंह, करण मेहता, नीलम, सुरेश, दीपक अवस्थी, प्रवीण, सीमा देवी, उत्तम को कार्यकारिणी सदस्य चुना गया है।

विजय व नसीब बने भाजपा जयंती मंडल के महामंत्री

अध्यक्ष अशोक कुमार ने की कार्यकारिणी की घोषणा, पुरुषोत्तम, महिंदर और सरोज को चुना उपाध्यक्ष

अनंत ज्ञान, कांगड़ा

भाजपा जयंती मंडल के अध्यक्ष अशोक कुमार ने मंडल कार्यकारिणी की घोषणा कर दी। कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष पद पर पुरुषोत्तम लाल, महिंदर सिंह और सरोज कुमारी को जिम्मेदारी दी गई। महामंत्री विजय ठाकुर और नसीब सिंह बने। कोषाध्यक्ष अरविंद शर्मा को बनाया गया।

सचिव के पद पर अजित सिंह, पुष्पा देवी, मल्लिका देवी, अनिल धीमान और अनीता देवी को नियुक्त किया गया।मीडिया प्रभारी हेमराज सोनू को बनाया गया। प्रवक्ता की जिम्मेदारी रविंदर सिंह को दी गई। कार्यालय सचिव मनोहर लाल बने। आईटी संयोजक अभिनव डढवाल और सह संयोजक दीपांशु को नियुक्त किया गया। सोशल मीडिया संयोजक प्रदीप कुमार और सह संयोजक सुमित शर्मा बने।

कार्यकारिणी सदस्य के रूप में प्रमोद सिंह, कल्पना भंडारी, सुरजीत गुलेरिया, कमल करण, बोध राज, परीश, रामदीप गुलेरिया, माया अवस्थी, राजकुमार, जोगिंदर सिंह, सुषमा देवी, राजिंदर सिंह, बिक्रम सिंह, स्वरूप कजला, स्वरूप चंद, वंदना देवी, कुलदीप, संतोष कुमारी, रजनीश कुमार, विनता कुमारी, सपना मनकोटिया, प्रकाश चंद, लखविंदर सिंह, गुरबचन सिंह, सुनील कुमार, नीलम मेहरा, सीमा देवी, जसवंत भंडारी, डॉ. सतीश सोनी और दयाराम को शामिल किया गया।

राजेंद्र पाल खुंडियां मंडल के उपाध्यक्ष ललित, प्रताप और पूनम महामंत्री

अनंत ज्ञान, ज्वालामुखी। खुंडियां भाजपा मंडल की कार्यकारिणी का गठन मंडल अध्यक्ष संजय राणा तथा पूर्व मंत्री रविंद्र सिंह रवि के मार्गदर्शन में किया गया। इसमें राजेंद्र पाल को उपाध्यक्ष, ललिता चौहान, प्रताप सिंह, पूनम ठाकुर को महामंत्री, संजीव राणा, राजेश शर्मा को सचिव, नरेंद्र अग्न, लता देवी , राजेश कुमार, नीमो देवी व नरेंद्र कुमार को कोषाध्यक्ष, प्रोमिला कुमारी को मीडिया प्रभारी, रघुवीर सिंह प्रवक्ता, पृथ्वी चंद कार्यालय सचिव, कश्मीर सिंह आईटी संयोजक, अग्रवन सिंह आईटी सहसंयोजक, शिवानी सोशल को मीडिया संयोजक, शशि राणा को सोशल मीडिया सहसंयोजक नियुक्त किया गया है। शिवानी, सुरेंद्र, जसवंत, सुरजीत,बीना देवी, लेखराज, पवन, राजकुमारी, चंचला, रमेश चंद, बनिता, बलदेव सिंह, सुमन कुमारी, लता देवी, भान सिंह, प्रितपाल चौहान, राजमल, कर्म सिंह, देशराज, दीप कुमार,कुशल सिंह, कंचन देवी, कमलजीत सिंह, संजीव राणा, कौर चंद, रतन चंद व बिंदु राणा को कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया गया है। रविंद्र रवि,अजय खट्टा, मान सिंह राणा, प्रवीण राणा, पंजाब सिंह, मीना राणा, अनीता, सरिता, कुलदीप,कर्म सिंह को स्थायी आमंत्रित सदस्य नियुक्त किया गया है। महेंद्र सिंह, कुशल सिंह, सुरेश, नसीब सिंह, बाली शर्मा, बलवंत, कमलेश कुमार, कांशी राम,मान चंद व दिलीप सिंह को विशेष आमंत्रित सदस्य चुना गया है।

पुलिस भर्ती : 224 युवतियों ने उत्तीर्ण किया ग्राउंड टेस्ट

अनंत ज्ञान, धर्मशाला

महिला पुलिस भर्ती ग्राउंड टेस्ट प्रक्रिया के लिए सोमवार को 2052 में से 1292 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण करवाया था, जबकि 755 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहीं।

प्रदेश पुलिस कांस्टेबल भर्ती के तहत सोमवार को धर्मशाला में महिला पुलिस कांस्टेबल भर्ती के लिए ग्राउंड टेस्ट प्रक्रिया शुरू हुई। सोमवार को 2052 महिला अभ्यर्थियों को ग्राउंड टेस्ट में भाग लेने हेतु कॉल लेटर जारी किए गए थे, जिनमें से 224 ने ग्राउंड टेस्ट पास किया, जबकि 1073 अभ्यर्थी रिजेक्ट हो गईं।

जरूरी वस्तुओं के परचून विक्रय मूल्य निर्धारित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

दंडाधिकारी, हेमराज बैरवा ने हिमाचल प्रदेश जमाखोरी एवं मुनाफाखोरी उन्मूलन के आदेश 1977 के खंड-3 (1) (ई) के अंतर्गत प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिला कांगड़ा में आवश्यक वस्तुओं के परचून विक्रय मूल्य समस्त करों सहित निर्धारित किए हैं।

जिला कांगड़ा का कोई भी व्यापारी तथा निर्माता निर्धारित मूल्य से अधिक मूल्य उपभोक्ताओं से नहीं ले सकता है। उन्होंने होटलों/ढाबों में परोसा जाने वाला खाना, सब्जियों जिसमें पूरी खुराक दाल सब्जी एवं चावल/चपाती प्रति खुराक 80 रुपए, दाल फ्राई प्रति प्लेट 60 रुपए, मटर-पनीर एवं पालक-पनीर प्रति प्लेट 80/90 रुपए, चिकन करी प्रति प्लेट 80 रुपए, मीट पका हुआ प्रति प्लेट 120 रुपए, तवा चपाती 5 रुपए, चाय 10 रूपये, तंदूरी चपाती 7 रूपये, परांठा भरा हुआ अचार सहित 20 रुपए, दो पूरी/ भटूरा चने दही सहित प्रति प्लेट 50 रुपए, चावल 50 रुपए प्रति प्लेट, साधारण दाल 40 रुपए प्रति प्लेट तथा स्पेशल सब्जी 70 रुपए प्रति प्लेट निर्धारित किए हैं। इसी प्रकार मीट बकरा, भेढ़ा प्रति किलोग्राम 500 रुपए, मुर्गा ब्राईलर, ड्रैस्ड प्रति किलोग्राम 200 रुपए, मीट सूअर प्रति किलोग्राम 250 रुपए, मछली कच्ची 200 रुपये प्रति किलोग्राम तथा मछली तली हुई 280 रुपए प्रति किलोग्राम तथा जिंदा मुर्गा 150 रुपए प्रति किलोग्राम निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि हलवाईयों/ग्वालों द्वारा बेचा जाने वाला कच्चा दूध प्रति लीटर 55 रुपए, उबला हुआ दूध 57 रुपए प्रति लीटर, पैकेट दूध सभी ब्रांड का अंकित मूल्य पर तथा दही प्रति किलोग्राम 80 रुपए। इसी प्रकार पनीर खुला दूसरे राज्यों से आयातित तथा स्थानीय पनीर प्रति किलोग्राम 300 रुपए बेचा जाएगा।

वाहन मालिक 31 तक जमा करवाएं मालकर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि जिन व्यावसायिक वाहन मालिकों ने अपना यात्री एवं मालकर जमा नहीं करवाया है, उनको अपना कर देने के लिए विभाग द्वारा विशेष अवसर दिया जा रहा है। उन्होंने टैक्सी-मैक्सी व कॉन्ट्रैक्ट कैरिज बसों के वाहन मालिक से आह्वान किया कि उक्त कर को विशेष पथकर के रूप में 31 मार्च तक जमा करवाना सुनिश्चित करें। राज्य सरकार द्वारा इस बारे जारी विशेष नीति के तहत 31 मार्च तक अपना विशेष पथकर जमा करवाने पर जुर्माना/ब्याज राशि पर 10 प्रतिशत छूट भी दी जाएगी। आरटीओ ने बताया कि 31 मार्च के बाद विशेष पथकर देने पर कोई भी छूट नहीं दी जाएगी तथा पूरा ब्याज/जुर्माना राशि के साथ वसूला जाएगा।

शाहपुर अस्पताल का 37.66 लाख का बजट पास

अनंत ज्ञान, शाहपुर

नागरिक अस्पताल शाहपुर में सोमवार को स्थानीय विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल पठानिया की अध्यक्षता में रोगी कल्याण समिति की बैठक का आयोजन किया गया। उपमुख्य सचेतक द्वारा बैठक की अध्यक्षता करते हुए रोगी कल्याण समिति से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। रोगी कल्याण समिति के तहत वित्त वर्ष 2025-26 में 37,66,264 रुपए की धनराशि व्यय करने का बजट अनुमोदित किया गया, जबकि विभिन्न संसाधनों से रोगी कल्याण समिति को 34,00,500 रुपए की आय होने की संभावना है, जबकि 5,14,019 रुपए पिछले वर्ष के हैं । रोगी कल्याण समिति के खाते में वर्ष 2024-25 में 27,76,103 रुपए की धनराशि थी, जिसमें 18,93,917 रुपए विभिन्न संसाधनों से अर्जित हुए थे तथा 8,82,186 रुपए पिछले वर्ष के हैं और इस वर्ष 22,62,084 रुपए विभिन्न कार्यों पर व्यय किए गए ।

बैठक में यह भी निर्णय हुआ कि हॉस्पिटल में बढ़ते हुए काम के मद्देनजर यहां पर दो पद डांटा एंट्री ऑपरेटर के भी सृजित किए जाएं ताकि हॉस्पिटल के विभिन्न कार्य सुगमता से हो सकें। उपमुख्य सचेतक ने कहा कि रोगी कल्याण समिति को आर्थिक तौर पर और अधिक सशक्त किया जाए, ताकि मरीजों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सके। मरीजों को अच्छी सुविधा देना ही हमारा उद्देश्य है। गत दो वर्षों के दौरान नागरिक हॉस्पिटल शाहपुर में 2,67,467 मरीजों ने पंजीकरण करवाया जबकि 15029 लोगों ने दांत से संबंधित अपना इलाज करवाया। 3892 माइनर सर्जरी की गई तथा 341 डिलीवरी करवाई गई।

नूरपुर कॉलेज की छात्राओं को बताई पौष्टिक आहार की महत्ता

भूषण शर्मा, नूरपुर

राजकीय आर्य महाविद्यालय नूरपुर में सोमवार को नारी स्वास्थ्य एवं सशक्तिकरण सप्ताह के उपलक्ष्य में प्रथम दिवस पर नारी स्वास्थ्य और पोषण के ऊपर एक वक्तव्य का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर अनिल कुमार की अध्यक्षता में करवाया गया।

पहले दिन नूरपुर अस्पताल के चिकित्सक डॉ. शिवम महाजन ने नारियों के स्वास्थ्य, आहार एवं स्वच्छता के ऊपर जानकारी दी। महाविद्यालय की सह आचार्य सीमा ओहरी ने पुष्प गुच्छ भेंट करके उनको सम्मानित किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में विशेष कर महाविद्यालय की बच्चियों को जागरूक करते हुए कहा कि आपको अपने जीवन को किस तरह से सही, स्वच्छ और पोषित रखना चाहिए। डॉ. शिवम महाजन ने न केवल महाविद्यालय की छात्राओं से, अपितु छात्रों से भी अपने जीवन को सही, स्वच्छ और सशक्त बनाने का आह्वान किया। (अनंत ज्ञान)

व अदालत तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी नूरपुर जिला कांगड़ा (हि. प्र.)

मिसल तकसीम केस नं. 32/तह./2024

सतपाल पुत्र धर्म पुत्र गुरभुज निवासी वार्ड नं. 3 नूरपुर तहसील नूरपुर, जिला कांगड़ा हि.प्र. .....वादी

बनाम

श्रीमति कांता देवी आदि निवासी महाल निवासी नूरपुर, तह. नूरपुर, जिला कांगड़ा हि.प्र. .... प्रतिवादीगण

प्रार्थना पत्र तकसीम भूमि खाता नं. 2 खतौनी नंबर 3 खसरा 95 रकबा तादादी 1867-50 वर्ग मी. महाल चौगान जमावदी वर्ष 2021-22 तह. नूरपुर, जिला कांगड़ा हि.प्र.

इश्तहार अखबार बनाम प्रतिवादी नं. (4.) श्रीमति सुजाता पत्नी देविन्दर कुमार निवासी वार्ड नं. 3 नूरपुर (5) श्रीमति विन्नी महाजन पत्नी सुकेश कुमार निवासी वार्ड नं. 5 नूरपुर (8) श्री अजीत कुमार पुत्र नानक चंद वार्ड न. 3 नूरपुर (12) श्रीमति रंजू धनोआ पत्नी वलविन्दर सिहं वार्ड नं. 3 नूरपुर

उपरोक्त मुकदमा तकसीम में प्रतिवादी नं. (4.) श्रीमति सुजाता पत्नी देविन्दर कुमार निवासी वार्ड न 3 नूरपुर (5) श्रीमति विन्नी महाजन पत्नी सुकेश कुमार निवासी वार्ड नं. 5 नूरपुर (8) श्री अजीत कुमार पुत्र नानक चंद वार्ड नं. 3 नूरपुर (12) श्रीमति रंजू धनोआ पत्नी वलविन्दर सिहं वार्ड नं. 3 नूरपुर को उक्त मुकदमा तकसीम में इस अदालत से कई बार सम्मन जारी हुए। परंतु तामील सम्मनात नियमानुसार न हो सकी। इस अदालत को अब विश्वास हो चुका है कि उक्त प्रतिवादीगण को तामील साधारण तरीके से नहीं हो सकती है। अत: उक्त प्रतिवादी नं. (4.) सुजाता पत्नी देविन्दर कुमार निवासी वार्ड नं. 3 नूरपुर (5) विन्नी महाजन पत्नी सुकेश कुमार निवासी वार्ड नं. 5 नूरपुर (8). अजीत कुमार पुत्र नानक चंद वार्ड नं. 3 नूरपुर (12) श्रीमति रंजू धनोआ पत्नी वलविन्दर सिहं वार्ड नं. 3 नूरपुर तह. नूरपुर को इश्तहार अखबार द्वारा सूचित किया जाता है कि वे दिनांक 06.03.2025 को सुबह 12:00 बजे असालतन या वकालतन उपस्थित होकर पैरवी प्रार्थना पत्र तकसीम करें। हाजिर न आने की सूरत में उनके खिलाफ नियमानुसार एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाती है। आज दिनांक 01-03-2025 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

हस्ता./-
सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी
नूरपुर जिला कांगड़ा हि.प्र.

नगरोटा बगवां में कामकाजी महिलाओं के लिए 8 .34 करोड़ से बनेगा हॉस्टल : आरएस बाली

केंद्रीय छात्र परिषद के समारोह 'सबरस' में बतौर मुख्यातिथि की शिरकत

अनंत ज्ञान, नगरोटा बगवां

पर्यटन निगम के अध्यक्ष कैबिनेट रैंक आरएस बाली ने कहा कि नगरोटा बगवां में कामकाजी महिलाओं के लिए 8 करोड़ 34 लाख रुपए की राशि से छात्रावास का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए अधिकारियों को आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

सोमवार को राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय नगरोटा बगवां में केंद्रीय छात्र परिषद समारोह सबरस में बतौर मुख्यातिथि पर्यटन निगम के अध्यक्ष आरएस बाली ने कहा कि वर्तमान हिमाचल प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश को पूरे देश में अग्रणी बनाएगी, जिसका उदाहरण मुख्यमंत्री द्वारा वर्तमान में शिक्षा के लिए लिए गए निर्णयों से मिलता है। हमारी सरकार व्यवस्था परिवर्तन के लिए बनी है और हमारी सरकार द्वारा लिए गए सभी निर्णय प्रदेश की जनता के हित के लिए होंगे। उन्होंने कहा कि नगरोटा विस क्षेत्र को शिक्षा के हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कॉलेज के अतिरिक्त भवन की छत के निर्माण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए व विभिन्न प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया।

उत्तरदायित्व | विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट-2025 में देशभर के युवा रखेंगे अपने विचार

सीयू को कांगड़ा के युवाओं के चयन की जिम्मेदारी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट-2025 का आयोजन युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार की ओर से किया जा रहा है, जिसमें युवाओं को नई दिल्ली स्थित भारत की संसद में अपने विचार रखने का सुनहरा अवसर मिलेगा।

जिला कांगड़ा के युवाओं के चयन हेतु मंत्रालय की ओर से केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल की अध्यक्षता में केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला परिसर को नामित किया गया है । इस कार्यक्रम के अंतर्गत मंत्रालय की ओर से देश भर की 300 जिलों से एनएसएस और नेहरू युवा केंद्र के माध्यम से 18 से 25 वर्ष तक के युवाओं का चयन किया जाएगा । यह चयन प्रक्रिया तीन चरणों में होगी। प्रथम चरण में 18 से 25 वर्ष के युवा माई भारत पोर्टल पर अपना पंजीकरण करेंगे तथा विकसित भारत विषय पर एक मिनट का वीडियो अपलोड करेंगे।

इसके उपरांत मंत्रालय की ओर से चिन्हित जिला स्तरीय नोडल केंद्रों के माध्यम से उनका परीक्षण किया जाएगा और उनमें से हर जिले से 150 युवाओं को ऑफलाइन मोड में जिला केंद्रों पर निर्धारित तिथि को भाषण प्रतियोगिता के माध्यम से चयनित किया जाएगा। पंजीकरण हेतु माई भारत पोर्टल की साइट खुली है और उसमें 9 मार्च तक पंजीकरण किया जा सकता है। प्रतिभागियों द्वारा अपलोड किए गए वीडियो को विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा निर्धारित की गई समितियों द्वारा परीक्षण किया जाएगा।

इनमें 150 युवाओं को केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला में ऑफलाइन माध्यम से भाषण प्रतियोगिता के माध्यम से अपने विचार रखने का अवसर मिलेगा, जिसमें से 10 युवाओं का चयन किया जाएगा जो प्रदेश की राजधानी शिमला में द्वितीय चरण की राज्यस्तरीय भाषण प्रतियोगिता में भाग लेंगे। इसमें से चयनित युवा देश की संसद नई दिल्ली में अपने विचार रखेंगे।

इस संबंध में केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल ने हर्ष जताते हुए कहा कि इससे पहले भी विश्वविद्यालय को यंग लीडर डायलाग में केंद्र में हिमाचल का प्रतिनिधित्व करने का दायित्व सौंपा गया था, जिसे विश्वविद्यालय ने बखूबी निभाया। अब मंत्रालय की ओर से फिर से जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने प्रदेश के समस्त युवाओं से इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया है।

न्यूज ब्रीफ

पार्टी की मजबूती के लिए करेंगे काम : तरुण/शैली

अनंत ज्ञान, शिमला। हम पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने हमें यह दायित्व सौंपा है। हम इसे पूरी जिम्मेदारी और समर्पण से निभाएंगे, और पार्टी को मजबूती से आगे बढ़ाने के लिए सभी को साथ लेकर चलेंगे। यह बात यहां पर नवनियुक्त शहरी मंडल के उपाध्यक्ष तरुण राणा और मुख्य प्रवक्ता शैली शर्मा ने एक साझे बयान में कहे। उन्होंने कहा कि हम पार्टी के नेतृत्व के विश्वास के लिए आभारी हैं। हम हर कार्यकर्ता के साथ मिलकर पार्टी की मजबूती के लिए काम करेंगे।

शिमला में 24 प्रतिशत पूरी हुई जमीन की ई-केवाईसी

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश में भू-स्वामियों की आपसी सहमति से भूमि की आधार सीडिंग/ केवाईसी का कार्य तेज गति से किया जा रहा है, जिसके फलस्वरूप जिला शिमला में राजस्व विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा कुल 1 लाख 97 हजार 207 खातों में से 1 लाख 37 हजार 721 खातों की आधार सीडिंग की जा चुकी है। जो लगभग 70 प्रतिशत है। वहीं जिला के 7 लाख 35 हजार 977 भू-स्वामियों में से 1 लाख 73 हजार 820 भू-स्वामियों के आधार सीडिंग का कार्य पूर्ण किया जा चुका है, जो लगभग 24 प्रतिशत है। जिला शिमला में 17 तहसील एवं 9 उप तहसील के तहत भू-स्वामियों की आधार सीडिंग का कार्य संबंधित पटवार खाने में किया जा रहा है। भूमि की आधार सीडिंग के तहत जमीन की जमाबंदी को आधार कार्ड से जोड़ने की प्रक्रिया है। उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने कहा कि जिला में भूमि ई-केवाईसी/ आधार सीडिंग का कार्य तेज गति से किया जा रहा है।

लोगों ने समाधान शिविर में रखी अपनी समस्याएं

अनंत ज्ञान, सुन्नी। प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे समृद्ध शहर सशक्त शहर अभियान के अन्तर्गत सोमवार को आयोजित समाधान शिविर के दौरान वार्ड संख्या एक की समस्याएं सुन्नी गई । इस दौरान शिविर में आए वार्ड वासियों ने अपनी समस्याएं रखी । शिविर की अध्यक्षता करते हुए अध्यक्ष नगर परिषद सुन्नी प्रदीप शर्मा ने वार्ड संख्या एक के वासियों की समस्याओं के समाधान के भी दिशा निर्देश जारी किए । इस समस्या के समाधान को लेकर अध्यक्ष ने वार्ड वासियों को बताया कि नगर परिषद सुन्नी को पूरी तरह से कूड़ादान रहित शहर घोषित किया गया है और सुन्नी की प्रत्येक दुकानदार को अपनी दुकान में कूड़ादान रखने के निर्देश जारी किए गए है। इस दौरान उपाध्यक्षा नगर परिषद श्यामा देवी, वार्ड पार्षद रूप लाल, पार्षद आशा कंवर तथा अन्य कर्मचारी वर्ग भी मौजूद रहे ।

बेघर बीमार बुजुर्ग को वृद्धाश्रम भेजने की मांग

अनंत ज्ञान, सुन्नी। शिमला ग्रामीण के सुन्नी में वर्षो से बेसहारा रह रहे बुजुर्ग को सामाजिक संस्था उमंग फाउंडेशन ने वृद्धाश्रम बसंतपुर भेजने की एससी, ओबीसी, अल्पसंख्यक विभाग से मांग की है। संस्था के अध्यक्ष प्रो. अजय श्रीवास्तव ने विभाग की निदेशक को लिखे पत्र में पुरजोर मांग की है कि भीषण ठंड में दयनीय हालत में रह रहे बेघर, बीमार बुजुर्ग बलवंत को तुरंत रेस्क्यू कर बसंतपुर वृद्धाश्रम भेजा जाए। पत्र में उन्होंने कहा कि उक्त बुजुर्ग गम्भीर रूप से बीमार है। सुन्नी बाजार में ठंड के मौसम में भी खुले छत के नीचे रहने को मजबूर है। उसके जीवन रक्षा के अधिकार एवं संरक्षण हेतु उसे तुरंत ईलाज एवं सहारे के लिए वृद्धाश्रम रखे जाने की आवश्यकता है। जानकारी के अनुसार उक्त वृद्ध बलवन्त बिलासपुर जिला से संबंधित है तथा विगत 25-30 वर्षों से सुन्नी में मेहनत मजदूरी कर रहा है, लेकिन बीमार एवं अशक्त होने के कारण कार्य करने में असमर्थ है। इसलिए सड़क पर रहना उसकी मजबूरी है। वृद्ध अपने घर के बारे कोई जानकारी नही दे रहा है। स्थानीय दुकानदार एवं स्कूल की शिक्षिका बुजुर्ग की सहायता कर रहे हैं। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विधालय सुन्नी की शिक्षिका अल्पना गुप्ता बुजुर्ग को बिस्तर, गर्म कपड़े एवं भोजन देकर तथा दुकानदार जसमीर अपनी दुकान के आगे सोने का आश्रय देते है। बीमार होने पर दवाई का इंतजाम भी स्थानीय लोग करते हैं। विभाग की निदेशक किरण भड़ाना ने बुजुर्ग बलवंत को रेस्क्यू कर वृद्ध आश्रम भेजने का संस्था को आश्वासन दिया है।

पटवारी और कानूनगो संघ की पेन डाउन स्ट्राइक जारी

राजस्व विभाग का कार्य प्रभावित, लोग भी हो रहे परेशान

महेंद्र कुमार, सुन्नी

पटवारी एवं कानूनगो महासंघ की पेन डाउन हड़ताल सोमवार को भी जारी रही। तहसील सुन्नी के तहत 11 पटवार वृतों के सभी पटवारी एवं कानूनगो पेन डाउन हड़ताल पर कार्य प्रभावित हुआ है।

ईकाई अध्यक्ष जमना दास ने बताया कि संघ द्वारा पटवारी एवं कानूनगो को स्टेट केडर किए जाने और पदोन्नति मुद्दे तथा पटवारी व कानूनगो को अतिरिक्त पटवार वृत का कार्यभार देने के विरोधस्वरूप पेन डाउन हड़ताल की गई है। आमजन को आपातकालीन स्थिति में असुविधा न हो इसके लिए इन स्थितियों से संबंधित सभी प्रकार के कार्य पटवारी एवं कानूनगो करते रहेंगे। महासंघ सरकार से मांग करता है कि नायब तहसीलदार प्रमोशन में जो असमानता है उसे तुरंत दूर करे।(अनंत ज्ञान)

हड़ताल से सूने पड़े तहसील मुख्यालय

आत्मा सिंह, रामपुर बुशहर। राज्य कैडर के विरोध में पटवारी और कानून को की सामूहिक हड़ताल का व्यापार का असर देखने को मिल रहा है। इससे रामपुर, कुमारसेन, ननखड़ी के तहसील मुख्यालय सूने पड़े हैं। पटवारी एवं कानूनगो महासंघ रामपुर इकाई के अध्यक्ष राजेश झाई ने सरकार को स्पष्ट चेतावनी दी है कि जब तक सरकार अपने फैसले को वापस नहीं देती तब तक उनकी पेन डाउन स्ट्राइक जारी रहेगी। रामपुर इकाई अध्यक्ष राजेश भाई ने कहा कि पटवारी और कानूनगो महासंघ से बिना चर्चा किया ही सरकार राज्य कैडर का फैसला थोप रही है, जो कि उन्हें मान्य नहीं है। संघ की मांग है कि सरकार नायब तहसीलदार प्रमोशन में जो असमानता है उसे भी दूर करें। पटवारी व कानून को समानता का अवसर दें। मिनिस्टीरियल स्टाफ में तीन में एक नायब तहसीलदार बन रहे हैं वहीं पटवारी और कानूनगो सात में एक नायब तहसीलदार बन रहे हैं। कैडर में 100 प्रतिशत प्रमोशन है और कानूनगो को 60 प्रतिशत कोटा ही मिल रहा है।

निर्धारित लक्ष्य को जल्द करें पूरा : कश्यप

अनंत ज्ञान, शिमला। शमला संसदीय क्षेत्र के सांसद सुरेश कश्यप ने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं के बारे में आमजन को जागरूक किया जाए। जनता को योजनाओं की जानकारी नहीं होती है और इस वजह से योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता है। उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों के अधिकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए लोगों को जागरूक करें। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा प्रदेश के विकास के लिए अनेक योजनाएं लागू की जा रही हैं। चालू वित्तीय वर्ष समाप्त होने जा रहा है और ऐसे में निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार कई योजनाओं का कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। इसके अलावा बजट स्वीकृत होने के बाद भी जिन योजनाओं पर अभी तक कार्य शुरू नहीं हो पाया है। ऐसे में संबंधित विभागों को कड़े निर्देश दिए गए हैं।

विधायक चौपाल ने कहा कि जल शक्ति विभाग के तहत कई योजनाओं के कार्य पूरे कर लिए गए हैं, लेकिन योजनाओं का लोगों को नहीं मिल पा रहा है। जिन योजनाओं का कार्य पूरा कर लिया गया है उनका लाभ न मिलने के कारणों की जांच होनी चाहिए।

चौपाल कॉलेज में विद्यार्थियों को बताए सड़क सुरक्षा के नियम

अनंत ज्ञान, चौपाल/नेरवा

राजकीय महाविद्यालय चौपाल में सड़क सुरक्षा क्लब के तत्वाधान में निबंध लेखन और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रविंद्र चौहान द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

डॉ. चौहान ने सभी प्रतिभागियों को प्रतियोगिता में भाग लेने पर शुभकामनाएं देते हुए सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में विद्यार्थियों को बताया। भाषण प्रतियोगिता का विषय 'वाहन रखरखाव का महत्व' और 'सड़क पर वाहन पर गति का महत्व' निर्धारित किया गया था। भाषण प्रतियोगिता में शगुन बीए द्वितीय वर्ष ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि शिया बीए तृतीय वर्ष एवं इशिता बीए तृतीय वर्ष ने तीसरा स्थान हासिल किया। सड़क सुरक्षा क्लब की कार्यक्रम समन्वयक सहायक आचार्य कन्या नेगी ने सभी विजेताओं को शुभकामनाएं देते हुए सड़क सुरक्षा से संबंधित जानकारी समाज के सभी वर्गों में साझा करने की सलाह दी।

नंबरदार प्रशासन और जनता के बीच एक सेतु : हेमचंद वर्मा

अनंत ज्ञान, चौपाल/नेरवा

एसडीएम चौपाल हेम चंद वर्मा ने चौपाल तहसील के नम्बरदारों के साथ एक बैठक आयोजित की जिसमें भूमि विवाद, अतिक्रमण, आग की घटनाएं, नशीले पदार्थों की तस्करी आदि विषयों पर चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए एसडीएम हेम चंद वर्मा ने कहा की नंबरदार प्रशासन और जनता के बीच एक सेतु का कार्य कर सकते हैं।

नंबरदारों के मोबाइल नंबर की अपडेट सूची खंड विकास अधिकारी से साझा की जाएगी ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में आगजनी की घटना होने पर लोग उन्हें सूचित कर सकें। आगामी आयोजित होने वाली ग्राम सभा बैठकों में आपदा मित्रों को भी बुलाया जाएगा ।

अभिमन्यु ने बच्चों को नशे से दूर रहने का दिया संदेश

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थी व साथ हैं अध्यापक और अन्य।

भरत ठाकुर, कोटखाई

डीएवी महाविद्यालय में केंद्रीय छात्र परिषद द्वारा वार्षिक समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें बतौर मुख्यातिथि अभिमन्यु कंवर अध्यक्ष थिंक दी बिग एनजीओ तथा भूतपूर्व सीएससीए प्रधान डीएवी कॉलेज कोटखाई उपस्थित रहे। मुख्यातिथि के साध उनके सहयोगी सुश्ती साक्षी शर्मा मोटिवेशनल स्पीकर, पूर्व छात्र आयुष मेहत्ता तथा अभिषेक कंवर भी उपस्थित रहे। सीएससीए कुदरत बस्टा की प्रधान ने मुख्यातिथि का स्वागत किया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोशन लाल वशिष्ट ने मुख्यातिथि को स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया।

महाविद्यालय के छात्रों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। मुख्यातिथि ने बच्चों को समाज के प्रति योगदान देने तथा नशे से दूर रहने का संदेश दिया। (अनंत ज्ञान)

धामी कॉलेज में प्रदर्शित किए मॉडल

अनंत ज्ञान, सुन्नी। राजकीय महाविद्यालय 16 मील धामी में महाविद्यालय की साइंस सोसायटी के द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। प्रतिवर्ष 28 फरवरी को नौवल पुरुस्कृत डॉ. चंद्रशेखर वेंकट रमन के द्वारा रमन इफेक्ट के अविष्कार को याद करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर महाविद्यालय के विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों द्वारा वर्किंग मॉडल और पोस्टर की प्रदर्शनी के माध्यम से जागरूकता फैलाई गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जूनेश कपूर बतौर मुख्यातिथि समिसित हुए और छात्रों छात्रों का मार्गदर्शन किया। विद्यार्थियों को इस तरह की गतिविधियों में और अधिक शामिल होने के लिए प्रेरित किया।

चौपाल में बिजली ट्रांसफार्मर जलने से चार दिन तक परेशान हुए लोग

अनंत ज्ञान, चौपाल/नेरवा

चौपाल में 27 फरवरी को वर्षा और बर्फबारी शुरू होने के बाद रात साढ़े दस बजे ग्रामीण क्षेत्रों की बिजली गुल हो गई। इसके बाद तीन मार्च सोमवार को दोपहर बाद एक बजे बिजली बहाल तो हो गई, परन्तु दिन बाहर आंख मिचौनी चलती रही। बिजली की गुल होने से नगर पंचायत चौपाल के वार्ड नंबर 3, 4 व बाजार में नगर वासियों को कड़ाके की ठंड के बीच खूब परेशानी हुई। बिजली गुल होने से बिजली से जुड़े कारोबारियों व आम जनता के कार्य प्रभावित रहे। लोगों का कहना है की बिजली न होने के चलते उनके जरूरी दस्तावेजों से जुड़े काम जैसे आधार अपडेट, अष्टाम पेपर, वहीं फोटो स्टेट जैसी सुविधाओं से भी वंचित रहना पड़ा रहा है।

चौपाल मुख्यालय में लोग दूर-दूर से काम करवाने के लिए आये लेकिन बिजली न होने के चलते उन्हें ख़ाली हाथ लौटना पड़ा। नगर पंचायत चौपाल के पार्षद शिव लाल भोटा, दीपक चंदेल, कारोबारी सुनील आदि ने बिजली बोर्ड से उचित कदम उठाने का आग्रह किया है। उधर सहायक अभियंता बिजली बोर्ड चौपाल हिमांशु नैनवाल ने कहा कि ट्रांसफार्मर जल जाने के कारण समस्या आई थी और अस्थाई तौर पर बिजली बहाल कर दी गई है, जल्द नया ट्रांसफार्मर लगाकर बिजली आपूर्ति सुचारू हो जाएगी।

सफाई कर्मचारी आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष का दौरा कल से

अनंत ज्ञान, शिमला। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष 04 से 06 मार्च तक शिमला दौरे पर 05 मार्च को बचत भवन में करेंगे बैठक की अध्यक्षता जिला दंडाधिकारी शिमला अनुपम कश्यप ने बताया कि अध्यक्ष राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय एम. वेंकटेशन 4 से 6 मार्च, 2025 तक शिमला दौरे पर आ रहे हैं।

इस दौरान उपायुक्त कार्यालय के बचत भवन में जिला के उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक, आयुक्त नगर निगम, नगरपालिकाओं के कार्यकारी अधिकारियों तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों व सफाई कर्मचारी/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग के नेताओं के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता करें।

घुमारवीं व्यापार मंडल 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का पक्षधर

घुमारवीं में हुई कार्यशाला में स्वंतत्र संख्यान मुख्यातिथि, राजेंद्र गर्ग विशेष रूप से रहे मौजूद

अनंत ज्ञान, घुमारवीं

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को लेकर सोमवार को घुमारवीं में कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें घुमारवीं व्यापार मंडल के व्यापारियों सहित अन्य लोगों ने भाग लिया। कार्यशाला में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के जिला संयोजक स्वंतत्र संख्यान मुख्यातिथि के तौर पर उपस्थित रहे, जबकि पूर्व खाद्य आपूर्ति मंत्री राजेंद्र गर्ग विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यशाला में घुमारवीं व्यापार मंडल एक राष्ट्र, एक चुनाव के समर्थन में उतरा है। समर्थन का यह प्रस्ताव राष्ट्रपति को भी प्रेषित किया।

व्यापारी वर्ग और लोगों को संबोधित करते हुए पूर्व खाद्य आपूर्ति मंत्री राजेंद्र गर्ग ने कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव एक क्रांतिकारी कदम है, जो भारत के लोकतंत्र को और अधिक मजबूत, पारदर्शी और कुशाल बना सकता है। इससे न केवल सरकार के कार्यों में निरंतरता आएगी, बल्कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता भी सुदृढ़ होगी। एक राष्ट्र, एक चुनाव की अवधारणा के समर्थन में एक

प्रस्ताव प्रस्तुत किया है, जिसका उद्देश्य भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाना है। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव का मुख्य उद्देश्य लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ आयोजित करना है, ताकि समय, संसाधन और प्रशासनिक खर्चों की बचत हो सके तथा देश के विकास कार्यों में निरंतरता बनी रहे। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र-एक चुनाव के विभिन्न लाभ हैं, जिसमें बार-बार चुनाव करवाने में भारी प्रशासनिक खर्च और संसाधनों की बर्बादी होती है। एक साथ चुनाव से चुनावी खर्च में भारी कमी आएगी और सुरक्षा बलों, शिक्षकों व प्रशासनिक अधिकारियों को बार-बार चुनावी ड्यूटी से मुक्त किया जा सकेगा। इसके अलावा बार-बार लगने वाले आदर्श आचार संहिता के कारण विकास परियोजाएं रुक जाती हैं। एक साथ चुनाव होने से यह बाधा दूर होगी और सरकारें अपने विकास कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगी। एक साथ चुनाव राजनीतिक अस्थिरता को कम करने में मदद करेगा, जिससे नीति निर्माण में स्थिरता और दीर्घकालिक दृष्टिकोण सुनिश्चित होगा। साथ ही मतदाताओं में अधिक जागरूकता और उत्साह पैदा होगा, जिससे मतदान प्रतिशत बढ़ेगा और लोकतंत्र को सशक्त किया जा सकेगा।

एक साथ चुनाव होने से चुनावी खर्च में आएगी कमी : गर्ग

पूर्व खाद्य आपूर्ति मंत्री राजेंद्र गर्ग ने कहा कि चुनाव आयोग व राजनीतिक दलों को बार-बार चुनाव प्रचार के लिए भारी धनराशि खर्च करनी पड़ती है। एक साथ चुनाव होने से चुनावी खर्च में कटौती होगी, जिससे धन का अधिक सदुपयोग हो सकेगा। उन्होंने आग्रह किया है कि संसद में प्रस्तुत विधेयक को पारित कर इसे कानूनी रूप दिया जाए। साथ ही चुनाव आयोग को आवश्यक तकनीकी और प्रशासनिक संसधान उपलब्ध करवाए जाएं तथा सभी राजनीतिक दल आम सहमति बनाकर इससे आगे बढ़ें।

प्रदेश के पुरुषों व महिलाओं के लिए विदेश में नौकरी का सुनहरा मौका

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

प्रदेश की नामी इवान सिक्योरिटी फंक्शन कंपनी द्वारा पुरुषों व महिलाओं के लिए विदेश में नौकरी का सुनहरा मौका लेकर आई है। इसमें दुबई में सिक्योरिटी गार्ड के 70 पद, सोलर पैनल इंस्टॉलेशन 100 पद, सऊदी अरब के लिए वेयरहाउस के 70 पद, जापान के लिए होटल स्टाफ (शेफ कुक), बेटर, रूम सर्विस 60 पद, जापान तथा जर्मनी के लिए हेल्थ डिपार्टमेंट केयरटेकर एएनएम, जीएनएम, बीएससी नर्सिंग महिला के 130, इलेक्ट्रीशियन आईटीआई पॉलिटेक्निकल 80 पद को भरा जाएगा।

प्रदेश की नामी कंपनी इवान सिक्योरिटी फंक्शन देगी जॉब

कंपनी की रिक्रूटमेंट ऑफिसर मिस सपना कटारिया ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी अपनी सुविधा अनुसार कंपनी द्वारा करवाए जा रहे कैंपस इंटरव्यू में भाग ले सकते हैं। सात मार्च मयूर होटल दी माल रोड सोलन, आठ मार्च हेड ऑफिस ढांडा टूटू शिमला, 10 मार्च इवान सिक्योरिटी फंक्शन ट्रेनिंग सेंटर बामटा चौक बिलासपुर में अपने सभी मूल प्रमाण पत्रों के साथ सुबह 10 बजे साक्षात्कार के लिए आ सकते हैं। किसी भी प्रकार का भत्ता व अन्य देय नहीं दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि उम्मीदवार को आवेदन करने के लिए 240 रुपए आवेदन फीस तथा अपने सभी दस्तावेज की छाया प्रतियां साथ में लेकर आना अनिवार्य है। दो पासपोर्ट साइज फोटो जिसे भरने के बाद उम्मीदवार अपने साथ ले गए दस्तावेजों की प्रतियां साथ में लगाने के उपरांत ही साक्षात्कार में भाग लिया जा सकता है। बताया कि उक्त पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता दसवीं, बारहवीं, स्नातक या उससे अधिक और आयु सीमा 21 से 40 वर्ष निर्धारित की गई है। सिक्योरिटी गार्ड के लिए आवेदक की लंबाई पांच फुट नौ इंच और वजन 60 किलोग्राम से अधिक व शारीरिक रूप से स्वस्थ होना अनिवार्य है। किसी भी प्रकार का विजुअल टैटू नहीं होना चाहिए। चयनित अभ्यर्थी को 50000 से 250000 रुपए प्रतिमाह दिए जाएंगे।

दो युवाओं से 0.47 ग्राम चिट्टा बरामद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। बिलासपुर सदर पुलिस ने गत दिवस देर सायं दो युवाओं से गश्त के दौरान 0.47 ग्राम चिट्टा बरामद किया। पुलिस ने युवाओं के खिलाफ मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार सदर पुलिस टीम रविवार देर सायं मुख्य आरक्षी लाकिंद्र सिंह की अगुवाई में डियारा सेक्टर स्थित नगर परिषद के पास गश्त कर रही थी। गश्त के दौरान एक युवक अचानक पुलिस को देखकर घबरा गया। पुलिस टीम ने शक के आधार पर युवक की तलाशी ली । तो उससे 0.22 चिट्टा बरामद किया। बाद में पुलिस द्वारा कडी पूछताछ करने पर आरोपी की पहचान गौरव आयु 19 वर्ष निवासी चंगर पलासी डाकघर कोठीपुरा तहसील सदर जिला बिलासपुर के रूप में हुई। वहीं, दूसरे मामले में पुलिस टीम ने बिलासपुर शहर के डियारा सेक्टर में इसी दौरान विक्रम सिंह निवासी कंदरौर तहसील सदर जिला बिलासपुर से 0.25 ग्राम चिट्टा बरामद किया। उधर, डीएसपी जिला मुख्यालय एवं पुलिस प्रवक्ता मदन धीमान ने मामले की पुष्टि की है।

हवाण में पेड़ से गिरकर महिला की मौत

अनंत ज्ञान,घुमारवीं। पुलिस थाना घुमारवीं के तहत आने वाले गांव हवाण में पेड़ से गिरकर एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने मृतका के शव का पोस्टमार्टम करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। मृतक महिला की पहचान लीला देवी (48) पत्नी दिला राम गांव हवाण के तौर पर हुई है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतका के जेठ नंद लाल ने बताया कि रविवार शाम को वह अपनी गौशाला में पशुओं को बांध रहा था। इस दौरान उन्हें नाले से बच्चों के रोने की आवाज सुनाई द, जब वह नीचे नाले में गया तो वहां पर उसके भाई की पत्नी लीला देवी पेड़ से गिरकर नीचे पड़ी थी। उसने तुरंत परिजनों को सूचित किया तथा लीला देवी को सीएचसी हरलोग पहुंचाया, जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

झंडूता कॉलेज में प्रतियोगिताओं का आयोजन

अनंत ज्ञान, झंडूता। राजकीय महाविद्यालय झंडूता में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस-2025 के उपलक्ष्य में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के बीच पावरप्वाइंट प्रस्तुति प्रतियोगिता और मॉडल मेकिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। प्रो नितेश द्वारा सर सी वी रमन की जीवनी पर एक चलचित्र दिखाया गया जिसका उद्देश्य छात्रों को विज्ञान के प्रति जागरूक करना और शोध के क्षेत्र में प्रेरित करना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्राचार्य संजय कुमार ने अपने संभाषण में कहा कि हम सभी को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपना कर समाज की प्रगति में योगदान देना चाहिए।

कार्यालयों में पड़ा कबाड़ बना परेशानी का सबब

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। बिलासपुर मुख्यालय के विभिन्न कार्यालयों के प्रांगण में लंबे समय से पड़ा कबाड़ कर्मचारियों और आम लोगों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। तहसील सदर के रिकॉर्ड रूम कार्यालय, तहसीलदार वसूली कार्यालय, यातायात शाखा, सम्मन शाखा पुलिस बिलासपुर, और सहायक पंजीयक सहकारी सभाओं के कार्यालय परिसर में कुर्सियां, लकड़ी का अन्य सामान और कबाड़ जमा होने से आवाजाही में कठिनाई हो रही है। प्रशासनिक कार्यालयों में काम करने वाले कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से इस कबाड़ को हटाने की जरूरत महसूस की जा रही है, लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। कार्यालयों में आने-जाने वालों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, लकड़ी और अन्य ज्वलनशील सामग्री का इस तरह पड़ा रहना आग लगने जैसी घटनाओं को भी न्योता दे सकता है। खासकर गर्मी के मौसम में यह जोखिम और बढ़ जाता है। स्थानीय लोगों और कर्मचारियों ने प्रशासन से जल्द से जल्द इस कबाड़ को हटाने की मांग की है, ताकि कार्यालय परिसर साफ-सुथरा हो सके और किसी भी दुर्घटना से बचा जा सके।

एनएसयूआई ने घुमारवीं में की जिला स्तरीय बैठक

अनंत ज्ञान,घुमारवीं। राष्ट्रीय छात्र संगठन बिलासपुर के जिला अध्यक्ष नितिन चड्ढा की अध्यक्षता में घुमारवीं में जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में प्रदेश प्रभारी मुनीश्वर शर्मा और प्रदेश अध्यक्ष अभिनंदन ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में जिलेभर के एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इसके अलावा, एनएसयूआई के प्रदेश महासचिव अभिषेक भारद्वाज और सचिव ऋतिक सोनी भी बैठक में मौजूद रहे। बैठक के दौरान एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष अभिनंदन ठाकुर ने कहा कि संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एनएसयूआई युवाओं की आवाज को बुलंद करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा। प्रदेश प्रभारी मुनीश्वर शर्मा ने बिलासपुर जिला इकाई की सराहना करते हुए कहा कि यह जिला संगठनात्मक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

पटवारी-कानूनगो संघ की हड़ताल से बढ़ने लगीं जनता की दिक्कतें

अनंत ज्ञान, घुमारवीं

हिमाचल प्रदेश राजस्व विभाग के तहत कार्यरत पटवारी एवं कानूनगो को जिला से स्टेट कैडर किए जाने के प्रदेश सरकार के निर्णय के खिलाफ कानूनगो एवं पटवारियों का अनिश्चितकालीन पेन डाउन हड़ताल को पांच दिन हो गए हैं, मगर प्रदेश सरकार ने पटवारियों व कानूनगो की मांग को लेकर कोई भी निर्णय नहीं लिया है। वहीं महासंघ के तत्वाधान में चल रहे हड़ताल के चलते बिलासपुर जिला के चारों उपमंडलों की तहसील कार्यालय में आज भी कई सेवाएं बाधित रही व पेन डाउन हड़ताल के कारण तहसील परिसर खाली नजर आये।

गौरतलब है कि संयुक्त पटवारी-कानूनगो महासंघ ने स्टेट कैडर के विरोध में 28 फरवरी से अनिश्चितकालीन पेन डाउन हड़ताल पर चले गए हैं, वहीं पटवारी व कानूनगो संघ की पेन डाउन हड़ताल का आज पांचवां दिन है, जिसके कारण तहसील कार्यालयों में कामकाज प्रभावित हुआ है व आम जनमानस को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा रहा है। बता दें कि हाल ही में प्रदेश सरकार द्वारा पटवारी व कानूनगो को जिला से स्टेट कैडर में तब्दील करने की अधिसूचना जारी की गई थी। इस फैसले के मुताबिक पटवारी और कानूनगो को जिला से बाहर राज्य में कहीं भी स्थानांतरित किया जा सकता है, जिसे देखते हुए प्रदेश के पटवारी व कानूनगो जिनकी नियुक्ति जिला कैडर के आधार पर हुई थी उनमें काफी रोष देखने को मिल रहा है।वहीं पटवारी व कानूनगो के आंदोलन व पेन डाउन स्ट्राइक को लेकर हिमाचल प्रदेश के राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने जनहित में ना होने पर कार्यवाही किए जाने की बात कही थी, बावजूद इसके संयुक्त पटवारी व कानूनगों महासंघ की हड़ताल जारी है और वह किसी भी प्रकार की कार्यवाही के लिए तैयार है।

वहीं, इस बारे में जानकारी देते हुए संयुक्त पटवारी कानूनगो महासंघ बिलासपुर के प्रधान सुनील दत्त जोशी ने कहा कि जिला कैडर से स्टेट कैडर की अधिसूचना जारी होने से जहां पटवारियों व कानूनगों की पदोन्नति पर खासा देखें को मिलेगा और कई पटवारी व कानूनगो बिना पदोन्नति के ही सेवानिवृत्त हो जाएंगे।

बैठक राज्य स्तरीय नलवाड़ी मेले में स्मारिका प्रकाशन को लेकर बैठक आयोजित

स्मारिका में होंगे जिले की संस्कृति से जुड़े लेख

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

राज्य स्तरीय नलवाड़ी मेले के अंतर्गत प्रकाशित होने वाली स्मारिका के संबंध में सहायक उपायुक्त कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सहायक उपायुक्त नरेंद्र सिंह अहलूवालिया ने की। उन्होंने बताया कि इस स्मारिका का उद्देश्य नलवाड़ी मेले के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को उजागर करना है, साथ ही इसे आकर्षक और ज्ञानवर्धक बनाना है।

उन्होंने कहा कि स्मारिका को संग्रहणीय बनाने के लिए इसमें बिलासपुर जिले के विकास, संस्कृति और इतिहास से संबंधित लेखों को स्थान दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों, महिला सशक्तीकरण और नलवाड़ी मेले से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर भी लेख व कविताएं प्रकाशित की जाएंगी। सहायक उपायुक्त ने लेखकों एवं साहित्यकारों से आग्रह किया कि वे अपनी मौलिक एवं पठनीय रचनाएं 7 मार्च तक जिला भाषा अधिकारी के कार्यालय में

जमा करवाएं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सभी रचनाएं सुपाठ्य होनी चाहिए और उनकी लंबाई दो पृष्ठ से अधिक नहीं होनी चाहिए। साथ ही, लेखों की हार्ड कॉपी के साथ सॉफ्ट कॉपी भी ईमेल आईडी dlo.blp.hp@gmail.com पर भेजना अनिवार्य होगा। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी और समिति के सदस्य उपस्थित रहे, जिन्होंने स्मारिका को रोचक और प्रभावशाली बनाने के लिए अपने सुझाव भी दिए। अधिक जानकारी के लिए जिला भाषा अधिकारी कार्यालय से 01978-223966 पर संपर्क किया जा सकता है।

न्यूज ब्रीफ

मातृवंदना विशेषांक एवं दिनदर्शिका का विमोचन

अनंत ज्ञान, शिमला। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने शिमला के ऐतिहासिक गेयटी थियेटर में मातृवन्दना पत्रिका के विशेषांक एवं दिनदर्शिका का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन विचारधारा के प्रवास से ही संभव है। उन्होंने बल दिया कि राष्ट्र तभी शाश्वत बनता है, जब नागरिक अपनी संस्कृति को अपनाते हैं और यही राष्ट्र का स्वाभिमान भी है।

जोगिंदनगर के देव गहरी देवता अपने स्थान पहुंचे

अनंत ज्ञान, जोगिंदनगर। बैजनाथ शिवरात्रि मेले के भव्य समापन के बाद जोगिंदनगर के प्रसिद्ध देव गहरी देवता अपनी परंपरागत शोभायात्रा के साथ अपने मूल स्थान पर पहुंच गए। मेले के दौरान देव गहरी देवता की पालकी भक्तों के दर्शनार्थ रही और श्रद्धालुओं ने विशेष अनुष्ठान व भजन-कीर्तन के साथ पूजा-अर्चना की। समापन दिवस पर परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुसार देवता की विदाई यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय लोग शामिल हुए। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह मेला हर वर्ष शिवरात्रि के अवसर पर आयोजित किया जाता है और क्षेत्र की सांस्कृतिक व धार्मिक आस्था का प्रतीक है। मेले के सफल आयोजन के लिए स्थानीय प्रशासन और आयोजकों ने सहयोग दिया।

पूर्व सांसद राम स्वरूप की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

अनंत ज्ञान, जोगिंदनगर। मंडी लोकसभा के पूर्व सांसद स्व. राम स्वरूप शर्मा की चौथी पुण्यतिथि पर उनके निवास स्थल जलपेहड़ में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और परिवारजनों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके योगदान को याद किया। इस दौरान भाजपा पदाधिकारियों ने दी श्रद्धांजलि। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता पंकज जमवाल ने कहा कि स्वर्गीय राम स्वरूप शर्मा ने हमेशा जनसेवा को प्राथमिकता दी और मंडी संसदीय क्षेत्र के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू करवाई। उनकी सादगी और समर्पण कार्यकर्ताओं के लिए हमेशा प्रेरणास्रोत रहेगा।

महाशिवरात्रि के समापन समारोह में शामिल होंगे राज्यपाल

अनंत ज्ञान, मंडी। अंतरराष्ट्रीय महाशिवरात्रि महोत्सव के समापन समारोह में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल बतौर मुख्यातिथि शामिल होंगे। इस सात दिवसीय महोत्सव का विधिवत समापन राज देवता माधोराय जी अगुआई में निकलने वाली अंतिम जलेब के साथ 5 मार्च, 2025 को होगा। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल 4 मार्च को दोपहर बाद मंडी पहुंचेंगे और सायंकाल को मंडी के सेरी मंच पर आयोजित महाशिवरात्रि महोत्सव की अंतिम सांस्कृतिक संध्या में भाग लेंगे। 5 मार्च को दोपहर बाद राज्यपाल समापन समारोह में मुख्यातिथि के रूप में शामिल होंगे।

स्काईवॉकर्स अंडर 25 क्रिकेट टूर्नामेंट का हुआ समापन

अनंत ज्ञान, कोटखाई। कोटखाई डीएवी महाविद्यालय कोटखाई के प्रांगण में खेली जा रही स्काईवॉकर्स अंडर 25 क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन हो गया, इस प्रतियोगिता में कुल 32 टीमों ने भाग लिया, प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला लाल पानी और ननखड़ी टीम के बीच खेला गया जिसमें ननखड़ी विजेता रही, मुकाबला के समापन समारोह में मुख्यातिथि के तौर पर पूर्व एपीएमसी अध्यक्ष व बॉक्सिंग एसोसिएशन हिमाचल अध्यक्ष मोहिंद्र स्तान ने शिरकत की तथा पुरस्कार वितरित किए। उन्होंने क्लब द्वारा प्रतियोगिता करवाने के लिए सभी मेंबर्स का धन्यवाद किया साथ ही उन्हें भरोसा दिलाया भविष्य में उनका सहयोग उन्हें हमेशा मिलता रहेगा।

पटवारी एवं कानूनगो महासंघ का प्रदर्शन जारी, डीसी कार्यालय के बाहर गूंजे नारे

मांगों को लेकर प्रदर्शन करते हुए पटवारी व कानूनगो।

आरके सहगल, चंबा

हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा पटवारी एवं कानूनगो के जिला कैडर को राज्य कैडर में बदलने के फैसले के खिलाफ पटवारी एवं कानूनगो महासंघ का विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है।

सोमवार को डीसी कार्यालय चंबा के बाहर महासंघ के सदस्यों ने जमकर नारेबाजी की और सरकार से अपनी मांगें जल्द से जल्द पूरी करने की अपील की।

प्रदर्शनकारी हमारी मांगे पूरी करो, सरकार जागो और हम अपना हक लेकर रहेंग जैसे नारों के साथ सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। महासंघ के नेताओं ने दोहराया कि यदि सरकार जल्द फैसला नहीं लेती, तो आंदोलन और उग्र होगा। आज के प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य सरकार पर यह स्पष्ट करना था कि महासंघ जिला कैडर को बहाल करने और बलवान कमेटी की सिफारिशों को लागू करने से कम किसी भी बात पर समझौता नहीं करेगा। महासंघ ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि उनकी मांगें जल्द पूरी नहीं की गईं, तो यह हड़ताल और बड़ा रूप ले सकती है।(अनंत ज्ञान)

अनिश्चितकालीन हड़ताल के कारण भरमौर में आम जनता को आ रहीं कई दिक्कतें

अनंत ज्ञान, भरमौर

हिमाचल प्रदेश में पटवारी और कानूनगो स्टेट कैडर घोषित करने के फैसले के खिलाफ अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी है। इस हड़ताल का असर पूरे प्रदेश सहित भरमौर जनजातीय उपमंडल में भी साफ दिखाई दे रहा है, जिससे आम जनता को भी कई दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

भरमौर पटवारी और कानूनगो संघ के सदस्य मिनी सचिवालय भवन भरमौर के बाहर हड़ताल पर बैठे हैं। भरमौर इकाई के प्रधान राजीव कुमार का कहना है कि सरकार का यह निर्णय कर्मचारियों के हितों के खिलाफ है और इससे न केवल वे प्रभावित होंगे बल्कि आम नागरिकों को भी प्रशासनिक कामकाज में असुविधा होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे सरकार से सीधा टकराव नहीं चाहते, लेकिन अपनी जायज मांगों के समर्थन में मजबूरन हड़ताल कर रहे हैं।

पटवारी संघ के नेताओं का कहना है कि वे अपनी मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखेंगे। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उनकी हड़ताल से आम जनता को असुविधा हो रही है, लेकिन वे खुद भी मजबूर हैं क्योंकि सरकार उनकी बात सुनने को तैयार नहीं है।

हड़ताल के चलते राजस्व कार्य, जमीन संबंधी रिकॉर्ड अपडेट, फसलों के मुआवजे और अन्य प्रशासनिक सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। कर्मचारियों के बीच अभी तक कोई समाधान नहीं निकल पाया है, जिससे यह हड़ताल आगे भी जारी रहने की संभावना है। भरमौर जनजातीय उपमंडल में वैसे भी पटवारियों के दर्जनों पद रिक्त हैं। एक एक पटवारी के पास तीन तीन सर्कलों का कार्यभार है, ऐसे में लोगों को और भी अधिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। भरमौर के स्कूलों में बच्चे दाखिले ले थे हैं, उन्हें मुश्किल आ रही है।

भाजपा मंडल साहू की नई कार्यकारिणी हुई घोषित

अनंत ज्ञान, चंबा

भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के मार्गदर्शन में एवं चंबा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी (2022) नीलम नैय्यरतथा भाजपा जिला अध्यक्ष धीरज नरयाल की उपस्थिति में भाजपा मंडल साहू के अध्यक्ष विजय भारद्वाज ने आज नई कार्यकारिणी की घोषणा की। इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए वरिष्ठ पदाधिकारियों और मंडल कार्यकर्ताओं के साथ विचार-विमर्श किया गया, जिसके उपरांत नवगठित कार्यकारिणी को तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है।

भारतीय जनता पार्टी हिमाचल प्रदेश मंडल कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष मुकेश शर्मा, मीना कुमारी, उत्तम चंद, बलदेव ठाकुर। वहीं महामंत्री सत्या देवी, साहिल बेदी। कोषाध्यक्ष धर्म सिंह। सचिव महिंद्र कुमार जरम सिंह, कैलाश चंद, सुरेश कुमार, उर्मिला देवी। मिडिया प्रभारी रीना देवी।

प्रवक्ता दीपाली। कार्यालय सचिव ओम प्रकाश। आईटी संयोजक अशोक राठौर, आईटी सह-संयोजक ललित कुमार, सोशल मिडिया संयोजक दिनेश कुमार, सोशल मिडिया सह-संयोजक तेज सिंह, कार्यकारणी सदस्य बलिराज, कमलेश कुमार, इंद्रा देवी, आशो राम, अशोक कुमार ठाकुर, सरन सिंह, नेक राज, सुरेश कुमार, अजय सिंह, सविता देवी, बिट्टू राम, अमन शर्मा, दर्शना, जैसी राम, धनो देवी, बिमला देवी, उदय कुमार, पूजा शर्मा, हेम राज, नरेश कुमार, कांता देवी, मान सिंह, दिनेश्वरी, अरविन्द नरयाल, विशाल धवन, पूजा कुमारी, तेज सिंह, लवली शर्मा, सुमन, बजीर सिंह यादव, हेम राज, प्रकाश चनरिया। विशेष आमंत्रित सदस्य में धीरज सिंह नारयल, सोहन लाल भाद्वाज, शेरो राम, मोहन लाल महाजन, गुरदेव सिंह, जयवंत सिंह, योगराज शर्मा, आत्मा राम शर्मा, चैन सिंह जरयाल, नरेश खन्ना।

वहीं स्थाई आमंत्रित सदस्य सरदार सिंह, नरेश महाजन, प्रेम सिंह, अमर सिंह, साहब सिंह, सुदर्शन कुमार, प्यार सिंह, तिलक सिंह, सलोचनादेवी, अशोक शर्मा।

इस अवसर पर विजय भारद्वाज ने कहा कि संगठन की मजबूती ही भाजपा की असली ताकत है, और यह नई कार्यकारिणी पार्टी को नई ऊर्जा प्रदान करेगी।

भाजपा मंडल साहू की इस नई कार्यकारिणी का उद्देश्य संगठन को जनसंपर्क केंद्रित बनाना है।

वाहन मालिक 31 तक जमा करवाएं पैसेंजर व गुड्स टैक्स

अनंत ज्ञान, चंबा

वाहन मालिक जिन्होंने 1 जनवरी 2022 से पहले का बकाया पैसेंजर व गुड्स टैक्स अभी तक जमा नहीं करवाया है वह 31 मार्च 2025 तक जमा करें।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी चंबा ने सभी मालवाहक वाहनों, टैक्सी-मैक्सी व कांट्रेक्ट कैरिज बसों के मालिकों को सूचित किया है कि बकाया पैसेंजर व गुड्स टैक्स के लिए प्रदेश सरकार द्वारा विशेष नीति के तहत जुर्माना राशि पर 10 प्रतिशत की छूट वाहन मालिकों को 31 मार्च 2025 तक दी गई है।

उन्होंने सभी वाहन मालिकों से अपील की है कि वे 31 मार्च 2025 तक अपना पूरा बकाया पैसेंजर व गुड्स टैक्स जमा करवाना सुनिश्चित करें।

1 जनवरी 2022 से पूर्व यह पैसेंजर व गुड्स टैक्स राज्य कर एवं आबकारी विभाग द्वारा लिया जाता था तथा अब इसे परिवहन विभाग द्वारा लिया जा रहा है। अदा किए गए टैक्स के भुगतान का विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त कर संबंधित वाहन पंजीकरण, लाइसेंस प्राधिकरण जहां पर वाहन पंजीकृत है में जमा करवा सकते हैं।

वरिष्ठ नागरिकों को कानूनी अधिकारों की दी जानकारी

अनंत ज्ञान, चंबा

जिला मुख्यालय चंबा स्थित वरिष्ठ नागरिकों के लिए डे केयर सेंटर में आज सचिव विधिक सेवा प्राधिकरण व मुख्य न्यायिक जिला दंडाधिकारी निखिल अग्रवाल की अध्यक्षता में विधिक सेवाएं प्राधिकरण की ओर से एक जारूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में लगभग 25 वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लिया।

इस दौरान सचिव विधिक सेवा प्राधिकरण ने माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम-2007 के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह अधिनियम वृद्ध व्यक्तियों एवं माता-पिता के भरण-पोषण एवं देखरेख का एक प्रभावी व्यवस्था करता है।

उन्होंने बताया कि वे अभिभावक और वरिष्ठ नागरिक जो कि अपने आय अथवा अपनी संपत्ति के द्वारा होने वाली आय से अपना भरण पोषण करने में असमर्थ है, वे अपने व्यस्क बच्चों अथवा संबंधितों से भरण पोषण प्राप्त करने के लिए आवेदन कर सकते है।

उन्होंने शिविर में उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों को प्राधिकरण की ओर से उपलब्ध करवाई जाने वाली विभिन्न कानूनी सहायता के साथ-साथ राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक आयोग अधिनियम-2019 और वरिष्ठ नागरिकों के लिए विभिन्न कानूनी अधिकारों के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी।

शिविर में सचिव विधिक सेवा प्राधिकरण व मुख्य न्यायिक जिला दंडाधिकारी ने वरिष्ठ नागरिकों की कानून संबंधी समस्याओं को भी सुना।

भाजपा मंडल नेरचौक कार्यकारिणी का हुआ विस्तार

रिवालसर। भाजपा मंडल नेर चौक के अध्यक्ष कुलदीप ठाकुर ने कार्यकारिणी का विस्तार किया है।

इस दौरान भाजपा नेरचौक मंडल से संबंधित कर्म सिंह, चेत सिंह, केदार नाथ, बंदना जग्गी चंदेल को मंडल उपाध्यक्ष, मनीष सैनी और पवन कुमार को महामंत्री मनोज जंबाल को कोषाध्यक्ष संदीप चंदेल ममता ठाकुर, प्रोमिला, चंपा देवी, पुष्पराज को सचिव रमेश को मीडिया प्रभारी राजेंद्र सिंह गुलेरिया को प्रवक्ता तथा आकाश को कार्यालय सचिव राकेश आईटी संयोजक, उमावती सहसंयोजक, अमर सिंह सोशल मीडिया संयोजक, राजकुमारी सोशल मीडिया सहसंयोजक बनाया गया है।

बार एसो. चंबा ने अधिवक्ता संशोधन विधेयक के विरोध में किया प्रदर्शन

मुकेश कुमार, डलहौजी

बीते कल 3 मार्च को हिमाचल प्रदेश बार एसोसिएशन के आह्वान पर बार एसोसिएशन चंबा के अधिवक्ताओं ने डलहौजी न्यायालय परिसर के बाहर केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित अधिवक्ता संशोधन विधेयक के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया।

इस दौरान कई अधिवक्ताओं ने विधेयक के खिलाफ नारेबाजी की और अधिवक्ताओं के अधिकारों पर हमला करार दिया। विरोध कर रहे अधिवक्ताओं ने इस विधेयक को कानूनी पेशे की स्वतंत्रता और स्वायत्तता के लिए खतरा बताया और कहा कि यदि इसे लागू किया गया तो अधिवक्ताओं के हितों पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने सरकार से इस विधेयक को तुरंत वापस लेने की मांग की। बार एसोसिएशन चंबा ने निर्णय लिया है कि वे बीते कल और आज 3 और 4 मार्च को न्यायालयों का पूर्ण बहिष्कार करेंगे। इसके साथ ही, यदि उनकी मांगों को अनसुना किया गया तो वे हिमाचल प्रदेश बार एसोसिएशन के आगामी निर्देशों के अनुरूप आंदोलन को और तेज करेंगे। बार एसोसिएशन चंबा के अधिवक्ताओं ने सरकार को चेतावनी दी है कि यदि इस विधेयक को जल्द वापस नहीं लिया गया तो वे अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने के लिए मजबूर होंगे। अधिवक्ताओं ने सभी बार एसोसिएशनों और कानूनी समुदाय से इस संघर्ष में एकजुट होने की अपील की है।बार एसोसिएशन चंबा ने केंद्र सरकार से इस विधेयक पर पुनर्विचार करने की मांग करते हुए इसे लोकतांत्रिक मूल्यों और अधिवक्ताओं के हितों के विरुद्ध बताया है।

बार एसोसिएशन डलहौजी के अध्यक्ष एडवोकेट नितिन महाजन ने बताया कि बार एसो. डलहौजी के अंतर्गत समस्त अधिवक्ता भरसक निंदा एवं विरोध है तथा 4 मार्च को भी यह विरोध जारी रहेगा। सरकार इस विधेयक को वापस ले वरना यह संघर्ष जारी रहेगा।(अनंत ज्ञान)

भरमौर और पुखरी की नवनियुक्त आशा वर्कर्स को दिया प्रशिक्षण

अनंत ज्ञान, चंबा

जिला चंबा से खंड भरमौर और पुखरी की नवनियुक्त आशा के लिए आठ दिवसीय प्रारंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन बीते कल 3 मार्च से 10 मार्च तक किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी चंबा डॉक्टर विपिन ठाकुर ने बताया कि इन आठ दिनों में आशा वर्कर को अपने कार्य क्षेत्र में आशा की क्या भूमिका होगी, उसने कौन से अनिवार्य कार्य करने होंगे, उन्हें ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति द्वारा किए जाने वाले कार्य, ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस का आयोजन करना, स्वास्थ्य स्वच्छता और बीमारी के बारे में जानकारी, मातृ तथा शिशु स्वास्थ्य, प्रसव के समय देखभाल, कुपोषण, एनीमिया, टीकाकरण, सामान्य बीमारियों के लिए घरेलू उपचार तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के बारे में विस्तार से प्रशिक्षित किया जाएगा।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी चंबा के कार्यालय से सीआर ठाकुर-जन शिक्षा एवं संप्रेषण अधिकारी तथा निर्मला कुमारी स्वास्थ्य शिक्षक को नियुक्त किया गया है। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जालम ने बताया कि इस प्रशिक्षण के बाद सभी आशा कार्य क्षेत्र में जाकर सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों को आम जनमानस तक पहुंचाएंगी।

लोगों की शिकायतों का किया समाधान

अभिषेक शर्मा, जोगिंद्रनगर। नगर परिषद जोगिंद्रनगर के अधिकारियों द्वारा वार्ड नं 4 में शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया गया।

इस दौरान नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों एवं एनएलयूएम स्कीम के अंतर्गत कार्यरत स्वयं सहायता समूह के वॉलंटियर्स द्वारा जोगिंद्रगर के वार्ड नं 4 में स्थित घरों, दुकानों व व्यावसायिक संस्थानों में गीला कचरा व सूखा कचरा अलग-अलग कर देने बारे लोगों को जागरूक किया।नगर परिषद जोगिंदर नगर के सेनेटरी इंस्पेक्टर मनोज कुमार तथा सेनेटरी सुपरवाइजर रविकांत शर्मा ने बताया की शिकायत निवारण शिविर के दौरान वार्ड वासियों की सफाई संबंधी शिकायतों का मौके पर ही निपटारा किया गया ।

तुंगल कला मंच के महोत्सव का आयोजन अप्रैल माह में

अनंत ज्ञान, मंडी

क्षेत्र के पंचायत प्रतिनिधियों तथा जागरूक बुद्धिजीवियों द्वारा स्थापित तुंगल कला मंच की ओर से प्रस्तावित तुंगल महोत्सव आगामी 5-6 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। स्थानीय विश्राम गृह में मंच की एक अहम बैठक आयोजित हुई जिसकी अध्यक्षता मंच के अध्यक्ष तथा पंचायत समिति के उपाध्यक्ष भुवनेश ठाकुर ने की।

बैठक में तुंगल कला मंच के संस्थापक प्रशांत मोहन, ग्राम पंचायत लागधार के प्रधान राकेश राणा, उप प्रधान दलीप सकलानी, ढंढाल के उप प्रधान जोध सिंह, खलाणू के उप प्रधान मेघ सिंह, कोट के पूर्व प्रधान काहन सिंह, कसाण के पूर्व प्रधान चन्द्र मणी, कोटली के पूर्व प्रधान चमन लाल ठाकुर,रछेरा देव मंदिर निर्माण समिति के प्रधान शेर सिंह ठाकुर, पेंशनर वैलफेयर एसोसिएशन कोटली के उप प्रधान शिव बनेर, सदस्य परम देव चौहान, तुंगल स्पोर्ट्स क्लब के पूर्व प्रधान जोध सिंह ठाकुर, आलोक भारती विद्यालय के निदेशक हरि सिंह ठाकुर सहित अन्य गणमान्यों ने भाग लिया।

कोटली में आयोजित किए जा रहे दो दिवसीय तुंगल महोत्सव की रूपरेखा तैयार की गई। सर्वसम्मति से यह तय किया गया कि 5 अप्रैल को कार्यक्रम का आगाज एक भव्य जलेब के साथ किया जाएगा।

सूडोकु नवताल- 7359 (★★★★ मध्यम)

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 गुणा 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनवृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -7358 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

बारिश से चंबा-तीसा मुख्य मार्ग बाधित मधुवाड़ के पास भू-स्खलन से यातायात ठप

अनंत ज्ञान, चंबा

सोमवार सुबह मधुवाड़ के पास भूस्खलन के कारण चंबा-तीसा मुख्य मार्ग पूरी तरह बंद हो गया है। सड़क पर भारी मलबा और चट्टानें गिरने से यातायात ठप हो गया, जिससे आमजन को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

प्रशासन ने मार्ग बहाली के लिए त्वरित कदम उठाए हैं, लेकिन लगातार बारिश के चलते राहत कार्य बाधित हो रहा है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के लिए और अधिक बारिश की चेतावनी जारी की है, जिससे हालात और बिगड़ सकते हैं। लोगों और यात्रियों से अपील की गई है कि जरूरी न हो तो इस मार्ग पर यात्रा से बचें और सुरक्षित स्थानों पर रहें। प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीमें स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और जल्द मार्ग खोलने का प्रयास किया जा रहा है।

डॉ. चंद्रभूषण और रणजीत को मिली स्नातक उपाधि

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर

अंतर्राष्ट्रीय रोटरी के दो दिवसीय महा सम्मेलन में मंडी जिला के जोगिंद्रनगर से डॉ. चंद्रभूषण शर्मा और अधिवक्ता रणजीत चौहान को अंतर्राष्ट्रीय रोटरी की स्नातक उपाधि से अलंकृत किया गया।

यह भव्य आयोजन 1 और 2 मार्च को ऊना में हुआ, जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से 200 से अधिक रोटेरियनों को सम्मानित किया गया। इस सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय रोटरी के निदेशक रोटेरियन गुरजीत, डीजी रोटेरियन पीएस ग्रोवर और डीजीई रोहित की उपस्थिति में वर्ष 2025-26 के लिए डॉ. चंद्रभूषण शर्मा को इलैक्ट्रिड अध्यक्ष और अधिवक्ता रणजीत चौहान को सचिव पद पर सम्मानित किया गया। सम्मेलन में 3070 रोटरी प्रतिनिधि शामिल हुए। इस दौरान 126 रोटरी क्लबों के 3000 से अधिक सदस्यों की कार्यप्रणाली की सराहना की गई ।

अनंत ज्ञान — आज का राशिफल

बॉबी गोस्वामी, पुजारी,श्री चामुंडा नंदीकेश्वर धाम

आज का पंचांग

4 मार्च, 2025, मंगलवार

विक्रमी संवत : 2081, **शक संवत :**1946 (क्रोधी), **मास :** फाल्गुन, **तिथि** पंचमी (03:19): **नक्षत्र** भरणी (02:38), **पक्ष :** शुक्ल, **योग :** एन्द्र (02:06) **शुभ मुहूर्त :** अभीजित (12:09-12:56), **राहुकाल** (03:27-04:55)।

विशेष दिन

- 4 मार्च : महर्षि याज्ञवलक्य की जयंती आज।
- 04 मार्च 2025 : राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस आज।

मेषः आज मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग बन रहे हैं। समाज में अच्छे लोगों से भेंट होगी जो आपके हितचिंतक रहेंगे।

वृषभः यात्रा का योग है। रिश्तेदारों से संपत्ति संबंधी विवाद बड़ा रूप ले सकते हैं। सतर्क रहे। आज शिव-पार्वती को हलवे का भोग लगाएं।

मिथुनः सामाज के कुछ लोग आपके द्वारा किये कार्यों से नाखुश होंगे। हालांकि, इन्हीं कार्यों से परिजन में प्रशंसा मिलेगी। मन में उत्साह बढ़ेगा।

कर्कः दिनचर्या बदलाव होगा। भागीदारी में आपके द्वारा लिए गए निर्णयों से लाभ संभव है। व्यापारिक कार्यों से आर्थिक लाभ होगा।

सिंह : व्यापार-व्यवसाय अनुकूल रहेगा। परिवार में चिंता बढ़ेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रह सकती है। परोपकार में रुचि बढ़ेगी।

कन्या : दिन मध्यम है। संतान की आजीविका संबंधी समस्या का हल होगा। किसी शुभचिंतक से मेल-मुलाकात आत्मबल मजबूत करेगी।

तुलाः आज प्रेम में सफलता मिलने का योग है। आलस्य प्रगति का शत्रु है, इसे त्यागें। आप की मेहनत से व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

वृश्चिकःआकस्मिक लाभ हो सकता है। निकटजनों की प्रगति से मन में प्रसन्नता होगी। परिश्रम से स्वयं के कार्यों में शुभ परिणाम मिलने की उमीद है।

धनुः पारिवारिक जिम्मेदारी बढने से व्यस्तता बढ़ेगी। आज कार्य में नवीनता के भी योग हैं। संतान के व्यवहार से समाज में सम्मान बढ़ेगा। दिन अनुकूल है।

मकर : मेहनत के अनुरूप सफलता मिलने में संदेह है। आज किसी हनुमान मंदिर में जाकर सिंदूर और तेल अर्पण करें। रुके काम बनेंगे और सफलता मिलेगी।

कुंभ : बिना सोच विचार के कोई भी काम न करें। मांगलिक आयोजनों के लिए रूपरेखा में परिवर्तन होगा। लाभकारी परिणाम मिलेंगे।

मीन : काम बिगड़ सकते हैं। कार्यों में रुकावट आ सकती है। कार्यस्थल पर किसी के भरोसे न रहकर अपना कार्य स्वयं करें। कार्यों में हस्तक्षेप से नुकसान संभव है।

दिशा | दुरकुंड-करेरी-शाहपुर प्रोजेक्ट से सुधरेगी कनेक्टिविटी

सुरंग बनने से समृद्ध होगा चंबा

अनंत ज्ञान, चंबा

गैलंट्री अवार्ड विजेता (वीरता पुरस्कार प्राप्त) और समाजसेवी नवनीत चौफला ने कहा कि दुरकुंड-करेरी-शाहपुर सुरंग का निर्माण चंबा जिले के उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह परियोजना न केवल जिले की कनेक्टिविटी को सुधार सकती है, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और पर्यटन से जुड़े अनगिनत अवसरों को भी जन्म दे सकती है।

वर्तमान में केंद्र सरकार ने चंबा-चुवाड़ी सुरंग के सर्वेक्षण के लिए चार करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं, लेकिन इस सुरंग से चंबा को मात्र 25 किलोमीटर की दूरी का लाभ मिलेगा। यह सुरंग 9 किलोमीटर लंबी होगी, लेकिन चंबा से चुवाड़ी पहुंचने में अतिरिक्त 5-6 किलोमीटर और तय करना पड़ेगा।

वहीं, दुरकुंड-करेरी सुरंग का निर्माण होने पर चंबा से शिमला की दूरी 200 किलोमीटर तक कम हो जाएगी और कांगड़ा एयरपोर्ट पहुंचने में मात्र डेढ़ घंटे का समय लगेगा। इससे पर्यटन को अत्यधिक बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे।

वहीं इससे यह सुरंग चंबा को सीधे धर्मशाला और शाहपुर से जोड़ेगी, जिससे राज्य को अच्छा-खासा आर्थिक लाभ होगा।

जनहित में एकजुट होने का समय : चौफला

चौफला का मानना है कि इस विषय पर सभी राजनीतिक दलों को एक साथ आकर जनता के हित में निर्णय लेना होगा। विकास और जनकल्याण एक पार्टी का एजेंडा नहीं होता, बल्कि यह पूरे समाज की जिम्मेदारी होती है। सरकार और विपक्ष दोनों को मिलकर परियोजना को प्राथमिकता देनी चाहिए और चंबा के विकास में एक नई क्रांति लाने का कार्य करना चाहिए। अब समय आ गया है कि चंबा जिले को एक नए विकास की राह पर आगे बढ़ाया जाए।

कार्यालय ग्राम पंचायत खाहन विकास खंड गोपालपुर तहसील सरकाघाट जिला मंडी हि.प्र.

निविदा सूचना

ग्राम पंचायत खाहन के अंतर्गत वर्ष 2025-26 हेतु निम्न सामग्री के लिए कुटेशन/ निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदाएं दिनांक 8/3/2025 को अपराह्न 5 बजे तक ग्राम पंचायत कार्यालय में डाक के माध्यम से या व्यक्तिगत रूप से जमा करवाएं। निर्धारित आवेदन फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से अवकाश के अतिरिक्त किसी भी दिन कार्यालय समय में प्राप्त किए जा सकते हैं। कुटेशन/निविदा ग्राम पंचायत में दिनांक 3/4/2025 को 12:30 PM पंचायत कमेटी के समक्ष खोली जाएंगी।

सामग्री विवरण: रेत क्रशर प्रति घन मीटर, रेत प्लांट (FINE SAND) प्रति घन मीटर, पक्की ईंट (A,B,C GRADE)- प्रति 1000 No., बजरी क्रशर 10,20,40 MM प्रति घन मीटर, पत्थर (cut stone) size प्रतिघन मीटर, सोलिंग/बोल्डर पत्थर प्रति घन मीटर, JCB मशीन द्वारा कटान प्रति घंटा, सैटरिंग (भवन निर्माण/अन्य प्रति Sqr मीटर/ प्रति रनिंग मीटर, सामग्री ढुलान सीमेंट प्रति बैग, Sign Board (3'x2',4'x 3') प्रति Sqr फीट, Sign Board painting and writing (3'x2', 4'x3') प्रति बोर्ड, water cooler, Airport 3 Seater waiting chair, Mixture Machine With labour/With out labour per day etc

नियम व शर्तें - 1. निविदादाता के पास अपना पंजीकरण पैन न0, GST No. होना आवश्यक है। 2. निविदादाता को निविदा अपने लैटर पैड पर सम्बंधित ग्राम पंचायत के नाम पर भेजनी होगी। 3. निविदादाता को बिल के साथ Valid Transit Pass forms 'X' or 'W' जमा करवाने होंगे। 4. सभी करों का लेन देन सरकार के प्रावधानों के अनुसार होगा। 5. सामग्री की आपूर्ति लोक निर्माण विभाग के स्पेसिफिकेशन के अनुरूप होगी। 6. दरें अंकों व शब्दों में लिखी होनी चाहिए। 7. निर्माण सामग्री कार्य स्थल/सड़क तक उपलब्ध करवानी होगी। 8. पारित निविदादाता को मु0 20000/- रु0 अग्रिम/सुरक्षित राशि के रूप में ग्राम पंचायत के पास जमा करवाने होंगे व साथ में मु0 1000 रु (नॉन-रिफंडेबल) आवेदन शुल्क सम्बंधित पंचायत में जमा करवाने होंगे। 9. निविदादाता यदि सामग्री आपूर्ति समयानुसार नहीं कर पाता है, तो उसकी दी गई सुरक्षित राशि वापिस नहीं होगी व सुरक्षित राशि में से ही बाजार भाव पर सामग्री क्रय की जाएगी तथा उसकी निविदा रद्द कर दी जाएगी। 10. किसी भी निविदा को बिना कारण बताए स्वीकृत/अस्वीकृत करने, समान दर रहने की स्थिति में एक या एक से अधिक निविदादाताओं के लिए कार्य आदेश निर्गत करने सामग्री की गुणवत्ता के चयन तथा निविदाएं किसी भी समय रद्द करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत/विभाग के पास सुरक्षित रहेगा 11. सामग्री राशि की अदायगी TA/JE की पैमाइश के उपरांत की जाएगी तथा बिलों के साथ मात्रा सहित Valid Transit Pass forms 'X' or 'W' होना जरूरी है, अन्यथा बिलों की अदायगी नहीं की जाएगी। 12. सामग्री लेने का अंतिम मूल्य/निर्णय विभाग की Justification व पारित निविदादाता के साथ Negotiation अनुसार/उपरांत किया जाएगा। नोट:- नियम व शर्तें पंचायत के अनुरूप रहेंगी।

प्रधान/सचिव

ग्राम पंचायत खाहन, विकास खंड गोपालपुर तहसील सरकाघाट जिला मंडी हि.प्र.

हमारे देश के संविधान में मतदान का अधिकार एक ऐसी ताकत है, जो किसी ब्रह्मास्त्र से कहीं अधिक ताकत रखता है। -डॉ. भीमराव अंबेडकर

संपादकीय

वाहियात डीपफेक

डीपफेक का चलन दिन-ब-दिन बढ़ता ही जा रहा है। डीपफेक का सबसे ज्यादा कहर बॉलीवुड की अभिनेत्रियों पर टूट रहा है। इस काम में लगे लोगों की मंशा क्या है यह तो वो ही जानें, लेकिन असल में यह चलन बेहद वाहियात है। बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन भी डीपफेक का शिकार हो गई हैं। किसी ने शरारत के इरादे से उनकी छवि बिगाड़ने की कोशिश की है। सोशल मीडिया पर उनके चेहरे और कद काठी वाला एक फर्जी वीडियो खूब वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर तरह-तरह के कमेंट्स किए जा रहे हैं। कुछ लोग इस हरकत को लेकर बेहद चिंतित हैं तो कुछ ऐसे भी हैं जो मजे ले रहे हैं और इसे एक मजाक बता रहे हैं। किसी भले चंगे व्यक्ति की छवि बिगाड़ना भला कभी तर्कसंगत हो सकता है। विद्या बालन से पहले रश्मिका मंदाना, कैटरीना कैफ, आमिर खान, रणबीर सिंह जैसे कई और लोग भी डीपफेक के शिकर हो चुके हैं। जरा सोचिए, जिन लोगों को डीपफेक का शिकार बनाया जाता है उनके दिलों पर क्या गुजरती होगी। वह अपने आपको शर्मिंदा पाते होंगे, जबकि उनका कोई कसूर नहीं होता। दरअसल, डीपफेक एक प्रकार की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई तकनीक है जो वीडियो, ऑडियो और इमेजेज को बनाने या संशोधित करने के लिए उपयोग की जाती है।

यह तकनीक गहरे शिक्षण (डीप लर्निंग) पर आधारित है और इसका उपयोग विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया जाता है, जैसे कि मनोरंजन, शिक्षा और विज्ञापन आदि। चिंता की बात तो यह है कि अब डीपफेक तकनीक का उपयोग गलत उद्देश्यों के लिए भी किया जाने लगा है, जैसे कि झूठी खबरें फैलाना, व्यक्तिगत हमले करना और धोखाधड़ी करना, इसलिए डीपफेक तकनीक के उपयोग को नियंत्रित करने और इसके दुरुपयोग को रोकने के लिए सख्त नियमों और कानूनों की आवश्यकता है। डीपफेक तकनीक का सबसे ज्यादा इस्तेमाल नापाक उद्देश्यों के लिए हो रहा है। डीपफेक वीडियो में किसी नेता या सेलिब्रिटी को कुछ ऐसा कहते हुए दिखाया जा सकता है जो उन्होंने नहीं कहा है, जिसे 'फेक न्यूज' भी कहा जाता है जो जनता की राय बदल देता है। वर्तमान में डीपफेक तकनीक का इस्तेमाल अवैध और स्वीकार्य दोनों तरह से हो रहा है। इस तकनीक का उपयोग विभिन्न प्रकार के भयावह उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है। साइबर अपराधी डीपफेक प्रौद्योगिकी का उपयोग घोटाले, झूठे दावे और झांसा देने के लिए कर रहे हैं।

डीपफेक के जरिए किसी वरिष्ठ अधिकारी का एक झूठा वीडियो बनाया जा सकता है, जिसमें वह वित्तीय अपराधों जैसी आपराधिक गतिविधि को स्वीकार कर रहा हो या संगठन की गतिविधि के बारे में झूठे दावे कर रहा हो। इसे गलत साबित करने में समय और पैसा खर्च करने के अलावा, इससे व्यवसाय के ब्रांड, सार्वजनिक प्रतिष्ठा और शेयर की कीमत पर बड़ा असर पड़ सकता है। डीपफेक से होने वाला एक बड़ा खतरा गैर-सहमति वाली पोर्नोग्राफी है, जो इंटरनेट पर डीपफेक का 96 प्रतिशत हिस्सा है। इनमें से ज्यादातर सेलिब्रिटी को निशाना बनाया जाता है। डीपफेक तकनीक का इस्तेमाल बदला लेने के लिए पोर्न बनाने के लिए भी किया जाता है। यदि तकनीक का सही इस्तेमाल हो तो अच्छी बात, वरना इसका दुरुपयोग समाज के लिए घातक साबित होता है, खासकर उस व्यक्ति के लिए जो सिर्फ अपने काम से काम रखता है। सोशल मीडिया मनोरंजन और जानकारी के लिए इस्तेमाल होना चाहिए। सोशल मीडिया पर इस तरह की गलत जानकारी और भ्रम फैलाने की साजिशें रचने वालों को बेनकाब करना समय की मांग है। जिस हिसाब से आजकल गलत इरादे वाले लोग नई नई तकनीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं, उन पर शिकंजा कसा जाना चाहिए।

डीपफेक लोगों को बेहुदा और बदनाम करने की साजिश है। इससे बचने के लिए कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए जाएं तो बेहतर रहेगा। सबसे पहले, डीपफेक तकनीक के बारे में जागरूक रहना आवश्यक है। यह समझना कि डीपफेक क्या है और यह कैसे काम करता है, आपको इसके खतरों से बचने में मदद कर सकता है। सोशल मीडिया पर वीडियो और ऑडियो को सावधानी से देखें और सुनें। यदि कोई वीडियो या ऑडियो असामान्य या संदिग्ध लगता है, तो उस पर विश्वास न करें और उसकी जांच करें। किसी भी वीडियो या ऑडियो की प्रामाणिकता की जांच करें। अपने ऑनलाइन अकाउंट्स की सुरक्षा के लिए मजबूत पासवर्ड का उपयोग करें। यदि आप डीपफेक का शिकार होते हैं, तो तुरंत कानूनी कार्रवाई करें। पुलिस और साइबर सेल को सूचित करें और अपने अधिकारों की रक्षा करें। इन कदमों को उठाकर, आप डीपफेक के जरिए बेहुदा और बदनाम करने की साजिश से बच सकते हैं और अपनी ऑनलाइन सुरक्षा को बढ़ा सकते हैं। ■

आज के दिन की प्रमुख हस्ती

महान बैडमिंटन खिलाड़ी

पुलेला गायत्री गोपीचंद भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। वे भारत के पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी और राष्ट्रीय कोच पुलेला गोपीचंद की बेटी हैं। अपने पिता के नक्शे कदम पर ही चलते हुए गायत्री गोपीचंद बैडमिंटन के क्षेत्र में नाम कमा रही हैं। बर्मिंघम, इंग्लैंड में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल 2022 में गायत्री गोपीचंद और त्रिशा जॉली की जोड़ी ने महिलाओं के डबल्स में देश के लिए कांस्य पदक जीता है। गायत्री गोपीचंद का जन्म आंध्र प्रदेश के हैदराबाद में पुलेला गोपीचंद और पीवी लक्ष्मी के घर हुआ। उनके पिता पुलेला गोपीचंद

पुलेला गायत्री गोपीचंद
जन्म : 4 मार्च, 2003

पूर्व भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी और राष्ट्रीय कोच हैं, जबकि उनकी मां पीवी लक्ष्मी भी पूर्व भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी रह चुकी हैं। गायत्री गोपीचंद के घर में खेल का माहौल होने के कारण उनको बैडमिंटन विरासत में मिली थी। जिसके बाद से गायत्री गोपीचंद ने अपने पिता-माता की तरह बैडमिंटन में ही अपना कॅरियर बनाने का फैसला किया। उनका एक छोटा भाई भी है, जिनका नाम विष्णु गोपीचंद है और वह भी एक शटलर है। वर्ष 2017 में 14 वर्ष की उम्र में गायत्री गोपीचंद ने अंडर-19 का राष्ट्रीय खिताब जीता था। वर्ष 2018 में 15 वर्ष की उम्र में एशियन गेम्स में भारतीय टीम में जगह बनाई। वर्ष 2019 में 'साउथ एशियन गेम्स' में टीम इवेंट में गोल्ड और सिंगल्स कैटेगरी में सिल्वर जीता। गायत्री गोपीचंद पीबीएल के पांचवें सीजन में शामिल हुई थीं। ■

कविता: समय कहे है घूम के

शिव सान्याल, ज्वाली, कांगड़ा

समय कहे है घूम के, ले पहिये का रूप।
चलता मेरे साथ जो, बने रंक से भूप।।
समय कभी रुकता नहीं, चलता अपनी चाल।
समझ गया जो भेद को, होता माला माल।।
समय-समय की मार से, टूटा है अभिमान।
राजपाट सब मिट गए, समय बड़ा बलवान।।
समय बड़ा अनमोल है, व्यर्थ न जाए बीत।
करो समय से काम सब, सफल रहोगे मीत।।
निमित सदा भगवान के, कर्म करो कर ध्यान।
मिलता फल अनमोल है, समय बड़ा बलवान।।
आज दुखी कल हो सुखी, समय-समय का फेर।
समय बड़ा बलवान है, आते लगे न देर।।
सोच रखो तुम दूर की, कर्म करो शुभ मान।
देता छप्पर फाड़ के, समय बड़ा बलवान।।
परख समय की कीजिए, बनों नहीं नादान।
समय गया जो हाथ से, रोयेगा इंसान।
समय न आता बोल के, चतुर समय की चाल।
समय गंवाया भूल के, होता बहुत मलाल।।

पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख कविताएं और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री *editoranantgyaan@gmail.com* पर या व्हाट्सऐप नंबर 8894521702 व 8091450407 पर भेज सकते हैं।

ट्रंप की जेलेंस्की को फटकार नई विश्व व्यवस्था की आहट

मैंने गत दिनों ही एक लेख में लिखा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस बार मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के विमर्श तले अमेरिकी राष्ट्रवाद से प्रेरित कड़े फैसले लेकर अमेरिका को अंतरराष्ट्रीय फलक पर नए कलेवर में स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं। ट्रंप के इस रवैए के पीछे मैंने भारतीय प्रधानमंत्री की वैश्विक लोकप्रियता एवं वर्तमान विश्व व्यवस्था में भारत के वैश्विक दृष्टिकोण को मिल रही अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता से उपजी वैश्विक नेतृत्व की प्रतिस्पर्धा का परिणाम माना था।

लेखक : अजय श्याम
स्वतंत्र लेखक

नरेंद्र मोदी ने रूस एवं यूक्रेन युद्ध के आरंभ से ही दोनों देशों को आपसी बातचीत से मामला सुलझाने की नसीहत दी एवं शांति स्थापित करने की अपील की है। युद्ध के दौरान ही मोदी ने रूस एवं यूक्रेन दोनों देशों की यात्रा कर शांति दूत की ही भूमिका निभाई। मोदी के रुख पर कभी न तो पुतिन ने और न ही जेलेंस्की ने तल्खी दिखाई, अपितु भारत को तटस्थ मध्यस्थ बनने का प्रस्ताव दिया। हाल ही में नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान आयोजित पत्रकार वार्ता में मोदी ने ट्रंप की मौजूदगी में एक बड़ी बात कह डाली जो अंतरराष्ट्रीय विश्व व्यवस्था में भारत के बदले हुए एवं विश्व शांति के लिए अवश्यंभावी दृष्टिकोण को पुष्ट करती है।

भारत की गुटनिरपेक्षता को पुनर्भाषित करते हुए वर्तमान परिस्थितियों के संदर्भ में समर्थ भारत का दृष्टिकोण रखते हुए मोदी ने कहा 'लोग कहते हैं भारत न्यूट्रल है भारत न्यूट्रल नहीं है, बल्कि भारत का

अपना पक्ष है और वह पक्ष है शांति का पक्ष' मोदी के ये शब्द शीत युद्ध में बंटे विश्व के एक गुट के अगुआ अमेरिका के राष्ट्रपति के सम्मुख केवल शब्द नहीं थे, अपितु वर्तमान में रूस एवं यूक्रेन संकट में प्रत्यक्ष तौर पर उलझे एक गुट रूस एवं नाटो देशों के अगुआ अमेरिका को वैश्विक शांति को प्राथमिकता देने के लिए तीसरे विश्व के देशों की बुलंद आवाज के द्योतक थे जिसमें विश्व को गुटों में बांटने वाली तथाकथित महाशक्तियों को एक संदेश था कि पावर पॉलिटिक्स की जगह वे पीस पॉलिटिक्स को प्राथमिकता दें।

मोदी के इस संदेश में महाभारत काल का हस्तिनापुर दरबार का वो संवाद याद आता है जब श्रीकृष्ण शांतिदूत बनकर हस्तिनापुर गए थे एवं धृतराष्ट्र ने उनसे पूछा था कि वे पांडवों की ओर से क्या प्रस्ताव लाए है? तब श्रीकृष्ण ने कहा था कि वे न तो किसी की तरफ से आए हैं न ही किसी का प्रस्ताव लाए हैं वे तो स्वयं ही आए हैं और अपना ही प्रस्ताव लाए हैं और वो प्रस्ताव केवल शांति का ही प्रस्ताव है। मोदी का ट्रंप की मौजूदगी में शांति का पक्षकार होने का बयान युद्ध में उलझे रूस एवं यूक्रेन को नाटो प्रायोजित सहायता देने वाले अमेरिका एवं सहयोगी देशों को विश्व में शांति चाहने वाले तथाकथित तीसरे विश्व के देशों के प्रतिनिधि के तौर पर खुला संदेश था कि भारत विश्व को अशांति एवं युद्ध की ओर ले जाने वाली परिस्थिति में मूक दर्शक बनकर न्यूट्रल अथवा गुट निरपेक्ष नहीं रहेगा, बल्कि शांति के लिए विश्वमत एकत्र करेगा एवं अशांति के लिए उतरदायी ताकतों का यथा सामर्थ्य प्रतिकार भी करेगा, क्योंकि वर्तमान में विश्व को शांतिप्रिय विकासवादी एवं मानवतावादी वैश्विक व्यवस्था की आवश्यकता है जिसके निहितार्थ ही संयुक्त राष्ट्र संघ का भी जन्म हुआ है। इस भूमिका का जिक्र यहां इसलिए किया गया कि मोदी ट्रंप मुलाकात के बाद ही ट्रंप जेलेंस्की मुलाकात हुई एवं इस तल्ख मुलाकात में ट्रंप ने जेलेंस्की को खुलेआम स्टूपिड प्रेसिडेंट कहकर युद्ध समाप्ति का कड़ा संदेश भी दे डाला।

ट्रंप का ये व्यवहार यूक्रेनी राष्ट्रपति की अपेक्षा से एकदम उल्ट था जिससे हड़बड़ाए जेलेंस्की ट्रंप से उलझते हुए दिखे जो ट्रंप जेलेंस्की मुलाकात की वायरल वीडियो में स्पष्ट दिख रहा है। ट्रंप एकदम मोदी के नक्शेकदम पर वैश्विक शांति के पक्षकार के रूप में तीसरे विश्व युद्ध की आहट से बचने की बात कर यूक्रेन पर पीछे हटने का दबाव बना रहे थे, जबकि अभी तक अमेरिका एवं नाटो अप्रत्यक्ष रूप से यूक्रेन को सैन्य सहायता भी दे रहा था। यहां ये उल्लेखनीय है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद रूस एवं अमेरिका के बीच उपजे शीत युद्ध के प्रभाव से ही 1949 में नाटो अस्तित्व में आया जिसका प्राथमिक उद्धेश्य यही था कि यदि वर्तमान रूस एवं तात्कालिक सोवियत संघ किसी सदस्य देश पर आक्रमण करेगा, तो अमेरिका तटस्थ न रहकर इन देशों की सहायता करेगा। वर्तमान में रूस यूक्रेन विवाद भी नाटो की उपज है 1991 में रूस के यूक्रेन से अलग होने के बाद ही नाटो देश यूक्रेन को अपना सैन्य अड्डा बनाकर रूस पर दबाव बनाना चाहता है एवं अमेरिका इस पहल में शक्ति संतुलन बनाने के लिए नाटो की पूरी मदद करता रहा है। ऐसे में यूक्रेन को युद्ध में सहायता देने वाले अमेरिका की तल्ख झिड़की नाटो सहित समूचे विश्व की अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बदलती हुई दिख रही है एवं इससे जहां नाटो के सदस्य यूरोपीय देश सकते में हैं वहीं अमेरिका का यह बदलता हुआ रुख द्वितीय विश्व के बाद उपजे शीत युद्ध एवं गुटों में बंटे विश्व की अप्रासंगिक होती जा रही वर्तमान युगीन धारणा को समाप्त कर देगा एवं रूस के विरुद्ध अमेरिका यूक्रेन की सहायता से हाथ पीछे खेंचकर विश्व शांति की पक्षधर एक नई विश्व व्यवस्था जो पारस्परिक समझ सौहार्द एवं शांति तथा मानवीय विकास को समर्पित हो को जन्म देगा, जिसकी पैरवी भारतीय प्रधानमंत्री मोदी अक्सर करते हैं।

ट्रंप यदि वास्तव में नेक इरादों के साथ रूस यूक्रेन संकट से उपजी तीसरे विश्व युद्ध की आहट को दूर धकेलने एवं वैश्विक शांति के लिए यूक्रेन पर पीछे हटने का दबाव बना रहे हैं तो इस पहल से जहां अमेरिका एवं रूस संबंधों में सुधार आएगा एवं नाटो के अस्तित्व पर प्रश्न चिन्ह जरूर लगेगा, परंतु गुटों में विभाजित विश्व व्यवस्था के इतर अंतरराष्ट्रीय राजनीति में शांति एवं पारस्परिक समझ की एक नई अवधारणा अंकुरित होगी। यदि ऐसा होता है तो निश्चित तौर पर यह माना जाएगा कि भारत मजबूती से तीसरे विश्व के देशों की आवाज बनकर एक नई विश्व व्यवस्था पावर फिर पीस का ध्येय धारण करने एवं द्वंद मुक्त विश्व बनाने के लिए महाशक्तियों पर नैतिक दबाव बनाने में सफल हो रहा है एवं साथ ही अमेरिका सहित अन्य महाशक्तियों के रवैए में परिवर्तन से संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता भी कायम रह सकेगी, जो वीटो शक्ति प्राप्त देशों के स्वयं युद्ध में उलझने से अप्रासंगिक हो जाती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नजरिया

सुरक्षित जीवन के लिए सुरक्षा महत्वपूर्ण

राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस, जो हर साल 4 मार्च को मनाया जाता है, कार्यस्थलों से लेकर सार्वजनिक स्थानों तक जीवन के सभी पहलुओं में सुरक्षा के महत्व की एक महत्वपूर्ण याद दिलाता है। 1972 में भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (NSC) द्वारा शुरू किए गए इस दिन का उद्देश्य दुर्घटनाओं और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा चेतना, प्रतिबद्धता और सक्रिय उपायों की संस्कृति को बढ़ावा देना है।

लेखक : संजय गोस्वामी
स्वतंत्र टिप्पणीकार

जैसे-जैसे हम राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस 2025 के करीब पहुंच रहे हैं, इसके महत्व, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और विभिन्न तरीकों पर विचार करना अनिवार्य है, जिससे व्यक्ति और संगठन सभी के लिए सुरक्षित वातावरण को बढ़ावा देने में भाग ले सकते हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस हर साल 4 मार्च को मनाया जाता है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के स्थापना दिवस का प्रतीक है। 2025 में, 4 मार्च मंगलवार को पड़ता है, जो सुरक्षा जागरूकता और कार्यान्वयन के लिए समर्पित एक सप्ताह के अभियान की शुरुआत है। राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस 2025 की थीम 'विकसित भारत के लिए सुरक्षा और कल्याण महत्वपूर्ण है।' यह थीम भारत के विकसित राष्ट्र बनने की यात्रा में सुरक्षा और कल्याण की अभिन्न भूमिका को रेखांकित करती है।

यह इस बात पर जोर देता है कि किसी राष्ट्र की प्रगति केवल आर्थिक विकास से नहीं, बल्कि उसके नागरिकों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण से भी मापी जाती है। भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की स्थापना 4 मार्च, 1966 को भारत सरकार के श्रम

और रोजगार मंत्रालय द्वारा एक गैर-लाभकारी, स्व-वित्तपोषित निकाय के रूप में की गई थी।

इसका प्राथमिक उद्देश्य राष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण (एसएचई) पर एक स्वैच्छिक आंदोलन उत्पन्न करना, विकसित करना और बनाए रखना है। सुरक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने की आवश्यकता को पहचानते हुए, एनएससी ने 4 मार्च, 1972 को अपने स्थापना दिवस के साथ पहला राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस शुरू किया।

राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस विशेष

तब से, यह पालन एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान बन गया है, जिसमें विभिन्न उद्योग, ट्रेड यूनियन, सरकारी क्षेत्र और आम जनता सुरक्षा से संबंधित गतिविधियों में शामिल हो रही है। राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस कई महत्वपूर्ण उद्देश्यों को पूरा करता है.जागरूकता पैदा करना-यह लोगों और कर्मचारियों को दैनिक जीवन और कार्यस्थल में सुरक्षा के महत्व के बारे में शिक्षित करता है। राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस 2025 का पालन व्यावसायिक स्वास्थ्य, कार्यस्थल सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण में सुधार के लिए महत्वपूर्ण महत्व रखता है।

अभियान से लाभ

1. उद्योग और कार्यस्थल: कर्मचारियों के लिए सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करता है। निर्माण, विनिर्माण और खनन जैसे उच्च जोखिम वाले उद्योगों में दुर्घटना रोकथाम उपायों को बढ़ावा देता है। व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य (OSH) मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करता है।

2. आम जनता: सड़क सुरक्षा, अग्नि सुरक्षा और घरेलू सुरक्षा के बारे में जागरूकता फैलाता है। लोगों को प्राकृतिक और औद्योगिक आपदाओं के खिलाफ एहतियाती उपाय करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

3. सरकार और नियामक निकाय: सुरक्षा कानूनों और कार्यस्थल विनियमों को मजबूत करता है। उद्योगों को प्रोत्साहित करता है कि वे आपदाओं के खिलाफ एहतियाती उपाय करें।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अपनी बात

भारत में वन्य जीवों की असंख्य प्रजातियां या तो लुप्त हो चुकी हैं और या लुप्त होने के कगार पर हैं। पर्यावरणीय संकट के चलते जहां दुनियाभर में जीवों की अनेकों प्रजातियों के लुप्त होने से वन्य जीवों की विविधता का बड़े स्तर पर सफाया हुआ है, वहीं लाखों प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वन्य जीव-जंतु और उनकी विविधता धरती पर कई वर्षों से हो रहे जीवन के सतत विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं। वन्य जीवों में ऐसी वनस्पति और जीव-जंतु सम्मिलित होते हैं, जिनका भरड़-पोषण मनुष्यों द्वारा नहीं किया जाता। इन्हीं वन्य जीवों, वनस्पतियों और उनके आवासों को सुरक्षा प्रदान करने को वन्य जीव संरक्षण कहा गया है तथा इनके संरक्षण के लिए इंसानों में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 3 मार्च को विश्व वन्यजीव दिवस मनाया जाता है।

रंजन कुमार, भड़वाल

राजनीतिक दलों को मुफ्त रेवड़ियां बांटने के बजाए विकास पर फोकस जरूरी

बिना परिश्रम किए ही अगर सब कुछ मिल जाए, तो स्वाभिक बात है कि लोगों में आत्मकर्मन्यता की भावना जागृत होगी। राजनीतिक दलों द्वारा अब मुफ्त की रेवड़ियां बांटकर सत्ता हासिल किए जाने की होड़ मची है। नतीजतन मुफ्त की रेवड़ियां जनता में बांटते हुए, सरकारों का आर्थिक बजट चरमरा रहा है।

लेखक : सुखदेव सिंह
वरिष्ठ पत्रकार, नूरपुर

देश की माननीय सर्वोच्च अदालत ने शहरी बेघर हुए लोगों के मामले पर सुनवाई करते हुए मुफ्त की रेवड़ियां बांटने वाली सरकारों को खूब नसीहत दी है। न्यायालय का मानना है कि बेघर हुए गरीब लोगों को मकान मुहैया करवाना सरकारों की अहम जिम्मेदारी बनती है। वहीं ऐसे लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध करवाने का मतलब है कि सरकारें ऐसे लोगों को मुख्यधारा में जोड़ने की वजाए अपना वोट बैंक बनाकर रखना चाहती जो न्याय संगत नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय की दलील से पूरे देश में मुफ्त रेवड़ियों को लेकर कई तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म हो चुका है। राजनीतिक दल जनता को मुफ्त की रेवड़ियां दिए जाने का सजबाग दिखाकर सत्तासीन हो रहे हैं।

आज हालात ऐसे बन चुके की राजनीतिक दल अपनी गारंटियों पर पूरा नहीं उतर रहे हैं। महाराष्ट्र से लेकर दिल्ली तक और कर्नाटक से लेकर हिमाचल में बनी राज्य सरकारें मुफ्त की रेवड़ियों का नतीजा है। देश को आजाद हुए 75 वर्ष का समय बीत चुका है। हमारी सरकारें आज भी गरीबी, बेरोजगारी मुद्दे पर चुनाव लड़ रही हैं।

आखिर विकास के नाम पर देश में चुनाव कब होंगें बड़ा सवाल बना हुआ है। राजनीतिक दलों ने जनता को मुफ्त की रेवड़ियों की ऐसी लत लगा दी है कि अब वह काम करने में दिलचस्पी नहीं दिखाते हैं। आम आदमी पार्टी ने पूर्व विधानसभा चुनावों में दिल्ली की जनता को बिजली, पानी और स्वास्थ्य की सुविधाएं मुहैया करवाने का लालीपाप देकर सत्ता पाई थी। आम आदमी पार्टी के इस मॉडल की पूरे देश में प्रशंसा हुई। कांग्रेस, भाजपा राजनीतिक दलों ने आम आदमी पार्टी के मुफ्त रेवड़ियों के फंडे पर फोकस करके राजनीतिक बिसात बिछानी शुरू की। मुफ्त की रेवड़ियों के कारण आज हालात ऐसे बन चुके है कि मध्यम वर्ग गरीबी रेखा से ऊपर नहीं आ रहा है। गरीब आदमी की आय में खास कोई वृद्धि नहीं हो पा रही है। भाजपा ने दिल्ली विधानसभा चुनावों में मुफ्त की रेवड़ियों का आकार बढ़ाकर सत्तासीन हुई है। प्रत्येक महिला को 2500 रुपए महीना दिए जाना बहुत बड़ी चुनौती है। दिल्ली में शहरी बेघरों की संख्या भी लाखों में बताई गई है।

पंजाब राज्य की महिलाओं को आम आदमी पार्टी की सरकार एक हजार रुपए दिए जाने में सफल नहीं हो पा रही है। महाराष्ट्र राज्य की भी ठीक ऐसी हालात बताई गई है। कांग्रेस पार्टी ने हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनावों में जनता को 10 गारंटियां दिए जाने की घोषणा करके सत्ता पाई थी। दस गारंटियों में पुरानी पेंशन योजना बहाली, प्रत्येक महिला को 15 सौ रुपए दिए जाने, गोबर 2 रुपए किलो खरीदे जाने की अन्य कई शामिल हैं। सरकारी कर्मचारियों का बुढ़ापा आराम से कट जाए इसी सकारात्मक सोच को लेकर सुख की सरकार ने पुरानी पेंशन योजना बहाल की थी। सरकार की इस योजना का लाभ कुछेक कर्मचारियों को मिल भी रहा है, मगर बिद्युत बोर्ड, जिला परिषद सदस्य आज भी पुरानी पेंशन बहाली को लेकर संघर्षरत हैं। सुख की सरकार के लिए पुरानी पेंशन योजना की बहाली किए जाना अब मुसीबत बनता जा रहा है। राज्य सरकार की आर्थिक हालत केंद्र सरकार के सहयोग बगैर पटरी पर नहीं आ सकती यह अटल सच्चाई है। राज्य सरकारों द्वारा मुफ्त की रेवड़ियां बांटने पर विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। केंद्र सरकार राज्य सरकारों को दिए जाने वाले बजट पर निरंतर कैंची मार रही, जिसका असर जनता पर पड़ रहा है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

पाठकों के पत्र...

मैं जिला ऊना के गांव साई पंचायत करमाली का स्थायी निवासी हूं। किसान होने के साथ-साथ गांव का जिम्मेदार नागरिक भी हूं। इस क्षेत्र में परिवहन सुविधा सामान्य से अभी कम है। सड़कों की स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है। महोदय हमारे क्षेत्र में अधिकांश लोग कृषि कार्य पर निर्भर हैं। यहां लावारिस जानवरों के साथ जंगली जानवरों की समस्या भी प्रमुख है। हमारे गांव के साथ लगते करमाली, नाहरी, चराडा, खड़ोल, बग्गी, अलोह पहाड़ी क्षेत्र हैं। जंगली जानवरों खासकर बंदरों और नील गाय की समस्या से सब परेशान हैं। यहां अधिकांश लोग कृषि व्यवसाय से भी जुड़े हैं और किसानों की समस्याएं भी अधिक हैं। कई दफा बारिश अधिक या कम होने से फसल प्रभावित होती है। बेरोजगारी भी प्रमुख समस्या है। अखबार का डिजिटल संस्करण पढ़ता हूं। डिजिटल संस्करण काफी रोचक लगा है। अखबार की प्रति लेने के लिए अंब उपमंडल मुख्यालय भी जाना पड़ता है। अनंत ज्ञान समाचार पत्र क्षेत्र के कई आसपास के गांवों में हॉकर्स के पास उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। आपसे आग्रह है कि अगर कोई व्यवस्था हो पाए तो बग्गी, चराडा, खड़ोल, नाहरी, अलोह आदि रूट पर समाचार पत्र पहुंचने की व्यवस्था की जाए। इन समस्याओं को दूर करने के लिए अनंत ज्ञान समाचार पत्र के माध्यम से प्रयास किया गया है। हमारी जानकारी पर कुछ समाचार प्रकाशित हुए भी हैं। अब तक आपका डिजिटल संस्करण नियमित पढ़ता हूं। प्रिंट भी मिल जाता है।

सुदेश कुमार
गांव साई बंगाणा
मो. 9625175135

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया की हमारे देश समाज के लिए महत्वपूर्ण भूमिका देखने को मिलती हैं जिसमें इलेक्ट्रॉनिक मीडिया हो या फिर प्रिंट मीडिया जनता की विभिन्न समस्याओं को समय-समय पर सरकार और प्रशासन तक पहुंचाने का प्रयास करता है। इसी परिप्रेक्ष्य में देवभूमि हिमाचल प्रदेश में लोकप्रिय हो रहे दैनिक समाचार अनंत ज्ञान अखबार जिस प्रकार प्रदेश के हरेक जिलों को कवर करने और हर क्षेत्र की जन समस्याओं को अखबारों के माध्यम से प्रशासन से लेकर सरकार तक पहुंचाने का हर संभव प्रयास कर रहा है। दैनिक समाचार पत्र जनता की मूलभूत असुविधाओं को समय- समय पर उठाने और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अखबारों के माध्यम से जनता तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है तो वहीं देश प्रदेश के लेखक, पत्रकार साहित्यकार, विश्लेषक, रचनाकार इत्यादि के लेखन को भी अनंत ज्ञान समाचार पत्र बहुत ही उम्दा शब्दावली एवं सुंदरता के साथ प्रकाशन करने का प्रयास करता है। अनंत ज्ञान दैनिक समाचार के मीडिया बंधुओं और संचालक से उम्मीद और विश्वास करते हैं कि वह हमेशा ईमानदारी और जनता की मूलभूत सुविधाओं की आवाज बिना किसी दबाव के बेबाकी के साथ उठाने का प्रयास करेंगे और प्रदेश के विकास और जनता की समस्याओं को समय-समय पर उठाने का हर संभव प्रयास करेंगे।

हेमराज राणा
शिलाई सिरमौर
मो. 821 938 6300

मैं अनंत ज्ञान का नियमित पाठक हूं। जब से अनंत का प्रकाशन हिमाचल के कांगड़ा जिले के नगरोटा बगवां से हुआ है तब से इस अखबार को बड़े चाव और ध्यान से पढ़ता हूं। आदरणीय महोदय, आपके द्वारा शुरू किए किए नए साप्ताहिक कॉलम बेहद आकर्षक, उम्दा और लाजवाब हैं, जो मेरा दिन-प्रतिदिन ज्ञानवर्धन कर रहे हैं। युवाओं के लिए शुरू किया गया अनंत एजुकेशन एवं करियर कॉलम सप्ताह में दो बार पढ़ने को मिल जाए तो इससे करियर संबंधी परीक्षा तैयारियां करने वाले छात्रों को और ज्यादा सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। कई बार मुझे अनंत ज्ञान की हार्ड कॉपी पढ़ने को नहीं मिलती है तो मैं डिजिटल कॉपी ही पढ़ लेता हूं। मेरा आपसे आग्रह है कि इस डिजिटल कॉपी को आप आगे भी यूं ही सर्कुलेट करते रहें।

दीप धीमान
योल कैंट

अनंत ज्ञान
प्रकाशक एवं मुद्रक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक समरजीत, समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN01099
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

शिवरात्रि दंगल में बरसेंगे लाखों के इनाम

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

अंतरराष्ट्रीय महाशिवरात्रि महोत्सव में तीन दिवसीय कुश्ती दंगल शुरू हो गया। पुलिस अधीक्षक मंडी साक्षी वर्मा ने कुश्ती प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। 5 मार्च तक चलने वाले कुश्ती में इस बार चार खिताबों के लिए कुश्ती प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। लड़कियों के और बड़ी कुश्तियों के मुक़ाबलों के फाइनल 4 मार्च को होंगे। दंगल में इस बार हिमाचल कुमार का खिताब भी दिया जाएगा जिनकी उम्र इकीस वर्ष रखी गई है। मंडी कुमार के लिए उम्र 17 वर्ष रखी गई है। शिवरात्रि भारत केसरी खिताब की खुली श्रेणी के लिए बड़ी कुश्तियां 4 मार्च को होंगी।

कुश्ती कमेटी के संयोजक पुलिस उप अधीक्षक धर्मपुर संजीव सूद और सह संयोजक डॉ. संजय यादव परशुराम अवार्डी ने बताया कि दंगल में शिवरात्रि भारत केसरी (खुली श्रेणी) में विजेता को 55000, उप विजेता को 45000, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को 15,000 इनाम दिया जाएगा। हिमाचल कुमार (21वर्ष) के विजेता को 27000, उप विजेता को 23000, तृतीय स्था वाले 7,100 प्रदान किए जाएंगे। मंडी कुमार (17 वर्ष) के विजेता को 17,000, उप विजेता को 13,000 और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को 6,100 देकर सम्मानित किया जाएगा। महिला शिवरात्रि केसरी (खुली श्रेणी) के विजेता को 15000, उप विजेता को 11000 और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली महिला पहलवान को 5,100 दिए जाएंगे।

पुलिस अधीक्षक मंडी साक्षी वर्मा ने किया शुभारंभ

बड़े पहलवान भारत केसरी स्तर के बड़े पहलवान को आमंत्रित किए जा गए हैं। हिमाचल के भी पहलवानों में अजय लोहारा, देव मंडी, पंकज मंडी, मुकेश धवाल, दीपक बनी, गोपाल पहलवान, अर्षद्वीप ऊना, सुमित चंबा, शुभम नालागढ़ और सोनू कांगड़ा, अभिषेक कांगड़ा आदि अनेक पहलवान शामिल हैं। महिला पहलवानों में हमीरपुर की राष्ट्रीय पदक विजेता कृतिका, बिलासपुर की अभिलक्शा और सोनिका और हरियाणा और हिमाचल की पहलवान बुलाई गई हैं।

एक टांग दौड़ प्रतियोगिता में निशांत विजयी

अंतरराष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव के अवसर पर चौथे दिन स्कूली बच्चों लोक नृत्य, एक टांग दौड़, नींबू दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। लोक नृत्य प्रतियोगिता के छात्रा वर्ग में स्वामी विवेकानंद सीनियर सेकेंडरी स्कूल मंडी प्रथम स्थान पर रहा। दूसरे स्थान पर राजकीय केंद्रीय प्राथमिक पाठशाला बाल मंडी दूसरे स्थान पर रहा और एआरसी पब्लिक प्राइमरी स्कूल तीसरे स्थान पर रहा। एक टांग दौड़ प्रतियोगिता के छात्रा वर्ग में मेहक गवर्नमेंट सेंटर प्राइमरी स्कूल मंडी प्रथम स्थान पर रही। अवनी एआरसी पब्लिक स्कूल मंडी दूसरे स्थान पर रही और अर्शिया सरस्वती विद्या मंदिर मंडी तीसरे स्थान पर रही। एक टांग दौड़ प्रतियोगिता के बॉयज वर्ग में निशांत सरस्वती विद्या मंदिर मंडी प्रथम स्थान पर रहा। बेशव डीएवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल मंडी दूसरे स्थान पर रहा और केन्या गवर्नमेंट सेंटर प्राइमरी स्कूल पडल तीसरे स्थान पर रहा। नींबू दौड़ प्रतियोगिका के छात्रा वर्ग में जिया सरस्वती विद्या मंदिर मंडी प्रथम स्थान पर रही। आरसी स्वामी विवेकानंद मंडी दूसरे स्थान पर रही और जानवी गोल्ड बेली पब्लिक स्कूल मंडी तीसरे स्थान पर रही। नींबू दौड़ के छात्र वर्ग में हर्ष डीएवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल मंडी प्रथम स्थान पर रहा। राघव स्वामी विवेकानंद सीनियर सेकेंडरी स्कूल मंडी दूसरे स्थान पर रहा और राघव ठाकुर ओक बुड स्कूल दक्ष अरुणोदय सीनियर सेकेंडरी स्कूल मंडी संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे।

कल चुना जाएगा वॉयस ऑफ शिवरात्रि

अतिरिक्त उपायुक्त एवं अंतर्राष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव की सांस्कृतिक उप समिति के अध्यक्ष रोहित राठौर ने बताया कि वॉयस ऑफ शिवरात्रि का फाइनल कल 4 मार्च को महोत्सव की अंतिम सांस्कृतिक संध्या में सेरी मंच पर सायं 4 बजे से आयोजित किया जाएगा।

वॉयस ऑफ शिवरात्रि के लिए 257 कलाकारों में से टॉप 10 का चयन ऑडिशन के माध्यम से किया गया था। अब इन टॉप 10 में से वॉयस ऑफ शिवरात्रि का चयन होगा। फाइनल मुकाबले में कलाकार मुकुल शर्मा, शालु धीमान, गुलशन, विकास, शुभम चोपड़ा, रागिनी, आनंद कुमार, आनंद कुमार, देवांश शर्मा और रजनी ठाकुर ने अपनी जगह बनाई है।

मुकुल शर्मा ने 2025 में आई मुबी द रैबिट हाऊस में एक गाना गाया है और दो गाने लिखे हैं। मुंबई में उन्होंने तीन साल म्यूजिक प्रोडक्शन सीखी है। उनके कई गाने यूट्यूब पर आ चुके हैं। शालु धीमान ऑल इंडिया लेवल की मृदु क्रिएशन सिंगिंग इवेंट की विजेता, वॉयस ऑफ शिमला की दो बार की और वॉयस ऑफ हिमाचल की एक बार उपविजेता और रफी नाईट की विजेता रही है। गुलशन म्यूजिक में मास्टर कर रहे हैं। वॉयस ऑफ हिमाचल के विजेता रह चुके हैं। विकास कुमार वॉयस ऑफ पंजाब में टॉप 15 में रहे हैं। वॉयस ऑफ सुकेत और वॉयस ऑफ मंडी भी रह चुके हैं।

महाशिवरात्रि में देव कृपा

देवी श्री ब्रम्हा घटाशन विहन बदार।

मां बूढ़ी बच्छवारण मासड़ बदार।

मां कांढी घटाशनी शिवाबदार।

मां धारा नागण धार बदार।

मां निशू पराशरी बदार।

मां सोना सिंहासन न्यूल बदार

उपायुक्त ने किया प्रदर्शनियों का अवलोकन

अनंत ज्ञान, मंडी। उपायुक्त अपूर्व देवगन ने महाशिवरात्रि के अवसर पर पड्डल मैदान विभिन्न विभागों द्वारा लगाई प्रदर्शनियों का अवलोकन किया। वे एचपीएमसी द्वारा लगाए स्टॉल भी गए और वहां जूस पिया। इस दौरान उनके साथ जिला पंचायत अधिकारी अंचित डोगरा भी मौजूद थे। महोत्सव में लोगों को सरकार की योजनाओं की जानकारी देने के लिए सूचना एवं जनसम्पर्क, परिवहन, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंडी, पर्यटन विभाग, कृषि विभाग, जल शक्ति, कृषि(आतमा), उद्यान, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, भारतीय डाक विभाग, भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास परिसंघ, उद्योग, पशुपालन विभाग, मत्स्य पालन, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, आयुष विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड, लोक निर्माण विभागों की प्रदर्शनियां लगाई गई हैं। इसके राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)में विभिन्न स्वयं सहायता समूह व सहकारी समिति, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, मण्डी कलम, आई टी आई, एग्रो इंडस्ट्रीज, हथकरघा एवं हस्तशिल्प, सरदार पटेल यूनिवर्सिटी, हिमाचल प्रदेश राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की की प्रदर्शनियों लगाई गई हैं।

खुद के तिरपालों की शरण में देवी-देवता और देवलू

भगत सिंह गुलेरिया, मंडी

सात दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव कि पहले 2 दिन बारिश के भेंट चढ़ गए। अगले 2 दिन मौसम साफ रहा लेकिन मेला मैदान में कीचड़ के चलते आने वालों को परेशानी का सबब हो बना रहा है।

इस दौरान एक रविवार की छुट्टी होने के कारण हालांकि मेले में कुछ भीड़ देखने को मिली लेकिन पांचवें मेले में फिर से बादल और बूंदाबांदी होने के चलते पूरा मेला मैदान लगभग सूना पड़ा रहा। इसी बीच मुख्य मैदान के किनारों पर बनी पौड़ियों जहां कुछ देवी देवताओं के बैठने का प्रबंध किया गया है वहां देवी देवता और देवलू खुद द्वारा खरीदे गए प्लास्टिक के तिरपालों के नीचे शरण पाए हुए बैठ रहे हैं।

दूसरी ओर यहां पौड़ियों पर देवी देवताओं की बैठने के लिए बनाया गया बहुत सारा स्थान खाली पढ़ा हुआ है। यहां पर लगभग 40 प्लास्टिक के तिरपालों के नीचे 50 के आसपास देवी देवता और देवलू बैठ रहे हैं। देवी देवताओं के लिए बनाए गए बैठने हेतु मुख्य स्थान से हटकर यहां बैठे देवी देवता भी अपने भक्तजनों की नजर से दूर नहीं हैं। इनके भक्तजन यहां पर आकर देवी देवताओं को चढ़ावा चढ़ाकर अपनी मन्नत पूरी करने की फरियाद लगा रहे हैं।

यहां पर बैठे इन देवलुओं से बातचीत में उनका कहना था कि मेला आयोजकों को देवी, देवताओं व देवलुओं के लिए उचित प्रबंध करने चाहिएं।(अनंत ज्ञान)

तिरपालों की शरण में देवी-देवता व देवलू।

लगभग चालीस तिरपालों के नीचे पच्चास देवी-देवता

देवी-देवताओं के बैठने को तैयार जगह दिख रही खाली

ऊना बना कबड्डी विजेता

पड्डल मैदान में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में ऊना की टीम विजेता बनी। फाइनल मुकाबले ने ऊना ने बिलासपुर की 36-32 के कड़े मुकाबले में चार अंकों से हराया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सागर चंद ने विजेता व उपविजेता टीम को 25 और 21 हजार रुपए की राशि व ट्रॉफी प्रदान की। पहला सेमीफाइनल मुकाबला साईं बिलासपुर और ऊना के बीच खेला गया। जिसमें ऊना ने साईं बिलासपुर को 11 अंकों से हराया। दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में कृष्णा एकेडमी बिलासपुर ने कुल्लू की टीम को 11 अंकों से हराया। कबड्डी प्रतियोगिता में कुल 10 टीमों साईं बिलासपुर, आदर्श एकेडमी सुन्दरनगर, स्पोर्ट क्लब पधर, ऊना, कुल्लू, स्पोर्ट्स क्लब नेरचौक, कृष्णा एकेडमी बिलासपुर, हमीरपुर, हिप्र राज्य विद्युत परिषद तथा खेलो इंडिया सेंटर राजपूर ने भाग लिया।

न्यूज ब्रीफ

सोहन लाल ने पुस्तकालय को भेंट किए दो कंप्यूटर

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। कारोबारी सोहन लाल सोहता ने जोगिंद्रनगर में अपना पुस्तकालय स्थापना को लेकर दो कंप्यूटर दान स्वरूप भेंट किए हैं। एसडीएम कार्यालय में आज सोहन लाल सोहता ने इन दोनों कंप्यूटरों को एसडीएम जोगिंद्रनगर मनीश चौधरी को भेंट किया। एसडीएम मनीश चौधरी ने जोगिद्रनगर में अपना पुस्तकालय स्थापना में दो कंप्यूटर भेंट करने के लिए कारोबारी सोहन लाल सोहता का आभार जताया है। इस मौके पर रोटेरियन अजय ठाकुर, एडवोकेट रंजीत चौहान, विजय शर्मा भी मौजूद रहे।

120 पदों के लिए जोगिंद्रनगर में साक्षात्कार कल

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। एसआईएस इंडिया लिमिटेड आरटीए बिलासपुर हिमाचल प्रदेश ने सिक्योरिटी गार्ड व सुपरवाइजर के 120 पद अधिसूचित किए हैं। इन पदों के लिए साक्षात्कार आगामी 5 मार्च को उप-रोजगार कार्यालय जोगिंद्रनगर में प्रातः 10 बजे से लिया जाएगा। प्रभारी उप-रोजगार कार्यालय जोगिंद्रनगर सुमित ने बताया कि सिक्योरिटी गार्ड व सुपरवाइजर के इन पदों के लिए इच्छुक आवेदक निर्धारित तिथि व स्थान पर उपस्थित होकर नियोक्ता के समक्ष साक्षात्कार में भाग ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि इन पदों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता दसवीं रखी गई है। इच्छुक आवेदक अपने मूल शैक्षणिक प्रमाण पत्रों व अन्य प्रमाणपत्रों सहित उप रोजगार कार्यालय जोगिंद्रनगर में 5 मार्च को प्रातः 10 बजे से नियोक्ता के समक्ष साक्षात्कार में शामिल हो सकते हैं।

मारपीट व गाली-गलौज करने पर मामला दर्ज

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। सुंदरनगर थाना में घर के बाहर लगी दीवार को तोडने, मारपीट व गाली-गलौज करने पर तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। जानकारी के अनुसार थाना में दर्ज कराई प्राथमिकी में प्रताप सिंह पुत्र नारायण सिंह निवासी गांव व डाकघर नालग तहसील सुंदरनगर ने कहा है कि रात करीब 8 बजे वह अपने घर में मौजूद था। इस दौरान वह बाहर निकला तो पाया कि उसकी भाभी, एक अन्य महिला व व्यक्ति के साथ मिलकर लोहे की रॉड व हथौड़े से उसकी दीवार को तोड़ रहें है। उसने जब अपनी माता को आवाज देकर बुला दीवार तोड़ने बारे बताया तो आरोपियों ने उनके साथ गाली-गलौज किया और ईंट उठाकर मार दी। एसपी साक्षी वर्मा ने बताया सुंदरनगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पानी की सप्लाई देने में विभाग पूरी तरह फेल : एनके पंडित

अनंत ज्ञान, मंडी। कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता एनके पंडित ने कहा कि एक तरफ अंतरराष्ट्रीय महाशिवरात्रि महोत्सव हो रहा है और हजारों लोग मंडी में मेहमान बन कर आए हैं, लेकिन जल शक्ति विभाग पानी देने में पूरी तरह फेल रहा है। पिछले 4 दिनों में पानी नहीं आ रहा है। लोगों को दूर दूर से पानी लाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जलशक्ति विभाग और वाटर गार्ड सबने अपने मोबाइल या सरकारी लैंडलाइन नंबर आउट ऑफ आर्डर कर दिए हैं। मंडी शहर की जनता काफी परेशान है। एनके पंडित ने इस मुद्दे पर जलशक्ति मंत्री मुकेश अग्निहोत्री से कड़ा संज्ञान लेने की मांग की है। उन्होंने कहा कि विभाग के कर्मी, अधिकारी दूरभाष नंबरों को आउट ऑफ आर्डर नहीं कर सकता है, ऐसे में उप मुख्यमंत्री कड़ा संज्ञान ले और इस कृत्य में शामिल कर्मियों और अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाए।

विद्यार्थियों को वन्यजीव संरक्षण का बताया महत्व

कविता, पधर। राजकीय महाविद्यालय द्रंग स्थित नारला में विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन महाविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रो. हुकम चंद ने विद्यार्थियों को वन्यजीव संरक्षण के महत्व के बारे में बताया और जागरूक किया। इस वर्ष के विश्व वन्यजीव दिवस की थीम 'वन्यजीव संरक्षण वित्तः लोगों और ग्रह में निवेश' थी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कल्याण चंद मंढोत्रा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि वन्यजीव संरक्षण वर्तमान समय की आवश्यकता है ।

डीएवी स्कूल में करवाया हवन-यज्ञ

अभिषेक, जोगिंद्रनगर

आगामी बोर्ड और नॉन-बोर्ड परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए डीएवी पब्लिक स्कूल जोगिंद्रनगर में वैदिक सौभाग्य हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। विद्यालय में कार्यरत शास्त्री मोहित अवस्थी ने हवन की शुरुआत गायत्री मंत्र के जाप से की।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने हवन की पवित्र अग्नि में आहुतियां अर्पित कर अपने उज्ज्वल भविष्य और परीक्षा में सफलता की प्रार्थना की। विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय ठाकुर ने कहा कि प्रत्येक वर्ष वार्षिक परीक्षाओं से पहले छात्रों के आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाने के लिए वैदिक हवन यज्ञ का आयोजन किया जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि हवन न केवल आध्यात्मिक शुद्धि का प्रतीक है, बल्कि आत्मविश्वास के साथ लक्ष्य की ओर बढ़ने की प्रेरणा भी देता है।

प्रधानाचार्य ने छात्रों को कड़ी मेहनत और समर्पण से अध्ययन करने की सलाह दी और विश्वास जताया कि सभी विद्यार्थी उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करेंगे। हवन पूर्ण होने के पश्चात प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान विद्यालय के शिक्षकों, और कर्मचारियों ने भाग लिया। (अनंत ज्ञान)

स्कूल बंद होने की फर्जी खबर पर केस दर्ज

अनंत ज्ञान, मंडी। जिला मंडी में एक मार्च को स्कूल बंद होने की फर्जी खबर सोशल मीडिया में प्रसारित करने पर जिला प्रशासन मंडी ने एफआईआर दर्ज करवा दी है। अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी डॉ. मदन ने बताया कि स्कूल बंद होने की फर्जी खबर सोशल मीडिया पर प्रसारित करने पर स्थानीय पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज करवा दी गई है। उन्होंने बताया कि एक अज्ञात स्त्रोत ने सोशल मीडिया पर फर्जी खबर प्रकाशित और प्रसारित की है जिसमें कहा गया है कि जिला मंडी में सभी स्कूल 1 मार्च को बंद रहेंगे।

भाजपा करसोग मंडल की कार्यकारिणी की हुई घोषणा

लक्की, करसोग

भाजपा करसोग मंडल ने कार्यकारिणी विस्तार अध्यक्ष नेत्र सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में हुआ। जिसमें उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी मुनी लाल ठाकुर, कामेश्वर शर्मा, राज शर्मा तथा टिककम सिंह ठाकुर को प्रदान की। महामंत्री के पद में निर्मल ठाकुर को तथा पहली बार एक महिला नेता बबीता ठाकुर को जिम्मा दिया गया।

मंडल कोषाध्यक्ष नारायण सिंह ठाकुर, मीडिया प्रभारी रमेश ठाकुर, प्रवक्ता हरि शरण भाटिया, सचिव के पद में कृष्ण लाल शर्मा, सीमा गुप्ता, बसंती देवी, बुद्धि देवी, निर्मला देवी तथा कार्यालय सचिव का दायित्व जितेंद्र महाजन को दिया गया।

अध्यक्ष नेत्र सिंह ठाकुर ने बताया कि आईटी संयोजक व सह-संयोजक जितेंद्र कुमार व नवीन कुमार, सोशल मीडिया संयोजक व सह-संयोजक लीलाधर व सुनील कुमार तथा नवीन गुप्ता, ठाकुर सेन मेहता, दिलीप कुमार, कृष्ण लाल, चेतन शर्मा, बृजमोहन शर्मा, लाभ सिंह, धर्म सिंह, खूबराज, पाल सिंह कैथ, चुन्नीलाल, टेकचंद, ठाकुर सिंह, टेक चंद, गोपाल चौहान, पार्वती, सुनीता गुप्ता, विमला देवी, निर्मला देवी, नर्वदा, सपना चौहान, प्रोमिला देवी, आशा, सुनीता देवी, विमला इत्यादि को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। (अनंत ज्ञान)

नशे का शिकार हुआ बेटा तो मां ने पकड़वाया चिट्टा

अनंत ज्ञान, रिवालसर

नशा छोड़ने को लेकर मां के बार-बार समझाने पर जब बेटा नहीं माना तो आखिर मां को पुलिस का सहारा लेना पड़ा। शिकायत के आधार पर जब पुलिस ने रेड की तो आरोपी के कब्जे से 5.8 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ है।

मामला बल्ह थाना क्षेत्र के तहत ग्राम पंचायत कठयाहु का है जहां एक 31 वर्षीय ढमेश्वर पिछले दो महीनों से चिट्टे का नशा कर रहा था। वहीं पुलिस की डिटेक्शन टीम ने जब आरोपी के घर में तलाशी ली तो उक्त मात्रा में प्रतिबंधित मादक पदार्थ चिट्टा मिला है। पुलिस ने आरोपी के बिरुद्ध मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे हिरासत में लिया है तथा मामले को लेकर आगामी कार्रवाई जारी है।

स्थानीय ग्राम पंचायत प्रधान सरला देवी तथा लुहाखर पंचायत प्रधान टेक चंद ने आरोपी की माता के इस हौसले की प्रशंसा करते कहा की सभी मां-बाप इस प्रकार का हौसला दिखाएं तो समाज से नशे की बुराई को आसानी से खत्म किया जा सकता है। मामले की पुष्टि डीएसपी हेड क्वार्टर मंडी दिनेश कुमार ने की है।

मछिंद्रनाथ मंदिर में श्रीमद् भागवत कथा जारी

जोगिंद्रनगर। मछिंद्रनाथ मंदिर में जारी श्रीमद् भागवत महापुराण की पावन कथा में आचार्य तिलक राज शर्मा ने कहा कि भगवान केवल भक्तों की भक्ति को देखकर ही इस धरा पर अवतार लेते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण दयालु और कृपालु हैं, जो अपने भक्तों की निष्ठा और समर्पण से प्रसन्न होते हैं। आचार्य तिलक राज शर्मा ने विदुर और विदुरानी के जीवन चरित्र का का भी उदाहरण दिया।

भागवत कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं और भक्ति रस का आनंद ले रहे हैं। कथा का आयोजन मंदिर समिति द्वारा किया जा रहा ह।

37 वन परिक्षेत्र अधिकारी प्रशिक्षुओं ने लिया प्रशिक्षण

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर

वन अकादमी सुंदरनगर में वन परिक्षेत्र अधिकारियों के 18 माह के प्रशिक्षण कोर्स 8वां बैच का दीक्षांत समारोह संपन्न हुआ।

इस अवसर पर प्रधान मुख्य अरण्यपाल हिमाचल प्रदेश समीर रस्तोगी और अतिरिक्त प्रधान मुख्य अरण्यपाल उपासना पटियाल निदेशक सुभाष चंद पराशर, मृत्यंजय माधव, अरण्यपाल मंडी तथा विभिन्न वन मंडलों से आए वन मंडल अधिकारी, कर्मचारी और अन्य मौजूद रहे। दीक्षांत समारोह का शुभारंभ परेड व मुख्यातिथि को सलामी के साथ शुरू हआ। मुख्यातिथि ने सभी उर्तीण प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र व मैडल से नवाजा। इस प्रशिक्षण कोर्स में प्रथम स्थान पर गणेश शिवाजी इंग्ले रहे जिसके लिए उन्हें स्वर्ण पदक दिया गया और हिमांशु श्रीवास्तव को फॉरेस्टरी तथा इकोलोजी और श्यामा एसजी को फॉरेस्ट सर्वे और इंजीनियरिंग तथा रेंज एडमिनिस्टरेशन में रजत पदक प्रदान किए गए। इस अकादमी में कुल 37 वन परिक्षेत्र अधिकारी प्रशिक्षुओं ने 18 माह का प्रशिक्षण पूर्ण किया जिनमें से 22 वन परिक्षेत्र अधिकारी प्रशिक्षुओं ने ऑनर सर्टिफिकेट के साथ तथा 15 प्रशिक्षुओं ने पास सर्टिफिकेट के साथ परीक्षा उतीर्ण की है।

महिला वर्ग में सुभालक्ष्मी स्वैन और पुरूष वर्ग में आशिष मिश्रा को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के खिताब से सम्मानित किया गया।

हैरत चस्वाल से अंसवाई और छत्रैणा के लिए ग्रामीणों को बस का इंतजार

करोड़ों का पुल बिना अप्रोच के बना शोपीस

रितेश चौहान, सरकाघाट

धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र के अंसवाई से सरी के लिए निर्माणाधीन सड़क को जल्द पूरा करके उस पर यातायात शुरू करने की ग्रामीणों व पूर्व जिला पार्षद ने मांग उठाई है। पूर्व जिला पार्षद भूपेंद्र सिंह के अलावा जागेश्वर लाल, रूपलाल, बीरी सिंह, घूंघर मल,जितेंद्र ठाकुर, सुनील कुमार इत्यादि ने मांग की है कि कपाही-सरी सड़क का निर्माण कार्य जल्द पूरा किया जाए और चस्वाल से अंसवाई के लिए बनी सड़क को चौड़ा कर उस पर बस सेवा शुरू की जाए।

पूर्व जिला पार्षद भूपेंद्र सिंह ने कहा कि सरी सड़क पर चार करोड़ रुपए से खर्च होने के बावजूद भी ये सड़क अधूरी है और इस पर अभी भी यातायात सुविधा नहीं मिली है। ये सड़क अनुसूचित जाति जनजाति उपयोजना के तहत वर्ष 2018 से निर्माणाधीन है जो अंसवाई से क्लियुन-कपाही-स्नोर तक बनी है जिस पर 1.25 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं और खड्डु पर पुल बनाने के लिए 2.70 करोड़ खर्च किए जा चुके हैं लेकिन इस पर अभी तक गाड़ियां नहीं चल पा रही है और पुल के दोनों तरफ अप्रोच रोड को ठेकेदार द्वारा पूरा नहीं किया जा रहा है।

पूर्व जिला पार्षद भूपेंद्र सिंह ने इसके लिए स्थानीय विधायक को जिम्मेदार ठहराया है जो इस सड़क को पूरा करवाने में नाकाम साबित हो रहे हैं।

वहीं घरवासड़ा से माता कांचनापुरी मंदिर के लिए गद्दी बस्ती होते हुए बन रही सड़क के लिए बने बनाये रास्ते को उखाड़ दिया है लेकिन सड़क पूरी नहीं हो पाई है।

इसी प्रकार सजाओपीपलु से छत्रैणा के लिए बस सेवा शुरू नहीं हो पाई है और टिहरा से कमलाह सड़क पर बन रहा पुल भी अधूरा है। व्यवस्था परिवर्तन के नाम पर टिहरा बस स्टैंड पर पिछले तीस साल पहले बने रेन शैल्टर को पांच महीने पहले उखाड़ दिया है और अब लोग सड़क पर बैठने को मजबूर हैं। भूपेंद्र सिंह ने कहा कि एक्सियन से आरटीआई के तहत सूचना मांगी है और उसके मिलते ही वे इसकी शिकायत दर्ज करेंगे। (अनंत ज्ञान)

सकलाना में बारिश से गिरा मकान

अनंत ज्ञान, सरकाघाट

ग्राम पंचायत सकलाना के गांव निवासी चमारू राम पुत्र स्व. नवरात्रु का दो कमरों का रिहायशी मकान पिछले तीन दिन हुई लगातार भारी बारिश के बाद आज दोपहर गिरकर पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गया जब यहां मकान गिरा उस समय चमारू राम और उसकी धर्मपत्नी बालेश्रु देवी रोज की तरह सुबह दिहाड़ी मजदूरी के लिए गए थे।

हैरानी इस बात की है कि चमारु राम के दो मंजिला दो कमरे पिछली अगस्त माह में हुई भारी बारिश के कारण गिर कर पूर्ण तरह क्षतिग्रस्त हो गए थे । पंचायत व चमारु राम ने स्वयं लिखित रूप से प्रशासन व सरकार से मुआवजे के लिए गुहार लगाई हुई थी जो आज दिन तक पूरी नहीं हुई और आज इस गरीब पर फिर से कुदरत का कहर बरपा गया जो दो कमरे बचे हुए थे वह भी आज पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गए आज चमारु राम के पास भारी बारिश के बीच रहने के लिए घर नहीं रहा है।

ग्राम पंचायत सकलाना के प्रधान सुरेंद्र ठाकुर ने प्रशासन व सरकार से गुहार लगाई है कि चमारु राम को तुरंत फौरी राहत और उचित मुआवजा दिया जाए।

डेरा बाबा रुद्रानंद में सुग्रीवानंद महाराज की पावन देह पंचतत्व में विलीन होते हुए।

घोर तपस्या से साधना करके सुग्रीवानंद बने थे दिव्य संत

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना

वेदांताचार्य सुग्रीवानंद महाराज ने अखंड धूणा पर सात दशकों से भी अधिक समय तक घोर तपस्या करके दिव्य शक्ति ग्रहण की थी। उनके हाथ के स्पर्श से धूणा से निकलने वाली विभूति भी औषधि का काम करती थी। डेरे के विकास में उनका महान योगदान रहा और उसका परिणाम था कि बारिश के मौसम में भी अपने आध्यात्मिक गुरु को अंतिम विदाई देने वालों का सैलाब उमड़ा हुआ था। बता दें कि 5 नवंबर, 1928 को ऊना जिला के गुगलैहड़ में एक ब्राह्मण परिवार में जन्मे बालक को उस समय क्या पता था कि वह सनातन परंपरा को बुलंदियों तक पहुंचाएगा। यह वह बालक था, जो महान संत योगी की उपाधि के साथ विद्यालंकार वेदांताचार्य हुए। सनातन धर्म के प्रचार और प्रसार के लिए उन्होंने विश्व भर में डंका बजाया। उनका बचपन का नाम कर्म चंद था। उस समय आश्रम डेरा बाबा रुद्रानंद में बाबा आत्मानंद महाराज डेरा के महंत थे।

अनंत ज्ञान साइड स्टोरी

उन्होंने आश्रम में एक संस्कृत पाठशाला चला रखी थी। गुलामी के उस दौर में पढ़ाई के संसाधन नाममात्र ही थे। कर्मचंद के माता-पिता ने भी 6 वर्ष की आयु में बालक को संस्कृत की पढ़ाई के लिए उन्हें आश्रम में आत्मानंद महाराज के पास छोड़ दिया, जहां पर इन्होंने प्रारंभिक शिक्षा संस्कृत में हासिल की। बचपन से ही आत्मानंद ने देखा कि यह बालक भक्ति भाव में रमा रहता है। शुरू से ही उनकी नजर इस बालक पर थी। धीरे-धीरे बालक ने आश्रम में ही शिक्षा ग्रहण की तथा महाराज आत्मानंद को अपना आध्यात्मिक गुरु भी धारण कर लिया। गुरु दीक्षा लेने के बाद गुरु के साथ बैठकर तपस्या करना और अन्य कर्मकांड सीख लिए। महाराज आत्मानंद ने 20 वर्ष तक सुग्रीवानंद महाराज की कठोर परीक्षा ली थी। तब जाकर उन्हें गद्दी का उत्तराधिकारी बनने के योग्य समझा और 1952 में मार्गशीर्ष शुक्ल प्रतिपदा तिथि को कर्म चंद को 26 वर्ष की आयु में गद्दी पर बिठाया और इनका नाम सुग्रीवानंद रखा।

आत्मानंद के समाधि लीन होने के बाद बनारस में चारों वेद और उपनिषदों का अध्ययन किया। इसके अलावा कर्मकांड और सभी शास्त्रों के ज्ञान हासिल किया। सुग्रीवानंद ने संसाधन जुटाकर आश्रम में बहुत ही तरक्की की तथा लोगों को सद्मार्ग का रास्ता दिखाया। सनातन धर्म का प्रचार किया, मार्गदर्शन किया तथा अपने से पहले महंतों की ओर से चलाई गई परंपराओं को आगे बढ़ाया। 1850 से चल रहा धूना बाकायदा आज भी चल रहा है।

1864 में सदा व्रत लंगर को भी जारी रखा। आज भी 24 घटे लंगर आश्रम में लगा रहता है। तड़के 3 बजे उठकर स्नान आदि के बाद धूने पर आकर तपस्या करना उनकी दिनचर्या थी। आश्रम में चल रही संस्कृत पाठशाला को विश्वविद्यालय का दर्जा दिलवाया। जहां आज लगभग 80 विद्यार्थी विभिन्न प्रदेशों से वेदों और उपनिषदों पर अनुसंधान कर रहे हैं तथा शास्त्री तक की कक्षाएं भी यहां पर चलाई जा रही हैं। आश्रम में एक बहुत बड़ी गोशाला भी है।

यह भी बताना जरूरी है कि आश्रम में गांव का दूध ही प्रयोग में लाया जाता है। रसोई में काम करने वाले और आश्रम के कर्मचारी को धोती पहनना जरूरी है। 2000 में महाराज ने विश्व के कल्याण के लिए कोटि गायत्री महायज्ञ का आयोजन करवाया। इसमें देश के कोने-कोने से विद्वान पाठ करने के लिए आए। ऊना जिले के अमलैहड़ का आश्रम भी डेरा बाबा रुद्रानंद आश्रम के साथ जुड़ा हुआ है। महाराज ने अपने उत्तराधिकारी के रूप में वसंत पंचमी वाले दिन 2015 को बालक हीरालाल जो विद्यालय में ही शिक्षा ग्रहण करते हैं, उन्हें इलाकावासियों की उपस्थिति में अपना उत्तराधिकारी चुन लिया था।

महान संत सुग्रीवानंद का महाप्रयाण

हिमाचल सरकार ने पूर्ण राजकीय सम्मान के साथ दी विदाई

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना

उत्तर भारत के प्रसिद्ध डेरा बाबा रुद्रानंद के अधिष्ठाता परम पूज्य श्री श्री 1008 स्वामी सुग्रीवानंद जी महाराज के महाप्रयाण पर हिमाचल सरकार ने पूर्ण राजकीय सम्मान के साथ विदाई दी। उनकी अंतिम यात्रा में उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री शामिल हुए और भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके साथ सरकार के अन्य प्रतिनिधि तथा डीसी जतिन लाल एवं एसपी राकेश सिंह समेत जिला प्रशासन के अधिकारी भी उपस्थित रहे। हजारों की संख्या में पहुंचे महाराज के भक्तों ने उनके अंतिम दर्शन किए।

अंतिम यात्रा में उपमुख्यमंत्री ने शामिल होकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

रिक्तता छोड़ गई महाराज की अनुपस्थिति : मुकेश अग्निहोत्री

उपमुख्यमंत्री ने अपने शोकोद्गार में कहा कि महाराज जी का संपूर्ण जीवन सनातन धर्म और मानवता की सेवा में समर्पित रहा। मृत्यु केवल देह का विसर्जन है, स्मृतियां अमर रहती हैं। कालचक्र की अटूट गति में एक दीप अस्त हुआ, किंतु उनकी आभा युगों तक प्रेरणा देती रहेगी। नश्वर संसार में उनकी अनुपस्थिति एक रिक्तता छोड़ गई है, जिसे समय भी भर नहीं पाएगा। महाराज जी से हुई मुलाकातें हमारे लिए अति स्मरणीय रहेंगी। हिमाचल सरकार ने उनकी मानव सेवा और सनातन धर्म के प्रति समर्पण को देखते हुए पूर्ण राजकीय सम्मान के साथ विदाई दी।

बारिश की फुहारों के बीच श्रद्धालुओं ने किए अंतिम दर्शन

परम पूज्य महाराज जी के बैकुंठ गमन पर बाबा रुद्रानंद जी महाराज डेरे में सोमवार को श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा था। मौसम की मनुहार में मानो देवताओं ने भी बारिश की फुहारों के साथ उनकी दिव्य देह का अभिषिंचन किया। हजारों श्रद्धालुओं ने उनके पुण्य चरणों के दर्शन किए और श्रद्धांजलि अर्पित की।

उत्तराधिकारी आचार्य हेमानंद महाराज ने दी मुखाग्नि

वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य महाराज जी के प्रधान शिष्य एवं उत्तराधिकारी आचार्य हेमानंद महाराज ने चिता को मुखाग्नि दी। बता दें, स्वामी सुग्रीवानंद जी महाराज का 2 मार्च को पीजीआई चंडीगढ़ में देहावसान हुआ था। वह 98 वर्ष के थे और पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। हिमाचल सरकार ने उनके सम्मान में पूर्ण राजकीय सम्मान के साथ अंत्येष्टि की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे, जिनके अनुपालन में जिला प्रशासन ने समुचित व्यवस्था करते हुए विधिवत रूप से राजकीय सम्मान के साथ अंत्येष्टि संपन्न कराई।

जिला प्रशासन ने घोषित किया था स्थानीय अवकाश

जिला प्रशासन ने महाराज जी के सम्मान में 3 मार्च को स्थानीय अवकाश घोषित किया था। इस दौरान विधायक सतपाल सत्ती, राकेश कालिया, विवेक शर्मा, सुदर्शन बबलू, अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष कुलदीप कुमार धीमान तथा आयोग के सदस्य अधिवक्ता विजय डोगरा समेत समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों की विशिष्ट विभूतियों और हजारों श्रद्धालुओं ने अंतिम यात्रा में शामिल होकर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

सुग्रीवानंद महाराज के निधन पर दर्पण संस्था ने जताया शोक

अनंत ज्ञान, ऊना। जिला जन शिकायत निवारण समिति के सदस्य एवं साहित्यिक संस्था दर्पण के अध्यक्ष अशोक कालिया तथा संस्था के अन्य पदाधिकारियों व सदस्यों कुंदन लाल भारद्वाज, राम पाल शर्मा, रचना रानी, डॉ. देवकला शर्मा, अलका चावला, अनिल जसवाल, सुधा पाराशर, दीपक शर्मा, डॉ. सत्येन्द्र मौर्य तथा ऋषभ वर्मा आदि ने उत्तर भारत के सुविख्यात धार्मिक स्थल डेरा बाबा श्री रुद्रानंद के अधिष्ठाता श्री श्री 1008 वेदान्ताचार्य सुग्रीवानंद जी के महाप्रयाण पर गहरा शोक प्रकट किया है तथा उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है।

वहीं, कालिया ने कहा कि सुग्रीवानंद महाराज जी के गोलोकगमन से अध्यात्मिक जगत को जो अपूर्णीय क्षति हुई है, आने वाले अनेक दशकों तक उसकी भरपाई शायद ही हो पाए। कालिया ने शोक के इस अवसर पर प्रदेश सरकार द्वारा सोमवार को जिला ऊना के सरकारी कार्यालयों व शिक्षण संस्थानों में अवकाश घोषित किए जाने तथा सुग्रीवानंद जी की अंत्येष्टि राजकीय सम्मान के साथ किए जाने के लिए सरकार का आभार जताया।

सुग्रीवानंद महाराज के बैकुंठधाम गमन के शोक में डूबा बड़ूही बाजार

अनंत ज्ञान, बड़ूही

व्यापार मंडल बड़ूही के प्रधान नरेंद्र शर्मा, उपप्रधान नीरज चोपड़ा, महासचिव विजय कपिला व समस्त कार्यकारिणी सनी ठाकुर, सतीश महता, ईशान खन्ना, धर्म चंद्र, अश्वनी चौधरी, कुलविंदर सिंह, मांगे शाह, मनदीप सिंह, विजय कपिला व सभी दुकानदारों द्वारा राष्ट्रीय संत श्री सुग्रीवानंद जी के ब्रह्मलीन होने पर शोक प्रकट किया तथा सोमवार को सभी दुकानदारों ने अपनी अपनी दुकानें बंद रखीं।

लाखों श्रद्धालुओं की प्रगाढ़ आस्था के केंद्र डेरा बाबा रुद्रानंद जी आश्रम के अधिष्ठाता श्री श्री 1008 वेदांताचार्य स्वामी सुग्रीवानंद जी महाराज के देवलोकगमन अत्यंत कष्टदायी है। प्रधान नरेंद्र शर्मा ने कहा कि गुरु जी का निधन असहनीय हैं। आपका आशीर्वाद हम सब पर सदैव बना रहे। महासचिव विजय कपिला ने कहा वेदांताचार्य स्वामी सुग्रीवानंद जी महाराज ने अपना संपूर्ण जीवन धर्म और सेवा के विचार को वृहद् रूप से फैलाने के लिए समर्पित कर दिया। उपप्रधान नीरज चोपड़ा ने कहा परम् पिता परमेश्वर से प्रार्थना है कि उनके अनुयायियों को यह दुख सहन करने की शक्ति व पूज्य गुरुजी की पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान द।

बड़ूही के प्रसिद्ध व्यवसायी और बड़ूही के भूतपूर्व प्रधान विपन चौधरी ने कहा हैं डेरा बाबा रुद्रानंद के संस्थापक वेदांताचार्य 1008 स्वामी श्री श्री सुग्रीवानंद महाराज जी का स्वर्ग लोक जाना हुआ है। यह हम सबके लिए दुखद है। आपका मार्गदर्शन आशीर्वाद सनातन को सदैव मिला है।

डेरा बाबा रुद्रानंद नगरी में हजारों भक्तों ने दी भावभीनी विदाई

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना

ऊना जिले के नारी गांव में स्थित डेरा बाबा रुद्रानंद के संस्थापक वेदांताचार्य 1008 स्वामी श्री श्री सुग्रीवानंद महाराज की पावन देह सोमवार को पंचतत्व में विलीन हो गई। हजारों भक्तों ने सोमवार को सुग्रीवानंद महाराज के अंतिम दर्शन करते हुए को भावभीनी विदाई दी। रविवार रात से ही भक्तों का डेरे में पहुंचना जारी हो गया था और सोमवार को भी हजारों लोग समाधि स्थल पर पहुंचे हुए थे।

'महाराज अमर रहें' के लगे उद्घोष

सुग्रीवानंद महाराज को हिमाचल सरकार ने राजकीय सम्मान से अंतिम विदाई दी। सशस्त्र बलों ने महाराज को सलामी दी। इस बीच महाराज अमर रहे उद्घोषों से पूरा डेरा क्षेत्र गुंजायमान हो गया। हजारों अनुयायियों ने गुरु महाराज जी की जय, जब तक सूरज चांद रहेगा गुरु जी तेरा नाम रहेगा... के जयकारे लगाए। जहां लोगों को जगह मिली वहां से वे महाराज के पावन देह को पंचतत्व में विलीन होने की रस्म को देख रहे थे। अंतिम यात्रा में सैकड़ों लोग शामिल हुए।

संत महात्माओं ने पूर्ण करवाई प्रक्रिया

उपमुख्यमंत्री के अलावा विधायक सतपाल सत्ती, विवेक शर्मा, सुदर्शन बबलू, राकेश कालिया, मंगलानंद महाराज, बाबा बाल जी महाराज, डेरा जोगी पंगा के महंत समेत कई दिव्य संत महात्माओं ने यह प्रक्रिया पूर्ण करवाई। महाराज श्री के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार बनारस और हरिद्वार से आए अग्नि अखाड़े के संतों ने विधि-विधान से किया।

भक्तों के आंसुओं ने नहीं लिया थमने का नाम

उनका पार्थिव शरीर रविवार को चंडीगढ़ से मैहतपुर-ऊना होते हुए तीन बजे डेरा बाबा रुद्रानंद पहुंचाया गया था। उनकी पार्थिव देह भक्तों के दर्शनों के लिए लक्ष्मी नारायण मंदिर के बड़े हॉल में रखी गई थी। हजारों की संख्या में श्रद्धालु अंतिम दर्शन करने के लिए खड़े रहे, भक्तों के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे। उनके परम शिष्य एवं उत्तराधिकारी हेमानंद जी ने विधि विधान के साथ अपने गुरुदेव को माथा टेका। उसके बाद श्रद्धालुओं ने भी अंतिम दर्शन किए। सोमवार को भी कई किलोमीटर तक उनके भक्तों की कतारें दर्शनों के लिए नजर आईं। रात के समय भी दर्शन करने का क्रम निरंतर जारी था। श्रद्धालुओं ने महाराज की पार्थिव देह पर पुष्प वर्षा की।

वेदांताचार्य सुग्रीवानंद महाराज की पार्थिव देह डेरा बाबा रुद्रानंद गांव नारी जिला ऊना के आश्रम में भक्तों के लिए आखिरी दर्शनों के लिए रखी गई थी। सोमवार को जब उनकी अंतिम यात्रा शुरु हुई तो भक्तों के साथ आसमान से भी अश्रुधारा बहने लगी। आस्था के प्रतीक, सनातन धर्म के प्रकाश पुंज और उत्तर भारत की शान रहे महाराज के परलोक सिधारने पर पूरे इलाके में दुख और शोक की लहर है। सभी दुखी मन से महाराज जी को विदाई देने डेरा आश्रम पहुंचे हुए थे।

शोक में बंद रहे बाजार

हिमाचल व्यापार मंडल ने महाराज के प्रति शोक प्रकट करते हुए सोमवार को ऊना में अपनी दुकानें बंद कर उनके प्रति श्रद्धांजलि प्रकट की। प्रदेशाध्यक्ष सोमेश शर्मा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश व्यापार मंडल की ओर से शोक प्रकट करते हुए उनके प्रति विनम्र श्रद्धांजलि, एवं पुष्पांजलि अर्पित की। व्यापार मंडल के प्रिंस राजपूत ने भी दुकानदारों से दुकानें बंद रखने की अपील की थी।

ऑपरेटरों ने दी मुफ्त बस सुविधा, लंगर लगाए

ऊना से डेरा बाबा रुद्रानंद आश्रम तक कई बस ऑपरेटरों ने निःशुल्क बस सेवा उपलब्ध कराई थी। यह बसें श्रद्धालुओं को ऊना बस स्टैंड से डेरा तक पहुंचा रही थीं और वापिस वहां छोड़ रही थीं। डेरा के आसपास कई भक्तों द्वारा चायपान का लंगर भी लगाया था।

विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर युवक ठगा

अनंत ज्ञान, गगरेट

पुलिस ने गिरोह के खिलाफ किया मामला दर्ज

युवाओं को वर्क वीजा के नाम पर विदेश में नौकरी दिलाने का झासा देकर ठगने वाले एक गिरोह के विरुद्ध गगरेट पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। हालांकि इस गिरोह द्वारा कितने युवाओं को वर्क वीजा के नाम पर ठगा गया है, इसका खुलासा पुलिस जांच के बाद होगा, लेकिन उपमंडल गगरेट के बड़ोह गांव के एक युवक के साथ वर्कवीजा के नाम पर लाखों रुपए की ठगी करने पर मिले शिकायत पत्र के आधार पर पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

बड़ोह गांव के विजय जसवाल द्वारा गगरेट पुलिस को दी गई शिकायत में कहा गया है कि वह अपने बेटे अखिल जसवाल के माध्यम से खरड़ के एक दंपती को मिला, जिन्होंने अखिल जसवाल को सिंगापुर में वर्क वीजा पर नौकरी दिलाने का आश्वासन दिया। खरड़ के उक्त दंपती ने उन्हें सिंगापुर के एजेंट से मिलाने का आश्वासन देने के साथ उन्हें आश्वस्त किया कि सिंगापुर में वर्क वीजा पर नौकरी दिलाने के बाद वह अखिल को ओपन वीजा पर किसी यूरोपियन देश में भेज देंगे। इसके लिए उन्होंने पंद्रह लाख रुपए की डिमांड की और आठ लाख रुपए कैश के रूप में मांगा जबकि छह लाख रुपए उन्होंने उनके अकाउंट में तीन अक्तूबर 2024 को ट्रांसफर किए। इसके बाद बारह दिसंबर 2024 को छह लाख चालीस हजार रुपए की पेमेंट फिर से इनके अकाउंट में ट्रांसफर की गई।

इस पर उन्हें सिंगापुर की एयर टिकट व वर्क वीजा थमाया गया। उन्हें यह भी आश्वस्त किया गया कि उनके बेटे को सिंगापुर में सेल्ज मैनेजर की पोस्ट पर काम मिलेगा और उसे आठ घंटे ही काम करना होगा लेकिन शैक्षणिक योग्यता पूरी न करने पर उनके बेटे को क्लीनिंग सर्विस का वर्क वीजा दिया गया। इसके बाद उनका बेटा सिंगापुर की फ्लाइट लेकर रवाना हो गया। अगले दिन जब अखिल उसे बताए गए कंपनी के एड्रेस पर नौकरी के लिए पहुंचा तो उसे वहां तैनात सिक्योरिटी गार्ड ने बताया कि ऐसी किसी पोस्ट के लिए कभी कंपनी द्वारा कोई विज्ञापन ही नहीं दिया गया। उसे दिया गया वर्क परमिट भी जाली है। अखिल चार-पांच दिन वहां कंपनी में जाने का प्रयास करता रहा।

इसके बाद जब उन्होंने खरड़ के दंपती से संपर्क किया तो उनका व्यवहार ही बदल गया और वे उन्हें धमकाने लगे। अपने गाढ़े खून पसीने की कमाई यूं लुटते देख उन्होंने अब न्याय के लिए पुलिस के पास गुहार लगाई है। डीएसपी डॉ. वसुधा सूद ने बताया कि पुलिस ने धोखाधड़ी का मुकद्दमा दर्ज कर लिया है और मामले की गहनता से जांच जारी है।

कुटलैहड़ भाजपा के डेरा बाबा रुद्रानंद मंडल में निशा रानी बनी उपाध्यक्ष

अनंत ज्ञान, बंगाणा

कुटलैहड़ भाजपा का डेरा बाबा रुद्रानंद मंडल के मंडलाध्यक्ष राजकुमार ने भाजपा नेता एवं पूर्व विधायक देवेंद्र कुमार भुट्टो से चर्चा करने के बाद कार्यकारणी के विस्तार में गुरदयाल सिंह, सुरेश बांका, निशा रानी, नरेंद्र कुमार, गुरबचन दास, नरेश कुमार, जसबीर बिट्टा को उपाध्यक्ष बनाया है, जबकि श्याम चंदेल, विजय कुमार को महामंत्री बनाया है।

देवदत्त को कोषाध्यक्ष और राजेंद्र सिंह को मीडिया प्रभारी बनाया है। ओम पॉल सिंह को प्रवक्ता तो मीना कुमारी, सतीश कुमार, कमलेश कुमारी, वीना देवी, राम देव शर्मा, सुभाष चंद, मनीष लठ को सचिव नियुक्त किया है। सुरेश शर्मा को कार्यालय सचिव दीप शर्मा को आईटी संयोजक तो विनय शर्मा को सह-संयोजक बनाया है। हरीश कुमार और मोहिंदर कौर को सोशल मीडिया प्रमुख नियुक्त किया है। कार्यकारणी सदस्यों में सर्वण सिंह, सोमनाथ, पंकज डोगरा, शाम लाल, कमला देवी, माया रानी, अरुणा कुमारी, जितेंद्र कुमार, पूजा देवी, त्रिशला देवी, ओम प्रकाश, शीला देवी, शशि सैनी, मुनीश कुमार, राजीव कुमार, रानी गिल, मतीधार शर्मा, पवन कुमार, वृज मोहन, राकेश कुमार, सीता देवी, विक्रमा ठाकुर, अजय कुमार, सतपिंदर कौर, रीना देवी, गुरबचन सिंह, रवि सैनी की नियुक्ति की है।

स्थायी आमंत्रित सदस्यों में यशपाल, राम कुमार, रामपाल, बलबीर ठाकुर, बाबू राम, देसराज, विजय कुमार, बख्शी राम, पराजित, मोहिंदर पाल को नियुक्त किया है। वहीं, विशेष आमंत्रित सदस्यों में वीरेंद्र कंवर, देवेंद्र कुमार भुट्टो, मनोहर लाल, निशा कुमारी, गुरमेल सिंह, राज कुमार, संतोष सैनी, बलराम बबलू, सुरेश कुमार, मखन सिंह को सदस्य बनाया है।

अत्याधुनिक तकनीक से नहर से शव तलाशने की कोशिश

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना

अनंत ज्ञान फॉलोअप

हरदीप उर्फ जिया का शव अभी तक भी बरामद नहीं हो पाया है। पुलिस द्वारा सोमवार को भी सर्च ऑपरेशन जारी रखा और शव की तलाश में नई तकनीक का भी इस्तेमाल किया। जिला ऊना के एएसपी संजीव भाटिया और इंस्पेक्टर गौरव भारद्वाज अपनी टीम के साथ डेड बॉडी की तलाश करने के लिए जारी गोप्रो कैमरे के साथ नहर को खंगाल रहे हैं।

बता दें कि ऊना में तीन युवकों ने एक युवती के साथ मिलकर दरिंदगी की सभी हदें पार कर दी थीं। युवती जो नाबालिग है और 31 मार्च के बाद बालिग हो रही है, जिसने अरनियाला के युवक को बहाने से बुलाकर उसे मौत के घाट उतारने में प्रमुख भूमिका निभाई है। हालांकि वायरल वीडियो में उसका चेहरा नहीं दिखा है। मुख्य आरोपी वंश की निशानदेही पर जिया के खून से सने कपड़े बरामद किए गए थे। दो अन्य युवक हत्या में शामिल रहे हैं और अभी तक कई लोगों से इस मामले में भी पूछताछ हो सकती है। ऊना के साथ अरनियाला गांव में शुरू हुई इस खूनी खेल में सभी सामान्य वर्ग के परिवारों के बच्चे हैं। इसमें कुछ के पिता अथवा स्वजनों का साया भी सिर पर नहीं है। ऐसे में ये बच्चे काफी समय से गलत संगत का शिकार हो गए थे।

करीब साल भर पहले भी जिया के साथ उस किशोरी के फरार होने की घटना से जोड़ा गया था। बाद में उनका महिला पुलिस स्टेशन में मामला गया था। इस बीच कहानी बदल गई और किशोरी की जिंदगी में एक और किरदार जुड़ गया। अहम और बहम की इस जंग में मामला किडनैपिंग और मर्डर तक जा पहुंचा। बहरहाल मामले में जिया का मर्डर हो चुका है अब शव बरामद होने के बाद शेष स्थिति स्पष्ट होगी।

बंगाणा कॉलेज का वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह कल

अनंत ज्ञान, बंगाणा। अटल बिहारी वाजपेई राजकीय महाविद्यालय बंगाणा में 5 मार्च को वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन किया जाएगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रमेश ठाकुर ने बताया कि इस साल के समारोह में कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के विधायकविवेक शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे तथा मेधावियों को इनाम बांटेंगे।

आयोजन प्रेस-11 के 100 रन के जवाब में प्रशासन-11 ने चार विकेट खोकर बना लिए 103 रन

प्रशासन-11 ने प्रेस-11 को हराकर जीता क्रिकेट मैच

अनंत ज्ञान, बंगाणा

उपमंडल बंगाणा डूमखर खेल मैदान में रविवार को प्रशासन-11 और प्रेस 11 के बीच रोमांचक क्रिकेट मुकाबला खेला गया, जिसमें प्रशासन-11 ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। यह मैच केवल खेल भावना को बढ़ावा देने के लिए ही नहीं, बल्कि समाज में नशा मुक्त संदेश देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

दोस्ताना मैच में प्रशासन और पत्रकारों की टीमें

प्रेस-11 की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। प्रेस-11 की तरफ से बल्लेबाजों ने संयमित खेल दिखाया, लेकिन प्रशासन 11 की कसी हुई गेंदबाजी के कारण वे बड़ा स्कोर नही बना सके और प्रेस 11 की टीम 100 रनों पर ही सिमट गई। 101 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी प्रशासन 11 की टीम की शुरुआत अच्छी रही। एसडीएम बंगाणा सोनू गोयल एवं तहसीलदार अमित कुमार ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए धुआंधार पारी खेली और टीम की जीत सुनिश्चित की। उनके साथ जीवन शर्मा ने भी अहम योगदान दिया और टीम को स्थिरता प्रदान की। हालांकि, प्रेस 11 की ओर से मुकेश ने जबरदस्त गेंदबाजी करते हुए लगातार दो गेंदों पर दो विकेट झटककर प्रशासन 11 की बल्लेबाजी में हलचल मचा दी, लेकिन फिर भी प्रशासन-11 ने संयम बनाए रखा और चार विकेट खोकर 103 रन बनाकर मैच जीत लिया।

यह मैच केवल मनोरंजन तक ही सीमित नहीं था, बल्कि इसका मुख्य उद्देश्य समाज में नशा मुक्त अभियान को बढ़ावा देना था। प्रशासन और पत्रकारों के बीच खेले गए इस दोस्ताना मुकाबले के जरिए युवाओं को खेलों की ओर आकर्षित करने और नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया। प्रशासन 11 के कैप्टन एवं एसडीएम बंगाणा सोनू गोयल ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं, बल्कि ये युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से भी दूर रखता है। इस तरह के आयोजन भविष्य में भी किए जाएंगे, ताकि समाज में जागरूकता फैलाई जा सके।

मैच के समापन पर विजेता और उपविजेता टीम को सम्मानित किया गया। इस दौरान बंगाणा के डुमखर ग्राउंड में प्रेस और प्रशासन के बीच मैत्री क्रिकेट मैच में कुटलैहड़ के विधायक विवेक शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। विवेक शर्मा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से प्रशासन और मीडिया के बीच समन्वय मजबूत होता है और आपसी सहयोग को बढ़ावा मिलता है। आयोजन समिति ने विवेक शर्मा का आभार व्यक्त किया। वहीं, खेल मैदान में विधायक विवेक शर्मा ने भी खूब चौके-छक्के लगाकर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।

ये रहे मौजूद: इस मौके पर एसडीएम सोनू गोयल कैप्टन, अमित कुमार, सुशील कुमार, रोहित चौधरी, जीवन कुमार, पंकज कुमार, संजीव कुमार, शिव कुमार, संजीव कुमार, मनोहर लाल दत्ता, दिनेश कुमार, रजनीश कुमार, विपिन साजन, जोगेंद्र देव आर्य, अनिल ठाकुर, जितेंद्र शर्मा, राजेश ठाकुर, दलजीत शर्मा, भारत भूषण धीमान, मनोज कुमार शर्मा, कृष्ण पाल शर्मा, अभिषेक कुमार, राम सिंह, अजय शर्मा, रणधीर सिंह, विनोद शर्मा, रिंकू भारद्वाज के अलावा अन्य मौजूद रहे।

चिंतपूर्णी मंदिर में श्रद्धालु ने चढ़ाया चांदी का छत्र

अनंत ज्ञान, चिंतपूर्णी

चिंतपूर्णी मंदिर में एक श्रद्धालु ने माता के चरणों में चांदी का एक सुंदर छत्र चढ़ाया है। इस छत्र का वजन 1 किलो 440 ग्राम है। पुजारी कुणाल कालिया ने बताया कि यह श्रद्धालु पंजाब के रहने वाले थे और उन्होंने अपना नाम गुप्त रखा है। उन्होंने बताया कि यह छत्र माता की पूजा के दौरान उपयोग किया जाएगा। इस चांदी के छत्र के चढ़ाए जाने से मंदिर की सुंदरता में और भी वृद्धि हुई है। श्रद्धालुओं के लिए यह एक आकर्षक और पवित्र अनुभव होगा। हिमाचल प्रदेश को देवभूमि के नाम से जाना जाता है। इस खूबसूरत जगह पर प्राचीन काल से देवता निवास करते आ रहे हैं, उन्हीं में से एक हैं हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले में मां चिंतपूर्णी देवी मंदिर और चिंतपूर्णी देवी तीर्थ स्थल।

करोड़ों लोगों की आस्था इस मंदिर से है। यह जगह इतनी पवित्र है कि इसे 51 शक्तिपीठों में गिना जाता है। श्री शिवपुराण की कथा के अनुसार, जब भगवान शिव सती पार्वती के शव के साथ तीनों लोकों में जा रहे थे, तब भगवान विष्णु ने सती के शरीर को अपने चक्र से अलग कर दिया था।

जिन पवित्र स्थानों पर सती के अंग गिरे, वे स्थान शक्तिपीठ के नाम से जाने जाते हैं। मान्यता है कि इसी स्थान पर सती के पैर के अंग गिरे थे। ये छिन्नमस्तिका देवी का स्थान भी है, इसलिए माता चिंतपूर्णी को छिन्नमस्तिका धाम के नाम से भी जाना जाता है। द्य

कुछ लोगों के अनुसार माता चिंतपूर्णी मां ज्वालामुखी का दूसरा नाम और रूप हैं। जैसा कि आप जानते हैं ज्वालामुखी मंदिर हिमाचल में ही स्थित है, इसी आधार पर इस जगह की देवी का नाम चिंतपूर्णी पड़ा। देवी को चिंताओं को दूर करने वाली माता के रूप में जाना जाता है। जिस भी व्यक्ति के जीवन में सुख, धन और संपत्ति का अभाव है, उनके दुख को चिंतपूर्णी मां दूर कर देती हैं। इस मंदिर की इस कारण से इतनी मान्यता है कि भक्त दूर-दूर से अपनी समस्याएं मां के पास लेकर आते हैं।

चिंतपूर्णी मंदिर में एक तलाब है, जिससे एक प्राचीन कहानी जुड़ी हुई है। कहानी के अनुसार, मां भगवती ने भक्त माई दास जी% को कन्या रूप में प्रत्यक्ष दर्शन दिए और उनकी चिंता दूर हो गई। देवी भगवती ने उन्हें कहा कि आप जिस भी पत्थर को उखाड़ेंगे, वहां से पानी निकलने लगा। अब इस जगह पर एक तालाब है, जहां से भक्त ने पत्थर को उखाड़ा था। इस तालाब का निर्माण पंजाब के महाराजा रणजीत सिंह ने करवाया था। इसके बाद चिंतपूर्णी सरोवर कार्य समिति के पूर्व अध्यक्ष अमर शहीद ने इस तालाब का रेनोवेशन किया। तालाब के ठीक ऊपर, मंदिर के संस्थापक श्री 1008 बाबा मैदान जी की समाधि है। मंदिर के पास एक पवित्र बावड़ी है, जिसके जल से सभी रोग दूर होते हैं। छिन्नमस्तिका धाम की दिलचस्प बात यह है कि भगवान शिव ने मंदिर को चारों तरफ से सुरक्षित किया हुआ है।

अनुसूचित जाति आयोग की कल होगी बैठक

अनंत ज्ञान, ऊना। हिमाचल प्रदेश राज्य अनुसूचित जाति आयोग 5 मार्च को ऊना में जिला स्तरीय बैठक आयोजित करेगा। इस बैठक में अनुसूचित जाति वर्ग के कल्याण के लिए संचालित सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता आयोग के अध्यक्ष कुलदीप कुमार धीमान करेंगे, जबकि आयोग के सदस्य अधिवक्ता विजय डोगरा और अधिवक्ता दिग्विजय मल्होत्रा भी बैठक में उपस्थित रहेंगे।

बैठक 5 मार्च को पूर्वाह्न 11 बजे जिला परिषद हॉल ऊना में होगी। जिला कल्याण अधिकारी अनीता शर्मा ने बताया कि बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी अपने विभागों की योजनाओं की अद्यतन जानकारी प्रस्तुत करेंगे। आयोग के अध्यक्ष अधिकारियों से योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति पर चर्चा करेंगे और आवश्यक दिशा-निर्देश देंगे। साथ ही, अनुसूचित जाति समुदाय से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी विमर्श होगा।उन्होंने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों से तैयारी के साथ बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया है।

न्यूज ब्रीफ

सरकार के नकारात्मक रवैये पर जताया रोष

अनंत ज्ञान, पतलीकूहल। हिमाचल पेंशनर्स फेडरेशन नग्गर खंड की मासिक बैठक होटल शुभम कटराईं में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता संगठन के वरिष्ठ उपप्रधान भानू प्रकाश गौतम ने की। बैठक में विशेष तौर पर राज्य स्तर से वरिष्ठ उपाध्यक्ष पूर्ण देव शर्मा संगठन के महासचिव, अजित स्नेही कोषाध्यक्ष, निर्मल बोध संगठन के वरिष्ठ मुख्य सलाहकार नारायण सिंह ठाकुर, हरबंस शर्मा, जम कृष्ण शर्मा एवं अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य गण उपस्थित रहे। संगठन को मजबूत करने पर भानू प्रकाश, एवं पूर्ण देव शर्मा आदि ने विशेष जानकारी दी। बैठक में सरकार के नकारात्मक रवैये पर रोष जताया। भानू प्रकाश ने बताया कि नए सदस्यों के लिए सदस्यता शुल्क निश्चित करने के लिए अधिक प्रयास किए जाएंगे। बैठक में नए चुनाव पर भी चर्चा हुई।

टीबी के लक्षण व बचाव बारे किया जागरूक

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। राजकीय महाविद्यालय कुल्लू में हेल्थ एंड हायजिन क्लब के स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कुल्लू कॉलेज और क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू के संयुक्त तत्वावधान में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के टीबी मुक्त भारत के 100 दिन के अभियान के तहत आयोजित एकदिवसीय इस कार्यक्रम के मुख्यातिथि कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मनदीप शर्मा रहे। इस मौके पर स्टूडेंट्स को टीबी से संबंधित जानकारी प्रदान की। इससे कैसे बचा जा सकता है, इसको लेकर भी जागरूक किया। महेश अवस्थी ने युवाओं को टीबी के लक्षण, उपचार बचाव और दवाइयों की जानकारी प्रदान की। स्वास्थ्य विभाग की ओर से आई टीम ने इस बीमारी से संबंधित प्रश्नों के बारे में छात्राओं को अवगत करवाया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से सचिन, मौना ठाकुर, विमल शर्मा, मीना, नीरज वर्मा, शीला मेहता ने भागीदारी सुनिश्चित की।

5 से 26 मार्च तक होगी वाहनों की पासिंग

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। परिवहन विभाग ने जिला कुल्लू में विभिन्न स्थानों पर वाहनों की पासिंग और ड्राइविंग टेस्ट के लिए तिथियां जारी कर दी हैं। आरटीओ कुल्लू में 5,11,19 और 26 मार्च को वाहनों की पासिंग की जाएगी। मनाली में 7 को वाहनों की पासिंग होंगी। इसके साथ ही आरटीओ कुल्लू में 20, आरएलए कुल्लू में 10 और मनाली में 6 मार्च को ड्राइविंग टेस्ट आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा बंजार में 21 को वाहनों की पासिंग एवं ड्राइविंग टेस्ट एक ही दिन होंगे।

मैदान में डटे जलशक्ति विभाग के अधिकारी-कर्मी

अनंत ज्ञान, पतलीकूहल। भारी बर्फबारी के चलते पेयजल की कई लाइनों को नुकसान पहुंचा है। लोगों को पानी की समस्या का सामना न करना पड़े इसलिए जल शक्ति विभाग कटराईं मंडल के अधिकारी और कर्मचारी बारिश और बर्फबारी में भी मैदान में डटे हुए हैं। जल शक्ति विभाग की टीमें लगातार जनता से संपर्क बनाकर पेयजल आपूर्ति को बहाल करने में जुटी हुई हैं। कई स्थानों पर गिरते पत्थरों और मलबे के बीच में कर्मचारी अपना जीवन जोखिम में डाल कर पानी की आपूर्ति को बहाल करने में जुटे हुए हैं। जल शक्ति विभाग उपमंडल कटराईं के सहायक अभियंता योगेश ने कहा कि क्षेत्र में पिछले कई दिनों से बारिश और बर्फबारी के चलते पानी की लाइनों को क्षति पहुंची है। विभाग के कर्मचारियों ने विपरीत मौसम में भी कार्य जारी रखा हुआ है और पेय जल आपूर्ति को सुचारु रखने का प्रयास कर रहे हैं।

मोहन व अंशुल रजोबा रैली में तीसरे स्थान पर

अनंत ज्ञान, पतलीकूहल। उत्तर भारत की सबसे कठिन रैलियों में से एक रजोबा रैली में 1350 सीसी श्रेणी में प्रतिस्पर्धा करते हुए, मोहन लाल और अंशुल ने तीसरा स्थान हासिल किया है। रजोबा रैली 28 फरवरी से दो मार्च तक चली, जिसमें पूरे भारत से 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया। 1350 सीसी श्रेणी में 11 कारों में से, केवल 3 ही पूरा ट्रैक समाप्त कर पाए, जिसमें मोहन लाल और अंशुल भी शामिल थे, जो रैली की कठिनाई को दर्शाती है। अंशुल के लिए यह एक उल्लेखनीय प्रदर्शन था।

भाषण प्रतियोगिता में खुशबू प्रथम स्थान पर

शीला कौल, बंजार। बंजार कॉलेज में विज्ञान संकाय द्वारा सोमवार को सम्मेलन हॉल में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया। इस वर्ष का राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का विषय एंपावरिंग इंडियन यूथ फॉर लीडरशिप इन साइंस एंड विकसित भारत रहा, जिसका उद्देश्य भारतीय युवा को वैश्विक नेतृत्व के लिए विज्ञान और नवाचार में सशक्त बनाना है। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. राजेश कुमार सिंह मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने अपने भाषण में विज्ञान और तकनीकी शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों को अपनी शिक्षा में उत्कृष्टता की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा हमारे देश का भविष्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर आधारित है और इस दिशा में युवा पीढ़ी की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण है। समारोह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें भाषण प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता प्रमुख थीं। भाषण प्रतियोगिता में खुशबू ने प्रथम स्थान, युवनीश ने द्वितीय स्थान और रिया मेहता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में भावना ने प्रथम, प्रिया ठाकुर ने द्वितीय और अंजलि और आर्यन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। (अनंत ज्ञान)

निरमंड कॉलेज में मनाया राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

अनंत ज्ञान, आनी। राजकीय महाविद्यालय निरमंड में सोमवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कॉलेज छात्र केंद्रीय संगठन की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता की शुरुआत प्राचार्य डॉ. राजन देवी नेगी और अन्य प्राध्यापकों के स्वागत से हुई। प्रतियोगिता में चार महत्वपूर्ण विषयों पर छात्रों ने अपने विचार रखे। डॉक्टर मदन ठाकुर और प्रोफेसर सुरेंद्र धीमान ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

निबंध लेखन में अंजली ठाकुर प्रथम स्थान पर

अनंत ज्ञान, आनी। राजकीय महाविद्यालय आनी में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर आयोजित चार दिवसीय कार्यक्रम का सोमवार को समापन हुआ। प्राचार्य डॉ. कुंवर दिनेश सिंह मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। 27 फरवरी को निबंध लेखन और वैज्ञानिक फोटोग्राफी प्रतियोगिता हुई। 1 मार्च को विज्ञान विषय पर प्रदर्शनी और छात्र संगोष्ठी का आयोजन किया गया। 3 मार्च को विज्ञान प्रश्नोत्तरी में प्रिया जोशी और चांद किशोर की टीम प्रथम स्थान पर रही। तमन्ना और श्वेता की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। निबंध लेखन में अंजली ठाकुर प्रथम और राहुल द्वितीय स्थान पर रहे।

मौसम ने फिर बदली करवट, बढ़ी मुश्किलें

200 बिजली के ट्रांसफार्मर लाहौल-स्पीति जिले में ठप
164 सड़कें लाहौल-स्पीति में यातायात के लिए बंद
4 दिन से बिजली और मोबाइल नेटवर्क प्रभावित
289 डीटीआर व 38 पेयजल व सिंचाई योजनाएं कुल्लू जिले में प्रभावित

कमलेश वर्मा, कुल्लू/केलांग

जिला लाहौल-स्पीति और कुल्लू में दो दिन मौसम साफ रहने के बाद सोमवार को एक बार फिर मौसम ने करवट बदली है। सोमवार सुबह रोहतांग दर्रा सहित सभी ऊंची चोटियों और लाहौल के रिहायशी क्षेत्रों में बर्फबारी का दौर शुरू हुआ, जो कि शाम तक जारी रहा। वहीं, कुल्लू के निचले क्षेत्रों में भी बारिश हुई, जबकि ऊंचे क्षेत्रों में रुक-रुक कर बर्फबारी हुई।

मौसम विभाग के अनुसार लाहौल-स्पीति में ऑरेंज अलर्ट, जबकि कुल्लू में यलो अलर्ट जारी किया है। लिहाजा, कुल्लू व लाहौल-स्पीति जिले में फिर से बारिश-बर्फबारी शुरू हो गई है, जिससे तापमान में काफी गिरावट दर्ज की गई है। जनजीवन अभी पटरी पर लौट ही रहा था कि एक बार फिर बारिश-बर्फबारी से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। उधर, लाहौल-स्पीति में 164 के करीब सड़कें अभी भी बंद हैं। हालांकि, बीआरओ और लोनिवि की ओर से मौसम साफ होते ही सड़क बिहाली का कार्य युद्धस्तर पर जारी था, लेकिन अब एक बार फिर से मौसम बिगड़ने से सड़कें फिर से अवरुद्ध हो गई हैं। लाहौल-स्पीति में करीब 200 बिजली के ट्रांसफार्मर ठप हैं। जिले में चार दिन से बिजली और मोबाइल नेटवर्क प्रभावित हैं। स्पीति घाटी में भी यही हाल है। स्थानीय प्रशासन ने हिमखंड गिरने के संभावित खतरे को देखते हुए लोगों को अनावश्यक यात्रा न करने की सलाह दी है। उधर, डीसी लाहौल-स्पीति राहुल कुमार ने कहा कि मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटों में लाहौल और स्पीति के कई स्थानों पर भारी बर्फबारी की संभावना है। उन्होंने पर्यटकों सहित स्थानीय लोगों से अपील की है कि अनावश्यक यात्रा से बचें, निर्देशों/परामर्शी का पालन करें, संवेदनशील क्षेत्रों से दूर रहें और सुरक्षित रहें और जिला प्रशासन व पुलिस का सहयोग करें। वहीं, कुल्लू में 106 सड़क मार्ग अभी तक यातायात के लिए बाधित हैं, जबकि 289 डीटीआर और 38 पेयजल व सिंचाई योजनाएं प्रभावित हुई हैं, जिस कारण लोगों को अभी तक काफी दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं। (अनंत ज्ञान)

चंद्रभागा के तेज बहाव में पुलिया बही

उधर, तीन दिन पहले मूलिंग के हिमखंड गिरने से जहां चंद्रभागा नदी का बहाव रुका था, सोमवार को अपने आप नदी में तेज बहाव से एक पुलिया बह गई।

रेस्क्यू ऑपरेशन सफल

स्पीति के रंगरिक में गत रात फंसे हुए 40 से ज्यादा पर्यटकों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया है। सहायक अभियंता लोनिवि अभिषेक मल्होत्रा, कनिष्ठ अभियंता मोहित शर्मा, जेसीबी ऑपरेटर लॉबजंग टशी, तेंजिन वांगयाल क्योटो की टीम ने अधिशाषी अभियंता लोनिवि काजा के नेतृत्व में सभी पर्यटकों को रेस्क्यू कर सुरक्षित काजा पहुंचाया है।

मनाली में बर्फ के फाहों में झूमे सैलानी

अनंत ज्ञान, मनाली। पर्यटन नगरी मनाली में बर्फ के फाहों में सैलानी झूम उठे। पर्यटकों ने नेहरूकुंड से मालरोड तक बर्फ के फाहों का आनंद लिया। हिमपात का क्रम शुरू होने से आने वाले पर्यटकों की आमद कम हई। आज पर्यटकों की वापसी अधिक रही। मनाली के मालरोड पर बर्फ के फाहे गिरते देख पर्यटक झूम उठे। पर्यटकों ने बर्फबारी के बीच खूब मस्ती की। मालरोड पर पर्यटकों ने खूब फोटो खूब सेल्फियां लीं। माल रोड के पर्यटन कारोबारी राकेश सोनी, रमन व सुरेंद्र ने बताया कि आसमान से गिर रहे रुई जैसे फाहों के बीच मालरोड पर पहुंचे पर्यटकों ने इस यादगार पल को अपने मोबाइल में कैद किया। दिन को भारी हिमपात के बीच सैकड़ों पर्यटक फोर बाई फोर वाहनों में नेहरूकुंड पहुंचे। नेहरूकुंड में पर्यटकों ने बर्फ के बीच जमकर मस्ती की। पर्यटकों ने स्की ट्यूब सलाइडिंग, स्नो स्कूटर आदि का जमकर लुत्फ लिया। सामान्य पर्यटक वाहन बाहंग से आगे नहीं जा सके। बर्फ में वाहन स्किड होने के कारण इससे आगे नहीं जा सके। हालांकि, फोर बाई फोर वाहनों को नेहरूकुंड तक भेजा गया। कुछ एक पर्यटक वाहन पलचान पुल तक जा पहुंचे। डीएसपी मनाली केडी शर्मा ने कहा कि पर्यटक वाहन बाहंग तक जबकि फोर बाई फोर वाहन नेहरूकुंड तक भेजे गए।

बैठक में गैरहाजिर रहने पर लिस्ट से कटेगा नाम : प्रीतम

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

जिला कुल्लू एसएसबी गुरिल्ला संघ की मासिक बैठक कुल्लू के ढालपुर में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता एसएसबी गुरिल्ला संघ के सर्कल अध्यक्ष अनूप राम ने की।

बैठक में सबसे पहले सभी सदस्यों को दिल्ली हाईकोर्ट में 2017 में लगी लिस्ट के नाम पढ़कर सुनाए गए। लिस्ट के अनुसार जो सदस्य गैरहाजिर रहे, उन्हें चेतावनी दी गई कि वह बैठक में आगे बढ़कर उपस्थित रहें, नहीं तो उनका नाम इस सूची से काट दिया जाएगा। इस बैठक में ऑल इंडिया गुरिल्ला संगठन के चेयरमैन प्रीतम सिंह ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि ऑल इंडिया गुरिल्ला संघ ने 25 फरवरी तक फाइनल सूची मांगी थी, ताकि उसके बाद कोर्ट में मार्च अंत या अप्रैल में सुनवाई करवाई जा सके, लेकिन अभी तक किसी भी दूसरे राज्य ने सूची नहीं दी है, जिससे लगता है कि सुनवाई जल्द नहीं करवा सकते और जो सुनवाई की 15 मई है उसी को सुनवाई होगी। उन्होंने बताया कि दूसरे राज्यों को अपने राज्य का रजिस्ट्रेशन नंबर लगाना होगा, ताकि कोर्ट फीस से बच सके। यह केस हिमाचल प्रदेश वालंटियर वेलफेयर सोसायटी के नाम लगा है, जिसमें कुल्लू जिला संगठन के साथ जुड़े हैं, उनकी संख्या 1980 के लगभग है और अभी गोहर, मंडी व सुंदरनगर के भी लगभग 180 गुरिल्ला सदस्य इसमें जोड़ने हैं। संघ के चेयरमैन ने बताया कि हाईकोर्ट केस में कुल्लू के लगभग 90 फीसदी गुरिल्लाओं के नाम 2017 में केस नंबर 1740/2017 हाईकोर्ट दिल्ली में लग चुके हैं और यह केस अब फाइनल सुनवाई के लिए लग चुका है।

शिक्षा में अपनाई जा रही रणनीतियों पर हुई चर्चा

अनंत ज्ञान, आनी। समग्र शिक्षा कार्यक्रम के तहत पीएम श्री विद्यालयों में स्कूल ट्विनिंग कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इस पहल के अंतर्गत आनी स्कूल के 10 विद्यार्थियों ने दलाश स्कूल का शैक्षणिक दौरा किया। प्रवक्ता अनीता कौशल, कुंदन शर्मा और विज्ञान अध्यापक सतीश कुमार के नेतृत्व में छात्रों ने दलाश स्कूल की विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया। इनमें भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, रिटेल, आईटीईएस, आईसीटी और वर्चुअल लैब शामिल थीं। छात्रों ने दलाश स्कूल के विद्यार्थियों के साथ कक्षा में शैक्षणिक अनुभव भी साझा किए। दोनों स्कूलों के शिक्षकों के बीच संवाद का आयोजन किया गया। इस दौरान शिक्षा के क्षेत्र में अपनाई जा रही नई रणनीतियों पर चर्चा हुई।

सरकार की अनदेखी का दंश झेल रहा बठाहड़ : शौरी

अनंत ज्ञान, बंजार

बंजार विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुरेंद्र शौरी ने तीर्थन घाटी की पंचायत शिल्ही का दौरा किया। इस दौरान शरुंगर गांव पहुंचे विधायक शौरी का ग्रामीणों ने भव्य स्वागत किया व जनसभा का आयोजन किया गया।

ग्रामीणों ने कार्यक्रम में विधायक को अपनी समस्याओं व मांगों से अवगत करवाया व समाधान की गुहार लगाई। इस अवसर पर विधायक शौरी ने स्थानीय जनता को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद से ही गत दो वर्षों से बठाहड़ क्षेत्र अनदेखी का दंश झेल रहा है। बठाहड़ में खोले गए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र व बिजली विभाग के अनुभाग को बंद कर दिया गया है। पूरी घाटी में बेहतर बिजली व्यवस्था के लिए स्वीकृत किए गए 33 केवी सब स्टेशन का कार्य भी ठंडे बस्ते में पड़ गया है। चिपनी क्षेत्र के दूरस्थ गांव ठाहरी में पूर्व सरकार के समय में पहली बार बिजली पहुंचाई गई थी और आज 6 माह से पूरा गांव अंधेरे में है।

दुर्गम शरूंगर गांव की प्राथमिक पाठशाला को बंद करने का घृणित कार्य इस सरकार ने किया है। विधायक ने कहा कि गांव के समीप दो वर्ष पूर्व की बरसात में ढह गई सड़क की सुध लेने वाला कोई नहीं है। क्षेत्र का बागवान बेबसी का रोना रो रहा है। विभाग जनता की बाजिव मांग पर आंखे मूंदे बैठा है। विधायक ने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा कि सड़क की आवश्यक मरम्मत के लिए सरकार से आग्रह किया जाएगा। इसके अतिरिक्त अन्य संबंधित मांगों का मौके पर निवारण किया गया।

ओलावृष्टि से नकदी फसलें तबाह

अनंत ज्ञान, सैंज। विकास खंड भुंतर की पंचायत तलाड़ा व भलान दो में आसमान से गिरे सफेद गोलों ने भारी तबाही मचा दी है। भारी बारिश के साथ ओले बरसे, जिससे भलान दो पंचायत में फलों व सब्जियों की फसलें तबाह हो गई हैं। सोमवार को अचानक बिगड़े मौसम के मिजाज ने पंचायत के घाट, खनियारगी, फलोहू तथा तलाड़ा पंचायत के पनवी, फबियारी, कंढा, धारा, शलैश, सारी, बाड़ीगाड़, तलाड़ा सहित अन्य गांवों में भारी ओलावृष्टि ने किसानों व बागवानों की फसलें तबाह कर दी हैं। तलाड़ा के प्रधान मोहर सिंह और भलाण के प्रधान पूर्ण चंद ने बताया कि अचानक हुई ओलावृष्टि ने सेब, नाशपाती, पलम के अलावा गेहूं, टमाटर और मटर की नकदी फसलें खेतों में ही तवाह कर दी हैं, जिससे किसानों व बागवानों को भारी नुकसान हुआ है। वहीं, नायब तहसीलदार सैंज हीरालाल नलबा ने बताया कि कुछ इलाकों में ओलावृष्टि की सूचना मिली है, फसलों के नुकसान की रिपोर्ट संबंधित पटवारी से मांगी गई है। पंचायत के प्रतिनिधियों ने पंचायत में फसलों के नुकसान को देखते हुए प्रदेश सरकार से मांग की है कि उक्त प्रभावित गांवों के सभी किसानों व बागवानों को उचित मुआवजा अदा किया जाए।

लाहौल घाटी में धूमधाम से मनाया 'पुनाह' त्योहार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग

जिला लाहौल-स्पीति में इन दिनों फागली उत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। फागली उत्सव के साथ ही पुनाह का त्योहार भी मनाया जा रहा है।

पुनाह के इस पवित्र उत्सव में ग्रामीणों ने पारंपरिक वेशभूषा में सुसज्जित होकर पुरिया, आटे से निर्मित बकरा, घी, शुर यौरा लेकर निर्धारित स्थल पर एकत्र होकर विशेष पूजा-अर्चना की। इस दौरान भूमि पूजन कर आने वाले समय में अच्छी फसल व इलाके की खुशहाली व समृद्धि की कामना की। साथ ही प्राकृतिक आपदाओं से गांव की रक्षा की दुआ भी मांगी। पूरे लाहौल घाटी में पुनाह मनाने की परंपरा सदियों से चली आ रही है, लेकिन नाल्डा गांव के इस पुनाह उत्सव की अलग ही पहचान है। पुराने जमाने से ऐसी मान्यता चली आ रही है कि जब ग्रामीण सज धजकर एकत्र होते हैं, तो इस मनोरम दृश्य को देखने के लिए देवलोक से देवता 7 पौड़ी नीचे उतरते हैं और इस मनोरम दृश्य को निहारते हैं। गांव के लोग आज भी सदियों से पुरानी परंपरा को कायम रखे हुए हैं। ग्रमीण कुंदन व रणजीत लाहौली ने बताया कि फागली के बाद पुनाह के इस त्योहार में ग्रामीणों द्वारा भूमि पूजन कर आने वाले समय में अच्छी फसल हो, आपसी भाईचारा बना रहे की कामना की गई। सदियों से मान्यता चली आ रही कि जब ग्रामीण सज धजकर एकत्र होकर पूजा करते हैं, तो इस दृश्य को देखने के लिए देवी-देवता भी सात पौड़ी नीचे उतर कर इसके साक्षी बनते हैं।

अक्षिता सर्वश्रेष्ठ श्रुति व लक्ष्य बने श्रेष्ठ विद्यार्थी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। ग्लोबल विलेज स्कूल हुरला में कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें वर्ष भर की गतिविधियों व अध्ययन के क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को समानित किया गया। अक्षिता को सर्वश्रेष्ठ तथा श्रुति व लक्ष्य को श्रेष्ठ विद्यार्थी चुना गया। इसी कड़ी में जतिन को बेस्ट बिहेवियर अवॉर्ड, नमित को हेल्पिंग हैंड अवॉर्ड, भारती को मोस्ट ऑर्गेनाइज्ड चाइल्ड अवार्ड, सूर्यांश को अमेजिंग आर्टिस्ट अवार्ड, निखिल को टीम वर्क अवार्ड, ज्योति को आउटस्टैंडिंग इंप्रूवमेंट अवार्ड, गौरव कुमार को परफेक्ट एटेंडेंस अवार्ड, अखिलेश्वर सिंह ठाकुर तथा अनुज तामांग को टीचर्स चॉइस अवॉर्ड से अलंकृत किया गया। इसके अतिरिक्त दीया, निवेदिता, सुकृति, भूपेंद्र, भुवेश, देव राज, कार्तिक, मुहम्मद अरमान, राम कृष्ण, सपना व स्वराज सिंह पॉल को भी प्रशंसा प्रशस्ति पत्र दिए गए।

पर्यटकों का कुल्लू-मनाली में स्वागत अफवाहों में न आएं : भुवनेश्वर गौड़

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

मनाली विस क्षेत्र के विधायक भुवनेश्वर गौड़ ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में हालही के मौसमी हालातों के कारण कुछ स्थानीय स्तर पर जलभराव और नदी के जलस्तर में वृद्धि की घटनाएं हुई हैं। हालांकि, इन घटनाओं के कारण नालों और छोटी नदियों के किनारे गलत तरीके से खड़े किए गए कुछ वाहनों को नुकसान पहुंचा है और उन क्षेत्रों में समस्या उत्पन्न हुई है, जहां अतिक्रमण के कारण प्राकृतिक जल धाराओं का मार्ग अवरुद्ध हुआ है, लेकिन स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है।

प्रशासन द्वारा इन मुद्दों का समाधान करने और निवासियों व पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय रूप से कार्य किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर कुछ पुराने वीडियो को चलाकर कुल्लू की स्थिति की तुलना उत्तराखंड में हुए भारी भूस्खलन के साथ कर रहे हैं, जो कि मानवीय हस्तक्षेप के कारण हुआ था। यह न केवल गलत है, बल्कि कुल्लू और हिमाचल प्रदेश के पर्यटन उद्योग की प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कुल्लू और मनाली के सभी पर्यटन स्थल सुरक्षित हैं और बुनियादी सुविधाओं से पर्याप्त रूप से लैस हैं। सभी विभाग, जिनमें लोक निर्माण विभाग, सिंचाई एवं जल स्वच्छता विभाग, पुलिस, राजस्व, पर्यटन आदि शामिल हैं पर्यटकों और अतिथियों के लिए सुगम सुविधा सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। सोशल मीडिया द्वारा फैलाई जा रही अनावश्यक बातों की स्थिति, जो कि एक सफेद झूठ से ज्यादा कुछ नहीं है, पर्यटकों को डरा रही है और उन्हें गलत निर्णय लेने के लिए मजबूर कर रही है, जैसे कि अजीब समय में प्रस्थान करना, जिससे उन्हें स्वयं असुविधा हो रही है। ऐसे लोग अनजाने में पर्यटन, एडवेंचर स्पोर्ट्स, टूर एवं ट्रैवल सेवाओं, गाइड्स और संबंधित गतिविधियों से जुड़े हजारों लोगों की आजीविका को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

आयोजन मैनुअल स्कैवेंजर्स एक्ट-2013 के अंतर्गत जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित

सफाई कर्मियों को ओवरटाइम की दें दोगुनी मजदूरी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

मैनुअल स्कैवेंजर्स एक्ट-2013 के अंतर्गत जिला स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कुल्लू के बहुउद्देशीय हाल में आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता केंद्र सरकार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत गठित राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष कैबिनेट राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त एम वेंकटेश ने की।

उन्होंने सफाई कर्मचारियों के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की विभागवार समीक्षा की तथा सफाई कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयोग का उद्देश्य सफाई कर्मचारियों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए आवश्यक पद उठाने तथा सफाई कर्मचारियों के लिए वेतन, ईपीएफ तथा कार्य करने के लिए बेहतर सुविधाओं को सुनिश्चित करना है। अध्यक्ष ने नगर परिषद कुल्लू के सफाई कर्मचारियों सहित उनकी नियोक्ता एजेंसियों से भी बात की तथा सफाई कर्मचारियों से उनके वेतन, कार्यों के घंटे, ईपीएफ तथा ओवरटाइम के वेतन के संबंध में भी जानकारी हासिल की। अध्यक्ष ने निर्देश दिए कि सभी सफाई कर्मचारियों को ओवरटाइम की दोगुनी मजदूरी मिलनी चाहिए। उन्होंने इस संबंध में रोजगार अधिकारी तथा नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी को भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह निर्देश दिए कि अभी तक जिनको यदि किसी कारणवश तय मजदूरी से कम का भुगतान हुआ है, उन्हें भी पूरा भुगतान करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक सप्ताह में 6 दिनों के कार्य के पश्चात एक दिन का सवैतनिक अवकाश तथा सफाई कर्मियों को नियमानुसार यूनिफॉर्म, जूते तथा सफाई की आवश्यक किट प्रदान की जानी चाहिए।

इसके अतिरिक्त नियोक्ता एजेंसी द्वारा सफाई कर्मियों का साल में एक बार अनिवार्य रूप से मास्टर हेल्थ चेकअप होना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ सेक्सुअल हैरेसमेंट को रोकने के लिए तथा शिकायतों के निवारण के लिए समिति बनाना सुनिश्चित करें तथा राष्ट्रीय अवकाश के दिन यदि सफाई कर्मियों से कार्य किया जाता है, तो उसको ओवरटाइम के हिसाब से मजदूरी तथा एक दिन का प्रतिपूरक अवकाश प्रदान किया जाना चाहिए। हर सफाई कर्मी को प्रति महीने की सैलरी का बिल दिया जाना चाहिए। डीसी तोरुल एस रवीश ने अध्यक्ष को आश्वस्त किया इस विषय में भविष्य में अधिक से अधिक जागरूकता शिविर लगाकर विभिन्न संस्थानों में कार्यरत सफाई कर्मचारियों को जागरूक किया जाएगा तथा सरकार द्वारा उनके लिए जारी विभिन्न कल्याणकारी कार्यों तथा उन अधिकारियों के प्रति भी संवेदीकरण के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

बैठक की अध्यक्षता जिला कल्याण अधिकारी गिरधारी लाल शर्मा ने की। उन्होंने जिले में विभिन्न विभागों में कार्यरत नियमित, अंशकालिक तथा आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों का भी ब्यौरा प्रस्तुत किया। बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में कोई भी मैन्युअल स्कैवेंजिंग का कार्य वर्तमान में नहीं हो रहा है। इस संबंध में व्यापक सर्वेक्षण किया गया है तथा तदोपरांत इस जिले को मैन्युअल स्कैवेंजिंग फ्री जिला घोषित किया गया है।

8 से 10 मार्च तक देवसदन में होगा कुल्लू साहित्य उत्सव

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी कुल्लू साहित्य उत्सव-2025 का आयोजन 8 से 10 मार्च को कुल्लू जिला मुख्यालय स्थित देवसदन के सभागार में होगा। हिमतरु प्रकाशन समिति तथा भाषा एवं संस्कृति विभाग, शिमला के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस उत्सव का शुभारंभ भाषा एवं संस्कृति विभाग, हिमाचल प्रदेश सरकार के सचिव राकेश कंवर करेंगे। यह जानकारी वरिष्ठ साहित्य एवं समीक्षक एवं कुल्लू साहित्य उत्सव कोर कमेटी के प्रमुख डॉ. निरंजन देव शर्मा ने दी। डॉ. निरंजन ने बताया कि इस बार कुल्लू साहित्य उत्सव का मुख्य विषय 'भक्ति काल में सूफी और निर्गुण धारा' रखा गया है तथा साथ ही पर्यावरण और योग व अन्य संबद्ध विषयों पर विशेषज्ञ वक्ता अपना वक्तव्य देंगे। आमंत्रित वक्ताओं में लखनऊ से डॉ. सुभाष राय, चंडीगढ़ से प्रो. ईश्वर दयाल गौड़, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से डॉ. अशीष त्रिपाठी तथा ऊना से जाहिद अबरोल शामिल होंगे, जबकि पर्यावरण एवं हिमाचल की चिंताएं विषय पर पर्यावरणविद गुमान सिंह, डॉ. मही योगश तथा डॉ. संजू पॉल महत्तवपूर्ण वक्तव्य देंगे। निरंजन देव ने बताया कि यह साहित्य उत्सव जिला मुख्यालय कुल्लू में आयोजित हो रहा है। इस दौरान 8, 9 मार्च को पुस्तक प्रदर्शन लगाई जाएगी। उत्सव की प्रथम संध्या में सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे, जिसमें राजस्थानी घुमंतू कलाकारों द्वारा सूफी संगीत की प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

भाजपा मंडल आनी व निरमंड दलाश में संगठनात्मक विस्तार

अनंत ज्ञान, आनी

भाजपा मंडल आनी ने अपनी कार्यकारिणी का विस्तार किया। सोमवार को मंडल अध्यक्ष वेद ठाकुर ने लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में आयोजित पत्रकार वार्ता में नई कार्यकारिणी की घोषणा की।

नई कार्यकारिणी में उगम राम, प्रेम सिंह राणा, रतन भारती और रमा ठाकुर को उपाध्यक्ष बनाया गया है। सुरेंद्र ठाकुर और देवेंद्र ठाकुर को महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। जगदीश को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। संगठन में अच्छर सिंह, भीम सिंह, डोलमा देवी, मीनाक्षी शर्मा और मधु सूद को सचिव पद दिया गया है। गगन साहसी को मीडिया प्रभारी और चमन ठाकुर को प्रवक्ता बनाया गया है। रामकृष्ण कार्यालय सचिव होंगे। आईटी विभाग में चंद्र ठाकुर को संयोजक और एचआर पटेल को सहसंयोजक नियुक्त किया गया है। सोशल मीडिया की जिम्मेदारी देवेंद्र शर्मा को संयोजक और गंगा देवी को सहसंयोजक के रूप में दी गई है। स्थायी आमंत्रित सदस्यों में सुषमा सिंह, किशन चंद, श्याम ठाकुर, हेमराज, हिम्मत ठाकुर, रामकृष्ण, टिका नंद शर्मा, जगदीश शर्मा, वेदप्रकाश, दया राम, प्रकाश, स्नेहलता और तारा चंद को शामिल किया गया है। वहीं, भाजपा मंडल दलाश के अध्यक्ष विवेक वर्मा और भाजपा मंडल निरमंड के अध्यक्ष नरोत्तम ठाकुर ने भी अपने-अपने मंडल की कार्यकारिणी में नए सदस्यों और पदाधिकारियों को जोड़कर मंडल का विस्तार किया। आनी के अध्यक्ष वेद ठाकुर ने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए सभी एकजुट होकर काम करेंगे। उन्होंने नव निर्वाचित सदस्यों को बधाई दी और शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

आनी मंडल में कई नए पदाधिकारियों की नियुक्ति, 4 उपाध्यक्ष व 2 महामंत्री बनाए

न्यूज ब्रीफ

दाड़लाघाट में दवाइयों की दुकानों का किया निरीक्षण

अनंत ज्ञान, सोलन। सोलन जिला पुलिस नशा मुक्त समाज की स्थापना के लिए प्रतिबद्ध है। इस संदर्भ में पुलिस द्वारा सभी स्टेकहोल्डर के साथ मिलकर काम किया जा रहा है। इसी कड़ी में पुलिस थाना दाड़लाघाट की टीम द्वारा ड्रग निरीक्षक के साथ संयुक्त रूप से क्षेत्राधिकार में चल रही दवाइयों की दुकानों व मेडिकल स्टोरों का निरिक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दुकानों में रखी दवाइयों के अभिलेख व विशेषतय प्रतिबंधित दवाइयों के संदर्भ में गहनतापूर्वक निरीक्षण किया। इस संदर्भ में आप पुलिस को नशा तस्करों के बारे में 7650995001 पर सुचना दे सकते हैं।

शिक्षा व सामाजिक कार्यों में ऊर्जा लगाएं युवा

अनंत ज्ञान, सोलन। मुख्य चिकित्सा अधिकारी सोलन डॉ. अमित रंजन तलवार ने कहा कि युवा नशे की लत में न पड़कर अपनी ऊर्जा शिक्षा, खेल तथा सामाजिक कार्यों में लगाएं। डॉ. अमित रंजन तलवार जिला रेडक्रॉस सोसायटी सोलन द्वारा नशा निवारण विषय पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे है। उन्होंने कहा कि नशा कोई भी हो वह तन, मन और धन का नाश करता है। नशा मुक्ति के लिए सबसे जरुरी है कि हम स्वयं इसके प्रति जागरूक बनें तथा अपने समाज के सभी लोगों को इस समस्या से जागरुक कर मुक्त करवाएं। नशा करने वाले युवाओं को नशा छोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। नशा निवारण पर कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। क्षेत्रीय अस्पताल सोलन में क्लिनिकल साइकालजिस्ट द्वारा काउसिंग कर नशा छोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

जल्द बनेगी स्वराज इंडिया की कार्यकारिणी

अनंत ज्ञान, सराहां। जल्द ही स्वराज इंडिया की सिरमौर की कार्यकारिणी गठित की जाएगी। यह बात स्वराज इंडिया के हिमाचल प्रदेश के ऑर्गेनाइजिंग चेयर डॉ. अशोक ने कही। उन्होंने बताया कि स्वराज इंडिया राष्ट्रीय स्तर पर पंजीकृत पार्टी है। इसके राष्ट्रीय अध्यक्ष तमिलनाडु से क्रिस्टीना सामी हैं और योगेंद्र यादव पूर्व अध्यक्ष रहे हैं और वह पार्टी के मुख्य स्तंभ हैं। आजकल स्वराज इंडिया का सदस्यता अभियान चला हुआ है। डॉ. अशोक कुमार सोमल, हिमाचल प्रदेश से ऑर्गेनाइजिंग चेयरमैन हैं और अरुण शर्मा सदस्य के रूप में कार्यरत हैं। स्वराज इंडिया लोकतांत्रिक पारदर्शी जवाबदेह वैकल्पिक राजनीति के लिए पूरे देश में एक विकल्प के रूप में उभर रही है, जिसकी 8 राज्यों महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, केरल, हिमाचल प्रदेश में कार्यकारिणी काम कर रही है। हिमाचल प्रदेश में ये पर्यावरण सरंक्षण की मुहिम चलाए हुए हैं, जिसमें हर सब डिविजन में ये जागरूकता अभियान चलाने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

आवंटित पदोन्नति कोटे के साथ न हो छेड़छाड़

अनंत ज्ञान, अर्की। डीसी कार्यालय कर्मचारी संघ के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष जयनंद शर्मा ने डीसी कार्यालय में कार्यरत मिनिस्ट्यिल कर्मचारियों को आवंटित बीस प्रतिशत नायब तहसीलदारी के कोटे के साथ छेड़छाड़ करने के खिलाफ प्रदेश सरकार को चेताया है। उन्होंने कहा कि पूर्व वीरभद्र सरकार के समय में भी ऐसे प्रयास किए गए थे, लेकिन विरोध के कारण उक्त सरकार को अपना निर्णय वापस लेने का बाध्य होना पड़ा था। डीसी कार्यालय में कार्यरत कर्मचारियों के पदोन्नति के अवसर बहुत ही सीमित हैं तथा नॉन प्लान डिपार्टमेंट होने के कारण पदों का सृजन भी नहीं होता। लिपिक वर्ग व पटवारी कानूनगो वर्ग दोनों डीसी कार्यालय के अंग हैं। नायब तहसीलदार व तहसीलदार का कोटा बीस प्रतिशत लिपिक वर्ग, बीस प्रतिशत सीधी भर्ती व शेष साठ प्रतिशत पटवारी कानूनगो के लिए सोच-समझ कर निर्धारित किया गया है, अब यदि लिपिक वर्ग का यह कोटा छीना जाता है, तो इसका उनपर विपरीत असर पड़ेगा। उनके अधीक्षक पद की पोस्ट बहुत कम हैं। इस कोटे के कारण उन्हें थोड़ी बहुत राहत मिल जाती है। डीसी कार्यालय में मिनी सचिवालय की तर्ज पर काम करते हैं।

मशरूम की खेती व उत्पादन की प्रक्रिया को जाना

अनंत ज्ञान, सोलन। राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कोटला बड़ोग द्वारा आईसीएमआर मशरूम चंबाघाट और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सोलन का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस यात्रा का उद्देश्य विद्यार्थियों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार और अनुसंधान के अवसर प्रदान करना था। इस यात्रा के दौरान, विद्यार्थियों ने आईसीएमआर मशरूम चंबाघाट में मशरूम की खेती और उत्पादन की प्रक्रिया को देखा और समझा। उन्होंने मशरूम की विभिन्न प्रजातियों के बारे में जानकारी प्राप्त की और उनके उपयोग के बारे में जाना। इसके अलावा, विद्यार्थियों ने औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सोलन में विभिन्न उद्योगों में उपयोग किए जाने वाले उपकरणों और प्रौद्योगिकियों को देखा और समझा। उन्होंने उद्योगों में काम करने वाले विशेषज्ञों से बातचीत की और उनके अनुभवों के बारे में जाना। इस यात्रा के आयोजन के लिए कोटला बड़ोग के प्रधानाचार्य बंसी लाल नेगी ने कहा कि 'हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार और अनुसंधान के अवसर प्रदान करना है। हमें उम्मीद है कि यह यात्रा हमारे विद्यार्थियों को और अधिक प्रेरित करेगी और उन्हें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करेगी। आईसीएमआर मशरूम चंबाघाट में संसाधन व्यक्ति जीत राम चौहान मशरूम टेक्निकल ऑफीसर ने 'मशरूम की खेती और उत्पादन' पर व्याख्यान दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को मशरूम की खेती और उत्पादन की प्रक्रिया के बारे में बताया और उन्हें मशरूम की विभिन्न प्रजातियों के बारे में जानकारी प्रदान की।

माता नगर कोटी मेला नारग 30 व 31 को

अनंत ज्ञान, सराहां/नाहन। जिला स्तरीय माता नगर कोटी मेला नारग इस वर्ष 30 व 31 मार्च को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। यह जानकारी अध्यक्ष मेला कमेटी एवं उपमंडलाधिकारी पच्छाद डॉ. प्रियंका चंद्रा ने पंचायत नारग के सम्मेलन कक्ष में मेले के आयोजन को लेकर हुई बैठक की अध्यक्षता करते हुए दी। उन्होंने बताया कि 30 मार्च को माता मनसा देवी मंदिर में माता की पूजा-अर्चना के उपरांत माता की पालकी, शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा माता के मंदिर से नारग बाजार होकर मेला ग्राउंड तक निकाली जाएगी। उन्होंने बताया कि 31 मार्च को होने वाला विशाल दंगल मेले का मुख्य आकर्षण रहेगा, जिसमें प्रदेश के साथ-साथ अन्य राज्यों के नामी पहलवान भी भाग लेगें। मेले के दौरान विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताएं व दो सांस्कृतिक संध्या आयोजित की जाएंगी।

कारखाने एमसी एरिया में कर रहे कूड़े की डंपिंग

आर मोहन चौहान, सोलन

नगर निगम सोलन को स्वच्छ शहर समृद्ध शहर योजना को लागू करना चुनौती बन गया है। एक तरफ लोग घरों से गीला और सूखा कूड़ा अलग-अलग नहीं दे रहे हैं। वहीं, शहर के साथ लगती पंचायतों में लगी कारखाने निगम एरिया में आकर कूड़ा फेंक रही हैं। ऐसा ही एक मामला सोमवार को भी सामने आया, जब सुबाथू रोड पर लवीघाट में स्थापित प्रिशा इंडस्ट्री का कूड़ा एक वाहन द्वारा निगम के दायरे में दिनदिहाड़े फेंका गया। निगम अब संबंधित उद्योग के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करेगा। वहीं, घरों से गीला और सूखा कूड़ा अलग-अलग न देने पर भी चालान किए जा रहे हैं।

स्वच्छ शहर समृद्ध शहर योजना के तहत सोलन शहर में 60 दिन तक व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत शहरवासियों को गीला और सूखा कूड़ा अलग-अलग देने के लिए जागरूक किया जाएगा, ताकि नगर निगम के कर्मियों का समय कूड़ा सेग्रीगेट करने में समय न गवाना पड़े। (अनंत ज्ञान)

आखिरी 15 दिन में होगा साझा उत्सव

2 महीने तक चलने वाले इस अभियान में 45 दिनों तक तो इसी प्रकार से नगर निगम के कर्मी और अधिकारी लोगों को गीला व सूखा कूड़ा देने के लिए जागरूक करते रहेंगे, लेकिन इसके बाद आखिरी 15 दिन में नगर निगम एक साझा उत्सव का भी आयोजन करेगा। इस बारे में भी कमिश्नर ने कहा कि साझा उत्सव आखिरी के दो सप्ताह चलेगा और इसमें नगर निगम अपने अचीवमेंट को सेलिब्रेट करेगी।

वार्डों में लगाए जा रहे शिविर

निगम की तरफ से आयोजित होने वाली शिविर में लोगों की समस्याओं जैसे गार्बेज, प्रॉपर्टी टैक्स, मैप्स सहित कई अन्य दिक्कत का समाधान होगा। एकता ने कहा कि वार्ड एक में 17 मार्च तक समाधान शिविर का आयोजन होगा। वार्ड एक में सुबह 11 बजे से समाधान शिविर शुरू होगा। इसके बाद वार्ड 4 में 4 मार्च, वार्ड 5 और 6 में 5 मार्च को समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा। जबकि वार्ड 7 में 6 मार्च, वार्ड 8 में 7 मार्च, वार्ड 9 में 10 मार्च, वार्ड 10 में 11 मार्च, वार्ड 11 में 12 मार्च, वार्ड 12 में 13 मार्च, वार्ड 13 में 15 मार्च, वार्ड 14 में 17 मार्च, वार्ड 15 में 18 मार्च, वार्ड 16 में 19 मार्च और वार्ड 17 में 20 मार्च को समाधान शिविर का आयोजन होगा। इन सभी वार्डों में भी लोगों की समस्याओं को सुना जाएगा। एकता ने इस दौरान लोगों से सहयोग की अपील भी की। उन्होंने कहा कि इसके अलावा मैराथन, रैली व गंदगी के हॉटस्पॉट की भी वॉलिंटियर्स सफाई करेंगे। इसके अलावा शहर की दीवारों जहां लोगों ने पोस्टर लगाए हैं, उसे भी हटाया जाएगा और यदि कोई लगाता है तो उस पर भी फाइन किया जा सकता है।

सोलन नगर निगम की कमिश्नर एकता कापटा ने कहा कि पंचायत एरिया में स्थापित एक उद्योग का कूड़ा नगर निगम एरिया में अवैध तरीके से डंप करने का मामला सामने आया है। इसको लेकर उचित कार्रवाई की जाएगी। वहीं, स्वच्छ शहर समृद्ध शहर योजना के तहत लोगों को घरों से सूखा और गीला कूड़ा अलग-अलग देने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। नियमों की पालना न होने पर नियमों के तहत कार्रवाई होगी।

सेल्फ हेल्प ग्रुप की महिलाएं भी करेंगी जागरूक

इस अभियान में महिलाओं द्वारा जहां एक तरफ घर परिवार के सदस्यों को पंपलेट दिए जाएंगे। वहीं, दूसरी तरफ उन्हें गीला व सूखा कूड़ा अलग-अलग देने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने शहरवासियों से अपील की है कि जब सेल्फ हेल्प ग्रुप की महिलाएं उनके घरद्वार आएंगी, तो वह उन्हें फ्रॉड न समझें और अपने परिवार से संबंधित अन्य प्रकार की जानकारियां भी प्रोवाइड करवा दें। इसके अलावा होटल, पीजी के साथ भी मिलकर नगर निगम प्लानिंग करने में जुटा हुआ है।

लोगों में जगाई जा रही जागरूकता की अलख

जागरूकता के अभाव में शहरवासी नगर निगम के कर्मियों को गीला व सूखा कूड़ा अलग-अलग न देने के बजाय एक ही दिन दे रहे हैं। इससे दिक्कतें पेश आ रही हैं। ऐसे में नगर निगम ने इस समस्या से निजात दिलाने के लिए अब समाधान शिविर का आयोजन करने का फैसला किया है। इस शिविर के दौरान निगम कर्मचारी, अधिकारी व पार्षद हर वार्ड में जाकर लोगों को गीला व सूखा कूड़ा अलग-अलग देने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। इसके अलावा समाधान शिविर में लोगों की समस्या को भी सुना जाएगा और कोशिश की जाएगी की मौके पर ही निपटारा कर दिया जाएगा।

पुरषोत्तम व भीम शर्मा बने महामंत्री

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट। भाजपा दाड़ला मंडल के अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने शीर्ष नेतृत्व से विचार-विमर्श के बाद मंडल कार्यकारिणी की घोषणा की। घोषित कार्यकारिणी में कला ठाकुर, जगदीश्वर शुक्ला, जगदीश ठाकुर और संतराम कौंडल को उपाध्यक्ष बनाया गया है, जबकि महामंत्री पद पर पुरषोत्तम ठाकुर और भीम शर्मा की नियुक्ति हुई है। धनीराम चौहान को कोषाध्यक्ष और हीरा कौशल, भुवनेश्वरी शर्मा, उर्मिला देवी, पुष्पा देवी और महेंद्र ठाकुर को सचिव बनाया गया है। मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी जय देव शर्मा को सौंपी गई है, जबकि प्रवक्ता के रूप में सुनील कुमार को नियुक्त किया गया है। कार्यालय सचिव के पद पर ओम प्रकाश शर्मा और आईटी संयोजक के रूप में प्रेम कंवर व सहसंयोजक मनोज गौतम को चुना गया है। इसके अलावा सोशल मीडिया संयोजक के रूप में केशव राम और सहसंयोजक के रूप में मदन शर्मा की नियुक्ति हुई है। कार्यकारिणी सदस्यों में बृज लाल फौजी, दीतु राम, मनसा राम ठाकुर, सागर शर्मा, कृष्ण चंद भट्टी, लेखराज चंदेल, विमला देवी, जगदीश गर्ग, नागेंद्र कुमार आदि को चुना गया।

पुलिस भर्ती : 773 में से 104 पुरुष उम्मीदवार शारीरिक मापदंड और ग्राउंड टेस्ट में पास

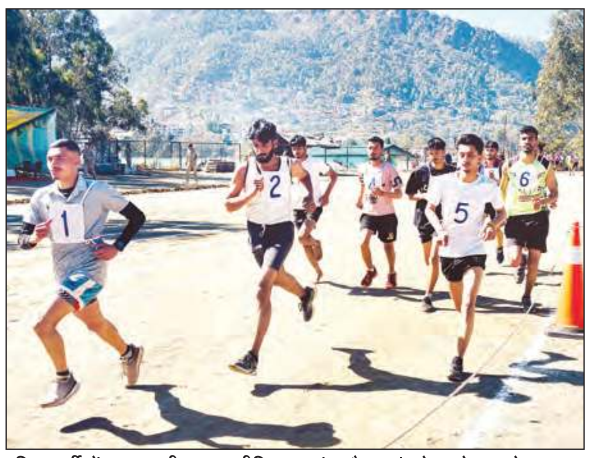

पुलिस भर्ती में पुरुष उम्मीदवार शारीरिक मापदंड और ग्राउंड टेस्ट से गुजरते हुए।

अनंत ज्ञान, सोलन

प्रदेश सरकार द्वारा जारी की गई अधिसूचना के अनुसार हिमाचल पुलिस में 1226 पदों के पुरुष एवं महिला आरक्षियों की भर्ती के लिए सोलन में शारीरिक मापदंड और ग्राउंड टेस्ट की प्रक्रिया चल रही है।

एसपी सोलन गौरव सिंह के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक भर्ती प्रक्रिया में जिला सोलन के पुलिस ग्राउंड में कुल 1100 पुरुष उम्मीदवारों को शारीरिक मापदंड/ दक्षता परीक्षा के लिए बुलाया गया था, जिनमें से 773 पुरुष उम्मीदवारों ने भाग लिया। उक्त पुरुष उम्मीदवारों में से 104 पुरुष उम्मीदवार शारीरिक मापदंड और ग्राउंड टेस्ट पास करने में सफल रहे तथा 669 पुरुष उम्मीदवार ग्राउंड टेस्ट पास करने में असफल रहे।

चांदनी मिस, रीतिक बने मिस्टर फेयरवेल

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय घनागुघाट में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए एक भव्य और यादगार विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन की पूरी जिम्मेदारी कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों ने संभाली, जिन्होंने अपनी मेहनत और उत्साह से कार्यक्रम को शानदार बनाया। विदाई समारोह की शुरुआत अंग्रेजी प्रवक्ता पुष्पेंद्र कौशिक द्वारा सभी अतिथियों और 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के स्वागत से हुई। उन्होंने छात्रों को बोर्ड परीक्षा के लिए शुभकामनाएं देते हुए उन्हें आत्मविश्वास और समर्पण के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने की प्रेरणा दी। इसके बाद रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत हुई, जिसमें कक्षा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर चांदनी रघुवंशी को मिस फेयरवेल और रीतिक ठाकुर को मिस्टर फेयरवेल के खिताब से सम्मानित किया गया। वहीं, दिशा, वंदना, तुषार और अशरफ ने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया और रनरअप घोषित किए गए।

प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड बद्दी में कुंडली मारकर सालों से बैठे अधिकारी, नहीं बदल रही सरकार

भूपेंद्र चंदेल, बद्दी

औद्योगिक क्षेत्र बद्दी में प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड में लंबे समय से अधिकारी एक ही जगह पर कुंडली मारकर बैठे हुए हैं।

बोर्ड में तैनात अधिकारियों को एक ही स्टेशन पर बैठे हुए पांच से छह साल से अधिक का समय हो चुका है, लेकिन आज तक इन्हें बदला नहीं गया है। इन्हें बदलने का मामला अब हाई कोर्ट तक पहुंच चुका है। बद्दी के पर्यावरण प्रेमी किशन कुमार कसाना ने हाईकोर्ट में बद्दी के कुछ स्टोन क्रशरों द्वारा प्रदूषण फैलाए जाने और नियमों को ताक पर रखकर चलाने की एक याचिका दायर की है, जिसमें आरोप लगाया कि इन स्टोन क्रशरों पर आज तक बोर्ड कोई कार्रवाई नहीं कर पाया है। वहीं, याचिका में पर्यावरण प्रेमी ने प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड बद्दी के अधिकारियों को बदलने का मामला भी उठाया है, जिसमें अधिकारियों द्वारा निष्पक्ष कार्रवाई न करने के आरोप लगाए हैं। किशन कुमार का कहना है कि हाई कोर्ट में मामले की सुनवाई 10 मार्च को होगी। बद्दी में प्रदूषण बोर्ड में कई सालों से अधिकारी कुंडली मारकर बैठे है, जो न तो निष्पक्ष काम कर रहे हैं और न ही पर्यावरण को प्रदूषित होने से रोक पा रहे है। हाईकोर्ट में अधिकारियों को बदलने का मामला भी उठाया गया है। (अनंत ज्ञान)

प्रदूषण रोकने में फेल साबित हो रहा विभाग

औद्योगिक क्षेत्र बद्दी-नालागढ़ में हजारों की संख्या में उद्योग स्थापित हैं। कई उद्योग नदियों व खड्डों में प्रदूषित पानी छोड़कर प्रदूषण फैला रहे है। प्रदूषण इस स्तर तक फैल गया है कि अब किसानों के खेतों में सिंचाई योजनाओं के पानी में झागयुक्त पानी पहुंच रहा है, जिससे किसानों को चर्म रोग जैसी दिक्कतें होना शुरू हो चुकी हैं।

- प्रदूषण बोर्ड के अधिकारियों को बदलने का मामला अब हाईकोर्ट तक पहुंचा
- 10 मार्च को होगी हाईकोर्ट में मामले की सुनवाई

एक ही स्टेशन पर जेई से एसडीओ बन चुके

प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड में कुछ अधिकारी ऐसे भी हैं, जो इंडस्ट्री एरिया का मोह छोड़ने को तैयार नहीं हैं। यहां तक की एक ही स्टेशन पर जेई से एसडीओ भी बन चुके हैं, जिसके बाद भी एरिया को छोड़ने को तैयार नहीं हैं।

मुख्यमंत्री दे चुके बदलने के आदेश

मलाईदार पोस्ट व स्टेशनों पर कई सालों से कुंडली मारकर बैठे अधिकारी भी अब सरकार के रेडार पर आ चुके हैं। बीते दिनों मुख्यमंत्री ने खुद कई सालों से संवेदनशील पदों पर बैठे अधिकारियों को बदलने के निर्देश दिए थे, अब देखना होगा कि प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड बद्दी के इन अधिकारियों को सरकार बदल पाती है या नहीं।

दाड़ला-कनस्वाला मार्ग पर पुलिया बंद होने से सड़क पर बह रहा गंदा पानी

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट

दाड़ला-कनस्वाला संपर्क सड़क मार्ग पर शिव मंदिर के पास बनी पुलिया लोगों की परेशानी का सबब बनी हुई है। कई वर्षों से अधिक वर्षा से पुलिया बंद होने के कारण नाले का सारा पानी सड़क के ऊपर से बहता रहता है। अभी तक न तो विभाग का और न ही प्रशासन का ध्यान इस ओर गया है।

इस मार्ग से दाड़ला में चल रहे सरकारी व निजी पांच विद्यालयों के अधिकांश बच्चे अपने विद्यालय की ओर गमन करते हैं। इस नाले का बहाव इतना अधिक होता है कि इस स्थान पर सड़क को पार करना वृद्धों तथा बच्चों को जोखिम भरा हो जाता है। इलाके के समाजसेवी श्याम सिंह चौधरी, कमल ठाकुर, जगदीश्वर शुक्ला, हेमराज, प्रेम लाल हेत राम, श्याम सिंह, दिलीप सिंह, सुरेश गौतम, संत राम पंवर आदि का कहना है कि उन्होंने कई मर्तबा विभाग से इस बारे शिकायत की, लेकिन अभी तक विभाग पर कोई भी असर नहीं हुआ है। विभाग पुलिया के बीच फंसे कूड़े को इधर-उधर कर उस समय पुलिया को खोल देता है, लेकिन बाद में स्थिति जस की तस बनी रहती है। पुलिया बंद होने पर इस स्थान पर जल बहाव इतना अधिक हो जाता है कि कभी भी कोई अनहोनी हो सकती है। लोगों ने सरकार से गुहार लगाई कि जल्द इस पुलिया का कोई ठोस समाधान निकाला जाए, ताकि यहां से आवागमन करने वाले लोगों को राहत मिल सके।

विधानसभा उपाध्यक्ष आज से 8 मार्च तक सिरमौर के प्रवास पर

अनंत ज्ञान, नाहन। विधानसभा उपाध्यक्ष विनय कुमार आज खाली अछौन तथा सीऊन में लोगों की समस्याओं को सुनेंगे। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि वह 5 मार्च को हरिपुरधार कॉलेज के वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे तथा सायं को भुवाई में लोगों की जन समस्याओं को सुनेंगे। 6 को विधानसभा उपाध्यक्ष नाहन चैगान में खेल खेलो नशा छोडों थीम पर आयोजित 5वीं सिरमौर क्रिकेट कप प्रतियोगिता के समापन अवसर पर मुख्यातिथि के तौर पर उपस्थित रहेंगे तथा 7 को दीद बगड़ में रेणुकाजी डेम परियोजना, एचपीपीसीएल ददाहू द्वारा आयोजित एकदिवसीय आर एंड आर प्रशिक्षण एवं जागरूकता शिविर का लोकापर्ण करेंगे और 8 को लाना चेता में स्थानीय लोगों से मुलाकात करेंगे।

31 मार्च के बाद कमर्शियल गाड़ियों को नहीं मिलेगी टैक्स में कोई छूट

अनंत ज्ञान, नाहन

जिला सिरमौर के सभी कमर्शियल गाड़ियों के मालिकों को 31 मार्च तक या उससे पहले ही इस स्पेशल पॉलिसी का लाभ मिल सकेगा।

इसके पश्चात विभाग द्वारा कोई भी छूट नहीं दी जाएगी यदि 31 मार्च तक किसी भी गाड़ी की देनदारी पूरी नहीं की जाती है, तो गाड़ी मालिक अपने वाहन से संबंधित किसी भी प्रकार की सर्विस जैसे कि वाहन की पासिंग या परमिट के नवीनीकरण आदि का लाभ नहीं ले सकेगा और लंबित पड़ी राशि को पूरी पेनल्टी के साथ एक्साइज विभाग के पास ही जमा करवाना होगा। इसी सिलसिले में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी सिरमौर सोना चौहान द्वारा विभिन्न मालिकों के साथ बैठक की गई और इस बारे सूचना दी गई। साथ ही सभी से आग्रह किया कि वह इस बारे उनके परिचित अन्य गाड़ी मालिक को भी अवगत करवाएं और संबंधित कार्यालय में 31 मार्च से पहले पहले उक्त टैक्स संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत कर अपने वाहन के टैक्स की री-अस्सेमेंट करवाकर टैक्स क्लीयरेंस करवा लें, ताकि निर्धारित अवधि के पश्चात भी वह अपने गाड़ी का संचालन सुचारू रूप से कर सकें।

आयोजन संजय अवस्थी ने कहा, प्रत्येक व्यक्ति की समस्या का समाधान करना सरकार की प्राथमिकता

7 से आरंभ होगा 'विधायक गांव के द्वार' कार्यक्रम

अनंत ज्ञान, सोलन

अर्की के विधायक संजय अवस्थी ने कहा कि अर्की के प्रत्येक व्यक्ति की समस्याओं का उचित समाधान करना उनकी प्राथमिकता है।

संजय अवस्थी अर्की में लोगों की समस्याएं सुनने के उपरांत उपस्थित जनसमूह से वार्तालाप कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अर्की में विधायक गांव के द्वार कार्यक्रम की शुरुआत 7 मार्च से दूर-दराज की ग्राम पंचायत सारमा से की जाएगी। इसके उपरांत यह कार्यक्रम निरंतर सभी पंचायतों में आयोजित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम में उपमंडल स्तर के अधिकारियों की उपस्थिति में ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान मौके पर किया जाएगा। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने लोगों के जीवन को सरल बनाने के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं आरंभ की हैं। मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना, राजीव गांधी स्टार्ट-अप योजना, राजीव गांधी प्राकृतिक खेती स्टार्ट-अप योजना, इंदिरा गांधी बालिका सुरक्षा योजना, मुख्यमंत्री विधवा एवं एकल नारी आवास योजना जैसी विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं आरंभ की हैं।

युवाओं के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए प्रदेश सरकार गुणवत्ता युक्त शिक्षा तक सभी छात्रों की पहुंच सुनिश्चित बनाने के लिए प्रयासरत है। प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों में स्थापित किए जाने वाले राजीव गांधी डे-बोर्डिंग स्कूल इस दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होंगे। विधायक ने कहा कि अर्की के विकास के लिए प्रयासों में कोई कमी नहीं रखी जाएगी। क्षेत्र की सभी ग्राम पंचायतों की समस्याओं का समाधान चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को लोगों द्वारा प्रस्तुत समस्याओं के जल्द निपटारे के निर्देश दिए। इस अवसर पर नगर पंचायत अर्की के अध्यक्ष अनुज गुप्ता, राष्ट्रीय युवा कांग्रेस अर्की मंडल के अध्यक्ष सतीश कुमार (विक्की), कांग्रेस पार्टी के सतीश कश्यप, सुरेंद्र पाठक, धनीराम ठाकुर, प्यारेलाल, कमलेश शर्मा, उपमंडलाधिकारी अर्की यादविंदर पाल, खंड चिकित्सा अधिकारी अर्की डॉ. तारा चंद नेगी, जल शक्ति विभाग के अधिशाषी अभियंता विवेक कटोच, लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता शशिपाल, हिमाचल प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड अर्की के अधिशाषी अभियंता संदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

पवन और रोहित चौधरी बने महामंत्री

अनंत ज्ञान, नाहन। भाजपा मंडल पांवटा साहिब के प्रधान हितेंद्र कुमार ने मंडल की कार्यकारणी के विस्तार की घोषणा की। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल, हिमाचल प्रदेश संगठन महामंत्री सिद्धार्थन, शिमला लोकसभा सीट से सांसद सुरेश कश्यप, शिमला संसदीय क्षेत्र के प्रभारी व विधायक पांवटा साहिब सुखराम चौधरी, जिला अध्यक्ष धीरज गुप्ता सहित सभी वरिष्ठ और प्रमुख कार्यकर्ताओं से मंत्रणा के पश्चात हितेंद्र कुमार ने यह कार्यकारिणी घोषित की। घोषित कार्यकारिणी में अध्यक्ष हितेंद्र कुमार ने उपाध्यक्ष का कार्यभार अशोक शर्मा, सोमनाथ चौधरी, मयंक महावर और नवीन शर्मा को दिया गया है। वहीं, महामंत्री पवन चौधरी और रोहित चौधरी को बनाया गया है। कोषाध्यक्ष हेमा शर्मा को बनाया गया है। इसी प्रकार सचिव सर्वशक्ति भटनागर, बलदेव सिंह, शमीम अली, त्रिशला चौधरी और कुलदीप सैनी को नियुक्त किया गया है। मीडिया प्रभारी का कार्यभार सुखविंद्र सिंह को दिया गया है। प्रवक्ता सरिता ठाकुर को बनाया गया है।

होलोवे यूनिवर्सिटी व शूलिनी में एमओयू साइन

अनंत ज्ञान, सोलन

रॉयल होलोवे यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन और भारत की शीर्ष रैंकिंग वाली निजी विश्वविद्यालय शूलिनी यूनिवर्सिटी ने वैश्विक अकादमिक सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए अकादमिक वर्ष के लिए एक परिवर्तनकारी ड्यूल मास्टर्स डिग्री प्रोग्राम शुरू करने का एमओयू साइन किया है।

इसके तहत शूलिनी में मास्टर्स डिग्री कर रहे छात्र अपनी प्रारंभिक पढ़ाई भारत में पूरी करने के बाद रॉयल होलोवे में अपनी पढ़ाई जारी रख सकेंगे। यह 1+1 मास्टर्स प्रोग्राम छात्रों को शूलिनी यूनिवर्सिटी में एक वर्ष और फिर रॉयल होलोवे में एक वर्ष अध्ययन करने का अवसर प्रदान करेगा। इस कार्यक्रम के अंतर्गत यदि छात्र निर्धारित प्रवेश मानदंडों को पूरा करते हैं, तो वे रॉयल होलोवे के विशेष पोस्ट ग्रेजुएट पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं। अपनी प्रारंभिक पढ़ाई शूलिनी यूनिवर्सिटी में सफलतापूर्वक पूरी करने के बाद, छात्रों को रॉयल होलोवे में प्रवेश मिलेगा और अंततः वे रॉयल होलोवे, यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन की डिग्री तथा शूलिनी यूनिवर्सिटी का प्रमाण पत्र प्राप्त करेंगे। वाइस चांसलर शूलिनी यूनिवर्सिटी प्रोफेसर अतुल खोसला ने कहा कि रॉयल होलोवे के साथ यह सहयोग हमारे छात्रों को विश्व स्तरीय शिक्षा और शोध के अवसर प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने इसे शूलिनी यूनिवर्सिटी में एक वैश्विक शिक्षा वातावरण बनाने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन की वाइस चांसलर और प्रिंसिपल, प्रोफेसर जूली सैंडर्स ने कहा, हमें शूलिनी यूनिवर्सिटी के साथ अपनी दीर्घकालिक साझेदारी को अगले स्तर पर ले जाने की खुशी है। यह साझेदारी छात्रों के लिए शोध-समृद्ध सीखने के उत्कृष्ट अवसरों को बढ़ावा देने और रॉयल होलोवे में वैश्विक सोच और कार्य को प्रोत्साहित करने के हमारे मूलभूत संकल्प पर आधारित है।

यह समझौता बायोटेक्नोलॉजी/बायोसाइंसेज और साइकोलॉजी में 1+1 मास्टर्स प्रोग्राम की सुविधा प्रदान करता है और भविष्य में अन्य विषयों के लिए भी विस्तार की संभावना रखता है।

इस समझौते के तहत, छात्रों को अंग्रेजी भाषा दक्षता परीक्षा देनी होगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे रॉयल होलोवे के अकादमिक मानकों को पूरा कर रहे हैं। रॉयल होलोवे में अंतरराष्ट्रीय छात्रों का स्वागत और समर्थन किया जाता है।

विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय छात्रों की सहायता के लिए कई सेवाएं प्रदान करता है, ताकि वे यूके के शैक्षिक जीवन में आसानी से समायोजित हो सकें और अपनी पढ़ाई में सफल हो सकें। इनमें जल्दी प्रवेश की सुविधा, निशुल्क हवाई अड्डा पिकअप सेवा, न्यू टू द यूके गतिविधि कार्यक्रम और 'होम अवे फ्रॉम होम' जैसी योजनाएं शामिल हैं, जो छात्रों को अपने अनूठे सांस्कृतिक अनुभव साझा करने और पूरे शैक्षणिक वर्ष के दौरान एक समृद्ध वातावरण में सीखने का अवसर देती हैं।

न्यूज ब्रीफ

माय11 सर्किल की जियोस्टार के साथ साझेदारी

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। भारत के अग्रणी फैंटेसी स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म माय11 सर्किल ने टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की आधिकारिक डिजिटल स्ट्रीमिंग के लिए को-प्रजेंटिंग पार्टनर (सह-प्रस्तुति भागीदार) के रूप में जियोस्टार के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की है।

टंडन ने मेघवाल और कार्तिकेय से की भेंटवार्ता

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं हिमाचल प्रदेश भाजपा के सह प्रभारी संजय टंडन ने दिल्ली में कई वशिष्ट लोगों से भेंटवार्ता की और चंडीगढ़ और यहां के लोगों की समस्याओं की भी चर्चा की। टंडन ने भारत सरकार के विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और राज्यसभा सदस्य और मीडिया नेटवर्क के संस्थापक कार्तिकेय शर्मा से भेंटवार्ता की और उन्हें स्वयं की लिखी पुस्तक 'सनरेज' भेंट की। भेंटवार्ता के दौरान संजय टंडन ने सर्वप्रथम अर्जुन राम मेघवाल को पुनः मोदी सरकार में दोबारा मंत्री बनने पर बधाई दी। उन्होंने मेघवाल के साथ चंडीगढ़ के लोगों की विभिन्न समस्याओं के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की और उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया और उनके इस अमूल्य समय के लिए आभार व्यक्त किया।

हरियाणा के ट्यूबवेल ऑपरेटर्स का मानदेय बढ़ा

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने जल घरों में काम करने वाले ट्यूबवेल ऑपरेटर्स के मानदेय में वृद्धि की है। विकास एवं पंचायत विभाग की ओर से सभी जिला उपायुक्तों, जिला परिषदों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों, जिला पंचायत अधिकारियों और खंड विकास अधिकारियों के नाम सोमवार को पत्र जारी कर दिया गया है। यह फैसला मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और भारतीय मजदूर संघ के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के बीच शनिवार को चंडीगढ़ में हुई वार्ता में लिया गया था। इस बैठक में लिए गए फैसलों को अमली रूप देने के लिए मंगलवार को चंडीगढ़ में मुख्य सचिव तथा भारतीय मजदूर संघ के प्रतिनिधियों के बीच बैठक होने जा रही है। सोमवार को जारी पत्र में बढ़े मानदेय की सूचना दी गई है। छह हजार ग्रामीण ट्यूबवेल ऑपरेटर्स का वेतन भी बकाया है, जिसे जारी करने पर शनिवार को सहमति बनी थी। राज्य में करीब छह हजार ट्यूबवेल ऑपरेटर्स हैं, अब उन्हें 11 हजार 691 रुपए मासिक मानदेय के स्थान पर 12 हजार 342 रुपए मासिक मानदेय प्रदान किया जाएगा।

दोस्त के घर आए युवक की छत से गिरकर मौत

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। गुरुद्वारा चिल्ला साहिब के पास बीती रात एक युवक की मकान की छत से गिरकर मौत हो गई। सुबह घटना की सूचना मिलने पर शहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में पहुंचाया। युवक रात को अपने दोस्त के घर रूका हुआ था। सोमवार को शहर थाना प्रभारी सत्यवान ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने पर वे मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लिया। पुलिस इस मामले में बयान दर्ज कर आगामी कार्रवाई कर रही है। जानकारी के अनुसार पंजाब के गुरुदासपुर क्षेत्र निवासी 25 वर्षीय युवक सिरसा की एक पैथोलॉजी लैब में कार्यरत था। वह हुडा क्षेत्र में किराये का कमरा लेकर रहता था। रविवार रात को वह अपने दोस्त सुनील के पास उसके घर रूका हुआ था। बताया जा रहा है कि वह सुनील के घर छत पर खिड़की के पास सोया हुआ था। अचानक वह नीचे गिर गया। सोमवार तड़के करीब चार बजे पड़ोस के लोग उठे, तो उन्होंने नीचे एक युवक को गिरा देखा।

अखाड़ा संचालक हत्याकांड में दो आरोपी गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। गोली मारकर अखाड़ा संचालक युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस क्राइम यूनिट खरखौदा ने इस मामले को सुलझाते हुए आरोपियों को न्यायालय में पेशकर रिमांड पर लिया है। मृतक राकेश (35) ओमेक्स रोहतक में अपने परिवार के साथ रहता था और गांव सोहटी में अखाड़ा अमर पहलवान का संचालन करता था। 26 फरवरी को कुश्ती प्रतियोगिता के लिए गांव कुंडल गया था। प्रतियोगिता समाप्त होने के बाद, जब वह अपने बेटे अमृत और अन्य खिलाड़ियों के साथ घर लौटने के लिए गाड़ी की ओर बढ़ रहा था, तभी मनोज और उसका भांजा साहिल, हथियारों से लैस होकर वहां पहुंचे। आरोपियों ने राकेश पर कई गोलियां चलाईं। जान बचाने के लिए राकेश सड़क पर भागा, लेकिन आरोपियों ने उसका पीछा करते हुए उसे बार-बार गोली मारी। घायल राकेश को महंत सूर्यानाथ ने सेठी अस्पताल खरखौदा पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

ओवर रेट पर शराब बेची तो लाइसेंस होगा रद्द

कैबिनेट ने आबकारी नीति समेत 17 फैसलों को दी मंजूरी

जगदीश शर्मा, चंडीगढ़

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कैबिनेट की बैठक समाप्त हो गई है। बैठक में मुख्य 17 प्रस्तावों पर मुहर लगी है। उत्तराखंड में नई आबकारी नीति-2025 को कैबिनेट ने मंजूरी दी है। साथ ही गन्ने का न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करने का प्रस्ताव भी पास किया गया है। उत्तराखंड में एमआरपी से ज्यादा रेट पर शराब बेचने पर ठेके का लाइसेंस रद्द हो सकता है।

धामी कैबिनेट ने नई आबकारी नीति को मंजूरी दी है इसके तहत ये कड़े प्रावधान किए गए हैं। डिपार्टमेंटल स्टोर्स पर भी एमआरपी का नियम लागू रहेगा। इस नीति के अंतर्गत प्रदेश में मदिरा संबंधी व्यवसाय को नियंत्रित, पारदर्शी और जनहितकारी बनाना सुनिश्चित किया गया है। (अनंत ज्ञान)

आबकारी नीति-2025 की प्रमुख विशेषताएं

- जनसंवेदनाओं को राजस्वहित से सर्वोपरि रखते हुए एवं धार्मिक क्षेत्रों की पूरे विश्व में विशेष महत्ता के दृष्टिगत मद्य निषेध क्षेत्र एवं उसके निकटवर्ती संचालित मदिरा की बिक्री करने वाले अनुज्ञापनों को बंद किए जाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है।
- आबकारी नीति-2025 में वित्तीय वर्ष में वर्तमान संचालित उप दुकानों की व्यवस्था को समाप्त किया गया है।
- नई नीति में राज्य में संचालित मैट्रो मदिरा बिक्री व्यवस्था को पूर्णतः समाप्त कर दिया गया है, जिससे व्यवसाय पारदर्शी रहे एवं उपभोक्ताओं को नियंत्रित एवं सुव्यवस्थित सेवाएं उपलब्ध हो सकें।
- सरकार ने ओवररेटिंग की शिकायत पर सख्त कार्रवाई करते हुए मदिरा दुकानों के लाइसेंस रद्द करने का निर्णय लिया है। इस कदम से उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा को प्राथमिकता देते हुए, अनियमित वसूली पर प्रभावी रोक लगाई जा सकेगी।
- 2013 में लागू की गई डिपार्टमेंटल स्टोर नियमावली के अंतर्गत इन प्रतिष्ठानों को मनमाने दाम वसूलने की लगभग असीम छूट प्राप्त थी। वर्तमान सरकार ने उपभोक्ताओं के हितों को सर्वोपरि रखते हुए, डिपार्टमेंटल स्टोर्स में अधिकतम खुदरा मूल्य को अनिवार्य कर दिया है। साथ ही, ओवररेटिंग की शिकायत पर लाइसेंस निरस्त करने का प्रावधान भी लागू किया गया है, जिससे उपभोक्ता शोषण पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।
- आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए वित्त विभाग, उत्तराखंड शासन द्वारा 5060 करोड़ रुपए का आबकारी राजस्व लक्ष्य निर्धारित किया गया है।
- शराब व्यवसाय से जुड़े उत्तराखंड मूल एवं स्थायी निवासियों के विगत वर्षों में आर्थिक हानि के दृष्टिगत प्रस्तावित आबकारी नीति विषयक नियमावली, 2025 में आगामी दो वित्तीय वर्ष (2025-26 एवं 2026-27) के लिए मदिरा दुकानों के व्यवस्थापन हेतु नवीनीकरण का प्रावधान सम्मिलित है।
- मदिरा व्यवसाय में प्रदेश के मूल एवं स्थायी निवासियों को प्राथमिकता दी गई है, जिससे राज्य के नागरिकों को स्वरोजगार एवं आर्थिक संबल प्राप्त हो सके।
- उत्तराखंड आबकारी नीति विषयक नियमावली, 2025 के अंतर्गत मदिरा दुकानों का व्यवस्थापन नवीनीकरण उपरांत लॉटरी, प्रथम आवक प्रथम पावक तथा अधिकतम ऑफर जैसी पारदर्शी प्रक्रियाओं द्वारा किया जाएगा।
- पहले पर्वतीय क्षेत्रों के कृषकों एवं बागवानों को अपनी उपज के लिए उपयुक्त बाज़ार न मिलने से भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता था। अब, राज्य में उत्पादित फलों से वाइन तैयार करने वाली इकाइयों (वाइनरी) को अगले 15 वर्षों तक आबकारी शुल्क इत्यादि से मुक्त रखने का प्रावधान किया गया है।
- राज्य में मदिरा उद्योग में निवेश को प्रोत्साहित करने हेतु निर्यात शुल्क (एक्सपोर्ट ड्यूटी) में कटौती की गई है, जिससे नवीन औद्योगिक इकाइयों की स्थापना सम्भव हो एवं प्रदेश में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोज़गार के अवसरों के साथ राजस्व में वृद्धि हासिल हो।
- माल्ट एवं स्प्रिट उद्योगों को पर्वतीय अंचलों में आसानी से स्थापित करने हेतु विशेष सुविधाओं एवं अनुकूल प्रावधानों को शामिल किया गया है।
- विगत वर्ष की भांति मदिरा निर्माता कंपनियों के स्थान पर उत्तराखंड राज्य के मूल एवं स्थायी निवासियों को थोक मदिरा अनुज्ञापन जारी किए जाने की व्यवस्था जारी रहेगी।
- प्रदेश में स्थापित आसवनी इकाइयों (डिस्टिलरी) को स्थानीय कृषि एवं बागवानी उत्पादों का प्रयोग करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि किसानों को सीधा लाभ प्राप्त हो एवं उनकी आय में बढ़ोतरी हो सके।

पंजाब यूनिवर्सिटी में 40वीं वार्षिक खेल प्रतियोगिता 'स्पोर्ट्स4चेंज' संपन्न

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

पंजाब यूनिवर्सिटी के फुटबॉल मैदान पर 40वीं दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता 'स्पोर्ट4चेंज' सोमवार को साइंस क्विज के साथ संपन्न हुई, जिसमें विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों ने खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। मणिपुर स्टूडेंट्स एसोसिएशन चंडीगढ़ (एमएसएसी) और युवसत्ता, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को चंडीगढ़ प्रशासन के पर्यावरण विभाग का समर्थन प्राप्त था।

इस कार्यक्रम में फुटबॉल, शतरंज, कैरम, रस्साकशी, शॉट पुट और कई अन्य प्रतियोगिताएं शामिल थीं। इस प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्यातिथि आईएफएस अधिकारी बसंत राजकुमार ने किया, जबकि बैडमिंटन कोच एच शारदा देवी, युवसत्ता-एनजीओ के कार्यकारी सदस्य सतीश झाम्ब और अंतरराष्ट्रीय सिख परिसंघ के कर्नल जेएस मुल्तानी सम्मानित अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। इस अवसर पर मेजबान टीम और एसजीसी टीम के बीच एक रोमांचक बास्केटबॉल प्रदर्शनी मैच का भी आयोजन किया गया। प्रदर्शनी मैच ने बाकी प्रतियोगिताओं के लिए माहौल तैयार कर दिया, जिसमें लगभग 400-500 दर्शक एकत्रित हुए, जिन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहपूर्वक प्रदर्शन किया।

इस आयोजन का मुख्य आकर्षण फुटबॉल था, जिसमें 22 पुरुष टीमों और 3 महिला टीमों ने खिताब के लिए कड़ी टक्कर दी। खेल में कई रोमांचक पल और शानदार प्रदर्शन देखने को मिले, जिसमें मणिपुरी छात्रों की बेहतरीन प्रतिभा देखने को मिली। टीम अनएक्सपेक्टेड ने विजेता ट्रॉफी और टीम लोकटक ने पुरुष रनर्स अप ट्रॉफी जीती। चंडीगढ़ प्रशासन के पर्यावरण विभाग के निदेशक सौरभ कुमार ने कहा कि इस 'स्पोर्ट्स4चेंज' पहल का समर्थन करके पंजाब यूनिवर्सिटी ने एक बार फिर अपने विद्यार्थियों के लिए इस तरह के सुव्यवस्थित खेल आयोजनों के माध्यम से अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है।

गिलको इंटरनेशनल स्कूल में धूमधाम से मनाया 'द फेबल फेस्ट'

अनंत ज्ञान, मोहाली

गिलको इंटरनेशनल स्कूल में फाउंडेशनल स्टेज का वार्षिक समारोह 'द फेबल फेस्ट' धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर किंडरगार्टन के बच्चों का ग्रेजुएशन सेरेमनी भी आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की थीम व्हेयर स्टोरीज कम अलाइव रही, जिसमें नन्हे बच्चों ने अपनी कला और हुनर से दर्शकों का मन मोह लिया। समारोह की शुरुआत स्कूल की ट्रस्टी परमजीत कौर गिल और प्रिंसिपल डॉ. कृतिका कौशल द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई। इसके बाद बच्चों ने संगीत, नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को यादगार बना दिया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण में से एक रहा ग्रेजुएटिंग छात्रों का जोशीला भंगड़ा, जिसने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। समारोह के अंत में हेडमिस्ट्रेस गुरसिमरन खोसला ने सभी का धन्यवाद किया और इसे यादगार बनाने के लिए शिक्षकों व अभिभावकों की सराहना की। प्रिंसिपल ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि हम अपने छात्रों की प्रगति और मेहनत पर गर्व करते हैं। यह वार्षिक और ग्रेजुएशन समारोह उनकी लगन और समर्पण का प्रमाण है। उन्होंने बच्चों को हर क्षेत्र में उत्कृष्टता की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

टाइकॉन-2025 के 10वें संस्करण का आगाज 6 से

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

उद्यमियों के लिए नए अवसर और ज्ञान का खजाना लेकर 10वां टाइकॉन चंडीगढ़ का आयोजन 6 और 7 मार्च को औद्योगिक क्षेत्र फेज 1 स्थित हयात रीजेंसी में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान समेत कई विचारक उपस्थित रहेंगे।

टाइकॉन, चंडीगढ़ के बारे में जानकारी देते हुए, टाई चंडीगढ़ चैप्टर के प्रेसिडेंट और एप्पमट्र्ज के को-फाउंडर सतीश कुमार अरोड़ा ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि दो दिवसीय इस भव्य आयोजन में हम अपनी समय-सिद्ध धरोहर पर ध्यान केंद्रित करेंगे, जिसमें हम सभी उभरते हुए उद्यमियों को उच्च गुणवत्ता वाली फंडिंग और मेंटरशिप प्रदान करते हैं, एक वैश्विक दृष्टिकोण को बढ़ावा देते हैं और उपस्थित लोगों के बीच सार्थक कनेक्शन बनाने में मदद करते हैं।

अरोड़ा ने कहा कि थ्राइव, एम्पावर और नर्चर के मुख्य विषय को ध्यान में रखते हुए, टाइकॉन-2025 एक सकारात्मक मंच प्रदान करेगा, जहां विशेषज्ञ टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मौजूदा विशेषज्ञता को साझा करने के तरीकों पर महत्वपूर्ण चर्चा करेंगे, ताकि गरीबी को कम करते हुए, वैश्विक स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा दिया जा सके और सतत विकास को बढ़ावा मिल सके। अरोड़ा ने यह भी बताया कि टाईकॉन चंडीगढ़ 2025 के दौरान 5 करोड़ रुपए की तत्काल फंडिंग की घोषणा ने अभूतपूर्व प्रतिक्रिया प्राप्त की है। 150 से अधिक आवेदन विभिन्न व्यापार क्षेत्रों से प्राप्त हुए हैं।

टाई चंडीगढ़ के वाइस प्रेसिडेंट और साइब्रेन सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के फाउंडर पुनीत वर्मा ने कहा कि भारत अपनी युवा प्रतिभाओं और जनसांख्यिकीय लाभांश के कारण अगले दशक में टेक्नोलॉजी क्षेत्र में महत्वपूर्ण वृद्धि के लिए तैयार है। पुनीत ने कहा कि पंजाब के गवर्नर गुलाब चंद कटारिया, पंजाब के सीएम भगवंत सिंह मान, उद्योग और वाणिज्य और सूचना प्रौद्योगिकी के अतिरिक्त मुख्य सचिव तेजवीर सिंह, आईएएस ने अपने प्रेरक और प्रेरणादायक विचारों और दृष्टिकोण से मंच को प्रेरित करेंगे।

मिजोरम में 60 करोड़ की ड्रग्स जब्त की

नई दिल्ली। असम राइफल्स ने मिजोरम पुलिस के साथ मिलकर 20 किलो से ज्यादा मेथमफेटामाइन (ड्रग्स) की गोलियां जब्त कीं। इसकी कीमत 60 करोड़ रुपए से ज्यादा बताई गई है। अधिकारियों ने कहा कि मिजोरम के चंफाई जिले के जोखावथर में ये कार्रवाई की गई थी।

हिमानी नरवान हत्याकांड का आरोपी गिरफ्तार

चंडीगढ़। हरियाणा में कांग्रेस कार्यकर्ता हिमानी नरवान की हत्या में बड़ा मोड़ आ गया है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान सचिन के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक सचिन ने ही हिमानी की हत्या की थी, उसने रविवार देर रात को दिल्ली के नांगलोई थाने में सरेंडर कर दिया, जिसके बाद रोहतक पुलिस ने उसे अपनी हिरासत में ले लिया है। उम्मीद जताई जा रही है कि पुलिस आज इस मामले में बड़ा खुलासा कर सकती है।

संसद सुरक्षा में सेंधः दिल्ली पुलिस से मांगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को दिल्ली पुलिस से कहा कि वह 13 दिसंबर, 2023 को संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने के मामले में गिरफ्तार एकमात्र महिला आरोपी नीलम आजाद की जमानत याचिका पर जवाब दाखिल करे। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह की पीठ ने आजाद की उस अर्जी पर अभियोजन पक्ष को नोटिस जारी किया। अदालत ने कहा कि अपील दायर करने में 142 दिन की देरी हुई है।

मणिपुर में दो उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार बरामद

इंफाल। मणिपुर के इंफाल पूर्वी जिले में प्रतिबंधित संगठन कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीपुल्स वार ग्रुप) के दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार उग्रवादियों की पहचान युमनाम अबुंग सिंह उर्फ चिंगकपा और थांगजाम जॉयकुमार सिंह के रूप में हुई है उन्होंने बताया कि उनके कब्जे से दो 9 एमएम पिस्तौल, दो मैगजीन, दो चीनी हथगोले, दस 9 एमएम कारतूस, दस 5.56 एमएम इंसास कारतूस और एक इंसास राइफल मैगजीन जब्त की गई।

पीएम मोदी ने जूनागढ़ में नेशनल रेफरल सेंटर की रखी आधारशिला

एजेंसी, अहमदाबाद

पीएम नरेंद्र मोदी इन दिनों तीन दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं। दौरे के दूसरे दिन सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी ने नेशनल बोर्ड फॉर वाइल्ड लाइफ की बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में वन्यजीवों से संबंधित राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों पर चर्चा की गई।

प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा की कि एशियाई शेरों की गणना इस वर्ष मई में की जाएगी। उन्होंने जूनागढ़ में वन्यजीवों के लिए 'नेशनल रेफरल सेंटर' की आधारशिला रखी। एनबीडब्ल्यूएल में 47 सदस्य हैं, जिनमें सेना प्रमुख, विभिन्न राज्यों के सदस्य शामिल हैं।

पीएम ने सफारी का लिया आनंद फोटोग्राफी में आजमाया हाथ

मोदी ने जूनागढ़ जिले स्थित 'गिर वन्यजीव अभयारण्य' में जंगल सफारी का आनंद लिया और एशियाई शेरों को करीब से देखा। पीएम मोदी डीएसएलआर कैमरे से शेरों की तस्वीरें खींचते नजर आ रहे हैं। एक अन्य तस्वीर में पीएम मोदी हाथ में कैमरा पकड़े शेरों की ओर देख रहे हैं। एक ऐसी भी तस्वीर है जिसमें मादा शेरनी शावक को दुलारती दिख रही है।

देश-विदेश

सांसद राशिद ने अंतरिम जमानत को दिल्ली हाईकोर्ट का खटखटाया दरवाजा

नई दिल्ली। आतंकवाद के वित्तपोषण के मामले में आरोपी जम्मू-कश्मीर के सांसद इंजीनियर राशिद ने संसद के बजट सत्र के दूसरे भाग में हिस्सा लेने के लिए अंतरिम जमानत का अनुरोध करते हुए दिल्ली की एक अदालत का रुख किया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश चंद्रजीत सिंह ने सोमवार को राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को पांच मार्च तक अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। अदालत के समक्ष 27 फरवरी को पेश किए गए आवेदन में इस आधार पर राहत देने का अनुरोध किया गया है कि राशिद सांसद हैं और उन्हें अपना सार्वजनिक कर्तव्य पूरा करने के लिए संसद के आगामी सत्र में भाग लेना आवश्यक है।

ट्रंप ने लगाई रूस के खिलाफ साइबर ऑपरेशन पर रोक

एजेंसी, वाशिंगटन

- कार्रवाइयों का रिव्यू भी करेगा अमेरिका
- यूक्रेन जंग पर साथ लाने की कोशिश

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने रूस के खिलाफ साइबर ऑपरेशन पर रोक लगा दी है। इस संबंध में रक्षामंत्री पीट हेगसेथ अमेरिकी साइबर कमांड को आदेश दिए हैं। ट्रंप प्रशासन रूस के खिलाफ की जाने वाली सभी कार्रवाइयों का रिव्यू कर रहा है। हालांकि, इस बारे में सार्वजनिक तौर पर जानकारी नहीं दी गई है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि यूक्रेन के मुद्दे पर रूस को बातचीत की टेबल पर लाना जरूरी है। मार्को ने कहा कि अगर पुतिन के प्रति विरोधी रवैया अपनाया जाता है, तो उन्हें टेबल पर नहीं ला पाएंगे। दो पूर्व अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, दो देशों के बीच कूटनीतिक और संवेदनशील बातचीत से पहले इस तरह के मिशन पर रोक लगाना आम बात है, लेकिन रूस के खिलाफ इस तरह के ऑपरेशन से पीछे हटना एक बड़ा दाव है। अधिकारियों के मुताबिक, रूस की तरफ से अमेरिकी खुफिया नेटवर्क में घुसने की कोशिश लगातार जारी है। ट्रंप प्रशासन के पहल हफ्ते में भी रूस ने इस तरह की कार्रवाई को अंजाम दिया। रूस की यह कोशिशें, उसके लंबे समय से चले आ रहे मिशन का हिस्सा हैं। पिछले कई सालों में अमेरिकी अस्पतालों और बुनियादी ढांचे पर रैनसमवेयर (साइबर) हमले लगातार बढ़े हैं।

मानहानि मामला: कोर्ट ने कांग्रेस नेता को आतिशी संजय सिंह से जानकारी साझा करने को कहा

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित को अपने मानहानि मुकदमे से संबंधित दस्तावेज आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं आतिशी और संजय सिंह के साथ साझा करने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पारस दलाल ने शिकायतकर्ता को यह भी निर्देश दिया कि वह कथित मानहानिकारक बयानों वाली 'पेन ड्राइव' की प्रति भी प्रतिवादियों को सौंपे।

कांग्रेस नेता ने मानहानि मामले में आरोप लगाया गया है कि पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी और 'आप' के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने 26 दिसंबर को एक संवाददाता सम्मेलन में दीक्षित पर भाजपा से करोड़ों रुपये लेने और कांग्रेस पर 'आप' को हराने के लिए भाजपा के साथ साठगांठ करने का आरोप लगाया था। मुकदमे में आरोप लगाया कि 'आप' नेताओं ने 'दीक्षित की छवि को नुकसान पहुंचाने' की कोशिश की।

जम्मू-कश्मीर में तीन आतंकियों की संपत्ति जब्त

जम्मू। पुंछ पुलिस ने किरनी गांवों में पाकिस्तान से एक्टिव तीन आतंकवादियों की 14.8 कनाल जमीन पर फैली चार संपत्तियों को जब्त कर लिया है।

जमीनों की कीमत लगभग 28 लाख रुपए है। नजब दीन, मोहम्मद लतीफ और मोहम्मद बशीर उर्फ टिक्का खान की हैं, जो पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) भाग गए हैं।

विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर फरवरी में 14 महीने के निचले स्तर पर पहुंची

एजेंसी, नई दिल्ली

नए ठेके और उत्पादन में कम वृद्धि के बीच फरवरी में भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर 14 महीने के निचले स्तर पर आ गई। एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी भारत विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) फरवरी में 56.3 अंक पर रहा, जो जनवरी के 57.7 अंक से कम है। हालांकि, विनिर्माण पीएमआई विस्तारकारी क्षेत्र में बना हुआ है। 50 से ऊपर अंक विस्तार को दर्शाता है, जबकि 50 से नीचे का अंक गतिविधियों में संकुचन का संकेत है। एचएसबीसी के भारत में मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि दिसंबर 2023 के बाद से उत्पादन वृद्धि सबसे कमजोर स्तर पर आ गई है।

जेलेंस्की बोले- अमेरिका बुलाएगा तो दोबारा जाऊंगा

एजेंसी, लंदन

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि वे अमेरिका-यूक्रेन मिनरल्स डील पर दस्तखत करने के लिए तैयार हैं।

जेलेंस्की ने लंदन में एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा कि वे पिछले हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बहस के बाद भी अमेरिका के साथ बातचीत करने को इच्छुक हैं। व्हाइट हाउस में हुई उस घटना का अमेरिका या यूक्रेन को नहीं, बल्कि सिर्फ रूसी राष्ट्रपति पुतिन को फायदा पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि अगर मुझे मिनरल डील के लिए बुलाया जाता है तो मैं व्हाइट हाउस वापस जाऊंगा। सुरक्षा गारंटी की शर्त फिर से रखी जेलेंस्की ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी की मांग सुनी जाएगी। दोनों पक्ष इस पर सहमत होते हैं तो डील पर दस्तखत किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वे बस चाहते हैं कि यूक्रेन का पक्ष भी सुना जाए। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे साझेदार याद रखें कि इस जंग में हमलावर कौन है। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी पोस्ट किया। इसमें उन्होंने कहा कि हम अमेरिका की अहमियत को समझते हैं। ऐसा कोई भी दिन नहीं गुजरा, जब हमने अमेरिका का एहसान न माना हो।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान के सुरक्षाबलों के बीच गोलीबारी

पेशावर। पाकिस्तानी और अफगानी बलों के बीच एक अहम सीमा क्रॉसिंग स्थल पर सोमवार तड़के गोलीबारी हुई। यह स्थल दोनों पड़ोसी देशों के बीच विवाद के कारण एक हफ्ते से अधिक समय से बंद है।

गोलीबारी में तोरखम क्रॉसिंग के दोनों ओर किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की ओर से वहां एक नई सीमा चौकी के निर्माण पर आपत्ति जताई है, जिसके कारण यह क्रॉसिंग 11 दिन से बंद है। दोनों देशों ने पहले भी गोलीबारी के कारण तोरखम और दक्षिण-पश्चिमी चमन सीमा क्रॉसिंग को बंद किया था। यह क्रॉसिंग पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच व्यापार एवं यात्रा के लिए महत्वपूर्ण हैं।

सेंसेक्स 112 अंक गिरा 73,085 पर हुआ बंद

एजेंसी, मुंबई

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को सेंसेक्स 112 अंक गिरकर 73,085 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में 5 अंकों की गिरावट रही, यह 22,119 के स्तर बंद हुआ।

सुबह सेंसेक्स ने हरे निशान में खुलने के बाद 73,649 का हाई बनाया था यानी ऊपरी स्तरों से बाजार में करीब 550 अंकों की गिरावट आई है। बैंक और मीडिया शेयर सबसे ज्यादा टूटे हैं। निफ्टी मीडिया इंडेक्स 1.10 फीसदी और बैंक इंडेक्स 0.48 फीसदी गिरकर बंद हुआ। निफ्टी रियल्टी में सबसे ज्यादा 1.26 फीसदी की तेजी रही। मेटल और आईटी इंडेक्स में भी 1 फीसदी से ज्यादा की तेजी रही। एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई में 1.70 फीसदी की तेजी रही। हांगकांग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.28 फीसदी चढ़ा। चीन का शंघाई कम्पोजिट 0.12 फीसदी गिरा।

ऑस्कर 2025 : 'अनोरा' को मिला सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार

एजेंसी, लॉस एंजिलिस

सीन बेकर के निर्देशन में बनी और एक यौन कर्मी के जीवन पर आधारित 'रोमांटिक कॉमेडी' फिल्म 'अनोरा' को रविवार को आयोजित 97वें अकादमी पुरस्कार समारोह में सर्वश्रेष्ठ फिल्म चुना गया। कान फिल्मोत्सव में भी पाल्म डी 'ओर पुरस्कार जीत चुकी 'अनोरा' ऐसी यौन कर्मी की कहानी को बयान करती है जिसका विवाह एक रूसी कुलीन वर्ग के युवक के साथ होता है। इस फिल्म को मात्र 60 लाख अमेरिकी डॉलर की लागत से बनाया गया है।

बेस्ट एक्ट्रेस मैडिसन बेस्ट एक्टर ब्रॉडी

'अनोरा' ने 'विकेड', 'ड्यूनः पार्ट टू', 'द ब्रूटलिस्ट', 'ए कम्प्लीट अननोन', कॉन्क्लेव, 'एमिलिया पेरेज', 'आई एम स्टिल हियर', 'निकेल बॉयज़' और 'द सब्सटेंस' को हराकर पुरस्कार जीता। वहीं, चार ऑस्कर जीतकर बेकर ने वॉल्ट डिज्नी के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली, जिन्होंने 1954 में चार अलग-अलग फिल्मों के लिए ऑस्कर जीता था। बेकर ने डॉल्बी थिएटर के मंच से चिल्लाकर कहा, स्वतंत्र फिल्में अमर रहें! 'द पियानिस्ट' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीतने के 22 साल बाद एड्रियन ब्रॉडी ने इस बार 'द ब्रूटलिस्ट' में दमदार भूमिका निभाकर एक बार फिर यह पुरस्कार अपने नाम किया। मिकी मैडिसन ने 'अनोरा' में अपने शानदार अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीता। सीन बेकर ने सर्वश्रेष्ठ निर्देशक, सर्वश्रेष्ठ मूल पटकथा और सर्वश्रेष्ठ संपादन की श्रेणी में भी पुरस्कार जीते। बेकर ने कहा, 'हमें फिल्मों से प्यार कहां से हुआ? सिनेमाघर में...। फिल्म निर्माता, बड़े पर्दे के लिए फिल्में बनाते रहें।' वहीं, दिल्ली में बनी लघु फिल्म 'अनुजा' ऑस्कर 2025 में सर्वश्रेष्ठ 'लाइव एक्शन शॉर्ट' फिल्म श्रेणी में पुरस्कार हासिल नहीं कर पाई।

स्पोर्ट्स विंडो

असम ने सीनियर महिला राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप में बिहार को 2-1 से हराया

एजेंसी, पंचकूला। असम ने 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के डिवीजन बी मैच में सोमवार को यहां ताऊ देवी लाल स्टेडियम में बिहार को 2-1 से हराया। पहले क्वार्टर में कड़ी टक्कर के बाद असम की कप्तान मुनमुनी दास (29वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर टीम का खाता खोला। खुशबू प्रजापति (59वें मिनट) भी सेट पीस को गोल में बदलकर टीम की बढ़त दोगुनी कर दी। बिहार के लिए 60वें मिनट में नुसरत खातून ने सांत्वना गोल किया। आंध्र प्रदेश ने डिवीजन सी के मैच में जम्मू-कश्मीर के खिलाफ 4-2 से जीत दर्ज की। इस मैच में आंध्र के लिए रेवती थलारी (3वें, 17वें), हरथी लोमाडा (36वें) और मद्दुगुला भवानी (45वें) ने गोल किये जबकि रजनी (10वां) और अंजू कुमारी (57वां) ने जम्मू कश्मीर के लिए दागे। इसी डिवीजन के पूल बी मैच में पुडुचेरी ने अरुणाचल पर 6-1 से शानदार जीत दर्ज की।

भारत के ग्रैंडमास्टर पा इनियान ने जीता कान ओपन शतरंज

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर पा इनियान ने हमवतन वी प्रनेश को नौवें और आखिरी दौर में हराकर फ्रांस में चल रहा

कान इंटरनेशनल ओपन जीत लिया। इनियान ने 7.5 अंक हासिल किए, जबकि दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय मास्टर आराध्य गर्ग दूसरे स्थान पर रहे। मौजूदा विश्व जूनियर चैंपियन कजाखस्तान के काजिबेक नोदेरबेक के भी सात अंक थे, जिन्हें टाइब्रेक के बाद तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। इनियान ने टूर्नामेंट में छह मुकाबले जीते और तीन ड्रॉ खेले। इस जीत से उन्हें 12 रेटिंग अंक मिले और अब वह 2600 ईएलओ अंक के करीब पहुंच गए हैं। उनके 2579 ईएलओ अंक हैं। टूर्नामेंट में 25 देशों के 147 खिलाड़ियों ने भाग लिया जिसमें छह ग्रैंडमास्टर और 21 अंतरराष्ट्रीय मास्टर शामिल थे।

खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों का आयोजन 9 से 12 मार्च तक

एजेंसी, श्रीनगर। खेलो इंडिया शीतकालीन खेल (केआईडटल्यूजी) 2025 के दूसरे चरण का आयोजन नौ से 12 मार्च तक गुलमर्ग में होगा। कश्मीर घाटी के ऊंचे इलाकों में पिछले कुछ दिनों से भारी हिमपात के बाद यह फैसला लिया गया। इन शीतकालीन खेलों को पहले 22 से 25 फरवरी तक आयोजित होना था, लेकिन गुलमर्ग में बर्फ की कमी के कारण इसे स्थगित करना पड़ा था। कश्मीर में इस साल हिमपात काफी कम हुआ है। जम्मू-कश्मीर खेल परिषद की सचिव नुजहत गुल ने पीटीआई को बताया, ''हम नौ से 12 मार्च तक खेलो इंडिया शीतकालीन खेल 2025 की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। देश भर के शीर्ष शीतकालीन खेल एथलीटों के इस आयोजन में भाग लेने की उम्मीद है।'' यह शीतकालीन खेलों का दूसरा चरण है जहां स्कीइंग और स्नोबोर्डिंग में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। खेलों का पहला चरण इस साल जनवरी में लद्दाख के लेह जिले में आयोजित किया गया था जहां आइस-स्केटिंग और आइस-हॉकी स्पर्धाओं का आयोजन हुआ था।

देखने लायक है यूजिनी बुचर्ड की खूबसूरती

कनाडा। कनाडा की टेनिस खिलाड़ी यूजिनी बुचर्ड की खूबसूरती भी देखने लायक है। वह कनाडा की पहली महिला खिलाड़ी हैं, जिन्होंने टेनिस में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया। इसके अलावा किसी भी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंचने वाली वह कनाडा की पहली टेनिस हैं।

फीफा ने पीएफएफ से हटाया प्रतिबंध

लाहौर। विश्व फुटबॉल की नियामक ईकाई फीफा ने पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ (पीएफएफ) पर लगाया गया प्रतिबंध हटा लिया है चूंकि पाकिस्तान ने खेल के सुचारु संचालन के लिये अपने संविधान में जरूरी बदलाव कर लिए हैं। फीफा ने पीएफएफ पर पांच फरवरी को प्रतिबंध लगाया था क्योंकि कांग्रेस सदस्य संविधान में जरूरी बदलाव नहीं कर सके थे। पीएफएफ कांग्रेस के सदस्यों ने जरूरी संशोधनों को लागू करने के लिये सहमति जताई। पीएफएफ के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि फीफा ने उन्हें रविवार को बताया कि प्रतिबंध हटा लिया गया है। जून 2019 से पाकिस्तान फुटबॉल का संचालन फीफा द्वारा नियुक्त समिति कर रही है जिसे विरोधी गुटों के बीच मतभेदों का समाधान करने और चुनाव कराने की जिम्मेदारी दी गई है। पिछले पांच साल में समिति के नेतृत्व में कई बदलावों के बावजूद पाकिस्तान फुटबॉल के मूल मसले जस के तस हैं। प्रतिबंध हटने के बाद अब पाकिस्तान 2027 एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर में भाग ले सकेगा जिसमें टीम को ग्रुप ई के पहले मैच में 25 मार्च को सीरिया से खेलना है।

चैंपियंस ट्रॉफी | पहला सेमीफाइनल आज | पैट कमिंस, हेजलवुड और स्टार्क के बगैर भी आस्ट्रेलियाई टीम काफी मजबूत

ऑस्ट्रेलिया से 14 साल का हिसाब चुकाने उतरेगा भारत

एजेंसी, दुबई

अतीत में ऐसा करने में भले ही वे नाकाम रहे हों, लेकिन इस बार स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन और हालात से वाकफियत के दम पर भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में मंगलवार को आस्ट्रेलिया के खिलाफ उतरेगी, तो आईसीसी टूर्नामेंटों के नॉकआउट मुकाबलों में मिले हर जख्म पर मरहम लगाने का इरादा होगा।

इसके साथ ही 2023 में अपनी धरती पर विश्व कप फाइनल में मिली हार का बदला चुकता करने का भी यह सुनहरा मौका है, जब भारत के दस मैचों के अश्वमेध अभियान पर फाइनल में आस्ट्रेलिया ने नकेल कसी थी। यह उतना आसान भी नहीं होगा क्योंकि पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क के बगैर भी आस्ट्रेलियाई टीम काफी मजबूत है। कुछ दिन पहले लाहौर में इंग्लैंड के खिलाफ 352 रन के लक्ष्य को हासिल करके उसने एक बार फिर यह साबित कर दिया है।

भारत को आखिरी बार आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में आस्ट्रेलिया पर जीत 2011 विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में मिली थी। भारत को आस्ट्रेलिया ने 2015 वनडे विश्व कप सेमीफाइनल और 2023 वनडे विश्व कप फाइनल में हराया । इसके अलावा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2023 में भी भारत को हराकर खिताब जीता। इस बार भारतीय टीम 14 साल की नाकामियों का हिसाब चुकता करने उतरेगी और उसके

आत्मविश्वास का कारण टीम में आला दर्जे के स्पिनरों की मौजूदगी है। टूर्नामेंट से पहले टीम में पांच स्पिनरों को शामिल करने के फैसले की काफी आलोचना हुई थी, लेकिन दुबई की धीमी पिचों पर अब यह मास्टरस्ट्रोक साबित हो रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि भारत को सारे मैच दुबई में खेलने का फायदा मिल रहा है, लेकिन असलियत यह है कि भारतीय टीम ने अपने प्रदर्शन में लगातार सुधार के प्रयास किए हैं। ऐसा नहीं है कि पिच से इतनी टर्न मिल रही है कि भारतीय गेंदबाजों कामयाब रहे है बल्कि इन पिचों पर उनका संयम कारगर साबित हुआ है। न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी लीग मैच में पांच विकेट लेने वाले स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने कहा,''यहां पिच रैंक टर्नर नहीं है जैसा कि लोग बोल रहे हैं। इससे थोड़ी मदद जरूर मिली है लेकिन आपको अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तो करना ही है।'' भारतीय स्पिन चौकड़ी चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ नौ विकेट लिए। उन्होंने 39 ओवरों में 128 डॉट गेंद डाली। केन विलियमसन जैसा धैर्यवान बल्लेबाज भी अक्षर पटेल के सामने संयम खो बैठा और केएल राहुल की स्टंपिंग का शिकार हो गया।

दूसरी ओर आस्ट्रेलिया के पास एकमात्र विशेषज्ञ स्पिनर एडम जम्पा है। उसे अनियमित स्पिनरों ग्लेन मैक्सवेल और ट्रेविस हेड से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

मैथ्यू शॉर्ट पिंडली की चोट के कारण बाहर हो गए हैं जिससे आस्ट्रेलिया के पास से एक और स्पिन गेंदबाजी विकल्प चला गया। विराट कोहली, रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर और शुभमन गिल की चुनौती काफी कठिन होगी। कप्तान रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच के बाद कहा था,''यह अच्छा मैच होगा। असस्ट्रेलिया का आईसीसी टूर्नामेंटों में अच्छा खेलने का इतिहास रहा है और अब हमें सब कुछ सही करना है । उम्मीद है कि हम ऐसा करने में कामयाब होंगे।'' भारत की नजरें ट्रेविस हेड और कप्तान स्टीव स्मिथ को जल्दी पवेलियन भेजने पर लगी होंगी। खासकर हेड ने पिछले कुछ साल में भारत को काफी परेशान किया है।

मैच : दोपहर 2 : 30 बजे से

संभावित टीमें

भारत। रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, ऋषभ पंत, रविंद्र जड़ेजा, वरुण चक्रवर्ती।

ऑस्ट्रेलिया: स्टीव स्मिथ (कप्तान), सीन एबट, एलेक्स कैरी, बेन ड्वार्शुइस, नाथन एलिस, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, आरोन हार्डी, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, स्पेंसर जॉनसन, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, तनवीर संघा, मैथ्यू शॉर्ट और एडम जम्पा।

पिच से हमें अलग तरह की मिली **चुनौतियां** : रोहित शर्मा

एजेंसी, दुबई

कप्तान रोहित शर्मा ने इस धारणा को खारिज किया कि सारे मैच दुबई में खेलने से उनकी टीम को चैंपियंस ट्रॉफी में फायदा हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह उनका घरेलू मैदान नहीं है और पिचों से उनकी टीम को अलग तरह की चुनौतियां मिली है।

पाकिस्तान, आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के कई पूर्व खिलाड़ियों ने कहा है कि भारत को सारे मैच एक ही जगह पर खेलने से दूसरी टीमों के मुकाबले हालात के अनुकूल बेहतर ढलने में मदद मिली है। रोहित ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल से पहले प्रेस कांफ्रेंस में कहा,''हर बार पिच से अलग तरह की चुनौती मिलती है। यहां हमने तीन मैच खेले हैं और तीनों मैचों में पिच का स्वभाव अलग रहा है। यह हमारा घर नहीं है, यह दुबई है। हमने यहां उतने मैच भी नहीं खेले हैं। यह हमारे लिए भी नया है।''

उन्होंने कहा कि उनकी टीम को आस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल से पहले तुरंत हालात के अनुरूप ढलना होगा।

भारत की स्पिन चौकड़ी ने बनाया दबाव : हेनरी

एजेंसी, दुबई

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने कहा है कि भारत को हालात की बेहतर जानकारी होने से उचित गेंदबाजी आक्रमण चुनने में मदद मिली और उनकी स्पिन चौकड़ी ने चैंपियंस ट्रॉफी मैच के दौरान लगातार दबाव बनाए रखा। भारतीय टीम सारे मैच दुबई में खेल रही है। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चार स्पिनरों वरुण चक्रवर्ती, रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल को उतारा और मैच 44 रन से जीता।

हेनरी ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा,''चार प्रमुख स्पिनरों के टीम में होने से उन्हें फायदा मिला। हालात की जानकारी होने से वे ऐसा कर सके। उन्होंने सही संयोजन चुना जो हमारे लिए चुनौतीपूर्ण रहा।'' उन्होंने कहा,''हमें पता था कि वे चार स्पिनरों को उतारेंगे जिन्होंने बेहतरीन गेंदबाजी की। उन्होंने हालात को बखूबी पढ़ा। हम ऐसा नहीं कर पाए।'' पांच विकेट लेने वाले चक्रवर्ती की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा,''उसने शानदार गेंदबाजी की। उसने अपना कौशल दिखाया और दोनों तरफ से गेंद को टर्न कराके हमें दबाव में रखा।''

वरुण के प्रदर्शन के बाद चार स्पिनर **लुभावना संयोजन**

एजेंसी, दुबई। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने यह नहीं बताया कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में वह चार स्पिनरों को लेकर उतरेंगे या नहीं, लेकिन कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ वरुण चक्रवर्ती के शानदार प्रदर्शन के बाद यह लुभावना विकल्प लग रहा है।

भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल को उतारा। चारों ने मिलकर नौ विकेट लिए और भारत ने 44 रन से जीत दर्ज की। रोहित ने सेमीफाइनल से पहले प्रेस कांफ्रेंस में कहा,''हमें सोचना होगा, अगर हम चार स्पिनरों को लेकर उतरना भी चाहें तो चार स्पिनरों की जगह कैसे बनेगी। मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं क्योंकि हम यहां के हालात से वाकिफ हैं और हमें पता है कि क्या काम करेगा और क्या नहीं।'' उन्होंने कहा,''इस पर विचार करेंगे कि सही संयोजन क्या होगा, लेकिन यह काफी लुभावना विकल्प है।'' तेज गेंदबाज हर्षित राणा के विकल्प के तौर पर खेलते हुए चक्रवर्ती ने 42 रन देकर पांच विकेट लिए। रोहित ने कहा,''उसने बता दिया कि वह क्या कर सकता है। अब हमें सोचना है कि सही संयोजन क्या होगा। उसने एक मैच खेला और वैसा ही प्रदर्शन किया, जैसा हम चाहते थे।''

प्राग मास्टर्स: प्रज्ञानानंदा ने अराविंद से ड्रॉ खेला

एजेंसी, प्राग। ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने भारत के अराविंद चिदंबरम के साथ प्राग मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के पांचवें दौर में ड्रॉ खेला और इन दोनों के पास अब पूरे एक अंक की बढत हो गई है। अराविंद और प्रज्ञानानंदा के 3.5 अंक हैं जबकि चीन के शीर्ष वरीयता प्राप्त वेइ यि, नीदरलैंड के अनीश गिरि, वियतनाम के कुआंग लीम ली और जर्मनी के विंसेंट केमेर इनके एक अंक पीछे हैं। बाकी चार प्रतियोगी छठे स्थान पर हैं जिनमें चेक गणराज्य के डेविड नवारा और एंगुयेन थाइ डेइ वान, अमेरिका के सैम शैंकलैंड और तुर्किये के गुरेल एडिज शामिल हैं। दस खिलाड़ियों के राउंड रॉबिन टूर्नामेंट के अभी चार दौर बाकी हैं। इस दिन सिर्फ एक मुकाबले का नतीजा निकल सका जब वेइ यि ने शैंकलैंड को हराया। अनीश ने डेइ वान से ड्रा खेला, जबकि डेविड नवारा ने केमेर को ड्रॉ पर रोका। ली ने एडिज के साथ ड्रॉ खेला।

हरफनमौला के तौर पर अपने सफर में अक्षर ने पाया आत्मविश्वास

एजेंसी, दुबई

सफेद गेंद के प्रारूप में उपयोगी हरफनमौला साबित हो रहे अक्षर पटेल की इस कामयाबी का श्रेय उनके आत्मविश्वास को जाता है। न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के आखिरी ग्रुप मैच में भारत को 44 रन से मिली जीत में अक्षर ने 42 रन बनाने के अलावा केन विलियमसन का महत्वपूर्ण विकेट भी लिया।

अक्षर ने मैच के बाद मिश्रित जोन में मीडिया से कहा,''पहले मुझे इतनी कामयाबी नहीं मिल पा रही थी और यह मेरे दिमाग में था कि मैं अपनी प्रतिभा दिखा नहीं पा रहा हूं। शायद मैं खुद पर ज्यादा दबाव डाल रहा था, जबकि मुझे पता था कि मुझमें प्रतिभा है।'' वेस्टइंडीज के खिलाफ

बारबाडोस में 2022 में 35 गेंद में 64 रन की उनकी नाबाद पारी से भारत ने 312 रन का मुश्किल लक्ष्य हासिल किया।

अक्षर ने कहा,''उस मैच के बाद मुझे लगा कि मैं फिनिशर साबित हो सकता हूं। मुझे पता था कि मैं फिनिशर का काम कर सकता हूं लेकिन यह आत्मविश्वास मिलते ही मैने ज्यादा नहीं सोचा कि मुझे अपनी बल्लेबाजी किसी के सामने साबित करनी है या नहीं।'' उन्होंने कहा,''मुझे लगा कि मैं कर सकता हूं और अगर अपना शत प्रतिशत दे सका तो लगातार अच्छा प्रदर्शन कर पाऊंगा।'' उन्होंने यह भी कहा कि बल्लेबाजी क्रम में ऊपर पांचवें स्थान पर भेजे जाने से भी एक हरफनमौला के रूप में उनके विकास में मदद मिली है।

ऑस्ट्रेलियाई चैंपियंस ट्रॉफी टीम में चोटिल शॉर्ट की जगह कोनोली

दुबई। युवा स्पिन गेंदबाजी हरफनमौला कूपर कोनोली को

चैंपियंस ट्रॉफी के नॉकआउट मुकाबले के लिए चोटिल मैथ्यू शॉर्ट की जगह ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है। शॉर्ट को अफगानिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान पिंडली में चोट लगी थी। पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ वनडे क्रिकेट में पदार्पण करने वाले 21 वर्ष के कोनोली को टूर्नामेंट में यात्रा रिजर्व में रखा गया था। आईसीसी टूर्नामेंट की तकनीकी समिति ने इस बदलाव को सोमवार को मंजूरी दे दी। कोनोली ने अभी तक आस्ट्रेलिया के लिए छह अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं जिनमें तीन वनडे हैं। आस्ट्रेलिया को मंगलवार को पहले सेमीफाइनल में भारत से खेलना है।

अजिंक्य रहाणे आईपीएल 2025 से पहले केकेआर के बने कप्तान

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे 22 मार्च से शुरू हो रही इंडियन प्रीमियर लीग में गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स की कप्तानी करेंगे। फ्रेंचाइजी ने सोमवार को इसकी घोषणा की।

रहाणे कप्तान के तौर पर श्रेयस अय्यर की जगह लेंगें। श्रेयस को इस साल आईपीएल नीलामी में पंजाब किंग्स ने अपनी टीम से जोड़ और वह उस टीम का नेतृत्व करेंगे। केकेआर का लंबे समय से प्रतिनिधित्व कर रहे वेंकटेश अय्यर को फ्रेंचाइजी ने उपकप्तान बनाया है। रहाणे ने यहां जारी एक बयान में कहा, ''केकेआर की अगुवाई करने का मौका मिलना सम्मान की बात है। यह आईपीएल की सबसे सफल फ्रेंचाइजी में से एक है। मुझे लगता है कि हमारे पास एक बेहतरीन और संतुलित टीम है। मैं सभी के साथ काम करने और अपने खिताब को बचाने की चुनौती लेने के लिए उत्सुक हूं।''

विश्व कप क्वालीफायर में अर्जेंटीना की कमान मेस्सी के हाथ में

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी ने उरूग्वे और ब्राजील के खिलाफ दक्षिण अमेरिका विश्व कप फुटबॉल क्वालीफाइंग मैचों के लिसे लियोनेल मेस्सी की अगुवाई में 33 खिलाड़ियों की प्रारंभिक टीम चुनी है। टीम में अंडर 21 स्ट्राइकर क्लाउडियो इचेवेरी को भी शामिल किया गया है जो हाल ही में मैनचेस्टर सिटी से जुड़े हैं। इनके अलवा निकोलस पाज, बेंजामिन डोमिनगेज और सैंटियागो कास्ट्रो भी टीम में हैं जो 21 वर्ष से कम उम्र के हैं। अर्जेंटीना 12 मैचों में 25 अंक लेकर शीर्ष पर है, जबकि उरुग्वे के 20 अंक हैं। पहला मैच मोंटेवीडियो में 21 मार्च को खेला जाएगा। इसके चार दिन बाद विश्व कप विजेता अर्जेंटीना टीम ब्यूनस आयर्स में ब्राजील से खेलेगी।

केकेआर ने आईपीएल के तीन खिताबों के सम्मान में तारामंडल में तीन सितारे किए पंजीकृत

एजेंसी, कोलकाता

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के तीन बार के चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स ने आधिकारिक तौर पर जेमिनी (मिथुन) तारामंडल के आसपास तीन सितारों को पंजीकृत किया है, जो टीम के 2012 (कोरबो), 2014 (लोरबो) और 2024 (जीतबो) में उनकी खिताबी जीत का प्रतीक हैं। साफ आसमान में इन तारों को को-ऑर्डिनेट्स (निर्देशांक) का उपयोग करके या क्यूआर कोड को स्कैन करके देखा जा सकता है।

केकेआर की मुख्य विपणन अधिकारी बिंदा डे ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''सितारों को उन तारीखों पर पंजीकृत किया गया है, जब हमने तीनों खिताब जीते थे। इन्हें 27 मई 2012, एक जून 2014 और 26 मई 2024 को पंजीकृत किया गया है।'' उन्होंने कहा, ''तीनों सितारों को मिथुन तारामंडल के आसपास से चुना गया है, क्योंकि ये तीनों तिथियां मिथुन राशि में आती हैं। इन में से शिखर पर काबिज तीसरा सितारा हमें इस साल की हमारी सफलता को लेकर एक शानदार एहसास देता है।''

नाइट राइडर्स दुनिया भर में चार टीमों के साथ एक वैश्विक फ्रेंचाइजी है। केकेआर के लंबे समय से चले आ रहे आदर्श वाक्य कोरबो (प्ले), लोरबो (संघर्ष) और जीतबो (जीत) के नाम पर नामित तीन सितारे टीम की चैंपियनशिप-विरासत के लिए एक सम्मान की तरह है। बिंदा ने कहा, '' केकेआर ने विरासत में बनाए रखने के लिए अपनी पहुंच को पिच से परे ब्रह्मांड में ले गया। हमारे आईपीएल खिताबों के सम्मान में मिथुन तारामंडल के चारों ओर इन तीन सितारों को पंजीकृत करके हमने अपनी तरह का पहला खगोलीय उत्सव मनाया है। 'कोरबो, लोरबो, जीतबो' अब सिर्फ हमारा आदर्श वाक्य नहीं है, बल्कि यह सितारों में भी लिखा है।''

ओपिनियन | टीम प्रबंधन को पूरे अंक जाते हैं, जिसने उसे उतारने का लिया फैसला

चक्रवर्ती को मौके देने का समय आ गया है : शास्त्री

एजेंसी, दुबई

पूर्व खिलाड़ियों ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करने वाले वरुण चक्रवर्ती की तारीफ की है और रवि शास्त्री ने कहा है कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में उसे खिलाना चाहिए। चक्रवर्ती ने न्यूजीलैंड पर आखिरी ग्रुप मैच में 44 रन से मिली जीत में 42 रन देकर पांच विकेट लिए।

भारत के पूर्व मुख्य कोच शास्त्री ने इंस्टाग्राम पर आईसीसी द्वारा डाले गए वीडियो में कहा,''मैं उससे काफी प्रभावित हूं। टीम प्रबंधन को पूरे अंक जाते हैं जिसने उसे उतारने का फैसला लिया। बीच के ओवरों में वह विकेट दिलाने वाला गेंदबाज है।'' उन्होंने कहा,''यह सही समय है कि उसे मौके दिए जाएं। उसे टीम में शामिल किया तो उसने पांच विकेट ले लिए। उसके मौजूदा फॉर्म और हाव भाव को देखें, उसके आत्मविश्वास और कौशल को देखें। टूर्नामेंट में अब न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका बचे हैं और उन्होंने उसके खिलाफ ज्यादा खेला नहीं है।''

शास्त्री ने कहा,''मुझे लगता है कि इसी एकादश को उतारना चाहिए क्योंकि 48 घंटे के भीतर ही खेलना है। स्पिनरों की भूमिका अहम रहने वाली है।''

पहले स्पैल के पूर्व मैं नर्वस और भावुक था : चक्रवर्ती

दुबई। वरुण चक्रवर्ती ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच विकेट लेकर दुबई की कड़वी यादों को मिटाया, लेकिन भारत के इस स्पिनर ने स्वीकार किया कि दिमाग में बार बार आ रही उन बातों के कारण वह पहले स्पैल से पूर्व 'नर्वस' हो गए थे। 33 वर्ष के चक्रवर्ती ने पाकिस्तान के खिलाफ 2021 टी20 विश्व कप के मैच में चार ओवर में 33 रन दे डाले थे, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली थी। पाकिस्तान ने भारत को उस मैच में दस विकेट से हराया था। चार साल बाद चैंपियंस ट्रॉफी के आखिरी ग्रुप मैच में इसी मैदान पर चक्रवर्ती ने 42 रन देकर पांच विकेट चटकाए जिसके दम पर भारत ने 44 रन से जीत दर्ज की। चक्रवर्ती ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा,''2021 में मेरा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था, लेकिन अब अच्छा लग रहा है। मैं पहले स्पैल से पूर्व नर्वस था। दिमाग में बार-बार यही चल रहा था, क्योंकि इसी मैदान पर तीन साल पहले वह सब हुआ था।'' उन्होंने कहा,''बार बार जज्बात उमड़ रहे थे और मैं उन्हें अनदेखा करने की कोशिश कर रहा था। इसके बाद विराट भाई, रोहित और हार्दिक ने मुझे कहा कि शांत रहो। वे बार-बार आकर मुझसे बात कर रहे थे जिससे काफी मदद मिली।''